वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2020-2021

भारतीय जन संचार संस्थान
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

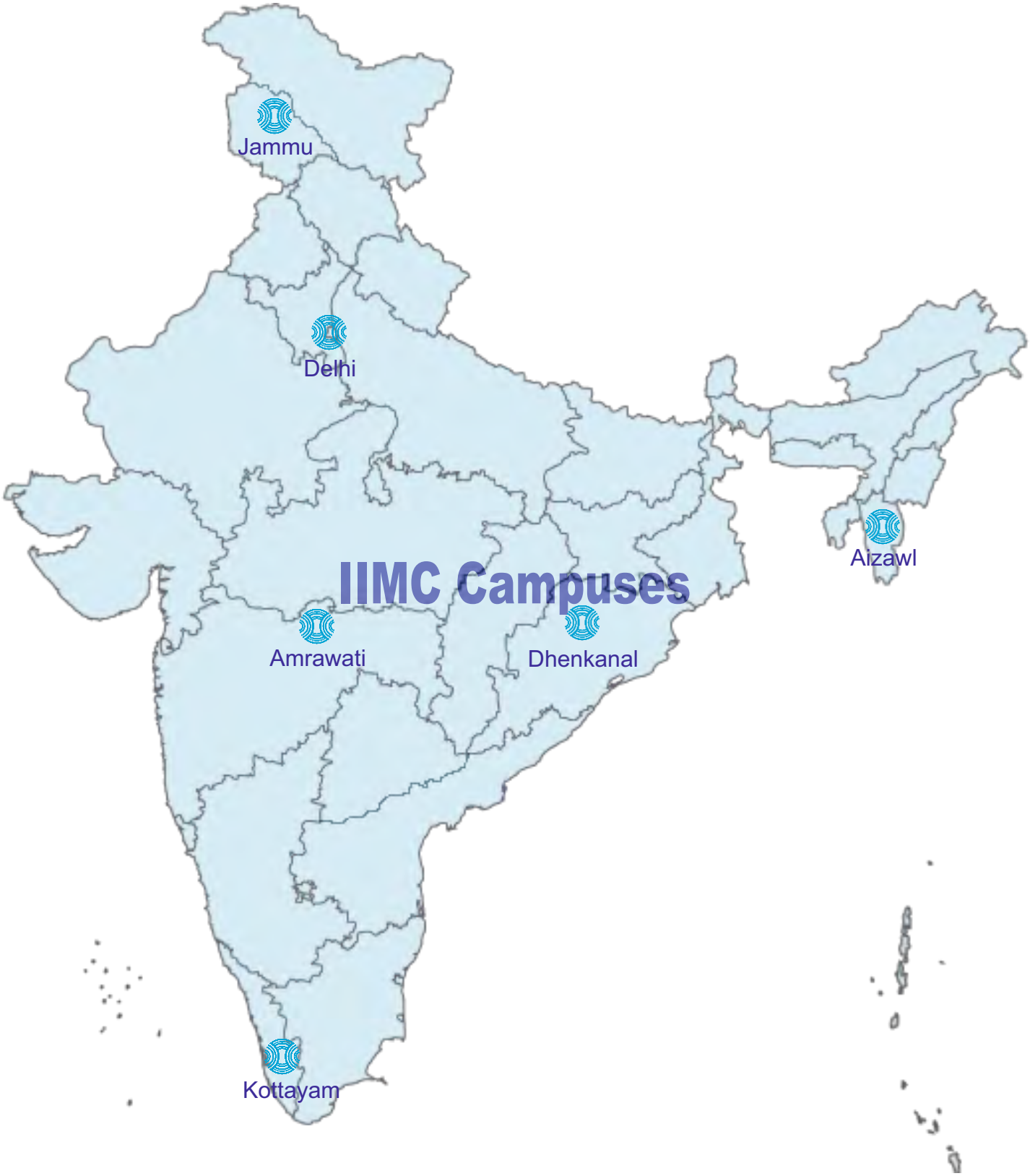
IIMC Campuses
Jammu
Delhi
Aizawl
Amrawati
Dhenkanal
Kottayam

वार्षिक रिपोर्ट

2020-2021

भारतीय जन संचार संस्थान

नई दिल्ली

प्रस्तावना

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का XXI) के तहत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत है और इसकी स्थापना 17 अगस्त 1965 को हुई थी। इसकी स्थापना मीडिया और जन संचार के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के मूलभूत लक्ष्यों की पूर्ति हेतु की गई थी।

संस्थान की शुरुआत बहुत कम कर्मचारियों के साथ हुई थी, जिनमें निदेशक के अलावा चार प्राध्यापक और यूनेस्को का एक परामर्शदाता शामिल था। यह संस्थान केंद्र और राज्य सरकारों के सूचना सेवा अधिकारियों के साथ ही साथ कोलंबो योजना के अंतर्गत कुछ विदेशी प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन तथा छोटे पैमाने पर शोध अध्ययन करता था। पिछले 54 वर्षों में संस्थान अपनी स्थापना के मूल उद्देश्य "केंद्र और राज्य सरकारों के कर्मियों को सूचना और प्रचार प्रदान करना, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उद्योगों की सूचना और प्रचार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना" के अनुरूप आधुनिक दौर में तेजी से विस्तृत तथा परिवर्तित होते मीडिया जगत की विविध एवं अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अनेक विशिष्ट पाठ्यक्रमों का सफल संचालन करता आ रहा है।

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार, संस्थान भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के अलावा प्रिंट पत्रकारिता (अंग्रेजी, हिंदी, उड़िया, उर्दू, मराठी और मलयालम), रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता और विज्ञापन एवं जन संपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। संस्थान 1969 से ही अफ्रीकी, एशियाई, लातिन अमरीकी और पूर्वी यूरोपीय देशों के मिडल-लेवल श्रमजीवी पत्रकारों के लिए विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का आयोजन कर रहा है। इनका आयोजन विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित वर्तमान में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटेक), विशेष राष्ट्रमंडल अफ्रीकी सहायता योजना (एससीएएपी) तथा कोलंबो योजना के तहत तकनीकी सहयोग योजना (टीसीएस) के अंतर्गत किया जा रहा है। संस्थान केंद्र और राज्य सरकारों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों के मीडिया, प्रचार और प्रचालन से जुड़े संचार कर्मियों की प्रशिक्षण संबंधी निरंतर बढ़ती आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विशेष तौर पर सेना और पुलिस के अधिकारियों के लिए एक सप्ताह से चार सप्ताह तक की अवधि के विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। संस्थान विविध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से प्रशिक्षण, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं इत्यादि का आयोजन करता है तथा संयुक्त शोध परियोजनाओं पर भी कार्य करता है।

हाल के दिनों में जन संचार के क्षेत्र में आमूल-चूल बदलाव हुए हैं और यह क्षेत्र निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करने में सबसे अहम भूमिका निभाने वाले कारक के रूप में उभरा है। जन संचार ने बड़ी ही तेजी से महत्व एवं प्रमुखता हासिल की है तथा यह विभिन्न शैक्षणिक विधाओं के विद्यार्थियों के आकर्षण का बहुत बड़ा केंद्र बन चुका है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आई क्रांति ने संचार माध्यमों के विस्तार और उनकी बदलती रूपरेखा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसने इस क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थियों, शिक्षकों और व्यवसायियों के लिए बड़ी चुनौतियां भी खड़ी की हैं। तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी शिक्षण के स्वरूप को भी इस तरह बदल रही है जो शिक्षा के किसी भी अन्य क्षेत्र के लिए अज्ञात है। निश्चित तौर पर समय की मांग यही है कि न्यू मीडिया से जुड़ने की संभावनाओं का पता लगाने और उन्हें विस्तृत बनाने के साथ ही साथ संचार माध्यमों की प्रभावशीलता बरकरार रखने और बढ़ाने के लिए उभरती चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटा जाए।

तदनुसार, संस्थान तेजी से बदलते परिवेश द्वारा उत्पन्न समकालीन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए अपने पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या का लगातार मूल्यांकन और उनमें संशोधन करता रहता है। यह बदले हुए परिदृश्य में भी संस्थान द्वारा संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की प्रभावशीलता को बनाए रखता है।

संस्थान विविध मीडिया संस्थानों से जुड़ने की इच्छा रखने वाले युवकों और युवतियों को आवश्यक मूलभूत कौशलों और तकनीकों से लैस करता है तथा इस क्षेत्र के विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। सूचना और संचार के प्रसार को विकास प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक माना जाता है, इसलिए संस्थान द्वारा अपने छात्रों को समाज के उपयोगी सदस्यों के रूप में तैयार करने में सहायता देने का प्रयास किया जाता है। यही संस्थान और इसके पूर्व छात्रों को एक अलग पहचान देता है और विशिष्ट बनाता है।

संस्थान सूचना के ऐसे ढांचे का निर्माण करने और मज़बूत बनाने में योगदान देने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है, जो न केवल भारत की आवश्यकताओं के लिए, अपितु सभी विकासशील देशों के लिए भी उपयोगी हो। आईआईएमसी केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों और इकाइयों, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के अनुरोध पर अन्य संस्थाओं, संगठनों और निकायों को अपनी विशेषज्ञता और परामर्श सेवाएं प्रदान करता है।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियों की बढ़ती लोकप्रियता तथा क्षेत्रीय ज़रूरतों की पूर्ति करने की दृष्टि से संस्थान ने 1993 में ढेंकनाल, ओडिशा में क्षेत्रीय परिसर प्रारंभ किया। क्षेत्रीय परिसर वर्तमान में दो

पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं जिनमें ढेंकनाल परिसर में अंग्रेजी एवं उड़िया भाषाओं में पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, अमरावती परिसर में अंग्रेजी एवं मराठी में पत्रकारिता तथा कोट्टयम परिसर में अंग्रेजी एवं मलयालयम में पत्रकारिता पाठ्यक्रम शामिल हैं। आईआईएमसी के दो अन्य क्षेत्रीय परिसर आइज़ोल (मिजोरम) और जम्मू (जम्मू-कश्मीर) अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहे हैं।

स्थापना के पचास से भी अधिक वर्षों तक निरंतर अथक परिश्रम तथा बेहतरीन परिणाम देने की भावना कायम रखने की कोशिश के कारण ही संस्थान ने संचार शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में ''उत्कृष्टता का केंद्र'' की अनुकरणीय ख्याति हासिल की है।

भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों का प्रशिक्षण

आईआईएस प्रशिक्षण

आईआईएमसी वर्ष 1965 में अपनी स्थापना के समय से ही भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) की प्रशिक्षण अकादमी के रूप में कार्य कर रहा है, जिसे उस समय केंद्रीय सूचना सेवा के नाम से जाना जाता था। यह भारत सरकार की केंद्रीय लोक सेवाओं में से एक थी। संस्थान आईआईएस समूह 'क' अधिकारियों को प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान करता है जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से भर्ती किए जाते हैं। यह आईआईएस समूह 'ख' अधिकारियों को मूलभूत प्रशिक्षण (फाउंडेशन ट्रेनिंग) भी प्रदान करता है, जो पत्रकारिता के पूर्व अनुभव के आधार पर भर्ती किए जाते हैं।

सरकार और जनता के बीच कड़ी का काम करने वाले आईआईएस अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत परामर्शों के माध्यम से नवीकरण किया गया है और उसे व्यापक बनाया गया है, ताकि सरकार के कामकाज एवं उसकी संचार व्यवस्था के बारे में जानकारी दी जा सके, भारत में मीडिया जगत की बड़ी तस्वीर का जायजा लिया जा सके और लोक संचार की बारीकियों को समझा जा सके।

आईआईएस समूह 'क' के लिए दो वर्षों के प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सैंडविच प्रशिक्षण मॉडल का अनुसरण किया जाता है। अपना बुनियादी पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद आईआईएमसी से जुड़ने वाले अधिकारी प्रशिक्षुओं (ओटी) को इस संस्थान में लोक संचार में 9 माह का व्यवसायिक प्रशिक्षण पूरा करना होता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के इस चरण में क्लासरूम व्याख्यान, प्रयोग, सिमुलेशन अभ्यास, स्थल भ्रमण तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और प्रमुख मीडिया कर्मियों के साथ संबद्धता और पारस्परिक बातचीत शामिल है। यूं तो इस समय डिजिटल पक्ष पर ज्यादा बल दिया जा रहा है परन्तु अच्छे लेखन एवं मौखिक सम्प्रेषण कौशलों की बुनियाद को भुलाया नहीं जा सकता।

आईआईएमसी में नौ माह का प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात प्रशिक्षु अधिकारियों को व्यवहारिक अनुभव हासिल करने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की विभिन्न मीडिया निदेशालय इकाइयों के साथ जोड़ा जाता है। आम तौर पर प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी सूचना प्रसार आउटरीच और प्रसारण से जुड़ी तीनों पृथक मीडिया इकाइयों में से प्रत्येक के साथ 3-4 महीने बिताता है।

ये प्रशिक्षु अधिकारी सेवाकालीन प्रशिक्षण में अपने 10 माह पूरे करने के पश्चात चरण -II के संक्षिप्त प्रशिक्षण हेतु आईआईएमसी में लौट आते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी के लर्निंग आउटकम का आकलन उसकी प्रस्तुतियों, संचालित परियोजनाओं और तैयार की गई रिपोर्टों के आधार पर किया जाता है। आईआईएमसी से उत्तीर्ण होने पर प्रशिक्षु अधिकारियों को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा विभिन्न मीडिया इकाइयों में तैनात किया जाता है।

वर्ष 2020-21 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत में कोविड महामारी की पहली लहर के दौरान भारतीय सूचना सेवा (समूह क) के 19 अधिकारियों के लिए चरण-1 प्रारंभिक प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक संपन्न कराना प्रशिक्षण प्रभाग के लिए वास्तव में चुनौतीपूर्ण था। ये प्रशिक्षु अधिकारी 2018 और 2019 के भर्ती बैच से थे। महामारी के कारण आवाजाही और एकत्र होने पर प्रतिबंध लगने

के मद्देनजर, प्रशिक्षण का दूसरा त्रैमासिक ऑनलाइन मोड में, जबकि तीसरा त्रैमासिक मिश्रित मोड में आयोजित किया गया। 10 महीने का यह प्रशिक्षण 4 दिसंबर 2020 को पूरा हुआ।

प्रशिक्षण के मुख्य अंश

- प्रशिक्षु अधिकारियों को **केंद्रीय बजट 2021** के आधिकारिक संचार से संबंधित विविध कार्य प्रणालियों और प्रक्रियाओं का व्यवहारिक अनुभव प्रदान किया गया।
- संसद में कार्य के संचालन और उससे संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं से उन्हें अवगत कराने के उद्देश्य से **संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड पूर्व बीपीएसटी)** में प्रशिक्षित किया गया।
- शिलांग में असम राइफल्स के साथ दो सप्ताह की **रक्षा सम्बद्धता** का उद्देश्य उन्हें रक्षा संचार और प्रकृति संरक्षण से जुड़े अध्ययनों, वन्यजीव और सामाजिक वानिकी के पहलुओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करना था।
- पहली बार, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में **विदेशी भाषा (चीनी/मंदारिन और स्पेनिश)** घटक को जोड़ा गया। प्रशिक्षु अधिकारियों के सेवाकालीन प्रशिक्षण के दौरान भी ऑनलाइन प्रारूप के माध्यम से कक्षाएं जारी रहीं।
- मार्च 2020 में, पहले लॉकडाउन के दौरान, प्रशिक्षु अधिकारियों को **पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली** में स्थापित नई इकाई -**फैक्ट चेक यूनिट** से जोड़ा गया। प्रशिक्षु अधिकारियों ने कोविड महामारी के संदर्भ में ऑनलाइन प्रसारित होने वाली फर्जी ख़बरों की पहचान और उनका भंडाफोड़ करने में अपार योगदान दिया। फैक्ट चेक यूनिट की स्थापना माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के आदेश का पालन करते हुए की गई थी।
- अधिकारी प्रशिक्षुओं ने **भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे** में फिल्म अप्रीशीऐशन और स्मार्टफोन फिल्म मेकिंग में तीन सप्ताह के ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- अधिकारी प्रशिक्षुओं को समाज कल्याण से संबंधित सरकार की योजनाओं और विकास से जुड़ी पहलों के संप्रेषण में शामिल चुनौतियों की संपूर्ण समझ प्रदान करने के लिए **सामाजिक क्षेत्र और आर्थिक क्षेत्र संचार** के बारे में चार सप्ताह के मॉड्यूल का आयोजन किया गया।
- गृह मंत्रालय के रिसोर्स पर्सन्स के साथ **आंतरिक सुरक्षा, संकट संचार और मनोवैज्ञानिक कार्रवाइयों** पर एक सप्ताह का मॉड्यूल आयोजित किया गया, जिसमें प्रशिक्षु अधिकारियों को इस क्षेत्र की संचार चुनौतियों से संवेदनशीलता और विशेषज्ञता के साथ निपटने की आवश्यकता के बारे में सूचित किया गया।
- रक्षा मंत्रालय के सहयोग से **रक्षा और सामरिक संचार और सार्वजनिक कूटनीति** पर एक सप्ताह के मॉड्यूल का आयोजन किया गया।
- प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रबंधन विकास संस्थान, गुरुग्राम से सम्बद्ध किया गया और उन्हें **संगठनात्मक प्रबंधन सिद्धांतों और नेतृत्व कौशल** के बारे में प्रशिक्षित किया गया।
- **सोशल मीडिया संचार**, आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया का प्रबंधन, फेक न्यूज की पहचान के लिए ऑनलाइन टूल्स और इंफोग्राफिक्स बनाने के बारे में विशेष सत्र आयोजित किए गए।
- **मीडिया कानूनों** तथा मीडिया और संचार से संबंधित अन्य वैधानिक प्रावधानों, कृत्रिम आसूचना, ओटीटी और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन सहित संचार में उभरती प्रौद्योगिकियों पर भी सत्र आयोजित किए गए।
- **नेतृत्व सिद्धांत**, गुण और व्यवहार पर एक सप्ताह की कार्यशाला भी आयोजित की गई।
- कार्यालय की कार्य प्रणालियों, फ़ाइल प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, लोक सेवा आचरण नियम आदि पर भी सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षु अधिकारियों को **सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत विभिन्न मीडिया संगठनों** जैसे भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक का कार्यालय (आरएनआई), प्रकाशन विभाग निदेशालय, पत्र सूचना कार्यालय, ब्यूरो ऑफ आउटरीच कम्युनिकेशन और फिल्म समारोह निदेशालय से ऑनलाइन मोड में संबद्ध किया गया।
- प्रशिक्षु अधिकारियों का मूल्यांकन पहली बार संवर्ग नियंत्रण प्राधिकरण यानी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत मीडिया इकाइयों के प्रमुखों के परामर्श से तैयार किए गए नए मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर किया गया।
- कोविड महामारी के मद्देनज़र, प्रशिक्षु अधिकारी 21-दिवसीय अध्ययन यात्रा - (भारत दर्शन) और कुछ अन्य संबद्धताएं नहीं कर सके, जिन्हें अन्यथा प्रारंभिक प्रशिक्षण के हिस्से के रूप किया जाता था।

आईआईएस समूह 'ख' (सीनियर ग्रेड) का मूलभूत प्रशिक्षण (फाउंडेशन ट्रेनिंग)

वर्ष 2020 में आईआईएस प्रशिक्षण प्रभाग ने आईआईएस समूह 'ख' (सीनियर ग्रेड) के 66 प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए ऑनलाइन मोड में पांच महीने के **संचार और मीडिया में फाउंडेशन ट्रेनिंग** का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इनमें से 19 अधिकारी दिल्ली स्थित मीडिया कार्यालयों में और शेष 47 अधिकारी भारत के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न मीडिया कार्यालयों में तैनात थे।

प्रशिक्षण में एफटीआईआई संबद्धता, प्राइड के साथ संसद से

संबद्धता, लीडरशिप पर मॉड्यूल, सोशल मीडिया पर मॉड्यूल, प्रशासन और वित्त के मूलभूत तत्व तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत विभिन्न मीडिया इकाइयों के साथ वर्चुअल अटैचमेंट शामिल थे।

आईआईएस समूह 'क' 2020 बैच का चरण-I प्रारंभिक प्रशिक्षण

वर्तमान में आईआईएस समूह 'क' के 2020 बैच के 16 प्रशिक्षु अधिकारी आईआईएमसी में चरण-I प्रारंभिक प्रशिक्षण ग्रहण कर रहे हैं। उनके प्रशिक्षण का औपचारिक उद्घाटन 25 जनवरी, 2021 को हुआ।

प्रारंभ में, 19 जनवरी, 2021 को छह प्रशिक्षु अधिकारियों ने अपना प्रशिक्षण शुरू किया, इसके बाद अप्रैल-मई 2021 में 10 प्रशिक्षु अधिकारी अपना विशेष फाउंडेशन कोर्स पूरा करने के बाद प्रारंभिक प्रशिक्षण में शामिल हुए।

कोविड की स्थिति के कारण, हालात सामान्य होने तक उनके प्रशिक्षण को ऑनलाइन मोड में स्थानांतरित कर दिया गया और प्रशिक्षु अधिकारियों के शामिल होने की अलग-अलग तिथियों को ध्यान में रखते हुए उनके प्रशिक्षण कैलेंडर को पुनर्निर्धारित किया जाएगा।

परिवीक्षा की समाप्ति

इस अवधि के दौरान, आईआईएस समूह 'क' के 2018 बैच के उन्नीस (19) प्रशिक्षु अधिकारियों ने परिवीक्षा और प्रशिक्षण अवधि के सफल समापन के परिणामस्वरूप अपनी नियमित पोस्टिंग प्राप्त की

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

संस्थान ने अपनी स्थापना के बाद से ही, अपने अथक प्रयासों से प्रशिक्षण की विषय वस्तु और कार्यान्वयन प्रणाली में निरंतर सुधार करते हुए मीडिया और संचार शिक्षा के क्षेत्र में विशेष स्थान बनाया है। आज इसे मीडिया और जन संचार क्षेत्र के प्रशिक्षण संस्थानों में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। यह इन क्षेत्रों में आने के इच्छुक व्यवसायियों के लिए हिंदी, अंग्रेजी, उड़िया, मराठी, मलयालम और उर्दू में पत्रकारिता, विज्ञापन एवं जन संपर्क तथा रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।

संस्थान की ओर से प्रस्तुत किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में, कक्षा में प्रशिक्षण, कठोर अभ्यासों, प्रायोगिक पत्रों, प्रोजेक्ट, फील्ड विजिट आदि का सार्थक सम्मिश्रण रहता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशलों से लैस करना और ग्रहण की गई शिक्षा को मीडिया और संचार क्षेत्र से संबंधित कार्यों की वास्तविकताओं के साथ सम्बद्ध करने का अवसर प्रदान करना है। इन पाठ्यक्रमों का लक्ष्य दृष्टिकोण प्रदान करने के अतिरिक्त समाज में मीडिया कर्मियों की भूमिका को परिभाषित करना भी है। परिवर्तित परिस्थितियों में पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता बरकरार रखने के लिए तेजी से विकसित होते इस क्षेत्र में उभरती परिपाटियों और प्रौद्योगिकी को समाहित करते हुए इन पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या की विषय वस्तु की निरंतर समीक्षा की जाती है और उनमें संशोधन किए जाते हैं। पाठ्यक्रम तैयार करते समय, इंडस्ट्री की विविध आवश्यकताओं को सदैव ध्यान में रखा जाता है ताकि विद्यार्थी ज़मीनी हकीकत के साथ - साथ नीतिपरक सरोकारों से भी अवगत हो सकें। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिम्मेदारी की भावना को समाविष्ट करना भी है, ताकि वे बहुभाषी, बहुधर्मी, और बहु-जातीय समाज में अपनी-अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने में समर्थ हो सकें।

संस्थान इंटर्नशिप/नौकरी दिलाने में भी अपने विद्यार्थियों की मदद करता है। वे सामान्यत: पाठ्यक्रम की समाप्ति के बाद कैम्पस प्लेसमेंट और अन्य तरीकों से समाचारपत्रों, टीवी चैनलों, मीडिया कार्यालयों और विज्ञापन एवं जन संपर्क एजेंसियों में सार्थक रोज़गार पाने में समर्थ हो पाते हैं।

हिंदी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

हिंदी पत्रकारिता में सबसे पुराने और विशिष्ट स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में से एक इस स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरूआत 1987-88 में हिंदी समाचार मीडिया के लिए कुशल और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित मीडिया व्यवसायियों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए की गई थी। इसका प्रारंभिक फोकस तेजी से बढ़ते हिंदी प्रिंट मीडिया जगत विशेषकर समाचारपत्रों और पत्रिकाओं पर था, परन्तु बाद में हिंदी समाचार टेलीविजन के विस्तार और वर्तमान में डिजिटल न्यूज मीडिया को देखते हुए इसने तुरन्त ही स्वयं को परिवर्तित करते हुए अपनी पाठ्यचर्या में प्रसारण पत्रकारिता के साथ डिजिटल पत्रकारिता को शामिल कर लिया। पाठ्यचर्या और शिक्षण को नियमित रूप से अद्यतन और संशोधित करते हुए यह पाठ्यक्रम हमेशा शिक्षण/प्रशिक्षण में नए रुझानों और विषयों को शामिल करने का प्रयास करता है ताकि इसे इंडस्ट्री की दृष्टि से उपयुक्त और अग्रणी बनाया जा सके।

इस पाठ्यक्रम का मुख्य फोकस समाचार एकत्रित करने, उसके निर्माण एवं प्रसार की प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावसायिक कौशल प्रदान करने पर है। यह प्रशिक्षुओं में नैतिक मानदंडों, उच्च व्यावसायिक मानकों और मीडिया कानूनों की समझ अंतर्निविष्ट करने पर बल देता है।

वर्ष 2020-21 के दौरान हिंदी पत्रकारिता पाठ्यक्रम में 67 छात्र थे, परन्तु एक छात्र ने पहले सेमेस्टर में ही पाठ्यक्रम छोड़ दिया। संस्थान के निर्णय के अनुसार, महामारी के कारण विभाग ने इस पाठ्यक्रम को

ऑनलाइन मोड में सफलतापूर्वक संचालित किया। दाखिले की प्रक्रिया में विलंब होने और इसे अगस्त, 2021 के मध्य तक बढ़ाए जाने के कारण यह पाठ्यक्रम देरी से नवम्बर के मध्य में आरंभ किया गया।

पाठ्यक्रम के प्रारंभिक चरण में संचार के सिद्धांत और अवधारणा, भाषा और संचार, अनुसंधान की पद्धतियां तथा इतिहास, कानून एवं आचार संहिता पर विशेष बल दिया गया। इसमें रिपोर्टिंग और संपादन जैसे पत्रकारिता के मूलभूत क्षेत्रों में सैद्धांतिक और साथ ही साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है। दोनों सेमेस्टरों में सैद्धांतिक और व्यावहारिक, दोनों पक्षों पर समान रूप से ध्यान दिया गया है।

विभाग ने इस वर्ष मूल्यांकन का सतत और व्यापक तरीका अपनाया। विभाग ने विद्यार्थियों को मीडिया जगत में हो रही नवीनतम घटनाओं की जानकारी दिए जाने को काफी महत्व दिया है। डाटा पत्रकारिता, मोबाइल पत्रकारिता और फैक्ट-चेकिंग पर विशेष कार्यशालाएं और सत्र आयोजित किए गए। विभाग ने डाटा पत्रकारिता, मोबाइल पत्रकारिता और फैक्ट चेकिंग के बारे में विशेष कार्यशालाएं और सत्र आयोजित किए।

बेशक, ऑनलाइन शिक्षण ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामने नई चुनौतियां प्रस्तुत कीं, लेकिन साथ ही इसने नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों की राह भी तैयार की। ऑनलाइन मोड की बदौलत देश के विभिन्न भागों में मौजूद विशेषज्ञों को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया जा सका। श्री अजय ब्रह्मात्मज (वरिष्ठ फिल्म समीक्षक) ने मुंबई से मनोरंजन और फिल्म पत्रकारिता के बारे में पढ़ाया, श्री नीलेश जैन (एक्जीक्यूटिव क्रिएटिव डायरेक्टर, ओगिल्वी) ने छात्रों के साथ रचनात्मकता पर चर्चा की और श्री लक्ष्मी प्रसाद पंत (राष्ट्रीय संपादक, दैनिक भास्कर) ने सिटी रिपोर्टिंग के बारे में व्याख्यान दिया।

पूर्व छात्रों से बातचीत/इंटरफ़ेस

आईआईएमसी को मीडिया में विभिन्न क्षेत्रों के लीडर तैयार करने का गौरव हासिल है। हिंदी पत्रकारिता विभाग में दोनों सेमेस्टर के दौरान पूर्व छात्रों ने कक्षाएं लीं। इस वर्ष हिंदी पत्रकारिता विभाग में कक्षाएं लेने वाले प्रमुख पूर्व छात्रों में श्री सौरभ द्विवेदी (संपादक, लल्लनटॉप), श्री प्रभाष झा (संपादक, हिंदुस्तान लाइव), श्री प्रसाद सान्याल (प्रधान संपादक, एचटी ऑनलाइन), स्वर्गीय श्रीमती रेणु अगाल (संपादक, प्रिंट-हिंदी), यूट्यूबर श्री वरुण वागीश, श्री सुशांत झा (संपादक, पेंगुइन-हिंदी), श्री विमल कुमार, श्री परिमल कुमार (एनडीटीवी-इंडिया), श्री विधांशु कुमार (बेनेट यूनिवर्सिटी), श्री रोहित विश्वकर्मा , श्री रणवीर शामिल रहे।

विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट

विद्यार्थियों ने अपनी पसंद के सामाजिक मसलों पर संपूर्ण विज्ञापन और जनसंपर्क कैम्पेन तैयार किया। साथ ही उद्यमिता पत्रकारिता पर विशेष बल दिया गया। विद्यार्थियों ने उद्यमिता के संबंध में अपने विचार समूहों में प्रस्तुत किये। विद्यार्थियों को उनकी कमियों पर गौर करने का अवसर देने वाली नियमित परीक्षाओं और असाइनमेंट के अलावा, विद्यार्थियों ने मिलकर कई समाचार प्रकाशन प्रकाशित किए।

दोनों सेमेस्टर के दौरान केंद्रीय बजट को समर्पित अंकों सहित 15 से अधिक लैब जर्नल/न्यूजलेटर निकाले गए। सबसे खास बात यह है कि विद्यार्थियों ने विभिन्न मुद्दों पर तीन पत्रिकाएं प्रकाशित कीं। 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समस्त छात्राओं की संपादकीय टीम ने *वामा* पत्रिका का प्रकाशन किया।

मई 2021 में, विद्यार्थियों के एक समूह ने *'योद्धा'* पत्रिका प्रकाशित की। इसमें कोविड -19 के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व करने वाले लोगों के योगदान पर प्रकाश डाला गया। अंत में जुलाई में, छात्रों ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय दल की हौसलाअफजाई करने के लिए खेल पत्रिका के एक विशेष अंक - 'खेल सम्राट' का प्रकाशन किया ।

प्लेसमेंट

संस्थान ने अपनी ओर से हरसंभव प्रयास करते हुए जुलाई, 2021 के अंतिम पखवाड़े के दौरान प्लेसमेंट पखवाड़े का आयोजन किया। प्लेसमेंट सेल के प्रयासों के कारण कई विद्यार्थी ज़ी मीडिया, एडफैक्टर्स पीआर और इनशॉर्ट्स जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में नौकरी पाने में समर्थ रहे। इसके अलावा, विद्यार्थियों ने स्वयं के प्रयासों से भी इंडिया टुडे, एनबीटी और रिपब्लिक जैसे प्रमुख समाचार संगठनों में प्लेसमेंट हासिल की।

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का उद्देश्य पेशेवरों को इस क्षेत्र की विशेषताएं और रणनीतियां सिखाकर पत्रकारिता और मीडिया उद्योग के लिए तैयार करना है। अंग्रेजी पत्रकारिता पाठ्यक्रम ने छात्रों को कई चैनलों के माध्यम से अपने पोर्टफोलियो तैयार करने में सहायता की है ताकि महामारी के बाद वे इस क्षेत्र में दृढ़ता से टिके रह सकें और अच्छा प्रदर्शन कर सकें। इस वर्ष की डिजिटल कक्षाओं ने अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझाने के लिए देश भर से और यहां तक कि भारत के बाहर से भी शिक्षकों को लाना संभव बनाया। छात्र कोने-कोने के बुद्धिजीवियों के साथ संवाद कर सके।

अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित कीं। सभी छह केंद्रों - दिल्ली, जम्मू, अमरावती, ढेंकनाल, कोट्टयम और आइज़ोल में

दो सेक्शन में संयुक्त कक्षाएं संचालित की गईं। कक्षाओं का संचालन दिल्ली केंद्र के अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग द्वारा पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. सुरभि दहिया के निर्देशन में क्षेत्रीय परिसरों के समन्वय से किया गया। कुल मिलाकर 163 छात्र थे (दिल्ली- 66, जम्मू-11, अमरावती-11, ढेंकनाल-53, कोट्टयम-13 और आइजोल-09)। पूरे बैच को सेक्शन ए (दिल्ली- 66, जम्मू-11, अमरावती-11) और सेक्शन बी (ढेंकनाल-53, कोट्टयम-13 और आइजोल-09) में बांटा गया। कक्षाएं अलग से आयोजित की जाती थीं और साथ ही साथ विशेष सत्रों के लिए उन्हें संयुक्त भी किया जाता था। 163 छात्रों के पूरे बैच को परिसरों के आधार पर 18 समूहों में बांटा गया था।

अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग आईआईएमसी वर्चुअल ओरिएंटेशन प्रोग्राम (2020-21 बैच) की आयोजक टीम था। इस विभाग ने दिल्ली, जम्मू, अमरावती, ढेंकनाल, कोट्टयम और आइज़ोल के विद्यार्थियों के लिए विशिष्ट रिपोर्टिंग पर अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाएं और विशेष व्याख्यान आयोजित किए। इस कार्यक्रम के आधार पर विभाग के विद्यार्थियों ने एक न्यूजलेटर भी तैयार किया। डॉ. सुरभि दहिया कार्यक्रम की संयोजक और डॉ. प्रमोद कुमार कार्यक्रम के सह संयोजक थे।

पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, विद्यार्थियों ने साल भर लैब जर्नल प्रकाशित किए। इस अवधि के दौरान अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग ने 108 लैब जर्नल प्रकाशित किए। ओरिएंटेशन प्रोग्राम के संबंध में न्यूजलेटर का एक विशेष संस्करण भी निकाला गया। विभाग की ओर से पत्रकारिता की विभिन्न बीट्स (स्वास्थ्य, पर्यावरण, राजनीतिक, सिटी रिपोर्टिंग, अपराध, ऐतिहासिक, रक्षा आदि) विशेष सत्र आयोजित किये गये जिसमें पत्रकारिता जगत के पेशेवरों को भी आमंत्रित किया गया था।

प्रमुख कदम
अंतर्राष्ट्रीय

- अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग, आईआईएमसी और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूकैसल, यूके द्वारा 6 जुलाई 2021 को "द आन्ट्रप्रनरीअल वूमन इन ऐन अन्सर्टन वर्ल्ड" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया था। प्रोफेसर केरेन रॉस और डॉ. सुरभि दहिया ने साझा रूप से यह पहल की। रिसोर्स पर्सन्स में सुश्री अमराई दुआ, सुश्री प्रीता घोषाल और सुश्री शाबिया वालिया शामिल थीं।

- विभाग ने अमेरिकी दूतावास द्वारा प्रायोजित "डिजिटल मीडिया स्टोरीटेलिंग एंड इंवेस्टिगेटिव जर्नलिज्म" पर 17 से 21 मई, 2021 तक एक सप्ताह का वर्चुअल कोर्स आयोजित किया। पुरस्कार विजेता पत्रकार और वाशिंगटन डीसी में विल्सन सेंटर की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री लिंडा रोथ इस अवसर पर रिसोर्स पर्सन थीं। प्रतिभागियों को इसमें प्रतिभागिता का प्रमाण पत्र भी जारी किए गए।

राष्ट्रीय

- ड्रोन पत्रकारिता पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। दो भागों में आयोजित इस कार्यशाला का पहला भाग 21 फरवरी 2021 को और दूसरा भाग 18 जून को आयोजित किया गया। इसके रिसोर्स पर्सन्स ग्रुप कैप्टन एम जे ऑगस्टीन विनोद वीएसएम (सेवानिवृत्त) और स्क्वाड्रन लीडर वर्षा कुकरेती (सेवानिवृत्त) थे।
- इसके बाद विभाग ने मोबाइल पत्रकारिता (मोजो) कार्यशाला का आयोजन किया। दो भागों में आयोजित इस कार्यशाला का पहला भाग 2 मार्च, 2021 को और दूसरा भाग 2 जुलाई, 2021 को आयोजित किया गया। इसका संचालन श्री विशाल अरोड़ा द्वारा किया गया। इसके अल 9 मार्च, 2021 को कॉमिक पत्रकारिता पर श्री शरद शर्मा द्वारा एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- विभाग के सेक्शन ए और सेक्शन बी के लिए फोटो पत्रकारिता पर अलग-अलग दो दिवसीय कार्यशाला "फोटोग्राफिया" आयोजित की गई। 16 और 17 जनवरी को यह कार्यशाला सेक्शन ए के लिए तथा 23 और 24 जनवरी को यह कार्यशाला सेक्शन बी के लिए आयोजित की गई। इसके रिसोर्स पर्सन्स डॉ.तबीना अंजुम, श्री हिमांशु व्यास और श्री अमित चटर्जी रहे।
- इसके अलावा, दो सप्ताह की कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई जिसमें ग्राफिक डिजाइनिंग के विविध व्यावहारिक पहलुओं और इनडिजाइन, क्वार्क एक्सप्रेस, फोटोशॉप और इलस्ट्रेटर के अभ्यास को शामिल किया गया। इसका संचालन श्री सुरेश चौधरी द्वारा 7 जून से 19 जून तक किया गया।
- भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू की मीडिया टीम और स्टाफ के लिए "इफैक्टिव यूज़ ऑफ सोशल मीडिया" विषय पर प्रो. सुरभि दहिया (समन्वयक और रिसोर्स पर्सन) ने एक कार्यशाला का आयोजन किया।

विज्ञापन एवं जन संपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

विज्ञापन एवं जन संपर्क विभाग आईआईएमसी के सबसे सफल विभागों में से एक है। लंबे समय से विभाग विज्ञापन और जन संपर्क उद्योग के लिए बेहतरीन पेशेवर तैयार करता आ रहा है। इस पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रदर्शित करने में सहायता देने के लिए डिज़ाइन की गई है। प्रत्येक पेपर विज्ञापन और जनसंपर्क के क्षेत्र के विभिन्न आयामों की आवश्यकताओं को पूरा करता है और इस उद्योग की नवीनतम आवश्यकताओं और परिवर्तनों से अवगत कराता है। विभाग के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि पेशेवर दुनिया में कौशल संबंधी आवश्यकताओं और विद्यार्थियों के सीखने में कोई कमी न रहे।

विद्यार्थियों को विज्ञापन, जनसंपर्क, विपणन, कॉर्पोरेट संचार, सरकारी संचार, डिजिटल विपणन, उपभोक्ता व्यवहार, डिजाइनिंग, कार्यनीतिक योजना, न्यू मीडिया परिदृश्य, मीडिया योजना, निर्माण, रचनात्मकता और अनुसंधान के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाता है।

इस पाठ्यक्रम की संरचना क्लासरूम शिक्षण के उत्कृष्ट पहलुओं और इंडस्ट्री के अनुभवों के बीच सामंजस्य स्थापित करती है, जो इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषता है। विद्यार्थियों को उनके व्यावहारिक कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां करने के लिए लगातार प्रेरित किया जाता है।

विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में वर्ष 2020-2021 में 72 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। विद्यार्थियों ने इस पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या के अंतर्गत दस पेपरों के लिए गहन शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रायोगिक कौशल विकसित करने वाले अभ्यासों में भाग लिया। शिक्षण की प्रक्रिया को और अधिक व्यापक बनाने के लिए संस्थान के शिक्षकों के साथ –साथ इस इंडस्ट्री के श्रेष्ठतम पेशेवरों की भी सेवाएं ली गईं।

2020-2021 का पूरा सत्र ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया गया। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण की चुनौतियों और अवसरों का संज्ञान लेते हुए विद्यार्थियों को रचनात्मक रूप से साथ जोड़ने के लिए नए –नए तरीके ईजाद किए गए और इस प्रकार यह सुनिश्चित किया गया कि इनसे उनकी सीखने की प्रक्रिया पर कोई असर न पड़े।

उपलब्धियां

विद्यार्थियों को रचनात्मक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र से जोड़ने संबंधी राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिश को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम निदेशक प्रो (डॉ.) अनुभूति यादव के मार्गदर्शन में विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग, आईआईएमसी, ने देश के विभिन्न स्थानों पर मीडिया सूचना साक्षरता कार्यशालाओं का आयोजन किया। विद्यार्थियों को यह असाइनमेंट मार्च, 2021 में उनके सेमेस्टर ब्रेक के दौरान दिया गया था। इन कार्यशालाओं का संचालन विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन

और ऑफलाइन दोनों तरह से किया गया था। ये कार्यशालाएं दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र, कोलकाता, मुंबई, भुवनेश्वर, प्रयागराज, हरिद्वार, लखनऊ, मथुरा, रांची, धनबाद, जयपुर, जोधपुर, भोपाल, बैतूल, जमशेदपुर और गंगानगर में एक साथ आयोजित की गईं। साथ ही, विद्यार्थियों ने मीडिया सूचना साक्षरता के लिए फेसबुक और ट्विटर पर सफल सोशल मीडिया अभियान भी चलाए। महामारी के समय में जब कोविड-19 के बारे में बहुत सारी गलत जानकारियां और दुष्प्रचार फैल रहा था, ऐसे में एडीपीआर विभाग की इस पहल ने इन्फोडेमिक के माध्यम से लोगों की मदद की।

विद्यार्थियों ने *बैटन* पत्रिका के चार डिजिटल अंक भी प्रकाशित किए और प्रत्येक अंक एक विशिष्ट थीम - लिविंग थ्रू द पेंडेमिक, द मेटामॉर्फोसिस ऑफ एडवरटाइजिंग, वोकल फॉर लोकल और द अनमास्कड: द ईयर दैट वाज़ नॉट था। पत्रिका के विमोचन के लिए 7 अगस्त, 2021 को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो संजय द्विवेदी थे। इसमें श्री के. सतीश नम्बूदिरीपाड, अपर महानिदेशक, प्रो गोविंद सिंह, डीन अकादमिक, प्रो. प्रमोद कुमार, डीन, छात्र कल्याण ने भी भाग लिया।

कैंपेन प्लानिंग प्रोजेक्ट के लिए विद्यार्थियों ने जोमैटो, द वायरल फीवर (टीवीएफ), नाइन, डाइनआउट, एटीके स्टूडियोज, फॉक्सी, एडुहील फाउंडेशन और द ग्लोबल मदर फाउंडेशन जैसे ब्रांडों के साथ काम किया। विद्यार्थियों को उनके कुशलतापूर्ण काम के लिए सराहा गया और उनके कुछ क्रिएटिव को कंपनियों द्वारा कार्यान्वयन के लिए चुना गया।

सरकारी संचार सप्ताह (2020-2021)

विद्यार्थियों को सरकारी संचार प्रणाली के काम करने के तौर- तरीकों से अवगत कराने के प्रयासों के तहत विभाग ने 22 फरवरी 2021 से 26 फरवरी 2021 तक सरकारी संचार सप्ताह का आयोजन किया। सत्रों के संचालन के लिए वरिष्ठ नौकरशाहों और भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया। उन्होंने सरकारी मीडिया प्रणाली के कामकाज से संबंधित विभिन्न विषयों और पहलुओं पर चर्चा की और विद्यार्थियों को सेवा में शामिल होने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

प्रमुख वक्ता :

- डॉ. निमिश रूस्तगी, निदेशक, पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार।
- श्री राकेश रेणु, उप निदेशक, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार।
- सुश्री वीना जैन, पूर्व महानिदेशक, दूरदर्शन समाचार, भारत सरकार।

वर्तमान में पत्र सूचना कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रत्यायित पत्रकार।

- डॉ. अतुल कुमार तिवारी, अपर महानिदेशक, आकाशवाणी समाचार, भारत सरकार।
- श्री तुषार कर्माकर, क्षेत्रीय अधिकारी, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड मुंबई, भारत सरकार।
- श्री सीतांशु कार, भारत सरकार के पूर्व प्रधान प्रवक्ता एवं पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक।
- सुश्री एस्थर कार, पूर्व महानिदेशक, पत्र सूचना कार्यालय, भारत सरकार।
- श्री अमित राणा, उप निदेशक, ब्यूरो ऑफ आउटरीच एंड कम्युनिकेशन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार।
- श्री रजित चंद्रन, वर्तमान में आईआईएमसी कोट्टयम परिसर के उप निदेशक। पूर्व उप निदेशक, सोशल मीडिया, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार।

सत्रों को संबोधित करने वाले अन्य विशिष्ट अतिथि:

- श्री सत्यप्रकाश, विधि संपादक, द ट्रिब्यून।
- सुश्री सिमरन कोहली, प्रोग्रामिंग हेड, रेडियो मिर्ची आकाशवाणी के साथ लंबे अर्से तक आरजे के रूप में भी कार्य किया।
- श्री संजय काव, सीनियर मल्टीमीडिया न्यूज प्रोफेशनल, द एशियन एज।

कार्यशालाओं का आयोजन

विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को व्यापक बनाने के लिए कई कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। वर्ष 2020-2021 के दौरान विभाग में आयोजित कुछ कार्यशालाएं हैं:

1. विजुअल स्टोरीटेलिंग पर 6 जनवरी 2021 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका संचालन विख्यात फोटो पत्रकार और विजुअल स्टोरी टेलर सुश्री तबीना अंजुम ने किया।
2. मोबाइल संचार पर 15 जनवरी 2021 को कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका संचालन वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, फोटो पत्रकार और वीडियोग्राफर श्री विशाल अरोड़ा ने किया।
3. विज्ञापन एजेंसी डेंट्सु वेबचटनी ने 2 जून 2021 को विज्ञापन पर कार्यशाला की। इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म के लिए 'मोस्ट रिपोर्टिड ट्रेलर कैम्पेन' का सफल संचालन करने वाली मुख्य टीम ने विद्यार्थियों के साथ बातचीत की। इस कैम्पेन ने हाल ही में कान्स लायंस सिल्वर जीता है। उन्होंने अपने अन्य प्रमुख कार्यों के साथ इस कार्य को एक सफल केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया।

4. डॉ. आनंद कार्तिक, सहायक प्रोफेसर, केसीएलएएस ने 30 जून, 2021 को "ऑनलाइन प्रेसेंस: असेन्शल आस्पेक्ट्स ऑफ बिल्डिंग अ प्रोफेशनल प्रेसेंस ऑन लिंक्डइन एंड ई-पोर्टफोलियो वेबसाइट्स" पर कार्यशाला का संचालन किया।
5. श्री क्लाइड डिसूजा ने 14 जुलाई, 2021 को इमर्सिव मीडिया पर कार्यशाला का संचालन किया।

पूर्व छात्रों से संपर्क

उच्च शिक्षा की संभावनाओं के बारे में विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन करने और करियर के शुरुआती समय में पेशेवर दुनिया में कदम बढ़ाने के तौर-तरीकों के बारे में उन्हें जानकारी देने के लिए इन सत्रों का आयोजन किया। सभी अतिथि वक्ता एडीएंड पीआर विभाग के पूर्व छात्र थे।

- 27 अप्रैल, 2021 को सुश्री राधिका चुघ, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन एक्जीक्यूटिव, एनटीपीसी।
- 28 अप्रैल, 2021 को सुश्री अदिति कुमारी, स्नातकोत्तर में लेटरल एंट्री की तैयारी कर रही हैं।
- 5 मई, 2021 को शुभम सौरव सिंह, उप प्रबंधक (पीआर), विद्युत वित्त निगम।
- 21 मई, 2021 को सुश्री भव्या गेंद, मैनेजमेंट कंसल्टिंग एनालिस्ट, एक्सेंचर।
- विद्यार्थियों ने 30 अप्रैल, 2021 को ईटी ब्रांड इक्विटी द्वारा आयोजित ऑनलाइन इंडियन कम्युनिकेशन समिट, 2021 में भाग लिया। इन सत्रों का संचालन भारत और विदेश दोनों के पीआर, कॉरपोरेट कम्युनिकेशन, डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र के विशेषज्ञों ने किया। इस समिट में भागीदारी से विद्यार्थियों को अपने शिक्षण और कौशल को व्यापक बनाने में मदद मिली।
- 26 जून, 2021 को श्री साहिल नायर, सीनियर ऐसोसिएट डायरेक्टर-एच आर केपीएमजी द्वारा एक विशेष सत्र का संचालन किया गया।

विज्ञापन और जनसंपर्क विभाग सदैव अपने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट रूप से ज्ञान और कौशल प्रदान करने का प्रयास करता आया है। यह इस तथ्य से परिलक्षित होता है कि विद्यार्थियों को एडफैक्टर्स, एनटीपीसी, रूडरफिन डीडीबी मुद्रा, लोव लिंटास, टाटा स्टील, डेंट्सु वेबचटनी, जेनेसिस, एवियन, मैडमेन, एमएसएल और ज़ी न्यूज जैसी कंपनियों में नौकरी मिली है।

रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1997 में की गई थी, जिसका उद्देश्य बोले गए शब्द तथा दृश्यों के माध्यम से सृजनात्मक संचार में क्षमता का विकास करना था। इस पाठ्यक्रम ने देश में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जगत की मानव-शक्ति संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विद्यार्थियों को वरिष्ठ शिक्षाविदों और क्षेत्र के पेशेवरों द्वारा व्यावसायिक कौशलों में प्रशिक्षण के साथ-साथ वैचारिक समझ में भी बुनियादी शिक्षा प्रदान की जाती है। मजबूत उद्योग संपर्कों के साथ, इस पाठ्यक्रम में क्षेत्र की सैद्धांतिक बुनियाद और व्यापक अभ्यास कार्य शामिल हैं। विद्यार्थियों के कौशल में सुधार लाने के लिए मीडिया संगठनों तथा अन्य विश्वविद्यालयों से वरिष्ठ प्राध्यापकों को नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- संचार का एक व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करना और विद्यार्थियों को पत्रकारिता की सर्वश्रेष्ठ परंपराओं और पद्धतियों से परिचित कराना।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया यानी रेडियो, टेलीविजन, डिजिटल पत्रकारिता और विकास संचार की अवधारणा, भूमिका और कार्यप्रणाली की गहन समझ प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को टीवी पत्रकारिता की कला एवं शिल्प में प्रशिक्षित करना और उन्हें कौशल तथा अभ्यास के ज़रिए योग्य बनाना, जिससे वे टीवी चैनलों में पत्रकारिता तथा निर्माण (प्रोडक्शन) की नौकरियां आसानी से हासिल कर सकें।
- रेडियो पत्रकारिता, कार्यक्रम निर्माण और एफएम स्टेशनों के स्टेशन प्रबंधन की समझ प्रदान करना।
- नवीनतम डिजिटल ऑडियो वीडियो और मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकियों में व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।

यह पाठ्यक्रम वर्तमान में दिल्ली स्थित आईआईएमसी मुख्यालय में संचालित किया जा रहा है। प्रो. (डॉ.) गोविंद सिंह रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता विभाग के पाठ्यक्रम निदेशक हैं। 2020-2021 के सत्र में इस पाठ्यक्रम में नामांकित विद्यार्थियों की कुल संख्या 48 थी। इन्होंने आईआईएमसी संकाय तथा मीडिया क्षेत्र के दिग्गजों द्वारा उपलब्ध कराया गया सटीक ऑनलाइन कक्षा शिक्षण तथा आभासी व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। सत्र के दौरान विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रिंट प्रोडक्शन, रेडियो बुलेटिन, टीवी प्रोडक्शन, न्यू मीडिया जर्नलिज्म, मोबाइल जर्नलिज्म (मोजो), डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकिंग और एंटरप्रेन्योरियल जर्नलिज्म पर कई ऑनलाइन वर्कशॉप आयोजित की गईं। आईआईएमसी ने अमरीकी दूतावास, नई दिल्ली के क्षेत्रीय अंग्रेजी भाषा कार्यालय के सहयोग से आरटीवी (रेडियो एवं टेलीविज़न पत्रकारिता) के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष पत्रकारिता

प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। वरिष्ठ पत्रकार और वर्तमान में पेंसिल्वेनिया, अमरीका स्थित वुडरो विल्सन सेंटर की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री लिंडा रोथ ने 3 मई से 7 मई 2021 तक वर्चुअल माध्यम से इस कार्यशाला का संचालन किया। विद्यार्थियों को जाने-माने अंतरराष्ट्रीय प्राध्यापकों से बातचीत करने का शानदार अवसर मिला और उन्हें पत्रकारिता के अमरीकी मूल्यों के बारे में जानने-समझने का अनुभव हासिल हुआ।

अकादमिक वर्ष के दौरान उद्योग के कई विशेषज्ञ संकाय सदस्यों और वरिष्ठ पेशेवरों को आमंत्रित किया गया, जिनमें अमरीका की वेस्टर्न कनेक्टिकट स्टेट यूनिवर्सिटी में विजुअल क्रिमिनोलॉजी की प्राध्यापिका डॉ. दिव्या शर्मा; पूर्व उपकुलपति प्रो. सुभाष धूलिया; यूसीएमएस, नई दिल्ली में प्राध्यापक एवं सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ संजय चतुर्वेदी; डायरेक्टर, लोकलाइज़ेशन, माइक्रोसॉफ्ट, दक्षिण एशिया श्री बालेंदु शर्मा दाधीच; डॉयचे वेले, जर्मनी में संपादक अशोक कुमार; संपादक, आज तक शम्स ताहिर खान; संपादक, टाइम्स ड्राइव, क्रांति संभव; रेज़ीडेंट एडिटर, नव भारत टाइम्स आशीष पांडे; समाचार ब्यूरो प्रमुख, आकाशवाणी नसीम नक़वी; वाइस प्रेसिडेंट, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन,कोका कोला इंडिया, कल्याण रंजन; निदेशक, ईएमआरसी, रुड़की राज कुमार भारद्वाज; प्रसिद्ध खेल पत्रकार मनोज जोशी; प्रसिद्ध उद्घोषक, आकाशवाणी जैनेंद्र सिंह; कार्यकारी निर्माता, टाइम्स नाउ डॉ. वीरेंद्र चौधरी; विधि संपादक, द ट्रिब्यून सत्य प्रकाश; प्रसिद्ध ट्रैवल व्लॉगर वरुण वागीश; प्रसिद्ध यूट्यूबर सिद्धार्थ तिवारी; आजतक स्पोर्ट्स अनिल सिंह; वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद सिन्हा; एंकर, सीएनएन-टीवी-18 माहा सिद्दीकी; वरिष्ठ पत्रकार शिवानी रावत, वरिष्ठ पत्रकार सर्जना शर्मा; राजनीतिक संपादक, एनडीटीवी उमाशंकर सिंह; कंसल्टिंग एडिटर, आकाशवाणी उमेश चतुर्वेदी और कई अन्य शामिल थे।

विभाग का अपना रेडियो एवं टीवी स्टूडियो है। ये स्टूडियो विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल प्रदान करने में सक्षम उपकरणों से लैस हैं। संस्थान का एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन "अपना रेडियो" भी है, जहां विद्यार्थियों को रेडियो पत्रकारिता और निर्माण (प्रोडक्शन) के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है।

विभाग उद्योग के लिए हर साल कुशल पेशेवर तैयार कर रहा है। कोविड-19 के चलते आई रुकावटों के बावज़ूद विद्यार्थियों को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसिज़ (टीसीएस), डीडी न्यूज, आजतक, इंडिया टुडे डिजिटल, ज़ी न्यूज़, एबीपी न्यूज़, टीवी-9, करियर 360, इन्फॉर्मिस्ट, लल्लन टॉप, इन शॉर्ट्स, फ्री प्रेस जर्नल, एड फैक्टर्स, द क्विंट आदि जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों में इंटर्नशिप और प्लेसमेंट मिली।

उर्दू पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

भारतीय जनसंचार संस्थान में उर्दू पत्रकारिता की नींव वर्ष 2013 में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के साथ रखी गई। इसके सफल प्रयोग के बाद वर्ष 2017 में इसे स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में बदल दिया गया। आईआईएमसी के अन्य स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की ही तरह यह भी एक वर्ष का पाठ्यक्रम है।

उर्दू पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य ऐसे मीडिया पेशेवरों को प्रशिक्षित करना है, जो प्रौद्योगिकी संचालित उर्दू मीडिया की बदलती जरूरतों के अनुसार काम कर सकें। पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किया गया है कि यह संचार पर एक व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान करे, प्रभावी संचार के ज़रिए सहभागिता व प्रतिभागिता को बढ़ावा देने में पत्रकारों की भूमिका पर जोर देता हो, उन्हें संचार कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला से परिचित और लैस करे, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में उचित संचार रणनीति विकसित करे, उभरती प्रौद्योगिकियों को ध्यान में रखते हुए, पत्रकारों/संचारकों के लिए अवसरों को परिभाषित करे और उन्हें रिपोर्टिंग/संपादन/निर्माण/वितरण की विकसित हो रही तकनीकों से अवगत कराए।

यह पाठ्यक्रम केवल नई दिल्ली परिसर में ही उपलब्ध कराया जा रहा है। सैद्धांतिक कक्षाओं के अलावा, विद्यार्थियों को रिपोर्टिंग, न्यूज़ प्रोडक्शन आदि में भी सटीक व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में कुल 10 विद्यार्थी थे, जिनमें से 5 सामान्य वर्ग से और 5 अन्य पिछड़ा वर्ग से थे।

उर्दू मीडिया उद्योग की व्यावहारिक समझ उत्पन्न करने के लिए, उर्दू मीडिया में काम करने वाले कुछ प्रतिष्ठित पत्रकारों को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था। इनमें 'न्यूज 18' (उर्दू) के वरिष्ठ संपादक श्री तहसीन मुनव्वर, 'आलमी सहारा' न्यूज चैनल के संपादक श्री लईक रिज़वी, 'ईटीवी भारत' में उर्दू सेवा के प्रमुख श्री खुर्शीद अहमद वानी, 'यूएनआई उर्दू सेवा' के प्रमुख श्री फहीम अहमद, 'डीडी न्यूज' (उर्दू) के वरिष्ठ पत्रकार डॉ. मोहम्मद रहमतुल्लाह, वरिष्ठ पत्रकार और

ऑल इंडिया रेडियो में सलाहकार श्री उमेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. रवींद्र अग्रवाल, राज्यसभा टीवी से श्री जियाग़म मुर्तजा, स्कूल ऑफ मास कम्यूनिकेशन, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के डीन प्रो. एहतेशाम अहमद खान, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू) में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष मो. फरियाद आदि शामिल हैं।

उर्दू विद्यार्थियों के लिए उर्दू विभाग ने ऑल इंडिया रेडियो, डीडी न्यूज़ और 'आलमी सहारा' न्यूज़ चैनल के न्यूज़ रूम में विशेष दौरों का आयोजन किया, जहाँ उन्हें न्यूज़ रूम की कार्यप्रणाली की प्रत्यक्ष जानकारी मिली। इसके अलावा वे हिंदी तथा अंग्रेजी पत्रकारिता द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं में भी शामिल हुए।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों ने लैब जर्नल का निर्माण किया। प्रथम लैब जर्नल का विमोचन आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी द्वारा महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार के उप-कुलपति प्रो. संजीव शर्मा के साथ मिलकर किया गया। कुछ विद्यार्थियों ने कई प्रतिष्ठित हस्तियों का साक्षात्कार भी लिया, जिसे आईआईएमसी के सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया गया। उन्होंने कुछ रेडियो बुलेटिन भी तैयार किए। वर्तमान में, प्रो. (डॉ.) कुमार उर्दू पत्रकारिता के पाठ्यक्रम निदेशक हैं।

न्यू मीडिया विभाग

न्यू मीडिया विभाग सभी विभागों में न्यू मीडिया पेपर का संचालन करता है और सोशल मीडिया मार्केटिंग, गवर्नेंस के लिए सोशल मीडिया, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, डिजिटल युग में आपदा संचार, तथ्य जांच तथा सत्यापन और विद्यार्थियों, मीडिया क्षेत्र के शिक्षकों तथा उद्योग के पेशेवरों के लिए मीडिया और सूचना साक्षरता में कार्यशालाओं तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। वर्ष 2021-2022 में न्यू मीडिया विभाग ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में अकादमिक योगदान प्रदान किया:

- वैक्सीन के बारे में ग़लत जानकारी से निबटने के लिए तथ्यों की जांच हेतु डेटा लीड्स और फर्स्ट ड्राफ्ट द्वारा 1 मई, 2021 को आयोजित वैक्सचेक टाउन हॉल श्रृंखला में
- एनटीपीसी तालचेर कनिहा द्वारा 2 मार्च, 2021 को आयोजित कम्यूनिकेशन स्ट्रैटजीज़ फॉर द वर्चुअल एज पर डिजिटल कार्यशाला में
- एनटीपीसी पश्चिमी क्षेत्र 2 मुख्यालय द्वारा 30 मार्च, 2021 को आयोजित आभासी संचार कार्यशाला – शिफ़्टिंग ट्रैंड्स इन द मीडिया इन द न्यू एज में
- कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के मीडिया विभाग द्वारा 21 मार्च, 2021 को आयोजित करिअर अपर्च्युनिटीज़ इन डिजिटल मीडिया में
- केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल अकादमी द्वारा 26 मार्च, 2021 को कम तीव्रता के संघर्ष वाले माहौल में सोशल मीडिया का महत्व पर आयोजित ''अंडरस्टेंडिंग द मीडिया इन लो इन्टेन्सिटी कन्फ़्लिक्ट एन्वायरन्मेंट'' कार्यशाला में
- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 26 मार्च 2021 को मीडिया पाठ्यक्रमों पर शिक्षकों के लिए आयोजित जागरूकता तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम में
- विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2021 तथा वैश्विक मीडिया सूचना साक्षरता सप्ताह 2021 पर आयोजित यूनेस्को ग्लोबल ऑनलाइन कंसल्टेशन में
- केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू के जन संचार एवं न्यू मीडिया विभाग द्वारा आयोजित इमर्जिंग ट्रैंड्स इन मीडिया: चैलेंजिस एण्ड करिअर अपर्च्युनिटीज़ में
- शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 28 जनवरी, 2021 को आयोजित यूज़ ऑफ़ सोशल मीडिया एज़ रिसर्च टूल इन ज्यॉग्रफ़ी: शिफ़्टिंग पॅराडिग्म्स एण्ड इमर्जिंग इश्यूज़ पर नेशनल ज्योग्राफर्स यूथ कॉन्क्लेव में
- दृश्य मीडिया और संचार विभाग, कला और विज्ञान स्कूल, अमृता विश्व विद्यापीठम् द्वारा आयोजित 21 जनवरी, 2021 को करिक्युलर आस्पैक्ट्स ऑफ़ न्यू मीडिया एण्ड पीआर में
- एचआरडीसी, पंजाब विश्वविद्यालय द्वारा 14 जनवरी, 2021 को डिजिटल युग में प्रभावी संचार के संबंध में संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) के अंतर्गत आयोजित डिजिटल संचार एवं तथ्यों की जांच में
- कम्युनिकेशन टुडे जर्नल द्वारा 28 नवंबर, 2020 को डिजिटल मीडिया सेंसरशिप वर्सिज़ फ्री स्पीच पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में
- गांधी स्मृति और दर्शन समिति, यूनेस्को और यूनीट्विन द्वारा 30 अक्टूबर, 2020 को आयोजित ''रेज़िस्टिंग डिसइन्फोमेटिक यूज़िंग मीडिया एंड इंफॉर्मेशन लिटरेसी फॉर पीसफुल को-एग्ज़िस्टेंस''

विषय पर सम्मेलन में

- फैक्टशाला द्वारा 28 अक्टूबर, 2020 को कम्यूनिटी रेडियो एण्ड मीडिया एण्ड इन्फॉर्मेशन लिटरेसी पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में
- संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा 15 अक्टूबर, 2020 को लोक सभा टीवी परामर्शदाताओं के लिए द्वारा आयोजित 'जर्नलिस्टिक नॉर्म्स एण्ड इम्पॉर्टेंस ऑफ़ फैक्टचैकिंग' पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रीफ्रेशर कोर्स) में
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा 25 सितंबर, 2020 को आयोजित ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सीआईआई सदर्न रिजन मीडिया अनकन्वेशन समिट में
- शिक्षा विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, द्वारा 22 सितम्बर, 2020 को आयोजित शैक्षिक प्रौद्योगिकी पर "आईसीटी पीडागॉजिकल स्किल्स ड्यूरिंग कोविड-19'' राष्ट्रीय ई कार्यशाला में।
- शैक्षिक संचार संघ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 5 सितंबर, 2020 को आयोजित ''नेशनल एजूकेशन पॉलिसी : पीडागॉजिकल रेवॉल्यूशन'' में
- नेपाल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एण्ड एन्गेजमेंट (एनआईआईसीई-डब्ल्यूपीसी) द्वारा 29 अगस्त, 2020 को आयोजित भारत के मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''पोस्ट-पैन्डॅमिक वर्ल्ड ऑर्डर: नैविगेटिंग न्यू नॉर्मल'' में
- केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल अकादमी, गुरुग्राम द्वारा 19 अगस्त, 2020 को आयोजित विभिन्न संघर्ष क्षेत्रों के कमांडेंट और उससे शीर्ष रैंक के अधिकारियों के लिए मीडिया संवेदीकरण पाठ्यक्रम अंडरस्टैंडिंग मीडिया में
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-मानव संसाधन विकास केंद्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा 14 अगस्त, 2020 को आयोजित जन संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से मीडिया लिटरेसी एण्ड क्रिटिकल थिंकिंग इन डिजिटल एज पर ऑनलाइन रीफ्रेशर कोर्स में
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र तथा एसोसिएशन ऑफ मीडिया लाइब्रेरी एंड आर्काइव्स (एएमएलए) द्वारा 6 अगस्त, 2020 को आयोजित मीडिया एण्ड इन्फॉर्मेशन लिटरेसी एण्ड क्वालिटी जर्नलिज्म: हाउ टु डील विद इन्फॉर्मेशन ओवरलोड एण्ड फेक इन्फॉर्मेशन पर राष्ट्रीय वेबिनार में।
- कुमारगुरु कॉलेज ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड साइंस (केसीएलएएस), कोयंबटूर, तमिलनाडु के विजुअल कम्युनिकेशन विभाग द्वारा 28 जुलाई, 2020 को आयोजित "डिजिटल एंड मीडिया लिटरेसी इन डिसइन्फॉलर्मेशन एज" पर एक वेबिनार श्रृंखला में
- एलजे इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, अहमदाबाद द्वारा 6 जुलाई, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में
- पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग, विद्या नॉलेज पार्क, मेरठ द्वारा 21 जून, 2020 को ''कोविड-19 क्राइसिस एण्ड अपर्च्युनिटीज़ इन मीडिया'' पर आयोजित पैनल चर्चा में
- स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, ऑरो विश्वविद्यालय, गुजरात द्वारा 10 जून, 2020 को आयोजित ''इम्पॉर्टेंस ऑफ़ मीडिया एण्ड इन्फॉर्मेशन लिटरेसी ड्यूरिंग कोविड-19'' में
- इंटरन्यूज़ और डेटा लीड्स द्वारा 22 मई, 2020 को आयोजित ''हाउ टु नैविगेट द कोविड-19 इन्फोडेमिक'' में
- नेशनल डिफेंस कॉलेज के 60वें एनडीसी पाठ्यक्रम के तहत 28 मई, 2020 को आयोजित इम्पैक्ट ऑफ़ मीडिया ऑन ग्लोबल गवर्नेंस एण्ड पॉलिसी डिसीज़ंस में
- आईएमएस, भुवनेश्वर के पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग द्वारा 10 मई, 2020 को आयोजित ''ओपन रिसोर्सिस इन जर्नलिज़्म'' में
- एनसीईआरटी द्वारा 4 मई, 2020 को आयोजित ''फाइटिंग मिसइन्फॉर्मेशन, डिसइन्फॉर्मेशन एण्ड फेक न्यूज़'' पर राष्ट्रीय वेबिनार में

न्यू मीडिया विभाग की प्रमुख, प्रोफेसर अनुभूति यादव को डिजिटल एम्पॉवरमेंट फाउंडेशन, गोदरेज पीआर मोमेंट अंडर 3030 अवार्ड्स 2021 द्वारा आयोजित सोशल मीडिया फॉर एम्पॉवरमेंट अवॉर्ड तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित नेशनल आईसीटी अवॉर्ड और यूनेस्को ग्लोबल मीडिया एण्ड इन्फॉर्मेशन लिटरेसी अवॉर्ड्स 2021 के लिए जूरी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

आईआईएमसी के क्षेत्रीय परिसर

आईआईएमसी ढेंकनाल परिसर, ओडिशा

अकादमिक वर्ष 2020-21 के दौरान इस संस्थान के विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन सराहनीय रहा है।

प्रमुख गतिविधियां व उपलब्धियां:

- उड़िया पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने इस अवधि के दौरान लैब जर्नल के तीन अंक निकाले।
- उन्होंने टीवी समाचार कैप्सूल, रेडियो फीचर और वृत्तचित्र बनाने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने ब्लॉग लिखे और वेबसाइट्स भी डिज़ाइन कीं। उन्हें समाचार संग्रह, मिलान और प्रसार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना भी सिखाया गया। इन अभ्यासों का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रिंट, वीडियो, ऑडियो, वेब और सोशल मीडिया में प्रशिक्षित करना था।
- उडिया पत्रकारिता की छात्रा सुश्री यज्ञसेनी ढल ने प्रतिष्ठित डॉ. राधानाथ रथ मैमोरियल फेलोशिप पुरस्कार हासिल किया और

अंग्रेजी पत्रकारिता की छात्रा सुश्री ख्याति सेंगर को सत्य महापात्र मैमोरियल फेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ।

वेबिनार

- 21 अप्रैल 2021 को पीआरएसआई, ओडिशा चैप्टर के सहयोग से जन जागरूकता के लिए जनसंपर्क पर वेबिनार: "लेट अस बिल्ड अ कोविड फ्री वर्ल्ड'' आयोजित किया गया।
- 8 मई 2021 को "जर्नी ऑफ़ एन ऑथर मनोज दास'' पर वेबिनार।
- 7-9 जून 2021 को "इंडियाज़ डेवलपमेंट पाथ्स एंड डिलेमाज़" पर प्रोफेसर एस. एन. मिश्रा, डीन, केआईआईटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर द्वारा व्याख्यान।
- 3 जुलाई 2021 को प्रो.(डॉ.) एस. एन. मिश्रा, डीन, केआईआईटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर द्वारा "प्राइवसी, प्रोटेक्शन, पॉलिसी : इश्यूज़ कंसर्निंग डेटा प्रोटेक्शन लॉ" पर वेबिनार।

- **पाठ्येतर गतिविधियां:** विद्यार्थियों के लिए कई पाठ्येतर गतिविधियां आयोजित की गईं। ढेंकनाल और अंगुल के जिला लेखक मंच के सहयोग से साहित्यिक कार्यक्रम *'शब्दांजलि'* की तीन कड़ियां आयोजित की गईं।
- **प्लेसमेंट:** शैक्षणिक सत्र 2020-21 के दौरान परिसर प्लेसमेंट अच्छा रहा। अब तक 50 प्रतिशत (बाईस में से ग्यारह) उड़िया पत्रकारिता के विद्यार्थियों को विभिन्न मीडिया संगठनों, जिनमें इनशॉर्ट्स, एडफैक्टर्स, कनक न्यूज, धारित्री, आर्गस न्यूज शामिल हैं, में प्लेसमेंट मिल चुका है।
- **प्रकाशन:** आईआईएमसी, ढेंकनाल ने इस शैक्षणिक वर्ष में पीस जर्नलिज्म पर एक मोनोग्राफ तैयार किया है। इसे प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी द्वारा जारी किया गया। 29 जनवरी 2021 को भारतीय समाचार पत्र दिवस के अवसर पर उड़िया पुस्तक "महात्मा गांधी : संबदिका एण्ड संपादक'' का विमोचन किया गया। "कार्टून एट द टाइम ऑफ कोरोना'' पर एक फोटो बुक भी तैयार की गई।

आईआईएमसी आइज़ोल परिसर, मिज़ोरम

भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय (एनईआर) परिसर ने 8 अगस्त, 2011 को तनहरिल, आइज़ोल में मिज़ोरम विश्वविद्यालय (एमजेडयू) परिसर से काम करना शुरू किया। इसका उद्घाटन मोटे तौर पर पूर्वोत्तर और खासतौर पर मिज़ोरम में उच्च शिक्षा के लिए और प्रसिद्ध आईआईएमसी ब्रांड के विकास के लिए एक बड़ा कदम था। संस्थान एमजेडयू परिसर में एक अस्थायी परिसर से कार्य कर रहा है। मिज़ोरम विश्वविद्यालय ने स्थायी परिसर के लिए आठ एकड़ जमीन आवंटित की है।

स्थायी परिसर का निर्माण, जो कि वर्ष 2015 में शुरू हुआ था, छात्रावास और शिक्षकों के आवास सहित सभी सुविधाओं के साथ अब पूरा होने वाला है। परिसर के सौंदर्यीकरण और लैंडस्केपिंग पर काम चल रहा है और इसके वर्ष 2022 के दौरान पूरा हो जाने की उम्मीद है। वर्ष 2011 में अपनी स्थापना के बाद से ही संस्थान, मिज़ोरम और पूरे पूर्वोत्तर में पिछले कुछ वर्षों के दौरान मीडिया, प्रिंट तथा टेलीविज़न दोनों के विकास में आए भारी उछाल के चलते उत्पन्न हुई कुशल मानव-शक्ति की मांग को पूरा करने की राह पर है।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए, एनईआर परिसर को देश के विभिन्न हिस्सों से नौ छात्र नियत किए गए थे। हालांकि, देश भर में महामारी की अभूतपूर्व स्थिति के चलते, आईआईएमसी ने 2020-2021 के सत्र को मिश्रित ऑनलाइन मोड में आयोजित और संचालित करने का निर्णय लिया। तदनुसार, एनईआर परिसर के छात्र भी, सभी पांच क्षेत्रीय परिसरों की सहायता से आईआईएमसी दिल्ली के नेतृत्व वाले अंग्रेजी पत्रकारिता ऑनलाइन पाठ्यक्रम में शामिल हुए। एनईआर परिसर के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी पत्रकारिता विभाग और संस्थान द्वारा आयोजित सभी ऑनलाइन-कक्षाओं, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने ऑनलाइन सेमेस्टर परीक्षा में भी संतोषजनक प्रदर्शन किया है।

मिश्रित शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, अपनी ओर से भी एनईआर परिसर ने नियत विद्यार्थियों से संपर्क बनाए रखा और संवाद के माध्यम खुले रखे। व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जानकारियां व सवाल

साझा किए गए। गूगल मीट के माध्यम से सप्ताह में एक बार बैठक आयोजित की जाती रहीं, जहां विद्यार्थियों के साथ खुली चर्चा और बातचीत को संभव बनाया गया। असाइनमेंट, शोध परियोजनाओं, लैब जर्नल तैयार करने और अन्य व्यावहारिक प्रदर्शनों के संबंध में विद्यार्थियों का नियमित रूप से मार्गदर्शन किया जाता रहा।

प्लेसमेंट के मोर्चे पर, एनईआर परिसर के छात्र इंडियन एक्सप्रेस, दूरदर्शन, न्यू इंडियन एक्सप्रेस, आकाशवाणी, इंडिया टुडे, रिपब्लिक टीवी, रॉयटर्स, एएनआई आदि जैसे प्रतिष्ठित मीडिया संगठनों में अपनी जगह बना रहे हैं। 2019-20 बैच के विद्यार्थियों की उपलब्धियों की ओर एक बार फिर ध्यान दिलाना काफ़ी सुखद है, क्योंकि उन्होंने आईआईएमसी द्वारा आयोजित परिसर भर्ती और अपने स्वयं के प्रयासों के ज़रिए भी बेहद अच्छा प्रदर्शन किया है। आइज़ोल परिसर के 14 विद्यार्थियों में से पांच विद्यार्थियों को आईआईएमसी के प्लेसमेंट सेल द्वारा 2019-20 के बैच के लिए आयोजित प्लेसमेंट प्रक्रिया के ज़रिए सफलतापूर्वक नौकरी प्राप्त हुई और सात अन्य विद्यार्थियों ने मीडिया समूहों द्वारा आयोजित प्लेसमेंट प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन किया। ये काफ़ी भाग्यशाली रहे और रॉयटर्स, रोपोसो, स्पोर्ट्सकीड़ा आदि जैसे प्रतिष्ठित मीडिया संगठनों में इनकी नियुक्ति हुई। अब तक 11 विद्यार्थी अपने-अपने क्षेत्र में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

2020-21 के बैच के लिए आईआईएमसी के प्लेसमेंट सेल द्वारा चलाई गई प्लेसमेंट प्रक्रिया में गति बनाए रखते हुए, एनईआर परिसर, आइज़ोल के अंग्रेजी पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने भी विभिन्न उपलब्ध अवसरों के लिए आवेदन किया। आइज़ोल परिसर के नौ में से दो विद्यार्थियों को सफलतापूर्वक नौकरियां मिल गईं। तीन अन्य विद्यार्थियों ने मीडिया समूहों द्वारा आयोजित प्लेसमेंट के माध्यम से अन्यत्र आवेदन किया और उनकी वहां नियुक्ति हो गई। कुल मिलाकर, पांच विद्यार्थी अपने-अपने क्षेत्र में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

आईआईएमसी प्लेसमेंट सेल के ज़रिए नियुक्त हुए छात्र हैं:

- श्री हरिविग्नेश और सुश्री श्रुति कुमारी को एडफैक्टर्स पीआर मीडिया हाउस द्वारा ट्रेनी अकाउंट एग्ज़ीक्यूटिव के पद पर नियुक्त किया गया।

अन्यत्र कार्य कर रहे छात्र हैं:

- श्री अनमोल सिंगला 'द न्यू इंडियन' में उप-संपादक के रूप में कार्यरत हैं।
- श्री कलश खुराना 'बॉलीवुड शादीज़' में फीचर राइटर सह उप-संपादक के रूप में काम कर रहे हैं और
- सुश्री विपाशा शर्मा एएनआई में उप-संपादक, राष्ट्रीय समाचार के रूप में कार्यरत हैं।

आईआईएमसी अमरावती परिसर, महाराष्ट्र

भारतीय जन संचार संस्थान का पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र 8 अगस्त 2011 को स्थापित किया गया था। वर्तमान में इसे संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय परिसर से संचालित किया जा रहा है। स्थाई परिसर के निर्माण के लिए भूमि बडनेरा (अमरावती) में आवंटित की गई है। उम्मीद की जा रही है कि नए परिसर का निर्माण पूरा हो जाने के बाद, विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस यह मीडिया शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र महाराष्ट्र राज्य के साथ-साथ आस-पास के राज्यों के भी मीडिया के क्षेत्र में भविष्य बनाने के इच्छुक लोगों को लाभान्वित करेगा।

आईआईएमसी अमरावती समाज के उत्थान की परिकल्पना करता है और संचार, मीडिया शिक्षा, अनुसंधान तथा विस्तार और प्रशिक्षण के माध्यम से समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महामारी की स्थिति के बीच, आईआईएमसी अमरावती ने पूरी तरह से ऑनलाइन कार्य किया। शैक्षणिक सत्र 2020-21 की शुरुआत श्री प्रवीण बर्दापुकर, पूर्व संपादक, लोकसत्ता (इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप) द्वारा नवंबर 2020 में विशेष सत्र के साथ हुई। व्यावहारिक कक्षाओं के साथ-साथ थ्योरी कक्षाएं भी नियमित रूप से आयोजित की गईं। दिलचस्प बात यह है कि कोविड-19 ने विद्यार्थियों के पैन महाराष्ट्र न्यूज़ रूम को आकार दिया।

प्रमुख गतिविधियां व उपलब्धियां:

- संचार अनुसंधान के तहत अंग्रेजी पत्रकारिता के 11 और मराठी पत्रकारिता के 13 विद्यार्थियों ने डॉ. अनिल सौमित्र और श्री विनय सोनूले के निरीक्षण में पत्रकारिता, न्यू मीडिया, विकास पत्रकारिता, ब्रांडिंग, विज्ञापन और जनसंपर्क से संबंधित विषयों पर एक शोध परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।
- आईआईएमसी अमरावती में प्रख्यात विद्वानों, मीडियाकर्मियों, शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया था। 17 फरवरी 2021 को डॉ. अनिल सौमित्र की अध्यक्षता में आईआईएमसी अमरावती में 'रोल ऑफ लैंगग्वेज जनर्लिज्म इन रीजनल डेवलपमेंट' पर एक दिवसीय

ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रख्यात पत्रकार श्री आशीष चांदोरकर, डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ श्री विश्वनाथ गरुड़, श्री अनिल अग्रवाल- पूर्व महासचिव आईएलएनए इसमें पैनलिस्ट थे। इस संगोष्ठी में पूरे महाराष्ट्र के विद्यार्थियों और मीडियाकर्मियों ने भाग लिया।

- 'सावित्रीबाई फुले जयन्ती' मनाई गई और एक विशेष कार्यक्रम 'सावित्रीच्या लेकी' आयोजित किया गया।
- आईआईएमसी अमरावती में 26 जनवरी, 2021 को गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया।
- आईआईएमसी अमरावती परिसर में 1-15 जनवरी, 2021 को स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।
- मार्च 2021 में मराठी पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए महिला दिवस और सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 1 फरवरी, 2021 को प्रोफेसर (डॉ) अनिल कुमार सौमित्र ने आईआईएमसी क्षेत्रीय परिसर, अमरावती का कार्यभार ग्रहण किया।
- कोविड की स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों के बीच आईआईएमसी अमरावती ने उभरते मीडिया पेशेवर तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखा। लैब जर्नल पूरी तरह से ऑनलाइन तैयार किए गए थे। पहले दो लैब जर्नल का विमोचन क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल सौमित्र, श्री अनिल जाधव और श्री विनय सोनूले सहायक प्रोफेसर आईआईएमसी द्वारा ऑनलाइन किया गया।

- 27 फरवरी को 'मराठी मातृभाषा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर आईआईएमसी अमरावती के विद्यार्थियों ने पहल करते हुए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय में मराठी और अंग्रेजी विभाग की प्रमुख डॉ. मोना चिमोटे ने 'मराठी साहित्यतिल स्त्री' (मराठी साहित्य में महिलाएं) विषय पर व्याख्यान दिया

और प्रख्यात कवियित्री स्नेहा मिरागने ने सुंदर मराठी कविताओं का पाठ किया तथा मराठी कविता पर अपने गहन विचार साझा किए।

- अमरावती के मराठी पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए स्टेशन को-ऑर्डिनेटर, श्री संजय घरड़े द्वारा 90.4 एफएम, सामुदायिक रेडियो, कृषि विज्ञान केंद्र, बांदेरा अमरावती पर एक विशेष लाइव व्याख्यान आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एक रेडियो स्टेशन के उपकरण, सेटअप और निर्माण प्रक्रिया से परिचित कराना था।

- 14 अप्रैल 2021 को बाबासाहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई। आईआईएमसी अमरावती को 'शुक्रवार संवाद' के तहत एक विशेष व्याख्यान की मेजबानी करने का सम्मान प्राप्त हुआ। 'शुक्रवार संवाद' आमतौर पर आईआईएमसी दिल्ली के आउटरीच विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर प्रख्यात विचारक और साप्ताहिक विवेक – मुंबई के संपादक श्री रमेश पतंगे को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। आईआईएमसी, दिल्ली में प्रकाशन विभाग के प्रमुख और कम्युनिकेटर पत्रिका के संपादक, प्रो. (डॉ.) वी. के. भारती ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।
- 1 मई 2021 को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर, महाराष्ट्र टाइम्स के प्रख्यात संपादक और राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ. भरत कुमार राउत को विशेष व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। डॉ. सुधीर गव्हाणे, पूर्व उपकुलपति, एमजीएम विश्वविद्यालय, औरंगाबाद और वाईसीएमओयू नासिक ने इस सत्र की अध्यक्षता की। गूगल मीट

और फेसबुक लाइव के माध्यम से 250 से भी अधिक मीडिया शिक्षकों, पत्रकारों और विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

- आईआईएमसी अमरावती ने आईआईएमसी के सभी परिसरों और पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एससीजेडसीसी), नागपुर के सहयोग से 'कल्चरल रिपोर्टिंग' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के लिए कुल 128 छात्र पंजीकृत हुए और एससीजेडसीसी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई। कुछ राज्यों - महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की संस्कृति को दिलचस्प ऑडियो विजुअल के साथ प्रस्तुत किया गया।
- आईआईएमसी मराठी पत्रकारिता के विद्यार्थियों का प्रतिदिन अखबार प्रेस में फील्ड दौरा हुआ, जहां मराठी पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने सीखा कि प्रेस में समाचार पत्र कैसे प्रकाशित होता है। साथ ही, इन्होंने इसकी छोटी छोटी बारीकियों और प्रिंट मीडिया में इसके महत्व के विषय में भी जाना।

आईआईएमसी जम्मू परिसर, जम्मू एवं कश्मीर

देश के अन्य हिस्सों में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए, आईआईएमसी ने 2012-13 के दौरान जम्मू में अपना नया क्षेत्रीय परिसर भी स्थापित किया।

Regional Director Prof Rakesh Goswami inspected construction work at the site of new campus coming up at Keran, Bantalab in Jammu.

जम्मू और कश्मीर सरकार ने आईआईएमसी को शैक्षणिक सुविधाओं और विद्यार्थियों के छात्रावास तथा गेस्ट हाउस के लिए किराया रहित आवास प्रदान किया। राज्य सरकार द्वारा संस्थान को आवंटित 15 एकड़ जमीन पर स्थायी परिसर का निर्माण किया जा रहा है। परिसर के वर्ष 2022 के भीतर पूरा हो जाने की संभावना है।

भारतीय जन संचार संस्थान, जम्मू परिसर का उद्देश्य मीडिया शिक्षा के लिए वैश्विक मानकों को स्थापित करना, ज्ञान आधारित सूचना समाज के निर्माण हेतु अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर अनुसंधान करना, मानव विकास, शक्तिकरण और एक ऐसे सहभागितापूर्ण लोकतंत्र में योगदान देना है, जो अनेकता, सार्वभौमिक मूल्यों और नैतिकता पर टिका हुआ हो। इसका उद्देश्य सीखने और काम करने के लिए एक सक्रिय माहौल तैयार करना है, जो नए विचारों, रचनात्मकता, अनुसंधान, विद्वता को पोषित करे और मास मीडिया, संचार तथा जन संचार के क्षेत्र में मार्गदर्शकों और अन्वेषकों को तैयार करता हो।

प्रमुख गतिविधियां

- जम्मू परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया। समारोह के दौरान शैक्षणिक व गैर-शैक्षणिक कर्मचारी मौजूद थे।

Independence Day celebrated at IIMC Jammu campus. Regional Director Rakesh Goswami hoisted Indian flag

- 16 फरवरी, 2021 को आईआईएमसी जम्मू में देवी सरस्वती की पूजा कर बसंत पंचमी का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक व ग़ैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने प्रार्थना की।

- भारतीय जन संचार संस्थान, जम्मू में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत 28 जनवरी, 2021 को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्टाफ के सदस्यों ने बेसहारा बच्चों के एक धर्मार्थ गृह,*बालग्राम* का दौरा किया। बच्चों ने आईआईएमसी स्टाफ की उपस्थिति में स्वच्छता की शपथ ली और सफाई तथा स्वच्छता के महत्व को समझा। अंत में उन्हें मिठाई व उपहार बांटे गए।
- क्षेत्रीय निदेशक द्वारा नए परिसर के निर्माण कार्य का नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है, जो जम्मू में केरण, बणतालाब में बनाया जा रहा है। साइट इंजीनियरों को निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।
- आईआईएमसी जम्मू परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. राकेश गोस्वामी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और देश के गौरवशाली अतीत पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संकाय सदस्य श्री संजीत खजूरिया, श्री अनुभव माथुर एवं सुश्री राविया गुप्ता सहित परिसर के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।
- फरवरी 2021 में प्रो. (डॉ.) राकेश गोस्वामी आईआईएमसी, जम्मू के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में नियुक्त हुए। निर्वतमान क्षेत्रीय निदेशक श्री मनोहर खजूरिया के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें शैक्षणिक कर्मचारियों ने संस्थान में उनके योगदान को याद किया।
- वर्तमान शैक्षणिक सत्र में आईआईएमसी जम्मू के पुस्तकालय में 130 से अधिक नई पुस्तकें आई। कुछ पुस्तकें आईआईएमसी दिल्ली के पुस्तकालय द्वारा दान की गई थीं। खरीदी गई पुस्तकों में हिंदी में प्रकाशित लोकप्रिय पुस्तकें भी शामिल हैं। कर्मचारियों और विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए विभिन्न विषयों पर पुस्तकें खरीदी गईं।

आईआईएमसी कोट्टयम परिसर, केरल

दक्षिण भारत में भारतीय जन संचार संस्थान का क्षेत्रीय परिसर सन् 1995 में, लैटर्स, लेटेक्स और झीलों की धरती कोट्टयम में स्थापित किया गया। यह श्रमजीवी पत्रकारों, जनसंपर्क पेशेवरों और राज्य सूचना अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। वर्ष 2012 में, पहली बार आईआईएमसी, कोट्टयम ने अपने दरवाज़े अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत के साथ स्नातक विद्यार्थियों के लिए खोले। तब से आईआईएमसी, कोट्टयम लगातार प्रतिबद्धता, गुणवत्ता के साथ, उद्योग के अनुकूल पत्रकारिता प्रतिभाएं तैयार कर रहा है।

वर्ष 2017 में, क्षेत्रीय परिवेश में पत्रकारिता प्रशिक्षण में नए गुणवत्ता मानक स्थापित करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय परिसर में मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किया गया। यह मलयालम माध्यम में पहला पत्रकारिता पाठ्यक्रम है, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई माध्यमों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस पाठ्यक्रम ने अच्छी-खासी प्रतिष्ठा हासिल की है, क्योंकि इसके उत्तीर्ण छात्र देश के प्रमुख मीडिया समूहों में कार्यरत हैं।

वर्ष 2019 में, कोट्टयम से लगभग 12 किमी दूर पंपडी में 10 एकड़ के हरे-भरे क्षेत्र में आईआईएमसी के नए और स्थायी दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर का कामकाज शुरू हुआ। यह एक आवासीय परिसर है, जिसमें एक अकादमिक सह प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रावास, अतिथि गृह, स्टाफ क्वार्टर और अन्य सुविधाएं मौजूद हैं।

नए परिसर के साथ, आईआईएमसी कोट्टयम सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के संचार पेशेवरों के लिए कुछ नए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत करके अपना क़द बढ़ाने की परिकल्पना करता है। आने वाले वर्षों में, आईआईएमसी, कोट्टयम दक्षिण भारत में जन संचार और मीडिया प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है।

गतिविधियां/उपलब्धियां

कोविड -19 महामारी के कारण, नए शैक्षणिक सत्र ज्यादातर ऑनलाइन मोड में आयोजित किए गए थे। विद्यार्थियों को विशेषज्ञों द्वारा अभिविन्यास व्याख्यान और वर्णनात्मक सत्रों के संयोजन के ज़रिए पत्रकारिता तथा जनसंचार की बारीकियों से अवगत कराया गया। इन-हाउस फैकल्टी द्वारा नियमित कक्षाओं के अलावा, विद्यार्थियों को पेशे की सम्पूर्ण समझ प्रदान करने के लिए कई कार्यशालाओं और संवादपूर्ण सत्रों की व्यवस्था भी की गई, जिसमें निम्न शामिल हैं:

- श्रीमती नीता नटराज, कॉर्पोरेट ट्रेनर और आईईएलटीएस परीक्षक द्वारा मलयालम पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा के 2020-2021 बैच के लिए *इफैक्टिव कम्यूनिकेशन* पर तीन दिवसीय कार्यशाला।
- मलयालम पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा के 2020-2021 बैच के लिए डॉ. पद्मकुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मणिपाल विश्वविद्यालय द्वारा *पर्सुएसिव रेडियो प्रोडक्शंस* पर तीन दिवसीय कार्यशाला
- सभी विद्यार्थियों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 'इंट्रोडक्शन टु डिजिटल जर्नलिज़्म' सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जो रॉयटर्स द्वारा करवाया गया था।
- विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित व्यक्तियों - शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वैज्ञानिकों, विद्वानों और विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों से बातचीत करने और जुड़ने के अवसर प्रदान करने के उद्धेश्य से स्कॉलर-इन-कैंपस कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

- **गणतंत्र दिवस** - 26 जनवरी, 2021 को क्षेत्रीय निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। कार्यक्रम में उप निदेशक एवं अन्य कर्मचारियों ने भी भाग लिया।
- **राष्ट्रीय युवा दिवस** - 12 जनवरी, 2021 को स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में स्वामी विवेकानंद और उनके प्रेरक संदेशों को याद किया गया।

- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस** - 21 जून, 2020 को योगा प्रोटोकॉल के अनुसार कर्मचारियों द्वारा अपने घर में मनाया गया।
- **गुरुवंदनम् कार्यक्रम** की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा गुरुओं, जो ज्ञान की दुनिया से उनका परिचय करवाते हैं, के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से की गई ।
- **'नो अवर लैंग्वेज'** कार्यक्रम की शुरुआत केरल से बाहर के विद्यार्थियों को मलयालम में बुनियादी संचार कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से की गई।
- स्वच्छ भारत पखवाड़े के तहत क्षेत्रीय निदेशक द्वारा कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। साथ ही, क्षेत्रीय निदेशक एवं उप निदेशक के नेतृत्व में प्रशासनिक विभाग ने परिसर में सफाई अभियान चलाया, जिसमें परिसर में फैले प्लास्टिक कचरे को हटाकर परिसर में पौधे रोपे गए। पखवाड़े के हिस्से के रूप में, संस्थान ने अंग्रेजी और मलयालम पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए संबंधित विषयों पर निबंध लेखन, पोस्टर डिजाइनिंग आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

- 28 फरवरी 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रिंट मीडिया के ज़रिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए, क्षेत्रीय निदेशक और अकादमिक प्रमुख डॉ. एस. अनिल कुमार को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।
- क्षेत्रीय निदेशक और अकादमिक प्रमुख डॉ. एस. अनिल कुमार को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा विज्ञान मीडिया और पत्रकारिता में उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए राजेंद्र प्रभु प्रशंसा शील्ड से सम्मानित किया गया।
- डॉ. एस. अनिल कुमार को जनवरी 2021 में सर्वश्रेष्ठ विज्ञान पत्रकार के लिए केरल राज्य पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया
- दिसंबर, 2020 में सुश्री आशिक़ा सुल्ताना, अकादमिक सहयोगी, ने इंडोनेशिया के युवा संचार दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतकर्ता का पुरस्कार जीता।
- डॉ. एस.अनिलकुमार, क्षेत्रीय निदेशक और अकादमिक प्रमुख, ने पुस्तक 'पत्र चरित्रतिंते 100 वर्षांगल' (मलयालम प्रेस के 100 वर्ष) का लेखन और प्रकाशन किया है। उन्होंने मलयालम भाषा में एक प्रेरक पुस्तक, सुदर्शनम् भी लिखी है।
- श्री ए. चन्द्रशेखर, सहायक प्रोफेसर, ने 'मलयाला सिनेमा ईले अदुक्कला' (मलयालम सिनेमा में रसोईघर का चित्रण) लिखी है। उन्होंने एक मोनोग्राफ, फेक न्यूज एण्ड डेमोक्रेसी का संपादन और प्रकाशन भी किया है।
- सुश्री आशिक़ा सुल्ताना, अकादमिक सहायक, ने अकादमिक प्रोविंस द्वारा प्रकाशित पुस्तक, इमर्जिंग ट्रेंड्स इन फाइनेंस, मार्केटिंग एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट नामक पुस्तक में, "इमर्जिंग ट्रैंड्स इन एडवर्टाइज़िंग एंड मार्केटिंग: अ न्यू वेव अमिड्स्ट कोविड 19 पैन्डॅमिक'' शीर्षक से एक अध्याय का योगदान दिया है।
- सुश्री आशिक़ा सुल्ताना, अकादमिक सहयोगी ने यूथ कम्यूनिकेशन डे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, इंडोनेशिया (दिसम्बर, 2020) में "इम्पैक्ट ऑफ़ ऑनलाइन एडवर्टाइज़िंग एंड द यूज़ ऑफ़ कॉस्मैटिक प्रोडक्ट्स: अ स्टडी ऑन द इंफ़्लुएंस ऑफ़ ऑनलाइन एडवर्टाइज़मेंट्स एंड चेंज इन द पर्चेज़िंग बिहेवियर ऑफ़ वीमेन इन केरला'' पर एक शोध-पत्र प्रस्तुत किया।
- सुश्री आशिक़ा सुल्ताना, अकादमिक सहयोगी ने जकार्ता कम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस, इंडोनेशिया (मार्च 2021) में "डिजिटल कम्युनिकेशन इन पोस्ट पैन्डॅमिक टाइम्स: इम्पैक्ट ऑन इंडियन यूथ'' शीर्षक पर एक शोध पत्र भी प्रस्तुत किया
- सुश्री सारण्या पी.एस., अकादमिक शिक्षण सहयोगी ने अंग्रेज़ी भाषा, साहित्य और अनुवाद अध्ययन (आईजेईएलआर) की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में ''इंडियन आचाराज़ एण्ड साइंटिफ़िक रीज़ंस: ऑडिएंस

एनालिसिस ऑन द साइंटिफ़िक अंडरस्टैंडिंग एंड प्रैक्टिसिंग ऑफ़ इंडियन कस्टम्स एंड रिचुअल्स'' शीर्षक से एक पत्र प्रकाशित किया है।

- समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए लिखने, संपादित करने और डिज़ाइन करने हेतु प्रशिक्षण के तहत, आईआईएमसी कोट्टयम के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी के साथ-साथ मलयालम - क्रमशः आईआईएमसी वॉइस और एज़ुथोला - में कई लैब जर्नल डिजाइन और प्रकाशित किए।

भविष्य के लिए योजना

संस्थान की योजना अपने सहयोगी नेटवर्क को बढ़ाने की है, जिससे अन्य शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ आवश्यक संपर्क बनाया जा सके। संचार क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों, चुनौतियों और समाधानों को कवर करने वाली एक द्विभाषी शोध पत्रिका भी पाइपलाइन में है। सामुदायिक रेडियो स्टेशन को पूर्ण रूप से स्थापित करने की आवश्यकता है। नए स्थायी परिसर और डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी के दर्जे के साथ, आईआईएमसी कोट्टयम एक ज्ञान-संचालित सूचना समाज के निर्माण की दिशा में अपने सपने को पूरा करने और जन संचार तथा मीडिया प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट संस्थान की कसौटी पर खरा उतरने की दिशा में काफ़ी आगे जाएगा।

अल्पकालीन पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा सम्मेलनों का आयोजन

भारत और अन्य विकासशील देशों के संदर्भ में जनसंचार से संबंधित विभिन्न मुद्दों की बेहतर समझ पैदा करने में योगदान देने हेतु और विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों को उभरते हुए रुझानों तथा तकनीकों से परिचित कराने और उनके कौशल को निखारने के लिए संस्थान संचार से संबंधित विभिन्न विषयों पर अल्पकालीन पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन करता रहा है। संस्थान सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न मीडिया यूनिटों के कर्मचारियों के लिए भी नियमित रूप से अल्पकालिक शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है।

विकास पत्रकारिता

सन् 1969 में, आईआईएमसी ने अफ्रीकी-एशियाई देशों के मिडिल लेवल के श्रमजीवी पत्रकारों के लिए एक प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, विकासशील देशों के लिए पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य समाचार कवरेज में असन्तुलन व विकृति के संदर्भ में गुटनिरपेक्ष देशों की आवश्यकताओं को पूरा करना था। यह भारत सरकार की आइटेक योजनाओं के अन्तर्गत प्रमुख पाठ्यक्रमों में से एक है। विकास पत्रकारिता पाठ्यक्रम विकास के एक उपकरण के रूप में संचार के उपयोग के क्षेत्र में, खासतौर पर विकासशील जगत के देशों के बीच अनुभव, विशेषज्ञता और नवाचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समझ को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रयास है। इन वर्षों के दौरान, आईआईएमसी वर्णानुक्रम में अफ़गानिस्तान से लेकर ज़िम्बाब्वे तक, 127 देशों के 1,706 से अधिक विदेशी पत्रकारों को प्रशिक्षित कर चुका है।

वर्ष 2020-21 के दौरान, कोविड-19 महामारी के कारण विभिन्न प्रतिबंधों, विशेष रूप से यात्रा और वीजा प्रतिबंधों के कारण आईआईएमसी में विकास पत्रकारिता विभाग कोई पाठ्यक्रम संचालित नहीं कर सका।

अल्पकालीन पाठ्यक्रम विभाग

भारतीय जन संचार संस्थान संचार और मीडिया से संबंधित विभिन्न विषयों पर विभिन्न प्रकार के अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित करता रहा है। एक सप्ताह से लेकर चार सप्ताह तक की अवधि के ये विशेष अल्पकालीन पाठ्यक्रम सशस्त्र बलों के अधिकारियों, विभिन्न राज्यों के पुलिस कर्मियों और केंद्र व राज्य सरकारों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विभिन्न मीडिया और प्रचार संगठनों में काम करने वालों की व्यावसायिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। मीडिया से संबंधित विभिन्न संगठनों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संस्थान द्वारा हर साल लगभग आठ से दस ऐसे पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

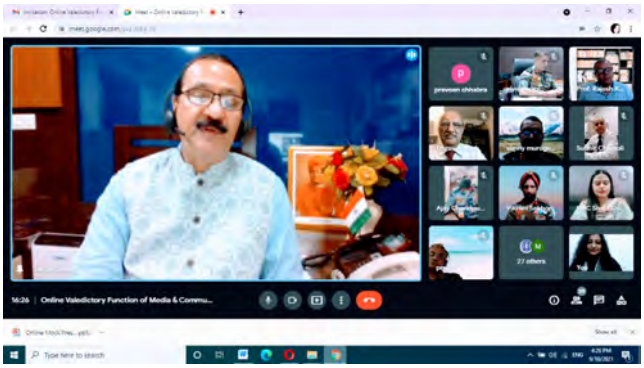

इन अल्पकालीन पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए अकादमिक और मीडिया उद्योग के प्रख्यात वक्ताओं के विभिन्न सत्र शामिल होते हैं। अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान ने 700 से अधिक ऐसे पाठ्यक्रमों का आयोजन किया है और भारत तथा दूसरे देशों से लगभग 15,000 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है।

पिछले शैक्षणिक वर्ष में महामारी के बावजूद, भारतीय जन संचार

संस्थान ने पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार की देखरेख में छह मीडिया और संचार पाठ्यक्रमों का आयोजन किया। ये पाठ्यक्रम, अल्पकालीन पाठ्यक्रम विभाग की टीम के साथ मिलकर, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. विष्णुप्रिया पांडे द्वारा डिज़ाइन, समन्वित और संचालित किए गए। चालू शैक्षणिक वर्ष में ऐसे आठ पाठ्यक्रम नियोजित किए गए हैं।

समग्र मीडिया परिदृश्य से शुरू होकर, इन मीडिया और संचार पाठ्यक्रमों के प्रतिभागी मीडिया प्रबंधन व स्वामित्व प्रतिमान, सोशल मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र, मीडिया जगत के नए रुझान, डिजिटल युग में मीडिया प्रबंधन, तथ्य जांच, प्रभावी जनसंपर्क के उपकरणों को समझना, प्रेस विज्ञप्ति के कारक, ऑनलाइन मॉक प्रेस कॉन्फ्रेंस, डिजिटल मीडिया और उभरती प्रौद्योगिकियों और मीडिया के लिए संचार तथा सामग्री सृजन का भारतीय परिप्रेक्ष्य, जैसे सत्रों में भाग लेते हैं। वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए गए:

- मीडिया और स्टाफ नियुक्ति/जन-संपर्क अधिकारी/प्रशिक्षक विषयों पर अधिकारियों के लिए तीन सप्ताह का **मीडिया और संचार** कार्यक्रम आयोजित किया गया (23-11 दिसंबर 2020)। इसमें 12 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- वरिष्ठ अधिकारियों (ब्रिगेडियर/कर्नल/समकक्ष) के लिए दो सप्ताह का **मीडिया और संचार पाठ्यक्रम** (11-22 जनवरी 2021) आयोजित किया गया, जिसमें 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- मीडिया और स्टाफ नियुक्ति/जन-संपर्क अधिकारी/प्रशिक्षक पर अधिकारियों के लिए तीन सप्ताह (1-19 फरवरी, 2021) का **मीडिया और संचार** कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 17 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- मीडिया और स्टाफ नियुक्ति/जन-संपर्क अधिकारी/प्रशिक्षक पर अधिकारियों के लिए तीन सप्ताह (1-19 फरवरी 2021) का **मीडिया और संचार** कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 17 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- भारतीय आर्थिक सेवा, समूह ए, बैच 2019 के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए मीडिया और संचार पाठ्यक्रम पर एक सप्ताह (1-5 मार्च, 2021) का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- 18 फरवरी 2021 को पंजाब पुलिस अकादमी के डिप्टी एसएसपी के लिए पुलिस मीडिया इंटरफेस मॉड्यूल पर आधे दिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 26 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- मध्यम स्तर के अधिकारियों (मेजर/लेफ्टिनेंट कर्नल/समकक्ष) के लिए मीडिया और संचार पाठ्यक्रम पर दो सप्ताह (8-19 मार्च 2021) का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 18 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संचार अनुसंधान विभाग

संचार अनुसंधान विभाग संस्थान के अनुसंधान एजेंडा के अभिन्न अंग के रूप में संचार और मीडिया के सुनियोजित अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करता है। विभाग के प्रयास सरकार की मास मीडिया नीतियों और संचार कार्यक्रमों के विश्लेषण की ओर निर्देशित हैं, जिससे प्रमुख विकास मुद्दों पर इन नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभाव का आकलन किया जा सके। पिछले 54 वर्षों में विभिन्न विषयों पर 200 से अधिक शोध अध्ययनों के साथ, विभाग ने संचार में अनुसंधान के लिए एक मानक स्थापित किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और मूल्यांकन विभाग के अनुसंधान कार्यक्रम की एक सतत् विशेषता है।

विभाग पेशेवर संचारकों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के सहयोग से काम करता है, जो विभाग के नेतृत्व में अनुसंधान पहलों तथा प्रशिक्षण कार्यशालाओं में सहयोग करते हैं।

वर्ष 2020-21 के दौरान विभाग द्वारा की गई प्रमुख अनुसंधान गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाएं

*1) **स्वास्थ्य साक्षरता के संबंध में टीवी के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावशीलता:*** स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित ***लोकसभा टीवी के स्वस्थ भारत कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन।***

इस अध्ययन ने टेलीविजन पर *स्वस्थ भारत* कार्यक्रम की प्रभावशीलता का एक ऐसे वातावरण में पता लगाया, जब विभिन्न मीडिया मंचों द्वारा स्वास्थ्य से संबंधित सूचनाओं की भरमार पेश की जा रही है। यह अध्ययन इस बात का मूल्यांकन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले स्वास्थ्य कार्यक्रम दर्शकों की स्वास्थ्य साक्षरता पर कोई प्रभाव डालते हैं या नहीं। इस प्रकार यह अध्ययन यह समझने में मदद करेगा कि क्या स्वास्थ्य-स्थिति

का पता लगाने के तरीकों, रोकथाम, सुरक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार के लिए एकत्रित ज्ञान के उपयोग को लेकर दर्शकों व ग़ैर-दर्शकों के ज्ञान के स्तर में कोई फ़र्क है। इस अध्ययन के निष्कर्षों का उद्देश्य दर्शकों की संख्या तथा प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम सामग्री और/या *स्वस्थ भारत* शो के प्रारूप में किसी आवश्यक बदलाव का सुझाव देना है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में जानकारी के स्रोत के रूप में *स्वस्थ भारत* जैसे टेलीविजन आधारित कार्यक्रमों की वरीयता का आकलन करना।
2. *स्वस्थ भारत* शो में स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में सम्प्रेषण की प्रभावशीलता का निम्न आधार पर आकलन करना:
   - जिन स्वास्थ्य स्थितियों पर एपिसोड के दौरान चर्चा की गई हो, उनसे संबंधित स्वास्थ्य जानकारी पर दर्शकों की समझ व स्मृति।
   - *स्वस्थ भारत* के एपिसोड देखने के बाद दर्शकों की सावधानी, स्वीकृति, रवैये (और व्यवहार) में बदलाव।
   - कार्यक्रम में सामग्री की उपयोगिता पर प्रतिक्रिया।
   - सूचना के प्रस्तुतिकरण तथा भाषण शैली के प्रारूप की कथित प्रभावशीलता।
3. सामग्री और प्रस्तुति की शैली में सुधार हेतु दर्शकों की टिप्पणियों और सुझावों पर खुले प्रश्नों के आधार पर *स्वस्थ भारत* शो में स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में संचार की किसी भी प्रभावशीलता का पता लगाना।
4. स्वास्थ्य प्रभावों के संदेश सकारात्मक शब्दों या नकारात्मक शब्दों में तैयार करने की प्रबलता की पहचान करना।
5. किसी बीमारी की विशिष्ट स्थिति के सकारात्मक बनाम नकारात्मक विवरण की पहचान करके लक्षण निर्धारण का आकलन करना।
6. किसी कार्य या सलाह को करने/मानने या न करने/मानने के परिणाम के रूप में लाभ या हानि (लाभ और लागत) की पहचान करके लक्ष्य निर्धारण का आकलन करना।
7. निवारक स्वास्थ्य व्यवहार को बढ़ावा देने में सलाह की प्रबलता के आधार पर संदेश निर्माण का आकलन करना।

अध्ययन के परिणाम

1. अनुसंधान दर्शाते हैं कि सक्रिय संचार चैनल, जैसे परस्पर संवाद, समाचार पत्र और इंटरनेट सेवा, ठोस स्वास्थ्य धारणाएं रखने और सक्रिय स्वास्थ्य सूचना चाहने वालों के लिए जानकारी प्राप्त करने के प्राथमिक स्रोत हैं। इसके विपरीत, टेलीविजन और रेडियो जैसे निष्क्रिय उपभोग चैनल उन व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य सूचनाओं के प्राथमिक स्रोत होते हैं, जो आमतौर पर स्वास्थ्य के प्रति कुछ खास सजग नहीं होते।
2. विभिन्न आयु वर्गों, जेंडर, शिक्षा के स्तरों तथा रोज़गार-स्थिति वाले 297 व्यक्तियों के सर्वेक्षण के परिणाम, स्पष्ट बहुमत के साथ सभी नौ राज्यों के उत्तरदाताओं के पिछले शोध के साथ मेल खाते हैं, जिन्होंने बताया था कि वे स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए सबसे पहले अपने परिवार तथा दोस्तों के साथ हुई बातचीत और उसके बाद अखबारों तथा टेलीविजन पर भरोसा करते हैं।
3. इस अध्ययन के परिणामों, जिनका उद्देश्य *स्वस्थ भारत* टेलीविजन कार्यक्रम देखने से पहले और बाद में विशिष्ट स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में उत्तरदाताओं के ज्ञान को मापना था, में पाया गया कि कुल मिलाकर और सामान्यत: कार्यक्रम को देखने के बाद वास्तव में उत्तरदाताओं के जागरूकता या ज्ञान के स्तर में वृद्धि हुई थी।

2) सुरक्षित तथा वैध प्रवास पर मास मीडिया अभियान का मूल्यांकन तथा प्रभाव का आकलन, *विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया*

इस अध्ययन का उद्देश्य वर्ष 2009 में विदेश मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए सुरक्षित तथा वैध प्रवास अभियान की पहुंच और प्रभावशीलता का मूल्यांकन और विश्लेषण करना है। प्रत्येक क्षेत्र में ईसीआर श्रेणी के प्रवासियों की उच्च दर वाले राज्यों का चयन किया गया है और इस उद्देश्य के लिए प्राथमिक शोध किया गया है। अभियान की उपयुक्तता को समझने के लिए, विदेश मंत्रालय की वेबसाइट और अन्य स्रोतों, जैसे भारतीय पाठक सर्वेक्षण (आईआरएस), ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (एबीसी) तथा वर्ष 2011 की जनगणना के ईसीआर डेटा के आधार पर मीडिया योजना विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य

इस शोध का व्यापक उद्देश्य देश के विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित आबादी के बीच मीडिया चयन और एक्सपोज़र का अनुमान लगाकर मीडिया अभियान की पहुंच का आकलन करना और साथ ही लक्षित दर्शकों के बीच अभियान के संदेशों की याददाश्त तथा अमल को मापकर अभियान की प्रभावशीलता का आकलन करना था। इस शोध के दो प्राथमिक उद्देश्य निम्नलिखित थे:

1. आठ भारतीय/क्षेत्रीय भाषाओं में अभियान के विज्ञापनों की प्रभावशीलता का आकलन करना।

इस उद्देश्य के तहत, अध्ययन निम्नलिखित कारकों का विश्लेषण करता है: अ) विदेश मंत्रालय की मीडिया योजना के मद्देनज़र लक्षित दर्शकों की मीडिया प्रवृत्ति व मीडिया प्राथमिकताएं, ब) लक्षित दर्शकों की सिफारिश के अनुसार अभियान, विज्ञापन सामग्री, अभियान संदेश और इसके वितरण हेतु लगाए गए मीडिया में परिवर्तन।

2. निम्न आधार पर अभियान की पहुँच का मूल्यांकन

- अभियान से भिज्ञता।
- लक्षित दर्शकों में अभियान, विज्ञापनों और संदेशों की याददाश्त व अमल।
- लक्षित दर्शकों में विज्ञापनों के संदेशों की समझ तथा उनके लिए इनकी उपयोगिता।
- लक्षित दर्शकों में आत्म–अनुभूति से इरादतन व्यवहार परिवर्तन।

अध्ययन के परिणाम

1. अध्ययन में पाया गया कि उनमें से लगभग सभी (98.1%) विभिन्न उद्देश्यों के लिए अपने मोबाइल फोन से इंटरनेट का उपयोग करते हैं। *सोशल नेटवर्क* के उपयोग में मोबाइल प्रौद्योगिकियों के लोकप्रिय होने के कारण हुई वृद्धि का खुलासा क्षेत्रीय अध्ययन से हुआ है; 70.2% उत्तरदाता अपने मोबाइल पर फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। 72.9% दर्शकों में टीवी तीसरा सबसे लोकप्रिय माध्यम है; प्रत्येक राज्य में टीवी दर्शकों की एक बड़ी संख्या पाई जाती है। उत्तरदाताओं की अखबार पढ़ने की आदतों के विश्लेषण से पता चलता है कि कुल मिलाकर 41.4% लोग अखबार पढ़ते हैं। इन निष्कर्षों के आधार पर, लोगों की मीडिया उपभोग की आदतों पर यह सुझाव दिया गया है कि व्हाट्सएप तथा फेसबुक जैसे लोकप्रिय मीडिया प्लेटफॉर्म को और ज़बरदस्त तरीके से तथा परंपरागत मीडिया अभियान के साथ तालमेल बिठाकर काम में लिया जाना चाहिए। इस संबंध में, प्रत्येक राज्य में लक्षित दर्शकों तक पहुंचने के लिए राज्य-विशिष्ट रणनीतियों की योजना बनाने की आवश्यकता है।
2. फील्ड से यह सामने आया है कि कई कारणों से प्रत्येक राज्य में अभियान से भिज्ञता का स्तर भिन्न है। क्षेत्रीय विविधता, सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, जेंडर, आयु, धार्मिक, जनसांख्यिकीय और अन्य अन्तरों ने अभियान के प्रति इन राज्यों की भिज्ञता को प्रभावित किया है। सामाजिक-आर्थिक तथा जनसांख्यिकीय कारकों के अलावा, व्यक्तिगत पसंद, समाचार पत्र पढ़ने और टेलीविजन देखने की आदतों में कमी, टीवी देखने के लिए समय का चयन और विज्ञापन चलाने के लिए चुने गए समय में समानता न होना, ये कुछ ऐसे महत्वपूर्ण कारक हैं, जो उत्तरदाताओं के अभियान से अवगत होने/न होने का कारण हो सकते हैं। अध्ययन से पता चलता है कि कुल मिलाकर, सभी राज्यों में अभियान से अवगत उत्तरदाताओं की संख्या उन उत्तरदाताओं से कम है, जो अभियान से अवगत नहीं हैं।
3. इन राज्यों से बड़े पैमाने पर प्रवास के परिदृश्य को देखते हुए, अध्ययन ने प्रवास के पीछे प्रेरित और प्रभावित करने के विभिन्न कारकों का पता लगाने की कोशिश की। इस संबंध में, उत्तरदाताओं से विभिन्न राज्यों में विविध प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं। हालांकि, विदेशी प्रवास का प्राथमिक कारक आर्थिक स्थिति पाया गया। शिक्षा का निम्न स्तर, जीवन यापन की कठिन स्थिति, बड़ा परिवार उन कुछ महत्वपूर्ण कारकों में से हैं, जो उनके द्वारा विदेश में रोजगार प्राप्त करने के कारणों के रूप में दिए गए। उत्तरदाताओं ने रोजगार की कमी, उच्च जीवन स्तर की संभावना जैसे कारणों को देश के बाहर नौकरी खोजने की प्रेरणा के रूप में भी उद्धृत किया। ये सभी कारक प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आर्थिक आयाम से संबंधित हैं। अवगत (एक्सपोज्ड) समूह में, शिक्षा का निम्न स्तर तथा रहने की कठिन परिस्थितियां कई लोगों द्वारा उद्धृत कारण हैं। अनभिज्ञ समूह में, पारिवारिक प्रोत्साहन, बड़ा परिवार और उच्च जीवन स्तर की संभावना, उत्तरदाताओं द्वारा विदेश में काम करने के कारणों के रूप में दिए गए प्रमुख कारण हैं।
4. सोशल मीडिया पर विदेश मंत्रालय की उपस्थिति का विश्लेषण और ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रवासन के मुद्दे पर इसकी भागीदारी से पता चलता है कि विदेश मंत्रालय द्वारा पोस्ट और फॉलोअर्स के मामले में यूट्यूब और अन्य चुनिन्दा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वृद्धि देखी गई है। हालांकि, सुरक्षित वैध प्रवास के साथ इन प्लेटफॉर्म का जुड़ाव बहुत संतोषजनक नहीं है। इन सभी में से सुरक्षित तथा वैध प्रवास पर पोस्ट करने के मामले में ट्विटर अपेक्षाकृत बेहतर है।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा/डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए निम्नलिखित स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल, सोशल मीडिया आदि में इस संबंध में दिए गए एक विज्ञापन के प्रकाशन के साथ अगस्त 2020 में शुरू हुई, आवेदन पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 23 सितम्बर 2020 निर्धारित की गई थी। स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम निम्न हैं:

1. पत्रकारिता (हिन्दी) में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
2. पत्रकारिता (अंग्रेज़ी) में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली, ढेंकनाल, आइज़ोल, अमरावती, जम्मू तथा कोट्टयम
3. विज्ञापन एवं जन-संपर्क में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
4. रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
5. पत्रकारिता (उड़िया) में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ढेंकनाल
6. उर्दू पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, दिल्ली
7. मराठी पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, अमरावती

8. मलयालम पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, कोट्टयम

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा में कुल 4621 उम्मीदवारों ने आवेदन किया।

उपरोक्त पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा 18 अक्टूबर 2020 को एनटीए के माध्यम से रिमोट प्रॉक्टर्ड ऑनलाइन टेस्ट के आधार पर आयोजित की गई थी। सभी स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अंतिम परिणाम 29 अक्टूबर 2020 को घोषित किए गए।

छात्रों के नए बैच के लिए ओरिएंटेशन सत्र 23 नवंबर से 26 नवंबर 2020 तक जारी रहे। जनसंचार के क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने ओरिएंटेशन सत्रों को संबोधित किया।

53वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

कोविड -19 स्थिति के कारण शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए आईआईएमसी का 53 वां दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं किया जा सका। स्नात्कोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के सभी छात्रों को 15 जुलाई 2021 को डिप्लोमा प्रमाण पत्र और विभिन्न पदक तथा पुरस्कार डाक से भेजे गए।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों द्वारा हासिल किए गए पुरस्कारों का विवरण संलग्नक ''ए'' में दिया गया है।

आईआईएमसी प्लेसमेंट सेल

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) अपने विद्यार्थियों को नौकरी और इंटर्नशिप प्राप्त करने में मदद करता है। विद्यार्थियों को नौकरी और इंटर्नशिप की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक पारदर्शी तंत्र सुनिश्चित करने हेतु आईआईएमसी में एक प्लेसमेंट सेल बनाया गया है। यह प्रकोष्ठ आईआईएमसी के विभिन्न क्षेत्रीय परिसरों में पढ़ने वाले छात्रों सहित अधिकतम छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

प्लेसमेंट सेल जिस भावना के साथ तैयार किया गया था, उसके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए:

- शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए नौकरी और इंटर्नशिप की योजना बनाने हेतु पाठ्यक्रम निदेशकों के साथ एक परामर्श बैठक आयोजित की गई।
- नौकरी और इंटर्नशिप दिशानिर्देश तैयार करने के लिए आधार तैयार किया गया।
- प्लेसमेंट प्रक्रिया में विद्यार्थियों की भागीदारी भी शामिल करने और नौकरी पाने में विद्यार्थियों को जिन अपेक्षाओं तथा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उन्हें जानने के लिए सभी पाठ्यक्रमों के कक्षा प्रतिनिधियों (सीआर) के साथ बैठकें की गईं।
- मीडिया, विज्ञापन, जनसंपर्क, अनुसंधान और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से लगभग 100 कंपनियों का डेटाबैंक बनाया गया।
- टीसीएस और एडफैक्टर्स पीआर द्वारा छात्रों की भर्ती के साथ 2020-21 बैच के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया का पहला दौर शुरु हुआ।
- डीडी न्यूज, अमर उजाला डिजिटल, मल्टीपल स्क्लेरोसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमएसएसआई), इनशॉर्ट्स ('उड़िया विषय-वस्तु विशेषज्ञ'), मेट्रो रेल न्यूज (सिम्ब्रोज़ मीडिया पब्लिकेशन) और ईटीवी भारत सहित 2019-20 बैच के लिए नए भर्ती अनुरोधों हेतु समन्वय किया गया।

2020-21 प्लेसमेंट सीज़न के मुख्य अंश

नई दिल्ली सहित सभी क्षेत्रीय केंद्रों के कुल 350 विद्यार्थियों ने कैंपस भर्ती में भाग लिया। प्लेसमेंट सीजन के दौरान आईआईएमसी के विद्यार्थियों को कुल 187 नौकरी के प्रस्ताव दिए गए। अधिकतम सीटीसी 8.5 लाख रुपये प्रति वर्ष और औसत 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष पर रहा।

भर्ती अभियान में हिस्सा लेने वाले प्रमुख संगठन/कंपनियां:

आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय	इनशॉर्ट्स
आयुष मंत्रालय	कन्जेन्सिस
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय	एमएसएल (पब्लिसिस समूह)
राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी)	इडलमैन
राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी)	एक्सॅन्चर
प्रसार भारती	फर्स्ट ग्लोबल
ज़ी मीडिया	रीडिंग राइट
एचटी डिजिटल	सेवा भारत

55वां वार्षिक दिवस समारोह

संस्थान ने 17 अगस्त, 2020 को अपना 55वां वार्षिक दिवस मनाया, जो आईआईएमसी का 56वां स्थापना दिवस भी था। इस अवसर पर नई दिल्ली और संस्थान के सभी क्षेत्रीय परिसरों में समारोह आयोजित किए गए। स्थापना दिवस व्याख्यान श्री अमित खरे, सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार और अध्यक्ष, आईआईएमसी द्वारा दिया गया। श्री खरे ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) - दर्शन और मार्गदर्शक सिद्धांत' और

देश में संचार शिक्षा के लिए क्या महत्वपूर्ण है, इस विषय पर बात की।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2020 को आईआईएमसी मुख्यालय और अन्य पांच क्षेत्रीय परिसरों में 74वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। महानिदेशक, प्रो संजय द्विवेदी ने तिरंगा फहराया और विद्यार्थियों को समाज तथा राष्ट्र के प्रति मन में स्वामित्व की भावना उत्पन्न करने के लिए प्रेरित किया।

राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप वर्ष के दौरान हिन्दी के प्रयोग में प्रगामी प्रगति करने के हरसंभव प्रयास किए गए। संस्थान के कर्मचारियों को अपने दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। हिन्दी में काम करने की झिझक को दूर करने के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

- संस्थान में 22 सितम्बर 2020 को भारतीय सूचना सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें श्री केवल कृष्ण को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- संस्थान में 18 दिसंबर, 2020 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में श्री कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक, कार्यान्वयन, राजभाषा विभाग, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। इसमें आठ प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 8 मार्च 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संस्थान की महिला कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रेखा सेठी को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। इस कार्यशाला में 32 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हिन्दी पखवाड़ा

संस्थान में 14 से 28 सिंतबर, 2020 तक ''हिन्दी पखवाड़ा'' मनाया गया। इस दौरान निबंध प्रतियोगिता, हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता, हिन्दी टंकण प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पुस्तकालय में हिन्दी पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं की प्रदर्शनी आयोजित की गई। संस्थान के ढेंकनाल क्षेत्रीय परिसर में 14-18 सितंबर, 2020 तक ''हिन्दी सप्ताह'' मनाया गया। संस्थान के अन्य क्षेत्रीय परिसरों यानी आईजोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टयम में 14 सितंबर, 2020 को ''हिन्दी दिवस'' मनाया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) से जुड़ी गतिविधियां

भारतीय जन संचार संस्थान, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) दक्षिण दिल्ली-3 का अध्यक्ष कार्यालय है। 26 नवम्बर, 2020 को नराकास की छमाही बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में 57 सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति का निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उपसमिति द्वारा दिनांक 18.11.2020 को राजभाषा हिंदी के प्रयोग में हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) दक्षिण दिल्ली-3 के अध्यक्ष कार्यालय तथा इसके 9 सदस्य कार्यालयों के साथ बैठक की गई। नराकास दक्षिण दिल्ली-3 का अध्यक्ष कार्यालय होने के नाते भारतीय जन संचार संस्थान ने इस बैठक के आयोजन में समन्वय कार्य किया।

राजभाषा सम्मेलन

भारतीय जन संचार संस्थान की ओर से नराकास, दक्षिण दिल्ली-3 के तत्वावधान में 16 मार्च 2021 को राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन संस्थान के महानिदेशक और नराकास, दक्षिण दिल्ली-3 के अध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन के दौरान दो सत्रों का आयोजन किया गया। शुभारंभ सत्र में गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग में सचिव और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. सुमीत जैरथ मुख्य अतिथि रहे। इस सत्र को मुख्य वक्ता के तौर पर 'व्यंग्य यात्रा' के संपादक डॉ. प्रेम जनमेजय ने सम्बोधित किया। तकनीकी और समापन सत्र की मुख्य अतिथि प्रख्यात कथाकार, उपन्यासकार, दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. अल्पना मिश्र रहीं। इस सत्र को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय में उपनिदेशक श्री कुमार पाल शर्मा और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय में ही सहायक निदेशक श्री रघुवीर शर्मा ने भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर सम्बोधित किया। इस सम्मेलन में नराकास दक्षिण दिल्ली -3 के कुल 32 सदस्य कार्यालयों के 44 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन को मीडिया में व्यापक कवरेज मिली।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन प्रत्येक तिमाही में एक बार किया जाता है। ये बैठकें संस्थान के महानिदेशक की अध्यक्षता में संपन्न की जाती हैं। अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण, 11 अगस्त, 2020 और 5 अक्टूबर, 2020 की बैठकें ऑनलाइन आयोजित की गईं। जबकि 21 दिसंबर, 2020 और 23 मार्च, 2021 की बैठकें ऑफलाइन आयोजित की गईं। इन बैठकों में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने पर सार्थक चर्चा हुई।

बुनियादी ढांचा मज़बूत करना

संस्थान अपने विद्यार्थियों को क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त अवसंरचनाओं के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करता है। आईटी क्रांति के मद्देनजर तेज़ी से हो रहे बदलावों के कारण, इस उद्देश्य हेतु बनाए गए बुनियादी ढांचे को निरंतर उन्नत बनाने और मज़बूत करने की आवश्यकता है। इन विभिन्न समकालीन उपकरणों और सुविधाओं का उपयोग शिक्षण को अधिक प्रभावकारिता प्रदान करता है।

क्षेत्रीय परिसरों का निर्माण :

आईआईएमसी जहां एक ओर नई दिल्ली और ओडिशा के ढेंकनाल में अपने स्वयं के परिसरों से संचालित हो रहा है, वहीं जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर), आइज़ोल (मिजोरम) और अमरावती (महाराष्ट्र) में क्षेत्रीय परिसर संबंधित राज्य सरकारों/विश्वविद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराए गए अस्थाई परिसरों से संचालित किए जा रहे हैं। इस प्रकार अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने तथा सभी क्षेत्रों के लिए स्थायी परिसरों का निर्माण करने के प्रयास के तहत संस्थान इन तीनों स्थानों पर अपने परिसरों का निर्माण कर रहा है।

जम्मू में उत्तरी क्षेत्रीय परिसर में निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसका सिविल कार्य मार्च 2022 के अंत तक पूर्ण हो जाने की संभावना है और उसके बाद परिसर को सुसज्जित करने तथा क्लासरूम, कंप्यूटर प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय और अन्य क्षेत्रों के लिए वांछित बुनियादी सुविधाओं के सृजन का कार्य आरंभ हो जाएगा। जुलाई/अगस्त 2022 से आरंभ होने बाला 2022- 23 सत्र नए परिसर से आरंभ होगा।

आइज़ोल, मिजोरम में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय परिसर के मुख्य भवन का प्राथमिक निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। कुछ अतिरिक्त कार्य प्रगति पर है जो अगस्त 2022 तक पूरा हो जाएगा। हालांकि परिसर के मुख्य भवन में बुनियादी साज-सज्जा का कार्य पूरा होते ही हम वहां जाने के इच्छुक हैं।

अमरावती, महाराष्ट्र में राज्य सरकार ने स्थायी पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर के निर्माण के लिए 6 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध कराई है जमीन का पट्टा नवीनीकरण की प्रक्रिया में है। जमीन के पट्टे का नवीनीकरण होते ही भवन का निर्माण कार्य आरंभ हो जाएगा।

अध्यापन साधन/सुविधाएं

मीडिया, जनसंचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों में से एक होने की अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप, संस्थान के पास विशिष्ट और पर्याप्त सुविधाएं मौजूद हैं, जिनमें संचार शिक्षा में कक्षाओं और व्यावहारिक अभिविन्यास के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का पूरा स्पेक्ट्रम शामिल है। इन सुविधाओं का लगातार उन्नयन किया जाता है।

वैश्विक नेटवर्क वॉइस, वीडियो और डेटा के लिए इकहरे एकीकृत मंच की ओर बढ़ रहे हैं। सूचना और संचार के क्षेत्र में तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी तथा शिक्षा एवं अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, संस्थान ने इंटरनेट सुविधा से युक्त नवीनतम कंप्यूटरों का अधिग्रहण किया है, जो इसके विद्यार्थियों तथा संकाय के लिए वर्ष भर की कनेक्टिविटी सुलभ बनाते हैं। ये उपकरण और कनेक्टिविटी इलेक्ट्रॉनिक समाचार संपादन, वेब पत्रकारिता, मल्टीमीडिया, डिजाइनिंग, प्रकाशन और ग्राफिक्स में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए शैक्षिक उपकरणों तथा अध्यापन साधनों की रीढ़ है। अत्याधुनिक डेस्कटॉप मशीनों का एक संयोजन मल्टीमीडिया, कंप्यूटर ग्राफिक्स, डेस्कटॉप प्रकाशन आदि के क्षेत्रों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करता है।

आई टी उपकरण

2011-12 के दौरान, आईआईएमसी देश में सभी ज्ञान-संबंधित संस्थानों के लिए एकीकृत तेज़ गति नेटवर्क आधार प्रदान करने के लिए एक अत्याधुनिक, मल्टी-गीगाबाइट, अखिल भारतीय ब्रॉडबैंड नेटवर्क, राष्ट्रीय ज्ञान संजाल (एनकेएन) में शामिल हो गया। राष्ट्रीय ज्ञान संजाल का हिस्सा होने के नाते, आईआईएमसी को 1जीबीपीएस या उससे अधिक की गति पर ब्रॉडबैंड इंटरनेट निर्बाध रूप से प्राप्त होता है। इस तरह के ज्ञान संजाल (नेटवर्क) का उद्देश्य देश में आवश्यक अनुसंधान सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण संस्थानों के निर्माण और उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों का एक पूल तैयार करना है। तेज़ गति एनकेएन, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, संचारकों और विभिन्न पृष्ठभूमि तथा विविध भौगोलिक

क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्रों में ज्ञान के सृजन तथा प्रसार के लिए महत्वपूर्ण व उभरते क्षेत्रों में मानव विकास को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने में सक्षम बनाता है।

अपने विद्यार्थियों तथा प्रशिक्षुओं को निर्देश देने के लिए संस्थान के पास एनआईसी के माध्यम से 2 एमबीपीएस का ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्शन, नवीनतम कन्फ़िगरेशन तथा सॉफ्टवेयर के साथ अत्याधुनिक कंप्यूटर हैं।

ये सुविधाएं संस्थान के विद्यार्थियों को सीखने के अवसर प्रदान करती हैं और अन्य बातों के साथ-साथ इनमें तीन कार्यस्थल शामिल हैं – कंप्यूटर लैब, मल्टीमीडिया तथा डीटीपी, जहां अलग-अलग समय में अलग-अलग समूहों को प्रशिक्षित किया जाता है। संस्थान के कार्यक्रमों तथा अन्य गतिविधियों के बारे में उपयोगी जानकारी इसकी वेबसाइट www.iimc.gov.in पर देखी जा सकती है।

टीवी एवं वीडियो निर्माण

इलैक्ट्रॉनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने विद्यार्थियों और प्रशिक्षुओं में प्रखर प्रभाव और मज़बूत ज्ञान आधार विकसित करने के उद्देश्य से, संस्थान में एक आधुनिक प्रोडक्शन स्टूडियो है, जो सिंक और स्पेशल इफैक्ट जेनरेटर के साथ डिजिटल कैमरों से सुसज्जित है। संपादन कंसोल में आईमैक, एफसीपी मैक-प्रो डिजिटल वीडियो संपादन प्रणाली और ऑनलाइन डिजिटल वीडियो संपादन शामिल हैं।

संस्थान ने अपने एनालॉग टेप-आधारित उपकरणों को आंशिक रूप से आधुनिक डिजिटल तकनीक में अपग्रेड कर लिया है। यह छात्रों को डिजिटल कैमरों और नॉन-लीनियर संपादन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं, जो आजकल सभी टीवी चैनलों में काम में लाए जाते हैं।

संस्थान के पास उपलब्ध बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, इसने नई दिल्ली में एक नेटवर्क-आधारित डिजिटल नॉन-लीनियर वीडियो संपादन प्रणाली के लिए उन्नत एफ़सीपी मैक प्रो वीडियो संपादन मशीनों का अधिग्रहण किया है, जिसमें स्टैंड-अलोन, नॉन-लीनियर संपादन प्रणाली और टीवी तथा प्रिंट मीडिया के लिए एक उन्नत डिजिटल ग्राफिक व्यवस्था है। दृश्य-श्रव्य (ऑडियो-विजुअल) तथा प्रिंट क्षेत्रों में प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से मजबूत करने के लिए सहायक उपकरणों के साथ-साथ डिजिटल स्टिल कैमरों का भी अधिग्रहण किया गया है। आइज़ोल, अमरावती, जम्मू और कोट्टयम स्थित क्षेत्रीय परिसरों के लिए भी डिजिटल वीडियो तथा स्टिल कैमरा, टेलीप्रॉम्प्टर मशीन और नॉन-लीनियर संपादन के लिए आईमैक खरीदे गए हैं।

रेडियो

रेडियो प्रसारण के लिए, संस्थान में अलग साउंड रिकॉर्डिंग, एफएम और वॉइस-ओवर स्टूडियो हैं, जिनका उपयोग रेडियो और टीवी प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया जाता है। संस्थान रेडियो समाचार-संग्रह के लिए आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है: व्यावसायिक टेप तथा डिजिटल रिकॉर्डर, माइक्रोफोन और अन्य सहायक उपकरण। साउंड स्टूडियो में व्यापक सुविधाएं हैं:

- यमाहा 03डी फुल ट्रैक कंसोल रिकॉर्डर,
- स्टैंडबाय रिकॉर्डिंग के लिए सोनी 8 चैनल ऑडियो मिक्सर MXP -290,
- विशेषज्ञता सुविधाओं के साथ छ: चैनल ऑन-एयर कंसोल,
- पोर्टेबल सोनी आईसी रिकॉर्डर्स, जो एमपी3 और वेव ध्वनि प्रारूपों में सीधे रिकॉर्ड करते हैं,
- श्योर माइक्रोफोन एसएम 58,
- कार्यक्रम निर्माण के लिए संपादन और रिकॉर्डिंग सुविधाओं सहित एडोबी ऑडिशन सॉफ्टवेयर इकाइयां,
- प्रसारण के लिए एक मिनिडिस्क प्लेयर, सीडी प्लेयर, कैसेट प्लेयर सहित मल्टीट्रैक TASCAM,
- विशेष प्रसारण उपकरण,

सामुदायिक रेडियो स्टेशन (अपना रेडियो 96.9 एफएम)

आईआईएमसी वर्ष 2015 से अपना सामुदायिक रेडियो चला रहा है। इसे 'अपना रेडियो 96.9' कहा जाता है। कोविड 19 महामारी की पहली लहर और उसके बाद का लॉकडाउन एक ऐसा समय था जब अपना रेडियो 96.9 एफएम अपनी भूमिका पर खरा उतरा और कठिन समय के दौरान समुदाय से बातचीत की। अपना रेडियो 96.9 एफएम ने लगातार ऐसे कार्यक्रमों का निर्माण किया जो लोगों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दे उठाकर समुदाय में उनका विश्वास, आशा और आत्म-विश्वास पैदा करने में मदद करें। ये कार्यक्रम उपचार, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, कोविड के बाद की देखभाल, योग, प्रतिरक्षा और टीकाकरण, स्थानीय समाचार और सूचना के बारे में सही जानकारी प्रदान करने पर केंद्रित थे। समुदाय की जरूरतें कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र थीं। समुदाय ने प्रतिक्रियाओं के रूप में इंटरैक्ट किया और अपना रेडियो 96.9 एफएम के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से विशेष कार्यक्रम देखने चाहे, जहां कार्यक्रमों को अच्छा विस्तार मिला।

अपना रेडियो 96.9 एफएम ने विशेषज्ञों के साथ चर्चा और समुदाय के साथ बातचीत के आधार पर कार्यक्रम भी तैयार किए। उन्होंने समुदाय के सामने आने वाले न्यायसंगत, सामाजिक और नैतिक मुद्दों को संबोधित किया और श्रोताओं को इस तरह के चर्चा-आधारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस्तेमाल किया गया संगीत मुख्य रूप से लोक शैली का था।

प्रोग्रामिंग में साक्षात्कार, दर्शकों से संवाद, सामयिक विशेषताएं, सार्वजनिक सेवा घोषणाएं, समाचार, मौसम, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नागरिक सुविधाएं, सड़क सुरक्षा, जैव विविधता, जल संरक्षण, कानून, बाल कल्याण और उपभोक्ता मुद्दे शामिल थे।

ग़ैर-सरकारी संगठन तथा रेज़ीडेंट वेलफ़ेयर एसोसिएशन से संबद्धता

अपना रेडियो क्षेत्र के कुछ ग़ैर-सरकारी संगठनों, जैसे चेतना, सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ़ यूथ एंड मासिस (एसपीवाईएम), कैन सपोर्ट, सीनियर सिटिज़ंस वेलफ़ेयर एसोसिएशन (एससीडब्ल्यूए), फोर्स, सेंटर फॉर साइंस एण्ड एन्वायरन्मेंट (सीएसई), हक़ तथा मुस्कान से नज़दीकी से जुड़ा हुआ है।

कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की भागीदारी

कार्यक्रमों में योगदान करने में विद्यार्थियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु अपना रेडियो 96.9 एफएम द्वारा उस समय भी पहल की गई जब कक्षाएं ऑनलाइन मोड में आयोजित की जा रही थीं।

विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने अच्छी गुणवत्ता वाले कार्यक्रम तैयार किए जिन्हें श्रोताओं द्वारा भी खूब सराहा गया।

विशेष दिन विशेष कार्यक्रमों के ज़रिए मनाए गए

महामारी और लॉकडाउन के बावज़ूद भी यादग़ार दिनों के लिए कई विशेष कार्यक्रम तैयार किए गए। उनमें से कुछ निम्न हैं:

- स्वच्छता पखवाड़ा
- स्वतन्त्रता दिवस
- गणतन्त्र दिवस
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
- चिकित्सक दिवस
- योग दिवस

आईटी विभाग, आईआईएमसी

- आईआईएमसी नई दिल्ली में प्रतिष्ठित 'शुक्रवार संवाद' कार्यक्रम के तहत विभिन्न ऑनलाइन कार्यक्रम गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किए गए जिनका फेसबुक और यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया।
- 22 मार्च, 2021 को आईआईएमसी में ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम, 'एनईपी एंड इट्स इम्प्लीमेंटेशन इन मीडिया एजुकेशन'' पर वर्चुअल सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 16 फरवरी, 2021 को 'बसंत पर्व', 15 मार्च, 2021 को 'असम में पत्रकारिता के 175 वर्ष' आदि जैसे विभिन्न अवसरों पर वर्चुअल रूप से विशेष कार्यक्रम/व्याख्यान भी आयोजित किए गए।
- कोविड-19 महामारी के दौरान वर्तमान शैक्षणिक सत्र के लिए ऑनलाइन कक्षाओं का सफल संचालन सुगम बनाया।
- आईआईएमसी नई दिल्ली, परिसर में अधिकारियों के छात्रावास और स्टाफ क्वार्टरों में वाईफाई मोडेम को बदल/लगा दिया गया है।
- आईआईएमसी की विभिन्न नेटवर्क समस्याओं का समाधान किया, जिसमें आईआईएमसी पुस्तकालय, बोर्ड रूम, फ्राइडे डायलॉग के लिए नेटवर्क नवीनीकरण, और कनेक्टिविटी में सुधार के लिए सर्वर रूम तथा रिसेप्शन में नए स्विच लगाए गए।
- आईआईएमसी, नई दिल्ली परिसर में छात्रों के छात्रावास और छात्राओं के छात्रावास में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित की गई।
- आईआईएमसी के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के संबंध में नियमित आधार पर एनकेएन टीम और एनआईसी अधिकारियों के साथ समन्वय किया गया।

सूचना संसाधन केंद्र

पंडित युगल किशोर शुक्ल पुस्तकालय एवं ज्ञान संसाधन केंद्र

संस्थान का पुस्तकालय देश में जनसंचार का सबसे विशाल विशिष्ट पुस्तकालय है। इसमें जन संचार के विभिन्न पहलुओं और मुद्रित माध्यम, प्रसारण, विज्ञापन, संचार, संचार शोध, जनसंपर्क, रेडियो एवं टेलिविजन, फिल्म, सूचना प्रौद्योगिकी और परंपरागत माध्यम जैसे संबद्ध विषयों पर, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी में, 36,377 से अधिक पुस्तकें और सजिल्द पत्रिकाएं हैं।

इस अवधि के दौरान प्रमुख गतिविधियां

- पुस्तकालय में 92 से अधिक पत्र-पत्रिकाएं और 32 से अधिक प्रमुख समाचार पत्र मंगवाए जाते हैं। पुस्तकालय अपने उपभोक्ताओं को समाचार-पत्रों की क्लिपिंग सेवा भी उपलब्ध कराता है जिसमें समाचार का पूरा रिकार्ड तथा विभिन्न प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में जनसंचार पर छपे लेख शामिल होते हैं।
- पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्युटरीकृत है तथा इसने अपनी हाउसकीपिंग तथा सेवा प्रचालन को लिबसिस7- (LIBSYS-7) नामक नवीनतम पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्वचालित कर लिया है। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस केटलॉग (ओपेक) तथा ऑनलाइन

पत्रिकाएं भी अब विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध हैं।

- पुस्तकालय ने अपने छात्रों, संकाय सदस्यों तथा शोधकर्ताओं के लिए अत्याधुनिक मल्टीमीडिया और संदर्भ तथा शोध अनुभाग भी विकसित किया है।
- इस वर्ष मीडिया, संचार तथा साहित्य पर लगभग 1000 नई पुस्तकें खरीदीं गईं।
- **केंद्रीकृत पुस्तकालय समिति:** जर्नल / समाचार पत्रों / पत्रिकाओं की वार्षिक सदस्यता की समीक्षा, सिफारिश तथा अनुमोदन और आईआईएमसी दिल्ली तथा क्षेत्रीय परिसरों में पुस्तकालयों के लिए पुस्तकों की खरीद और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए पुस्तकालय सलाहकार समिति का गठन किया गया है।
- इस वर्ष आईआईएमसी के सभी केंद्रों के (2020-21) बैच के छात्रों के लिए सुप्रसिद्ध लेखिका तथा कथावाचक डॉ. अल्पना मिश्रा द्वारा ''पठनीयता की संस्कृति'' विषय पर विशेष ऑनलाइन व्याख्यान के साथ पुस्तकालय ने बसंत पंचमी महोत्सव मनाया।

प्रकाशन विभाग

भारतीय संचार संस्थान का प्रकाशन विभाग संचार व्याख्यानों में वृद्धि करने और भारत तथा दक्षिण एशिया में वर्तमान मीडिया विमर्शों में योगदान देने के लिए प्रयासरत है। विभाग सूचना का प्रसार करके और मीडिया से संबंधित विभिन्न मुद्दों, नवाचारों और विचारों के बारे में जागरूकता पैदा करके जनसंचार और पत्रकारिता के विषय को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। विभाग जर्नल, पत्रिकाओं और पुस्तकों का प्रकाशन करता है और भारत तथा विदेशों में विभिन्न ग्राहकों, शोध छात्रों तथा मीडिया संस्थानों को सस्ती कीमतों पर इनकी बिक्री करता है। विभाग जनसंचार तथा पत्रकारिता से संबंधित विभिन्न पुस्तकें अंग्रेजी और हिंदी में प्रकाशित करता है।

प्रकाशन विभाग के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं:

- शिक्षाविदों, मीडिया व्यवसायियों और नीति निर्माताओं के बीच संवाद को प्रोत्साहित करना।
- शैक्षणिक और ओद्यौगिक उपयोग के लिए समृद्ध और प्रामाणिक संसाधन उपलब्ध कराना।
- देश में समकालीन मीडिया अनुसंधान की बेहतरी के लिए भारतीय विद्वता को प्रोत्साहित करना।
- एक विषय के रूप में मीडिया के महत्व को प्रचारित करने के लिए व्यापक संख्या में लोगों तक पहुंच प्रदान करना।

शोध पत्रिकाएं

कम्युनिकेटर

सन् 1965 में लॉन्च की गई कम्युनिकेटर भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) की एक विद्वत-समीक्षित पत्रिका है, जो जन संचार पर मूल शोध प्रकाशित करती है। यह प्रकाशन विभाग, आईआईएमसी द्वारा प्रकाशित की जाती है। आईआईएमसी की यह पत्रिका शोधकर्ताओं, पेशेवरों और नीति निर्माताओं को अधिक लाभ प्रदान करने हेतु संचार और इसकी संबंधित शाखाओं के क्षेत्र में उपलब्ध सर्वोत्तम साहित्य प्रकाशित करने का प्रयास करती है। यह भारत में प्रकाशित होने वाली सबसे पुरानी संचार पत्रिका है। विद्वता के अपने उच्च स्तर को बनाए

रखने के लिए, कम्युनिकेटर (ब्लाइंड पीयर रिव्यू) की एक कठोर प्रक्रिया का पालन करती है। कम्युनिकेटर एक यूजीसी-केयर (UGC-CARE) सूचीबद्ध पत्रिका है, जो प्रामाणिक और मानक शोध अध्ययन प्रकाशित करती है।

कम्युनिकेटर के दो अंक, वॉल्यूम 56, अंक 3 व 4 जुलाई-दिसंबर 2020 और वॉल्यूम 56 अंक जनवरी-मार्च 2021, वर्ष 2020-21 के दौरान प्रकाशित किए गए। दोनों अंकों में कुल 29 शोध लेख प्रकाशित हुए हैं।

संचार माध्यम

संचार माध्यम मीडिया और संबंधित मुद्दों पर हिंदी में प्रकाशित होने वाली एक प्रमुख विद्वत-समीक्षित शोध पत्रिका है। यह संचार, मीडिया और पत्रकारिता से संबंधित विषयों पर विभिन्न प्रकार के विचारों, टिप्पणियों और शोध पत्रों की अभिव्यक्ति तथा प्रकाशन का एक प्रमुख मंच है। संचार माध्यम एक यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिका है, जो हिंदी भाषा में प्रामाणिक और मानक शोध अध्ययन प्रकाशित करती है।

संचार माध्यम के दो अंक, खंड 32 अंक 1 जनवरी-जून 2020 और खंड 32 अंक 2 जुलाई-दिसंबर 2020, वर्ष 2020-21 के दौरान प्रकाशित किए गए। दोनों अंकों में कुल 24 शोध लेख प्रकाशित हुए।

नई पहलें

1 **आईआईएमसी की शोध पत्रिकाओं में प्रत्यक्ष बदलाव: मुख्य सुधार**

पत्रिकाओं के स्वरूप, मास्टहेड, गुणवत्ता आदि सहित, इनके डिज़ाइन तथा छवि में कई सौन्दर्यपरक बदलाव किए गए हैं। मानकीकृत संघटकों के साथ दिखने में आकर्षक डिज़ाइन के चलते पत्रिका की बढ़ी हुई दृश्यता ने मुद्रण स्थान में भी बचत की है और विभिन्न गुणवत्तापूर्ण लेखों को अंक में शामिल करने का एक दूरगामी अवसर प्रदान किया है। पत्रिका में किए गए इन सुधारों से सर्वोत्तम लाभ प्राप्त करने के लिए, इसे और अधिक अभ्यास-आधारित लेख, अत्याधुनिक विषय-वस्तु और टिप्पणियों सहित आलोचनात्मक समीक्षा लेख प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य प्रदर्शन के मानकों में अच्छा स्तर प्राप्त करना और पत्रिकाओं की प्रतिष्ठा-क्रम सूची में ऊपर बढ़ते जाना है।

2 **पाठ्य पुस्तक कार्यक्रम के लिए निर्देश निबंधन का विकास**

पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों की मांग हमेशा से रही है, लेकिन मानक पाठ्यपुस्तकों की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर देखा गया है। वर्तमान में, पत्रकारिता और जनसंचार पर भारतीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित कई पाठ्यपुस्तकें हैं, लेकिन विषय के विशेषज्ञों, पेशेवरों और शिक्षाविदों द्वारा हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में लिखी गई गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों का काफ़ी अभाव है। इसे ध्यान में रखते हुए, विभिन्न हितधारकों को हिंदी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में मानक गुणवत्ता वाली पाठ्य-पुस्तकें प्रदान करने हेतु, भारतीय जन संचार संस्थान के प्रकाशन विभाग ने पत्रकारिता तथा जनसंचार पर हिंदी, मराठी, मलयालम, उड़िया और उर्दू भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण पाठ्य-पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए एक 'पाठ्य पुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम' विकसित किया है। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी पुस्तकों से की जा रही है, इसके बाद अन्य भारतीय भाषाओं में पुस्तकें लिखी जाएंगी। इन पाठ्य पुस्तकों को लिखने का उद्देश्य जनसंचार के सभी छात्रों के पाठ्यक्रम के अनुसार होना है। इस प्रकार, भारतीय जनसंचार संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकें जनसंचार और मीडिया के छात्रों तथा अन्य मीडिया कर्मियों का ज्ञानवर्द्धन करने में सहायक होंगी। मीडिया अध्ययन के विभिन्न विषयों पर हिंदी भाषा में पुस्तक के लिए प्रस्ताव आमंत्रित कर पाठ्यपुस्तक कार्यक्रम की शुरुआत की गई है।

यह भारत सरकार के प्रमुख प्रकाशन गृहों, जैसे कि प्रकाशन विभाग,

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (नेशनल बुक ट्रस्ट) और आईसीएआर (डीकेएमए), के विस्तृत अध्ययन के आधार पर तैयार की गई एक विस्तृत रिपोर्ट है। इस रिपोर्ट में 110 पेज हैं।

3 **कम्यूनिकेटर तथा संचार माध्यम के लिए लेखकों हेतु दिशा-निर्देशों का विकास**

कम्युनिकेटर और संचार माध्यम के लिए लेखकों हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश प्रकाशित किए गए हैं। लेखकों के दिशा-निर्देशों का उद्देश्य विश्व स्तर पर पत्रिकाओं की दृश्यता को मज़बूत करने के साथ-साथ संभावित लेखकों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान करना है। बदलती प्रौद्योगिकियों ने कई और मंचों को जन्म दिया है, इसलिए लेखकों के लिए सु-संरचित दिशा-निर्देश होना आवश्यक है। ये दिशा-निर्देश संबंधित पेशेवरों से सुझाव लेने के बाद तैयार किए गए हैं।

4 **संपादकों, प्रूफ़-रीडरों, अनुवादकों तथा ऑफ़सेट प्रिंटरों के पैनल के लिए निर्देश निबंधन का विकास**

आईआईएमसी के प्रकाशन विभाग द्वारा वर्तमान में दो शोध पत्रिकाएं, 'कम्युनिकेटर' तथा 'संचार माध्यम' प्रकाशित की जा रही हैं, जो विद्वत-समीक्षित और यूजीसी-केयर सूचीबद्ध पत्रिकाएं हैं और क्रमशः तिमाही और द्वि-वार्षिक आधार पर प्रकाशित की जा रही हैं। इन पत्रिकाओं के अलावा अंग्रेजी भाषा में भी पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की जा रही हैं। प्रकाशन कार्यक्रम के तहत आईआईएमसी न्यूजलेटर, संचार सृजन और राजभाषा विमर्श जैसे कुछ नए प्रकाशन भी निकाले जाने हैं। आईआईएमसी ने हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में एक पाठ्यपुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम शुरू किया है। जैसा कि विचार किया गया है, उच्च स्तर की गुणवत्ता प्राप्त करने और पुस्तकों के मानक बनाए रखने के लिए पाठ्य-पुस्तकों को अनुमोदित विषय-वस्तु के अनुसार डिजाइन किया जाएगा। प्रकाशन से जुड़ी सभी संबंधित गतिविधियां उच्च स्तर की गुणवत्ता बनाए रखते हुए एक निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाएंगी। प्रकाशनों की विस्तृत श्रृंखला (पाठ्यपुस्तकें, लोकप्रिय पुस्तकें, तकनीकी बुलेटिन, रिपोर्ट, आवधिक पत्र-पत्रिकायें और मोनोग्राफ, आदि) के काम में तेजी लाने के लिए, संपादकों, प्रूफ-रीडर, अनुवादकों और ऑफसेट प्रिन्टरों के पैनल के लिए विस्तृत निर्देश निबंधन तैयार किए गए हैं।

5. **इंडियन साइटेशन इंडेक्स में कम्युनिकेटर पत्रिका का सूचीकरण**

'कम्युनिकेटर' अब **इंडियन साइटेशन इंडेक्स (आईसीआई)** में सूचीबद्ध है। आईसीआई लगभग 1000 शीर्ष भारतीय विद्वतापूर्ण पत्रिकाओं की बहुविषयक सामान्य सूचना/ज्ञान सहित एक स्वदेशी सारांश एवं उद्धरण डाटाबेस है। यह मूलभूत रूप से शोधकर्ताओं, नीति निर्धारकों, निर्णय लेने वालों आदि को खोज एवं मूल्यांकन के लिए एक सशक्त सर्च इंजन उपलब्ध कराता है। 'कम्युनिकेटर' के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इससे देश भर की शीर्ष संचार पत्रिकाओं में उसकी पहुंच, प्रभाव और लोकप्रियता बढ़ेगी। हमारी प्रमुख पत्रिका का आईसीआई में सूचीकरण, हमारी पत्रिका को प्रभावपूर्ण बनाने और उसके प्रभाव को व्यापक बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

6. **नए संपादक मंडल का गठन**

दोनों शोध पत्रिकाओं 'कम्युनिकेटर' और 'संचार माध्यम' के लिए नए संपादक मंडल का गठन किया गया है। सहायता, मार्गदर्शन और फीडबैक उपलब्ध कराने के लिए वरिष्ठ वरिष्ठ शिक्षाविदों और विद्वानों को संपादक मंडल में शामिल किया गया है।

मुद्रणालय

संस्थान में मौजूद स्वचालित मुद्रणालय और ग्राफिक्स विंग संस्थान के विद्यार्थियों को मुद्रण तकनीक और डेस्कटॉप प्रिन्टिंग का प्रशिक्षण देने के अलावा ग्राफ़िक डिजाइन, ऑफसेट और सिल्क स्क्रीन मुद्रण की सुविधाएं भी प्रदान करते हैं।

मुद्रणालय में प्रोसेसिंग और बाइंडिंग की सुविधाएं भी मौजूद हैं। अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षाओं तथा सत्र के अंत में होने वाली परीक्षाओं के सभी प्रश्नपत्र और भारतीय जन संचार संस्थान के अधिकांश प्रकाशन इसी मुद्रणालय में छपते हैं।

राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र

मीडिया शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार और प्रशिक्षण के लिए वैश्विक मानक निर्धारित करने के आईआईएमसी के विज़न के अनुरूप, आईआईएमसी में राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र की स्थापना की गई है। यह केंद्र विभिन्न संस्थानों के जन संचार शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों की पेशकश करता है।

आईआईएमसी की प्लान स्क्रीम

'अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आईआईएमसी का उन्नयन' करने की योजना को ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया गया। इसके लिए कुल 62.00 करोड़ रुपए की राशि अनुमोदित की गई, जिसमें 51.50 करोड़ रुपए की सरकारी अनुदान सहायता देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।

इस योजना के प्रस्तावों में नई दिल्ली में आईआईएमसी परिसर का उन्नयन अर्थात मौजूदा मुख्य भवनों के ऊपर एक अतिरिक्त मंजिल का निर्माण, व्याख्यान खंड का निर्माण और खाली ज़मीन पर नये भवनों का निर्माण किया जाना शामिल था। इस योजना में ओड़िशा के ढेंकनाल

स्थित आईआईएमसी के पूर्वी परिसर में नये भवनों का निर्माण और साथ ही जम्मू में उत्तरी क्षेत्रीय परिसर का निर्माण, केरल में दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर का निर्माण, मिजोरम में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय परिसर और महाराष्ट्र में पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर का निर्माण सहित आईआईएमसी के चार नए क्षेत्रीय परिसरों की शुरुआत शामिल था।

- नई दिल्ली स्थित आईआईएमसी मुख्यालय में अतिरिक्त मंजिलों और व्याख्यान खंड का निर्माण वर्ष 2011 में पूरा हो गया। नई दिल्ली परिसर में खाली ज़मीन पर नए भवनों का निर्माण अभी तक लंबित है। ढेंकनाल में नए भवन का निर्माण वर्ष 2014 में पूरा हो गया।
- दो नए क्षेत्रीय परिसरों अर्थात महाराष्ट्र में अमरावती और मिजोरम में आइज़ोल अगस्त 2011 से चालू हो गए, जबकि अन्य दो क्षेत्रीय परिसर, एक जम्मू में और दूसरा केरल में अगस्त 2012 से चालू हो गया।
- केरल में दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर को छोड़कर, अन्य तीनों क्षेत्रीय परिसर संबंधित राज्य सरकारों/स्थानीय विश्वविद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराए गए अस्थायी परिसरों में स्थित हैं।
- केरल में स्थायी परिसर का निर्माण पूरा हो चुका है और सत्र 2019-2020 के लिए कक्षाएं नवनिर्मित परिसर से संचालित की गईं।
- आइज़ोल में स्थायी परिसर का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और उसे कुछ महीनों के भीतर सुपुर्द किए जाने की संभावना है।
- जम्मू में नए भवन का निर्माण कार्य वर्ष 2022 में पूरा हो जाएगा।
- अमरावती परिसर, महाराष्ट्र में निर्माण कार्य और अन्य गतिविधियों अभी शुरू होना बाकी है।

स्वच्छ भारत मिशन

आईआईएमसी ने अगस्त 2020 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से स्वच्छता पखवाड़ा 2020 पर प्रथम पुरस्कार जीता। स्वच्छ भारत मिशन के एक भाग के रूप में और भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, 16-31 जनवरी, 2021 तक 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम और स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। स्वच्छता पखवाड़े के दौरान, फर्नीचर, बिजली की फिटिंग, पुरानी फाइलें, जिनकी अब आवश्यकता नहीं थी, काम में न आने वाली वस्तुओं को उनके निपटान हेतु उनका भंडारण किया गया, वृक्षारोपण किया गया, और लोगों में जागरूकता पैदा करने हेतु 'अपना रेडियो' द्वारा स्वच्छता पर एक लाइव कार्यक्रम प्रसारित किया गया। महानिदेशक, आईआईएमसी और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों की निगरानी के लिए गठित समिति के सदस्यों द्वारा स्वच्छता निरीक्षण किया गया। विजेता विभागों को अपने-अपने विभागों में स्वच्छता रखने में योगदान देने के लिए स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। स्वच्छता पखवाड़े के एक भाग के रूप में स्वच्छता फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जहां गतिविधियों से संबंधित फोटो प्रदर्शित की गईं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

आईआईएमसी के अपर महानिदेशक श्री सतीश के नम्बूदिरीपाड 21 जून, 2020 को आईआईएमसी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर एक योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें आईआईएमसी के समस्त कर्मचारियों , अधिकारियों और आईआईएस के प्रशिक्षु अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वेलनेस सेंटर

दिल्ली परिसर में एक वेलनेस सेंटर की सेवाएं उपलब्ध हैं। इसमें ऐलोपैथिक, आयुर्वेद और होम्योपैथी के डॉक्टर सोमवार से शुक्रवार तक उपलब्ध रहते हैं। ढेंकनाल परिसर में भी इसी तरह की सुविधा उपलब्ध है। संस्थान के सभी परिसरों में आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

नागरिक चार्टर एवं शिकायत निवारण तंत्र

नये नागरिक घोषणापत्र को नये दिशा निर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है और संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। इस नागरिक घोषणा पत्र के अनुसार, कोई भी नागरिक इस संस्थान से संबंधित किसी भी शिकायत की ओर ध्यान आकृष्ट कर सकता/सकती है और उसके निवारण की मांग कर सकता/सकती है। संस्थान के एक अधिकारी को लोक शिकायत निवारण अधिकरी नामित किया गया है। प्राप्त शिकायतों की जांच संस्थान द्वारा की जाती है और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से उनका निवारण किया जाता है। आईआईएमसी के शिकायत अधिकारी का पता है:-

अपर महानिदेशक,
भारतीय जन संचार संस्थान
अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली– 110067

आईआईएमसी की किसी भी सेवा से असंतुष्ट या संस्थान की किसी भी कार्रवाई से पीड़ित व्यक्ति अपनी शिकायत के निवारण हेतु इस अधिकारी को लिख सकता/सकती है। ऐसा हर व्यक्ति उसकी शिकायत प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर, शिकायत पर की गई कार्रवाई के संबंध में सूचित किये जाने का हकदार होगा।

यदि कोई आम व्यक्ति/ संस्थान का कोई कर्मचारी अपनी शिकायत के संबंध में शिकायत निवारण अधिकारी से मिलने का/की इच्छुक हो

तो वह किसी भी कार्य दिवस में किसी भी तरह की पूर्वानुमति के बिना उक्त अधिकारी से कार्यालय में मिल सकता/सकती है।

आंतरिक शिकायत समिति

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (प्रतिबंध और निषेध और निवारण), अधिनियम 2013 के संदर्भ में शिकायत निवारण तंत्र के तहत आईआईएमसी में एक गैर-आधिकारिक सदस्य सहित छह सदस्यीय आंतरिक शिकायत समिति गठित की गई है ।

जागरूकता फैलाने के लिए उठाए गए कदम

- कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- इस मुद्दे पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- आईआईएमसी के सभी परिसरों और परिसरों के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 'जीरो टॉलरेंस' के पोस्टर प्रदर्शित किए गए हैं।

शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

सभी कर्मचारियों और संकाय सदस्यों की शिकायतों का निवारण करने के लिए आईआईएमसी में एक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

जहां तक सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 लागू करने का संबंध है, आरटीआई अधिनियम के अंतर्गत प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र कुमार भारती को केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ); अपर महानिदेशक को अपीलीय प्राधिकारी और महानिदेशक को पारदर्शिता अधिकारी नियुक्त किया गया है।

डीओपीटी के आदेश दिनांक संख्या 1/34/2013-आईआर के अनुसार, मंत्रालय/विभाग/सार्वजनिक प्राधिकरण तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अंतर्गत सभी प्रशिक्षण संस्थानों को स्वतः प्रकटीकरण की तृतीय पक्ष पारदर्शिता लेखा परीक्षा (अधिनियम द्वारा अधिदेशित और जिसका सभी संस्थानों को सूचना अपनी वेबसाइट पर अपलोड करके उसका पालन करना होगा) करानी होगी । उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, इस वर्ष आईआईएमसी को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत 23 सार्वजनिक प्राधिकरणों के लिए पारदर्शिता लेखा परीक्षा करने का काम सौंपा गया था। इसके अलावा, आईआईएमसी ने दस सार्वजनिक प्राधिकरणों की तृतीय-पक्ष पारदर्शिता लेखा परीक्षा की है और लगभग 4.25 लाख रुपये आय का सृजन किया है।

पारदर्शी लेखा परीक्षा का कार्य एक समयबद्ध, महत्वपूर्ण और विशाल कार्य है और इसे विशेष रूप से इस कार्य के लिए गठित एक विशेष प्रकोष्ठ द्वारा संपन्न किया गया।

आचार संहिता

आईआईएमसी पेशेवर मीडिया प्रशिक्षण के क्षेत्र में देश के बेहतरीन संस्थानों में से एक है, लिहाज़ा मीडिया क्षेत्र से संबंधित सभी पाठ्यक्रमों के सुचारू संचालन और समयबद्ध प्रबंधन के लिए अनुशासन और आचार-व्यवहार के उच्च स्तरीय मानक होना अनिवार्य है। इसीलिए शैक्षणिक मामलों और व्यक्तिगत आचरण के संदर्भ में विद्यार्थियों से संस्थान की अपेक्षाओं के संबंध में स्पष्ट और पारदर्शी वक्तव्य देने के लिए भारतीय जन संचार संस्थान के विद्यार्थियों के लिए आचार संहिता और अनुशासनात्मक नीतियों का निर्धारण किया गया है। यह आचार संहिता संस्थान अथवा इसके विद्यार्थियों और कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले सभी कार्यों और गतिवधियों के संबंध में आईआईएमसी, नई दिल्ली और इसके क्षेत्रीय केन्द्रों के सभी विद्यार्थियों पर लागू होती हैं। यह आईआईएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

अनुशासनात्मक समिति

आईआईएमसी के विद्यार्थियों से संबंधित अनुशासनात्मक मामलों से निपटने हेतु संस्थान में एक अनुशासनात्मक समिति गठित की गई है।

एससी/एसटी प्रकोष्ठ

एससी/एसटी श्रेणी के विद्यार्थियों के हितों की रक्षा और उनकी शिकायतों/समस्याओं के निवारण हेतु दिल्ली परिसर और क्षेत्रीय परिसरों में एक पृथक एससी/एसटी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

परिशिष्ट "क"

भारतीय जन संचार संस्थान

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठयक्रम 2019-20 की पुरस्कार सूची

हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठयक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री तेज बहादुर सिंह
2	पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी पुरस्कार	सुश्री करिश्मा सिंह
3	श्री अशोक जी पुरस्कार	सुश्री आँचल गुप्ता

उर्दू पत्रकारिता, नई दिल्ली में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	**आईआईएमसी पुरस्कार**	**श्री मोहम्मद जियाउद्दीन बी**

विज्ञापन और जन संपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	श्री अचिन गांगुली मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री सृष्टि सिंह
2.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री मयंक शुक्ला
3.	श्री अनिल बसु मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री रुचिका सेन
4.	पीआरएसआई पुरस्कार	सुश्री मल्लिका नारंग
5.	पीएसपीआरएफ पुरस्कार	श्री विभोर शर्मा
6.	बाबा साहेब डॉ. बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	सुश्री रुकमणी महेंद्र

रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री ऋचा निगम
2.	जीटीवी पुरस्कार	सुश्री आकांक्षा मिश्रा
3.	टीवी टुडे पुरस्कार	सुश्री जेसिका गोयल
4.	सीएनएन पुरस्कार	सुश्री सौम्या जायसवाल
5.	जीटीवी पुरस्कार	श्री अद्धेंदु शेखर महापात्र
6.	प्रसार भारती पुरस्कार	सुश्री सिमरन सिंह

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, नई दिल्ली

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री कुमार गंधर्व
2.	द हिन्दू पुरस्कार	सुश्री रिंकी गुप्ता
3.	डेक्कन हेराल्ड पुरस्कार	सुश्री तान्या गोयल

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ढेंकनाल परिसर (ओडिशा)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री प्रियंका यादव
2.	बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	श्री सौम्रिक बिस्वास
3.	नाल्को पुरस्कार	सुश्री ग्रीष्मा सतपथी

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, आइज़ोल परिसर (मिजोरम)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री मितिशा शर्मा

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, अमरावती परिसर (महाराष्ट्र)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री गौरी चंद्रा

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जम्मू परिसर (जम्मू और कश्मीर)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री राशि शर्मा

अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम कोट्टयम परिसर (केरल)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री अभिनव शर्मा

उड़िया पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, ढेंकनाल परिसर (ओडिशा)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1.	आईआईएमसी पुरस्कार	सुश्री आरती बेहरा
2.	बाबा साहेब डॉ. बी आर अम्बेडकर पुरस्कार	श्री बिकाश रंजन दलाई
3.	डॉ. हरेकृष्ण महताब स्मारक पुरस्कार	सुश्री सोनाली ओझा

मराठी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, अमरावती परिसर (महाराष्ट्र)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	**सुश्री चेताली माहोर**

मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, कोट्टयम परिसर (केरल)

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	विद्यार्थी का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	**सुश्री अस्वथी बालाचंद्रन**

परिशिष्ट 'ख'

संकाय
नई दिल्ली

महानिदेशक
प्रो. संजय द्विवेदी

अपर महानिदेशक
श्री सतीश के. नम्बूदिरिपाड
संकाय सदस्य

प्रोफेसर

1.	प्रो. (डॉ.) मृणाल चटर्जी	क्षेत्रीय निदेशक , ढेंकनाल परिसर
2.	प्रो. (डॉ.) गोविंद सिंह	डीन अकादमिक एवं पाठ्यक्रम निदेशक, आरटीवी
3.	प्रो. (डॉ.)आनंद प्रधान	पाठ्यक्रम निदेशक, हिंदी पत्रकारिता
4.	सुश्री शाश्वती गोस्वामी	विभागाध्यक्ष, कम्युनिकेशन रिसर्च एंड आउटरीच एक्टीविटीज
5.	प्रो. (डॉ.) सुनेत्रा सेन नारायण	प्रोफेसर
6.	प्रो. (डॉ.) अनुभूति यादव	पाठ्यक्रम निदेशक, विज्ञापन एवं जनसंपर्क
7.	प्रो. (डॉ.) सुरभि दहिया	पाठ्यक्रम निदेशक, अंग्रेजी पत्रकारिता
8	प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र कुमार भारती	विभागाध्यक्ष, प्रकाशन
9	प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार	पाठ्यक्रम निदेशक, उर्दू पत्रकारिता विभागाध्यक्ष, आउटरीच एक्टीविटीज डिपार्टमेंट विभागाध्यक्ष, प्लेसमेंट सेल
10	प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार	पाठ्यक्रम निदेशक, विकास पत्रकारिता निदेशक, प्रशासन एवं परीक्षा
11	प्रो. (डॉ.) संगीता प्रणवेंद्र	विभागाध्यक्ष, अपना रेडियो
12	प्रो. (डॉ.) अनिल सौमित्र	क्षेत्रीय निदेशक , अमरावती परिसर
13	प्रो. (डॉ.) राकेश गोस्वामी	क्षेत्रीय निदेशक , जम्मू परिसर
14	डॉ. रिंकु पेगु	आईआईएस विभाग

ANNUAL REPORT

2020-2021

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

New Delhi

INTRODUCTION

The Indian Institute of Mass Communication (IIMC), registered as a Society under the Societies Registration Act, 1860 (XXI of 1860), came into existence on August 17, 1965. It was established with the basic objective of teaching, training and undertaking research in the areas of media and mass communication.

The Institute began with modest staff strength of four Professors and one Consultant from UNESCO, besides the Director. The Institute organized training courses for the Central and state Information Service Officers, as well as some foreign trainees under the Colombo Plan and undertook research studies on a small scale. Over the last 54 years, the Institute has graduated into conducting a number of specialized courses for meeting the diverse and demanding requirements of the rapidly expanding and changing media industry in modern times, in keeping with its original mandate "to provide media training to the personnel of the Central and State Governments and to make available facilities for training and research to meet the information and publicity needs of the public and private sector industries."

As on 31st March, 2021, apart from training officers of the Indian Information Service, the Institute is conducting a number of Post-Graduate Diploma Courses in Print Journalism (English, Hindi, Odia, Urdu, Marathi and Malayalam), Radio & T.V. Journalism and Advertising & Public Relations. The Institute also conducts a Diploma Course in Development Journalism for middle-level working journalists from Asian, African, Latin American and East European countries, sponsored by the Ministry of External Affairs, Government of India since 1969, presently under the ITEC, SCAAP and TCS of Colombo Plan Schemes. A number of specialized short-term Courses, ranging from one week to four weeks, are also organized especially for defence officers and police officers and to meet the ever-growing training needs of communication professionals working in various media, publicity and operational outfits of the Central and State Governments, as well as Public Sector Organizations. The Institute also collaborates with different national and international agencies in conducting training, seminars, workshops, etc. and in undertaking joint research projects.

In recent times, mass communication has undergone a paradigm shift and has emerged as a major area of activity greatly impacting the process of decision-making. It has rapidly acquired importance and prominence and has become a major attraction for students pursuing different academic disciplines. The Information Technology revolution has significantly contributed to the expansion and changing contours of the mass media. It has also posed major challenges for students, teachers and practitioners of the discipline. Rapidly changing technology is transforming the very complexion of the discipline in a manner unknown to any other area of academic activity. The need of the hour undoubtedly is to respond effectively to emerging challenges for maintaining and enhancing the effectiveness of mass media, while simultaneously exploring and expanding the engagement with the new media.

Accordingly, the Institute continuously evaluates and revises its course curricula so as to effectively meet contemporary challenges thrown up by the fast-changing environment. This enables the effectiveness of the Courses being run by the Institute, even in the changed scenario.

The Institute equips young men and women who aspire to ultimately be associated with a variety of media institutions with the basic skills and techniques they require and provides insights into different dimensions of the field. An attempt is made by the Institute to help its students develop into useful members of the society, with the dissemination of information and communication being aptly considered to be a crucial ingredient of the development process. This is what gives the Institute and its *alumni* a distinct identity and character.

The Institute continuously endeavours to

contribute towards the creation and strengthening of an information structure suitable not only for Indian requirements, but also for those of other developing countries. IIMC provides its expertise and consultancy services to other institutions, organizations and bodies in response to requests received from departments and entities of the Central and State Governments, Public Sector Organizations, Universities and other academic Institutions.

With the growing popularity of the Institute's training activities and with a view to meeting regional aspirations, the Institute opened, in 1993, a Regional Campus at Dhenkanal, Odisha. At present, the Regional Campuses conduct two Courses each offering Post-graduate Diploma Courses in Journalism English & Odia at Dhenkanal campus, Journalism in English & Marathi at Amravati campus and Journalism in English & Malayalam at the Kottayam campus. Two more Regional Campuses of IIMC at Aizawl (Mizoram) and Jammu (J&K), are offering Post-graduate Diploma Courses in Journalism (English) only.

Through its continuous hard work over the half century of its existence and as a result of its excellent delivery mechanisms, the Institute has consistently retained the enviable reputation of a centre of excellence in the arena of communication teaching, training and research.

TRAINING OF INDIAN INFORMATION SERVICE OFFICERS

IIS Training

Since its inception in 1965, IIMC has been functioning as the Training Academy of the Indian Information Service, (IIS) then known as the Central Information Service which is one of the Central Civil Services of the Government of India. It imparts Induction training for the IIS Group A Officers, who are recruited through the Combined Civil Services Examination conducted by the UPSC. It also conducts the Foundation training for IIS Group B officers, who are recruited on the basis of prior journalistic experience

Through extensive consultations, the training programme of IIS officers, who act as a link between the Government and the people, has been revamped and broad based to give an overview of Government's functioning and its communication setup, grasp the big picture of the media industry in India and understand the nuances of public communication.

The two-year Induction Training Program for IIS Group A, follows the sandwich training model. The Officer Trainees (OTs), who join the IIMC after completing their Foundation Course, undergo a nine-month Professional Training programme in Public Communication at the Institute. This phase of training programme incorporates classroom lectures, practical, simulation exercises, site visits tours and attachments and interaction with senior government officials and key media professionals. While the new thrust is on digital, but the basic foundation of good written and oral communication skills is never forgotten.

After completion of nine months of training at IIMC the OTs are attached with different media directorates of the Ministry of Information & Broadcasting to gain hands-on job exposure. Each OT generally spends 3-4 months each with three different media units connected with information dissemination outreach and broadcasting.

After completing their 10 months of On-the-Job training, the OTs return to IIMC for a brief Phase II training. During this programme, the learning

outcomes of each of the OTs is assessed on the basis of presentations made, projects handled and reports prepared. On passing out from the IIMC the Officer Trainees are posted to different media units by the Ministry of Information Broadcasting.

Training Programmes during 2020-21

It was indeed a challenging year for the Training Division to have successfully conducted the **Phase-I Induction Training** for 19 Indian Information Service Officers (Group A) during the first wave of COVID pandemic in India. The Officer Trainees were from the recruitment batch of 2018 and 2019. In the wake of the pandemic induced restrictions on movement and assembly, the second Trimester of the Training was conducted in Online mode while the third Trimester was conducted in blended mode. The 10-month long training was completed on 4th December 2020.

Highlights of the Training

- The officer trainees were given hands-on exposure to various procedures and processes on official communication of the **Union Budget 2021.**
- They were trained at **Parliament Research & Training Institute for Democracies (PRIDE erstwhile BPST)** with a view to familiarize them with the Conduct of Business in Parliament and various related procedures.
- The two-week **Defence Attachment** with Assam Rifles in Shillong was aimed at providing an overview of defence communication and aspects of nature conservation studies, wildlife and social forestry.
- For the first time, **Foreign Language (Chinese/ Mandarin and Spanish)** component was added in the Training curriculum. Classes continued through online format during their On-the-Job Training of the OTs as well.
- In March 2020, during the first lockdown, the OTs were attached to the newly established **Fact Check Unit of Press Information Bureau**, New Delhi. The OTs have contributed immensely in identifying and busting fake news circulating online in the context of COVID pandemic. The Fact Check Unit was set up in pursuance of Hon'ble Supreme Court's directions and by an order of Ministry of Information & Broadcasting.
- The OTs attended a three-week online course in Film Appreciation and Smartphone Film Making at the **Film and Television Institute of India, Pune**.
- Four-week module on the **Social Sector and Economic Sector Communication** was organized with a view to provide the OTs a 360-degree understanding of the challenges involved in communicating social welfare schemes and developmental initiatives of the government.
- One-week module on **Internal Security, Crisis Communication & Psy-ops** was organized with resource persons from Ministry of Home Affairs informing the OTs on the need to handle the communication challenges in the sector with sensitivity and expertise.
- One-week module on **Defence and Strategic Communication**, and **Public Diplomacy** was organized with the support of Defence Ministry.
- The OTs were attached with Management Development Institute, Gurugram, and were trained in **Organizational Management Principles and Leadership Skills**.
- Special sessions on **Social Media Communication**, Managing Social Media, Online Tools for identifying fake new and

sessions lessons on creating Infographics were organized.

- Sessions on **Media Laws** and other statutory provisions related to media and communication, Emerging Technologies in communication including Artificial Intelligence, OTT and data visualization were also organized.
- A one-week workshop was also held on **Leadership Theories**, Attributes and Behavior.
- Sessions on Office Procedures, File Management, Financial Management, Civil Service Conduct Rules etc were also organized.
- The OTs were attached with various **Media Organizations under Ministry of Information & Broadcasting** such as the Registrar of Newspapers of India, the Directorate of Publications Division, Press Information Bureau, the Bureau of Outreach & Communication and the Directorate of Films Festivals in online mode.
- For the first time, the OTs were assessed on the basis of the new evaluation criteria formulated in consultation with the Cadre Controlling Authority ie. Ministry of I&B and the Heads of Media Units under the Ministry of I&B.
- In view of the COVID Pandemic, the OTs could not undertake the 21-day study Tour (Bharat Darshan) and a few other attachments which they would have otherwise undertaken as part of the Induction Training.

Foundation Training of IIS Group B (Senior Grade)

In 2020, the IIS Training Division successfully organized the Five-month long **Foundation Training in Communication and Media** for 66 Officer Trainees of IIS Group 'B' (Senior Grade) in online mode. Of these, 19 officers were posted in media offices located in Delhi and the remaining 47 officers were posted in various media offices spread across different parts of India.

The training included FTII Attachment, Parliament Attachment with PRIDE, Module on Leadership, Module on Social Media, Basics of Administration and Finance, and attachment with different Media Directorates under the Ministry of Information & Broadcasting.

Phase I Induction Training of IIS Group A 2020 Batch

Currently, sixteen (16) IIS Group 'A' officer trainees of the 2020 batch are undergoing their Phase I Induction Training at IIMC. Their training was formally inaugurated on 25th January, 2021.

Initially, six OTs started their training on 19th January, 2021, followed by 10 OTs who joined the Induction Training after completion of their Special Foundation Course in April-May 2021.

Due to the prevailing COVID situation, their training has been shifted to online mode till the situation normalizes and their training calendar will be rescheduled keeping in view of different joining dates of the OTs.

Termination of Probation

During the period, nineteen (19) IIS Group 'A' Officer Trainees of 2018 Batch received their regular posting consequent upon their successful completion of probation and training period.

POST-GRADUATE DIPLOMA COURSES

Since its inception, the Institute has carved out a niche for itself in the area of media and communication education through its continuous, relentless efforts aimed at improving the content and delivery mechanisms of its training. Today, IIMC enjoys pride of place among the galaxy of institutions engaged in imparting teaching in the field of media and mass communication. It offers various Post-graduate Diploma Courses in Journalism – Hindi, English, Odia, Marathi, Malayalam and Urdu, Advertising & Public Relations and Radio & TV Journalism–to aspiring professionals in these disciplines.

The courses offered by the Institute represent a meaningful blend of classroom teaching, duly supplemented by practical orientation through rigorous exercises, lab journals, projects, field visits, etc. This is intended to equip students with the skills needed to excel in their careers and to provide them with an opportunity to relate the teaching they receive to the ground realities of the environment in which the media and communication industry functions. The courses, besides providing a perspective, aim at defining the role of media professionals in society. The curricula of the courses are continually reviewed and revised by incorporating emerging trends and technologies in the rapidly developing field in order to maintain the relevance of the courses even in changed circumstances. While designing the courses, the diverse requirements of industry are always considered, so as to make the students aware of the field realities, as well as ethical considerations. The courses also aim to imbue a sense of responsibility among the students, so that they are in a position to discharge their respective roles effectively in a multi-lingual, multi-religious and a multi-ethnic society.

The Institute also assists its students in securing internships/placements that usually leads to gainful employment in Newspapers, TV Channels and Media Houses, as well as Advertising and Public Relations Agencies after completing their courses, through campus placements and otherwise.

PG Diploma Course in Hindi Journalism

One of the oldest and unique PG Diploma Courses in Hindi Journalism was started in 1987-88 to fulfill the growing need for skilled and professionally trained news media professionals for Hindi news media. Its initial focus was on fast growing Hindi print media, especially newspapers and magazines, but later on with expansion of Hindi news television and now Digital news media it quickly adapted to include Broadcast Journalism as well as Digital Journalism in its curriculum. With the regular updation and revision of the curriculum and pedagogy this course always tries to incorporate new trends and subjects in the teaching/training to make it relevant and a leader in the industry.

The primary focus of the course is to impart theoretical knowledge and professional skills required in the processes of news gathering and its production and dissemination. It stresses on inculcating the ethical norms, high professional standards and understanding of media laws in the trainees.

During the year 2020-21, the Journalism course in Hindi had 67 trainees but one of the trainees left the course in the first semester. As decided by the Institute, the department successfully conducted and completed the course through online mode due to the Pandemic. Since the course started late in mid-November, due to the delay in admission process, it was extended up to mid-August 2021.

The initial phase of the course emphasized on the theory and concepts of communication, language and communication, research methods and the history, laws and ethics of journalism. It also included theoretical as well as practical training in core areas of journalism like reporting and editing. The theoretical and practical components were equally distributed over the two semesters.

As mandated, the department adopted the

continuous and comprehensive mode of evaluation this year. Department laid a lot of importance on updating students with latest developments in media industry. Special workshops and sessions were held on Data Journalism, Mobile Journalism and Fact-checking.

Naturally, online teaching posed new challenges for faculty and students but at the same time it also paved for innovative teaching methods. Online mode allowed us to invite experts from different parts of the country for lectures. Shri Ajay Brahmatmaj (senior film critic) taught entertainment and film journalism from Mumbai, Shri Neelesh Jain (Executive Creative Director, Ogilvy) discussed creativity with students from Mumbai and Shri Laxmi Prasad Pant (National Editor, Dainik Bhaskar) took a lecture on City Reporting from Jaipur.

Alumni interaction/interface

IIMC prides itself in producing leaders across different sectors in media ecosystem. Classes with alumni were a constant feature across both the semesters in Hindi Journalism Department. Shri Saurabh Dwivedi (Editor, Lallantop), Shri Prabhash Jha (Editor, Hindustan Live), Shri Prasad Sanyal (Chief Editor, HT Online), Late Smt. Renu Agal (Editor, Print-Hindi), Youtuber Shri Varun Vagish, Shri Sushant Jha (Editor, Penguin-Hindi), Shri Vimal Kumar, Shri Parimal Kumar (NDTV-India), Shri Vidhanshu Kumar (Benett University), Shri Rohit Vishwakarma, Shri Ranveer are some of the notable alumni members to take classes in Hindi Journalism department this year.

Student Projects

Students designed 360-degree advertising and public relations campaigns on any social issue of their choice. At the same time special emphasizes was given on entrepreneurial journalism. Students presented their entrepreneurial ideas in groups. Other than the regular tests and assignments that allowed students to reflect on their shortcomings, students came together to produce multiple news publications.

More than 15 lab journals/newsletters were produced across two semesters with dedicated issues for the union budget. More importantly, students published three magazines on different issues. VAMA magazine was produced by an all-girl student editorial team with contributions from the all the students of the class on the occasion of International Women's Day on 8th March.

In May, a group of students volunteered and published '*Yodha*' magazine highlighting the contributions of those who led the battle against Covid-19. Lastly in July, students brought a special issue of sports magazine to cheer the Indian contingent in 2020 Tokyo Olympics titled – 'KHEL SAMRAT'.

Placements

The Institute tried its best and organised the placement fortnight in the last fortnight of July, 21. Due to the efforts of placement cell, a number of students got placed in reputed organisations such as Zee Media, Adfactors PR and Inshorts. Moreover, students have also got placed in leading news organisations like India Today, NBT and Republic with their own efforts.

PG Diploma Course in English Journalism

The PG Diploma Course in English Journalism (EJ) is meant to prepare professionals for journalism and media industry by teaching them features and strategies of this domain. The English Journalism Course has assisted students in developing their portfolios via numerous channels so that they can endure through and fare well in the field, post Pandemic. The digital classes of this year made it possible to bring about faculties from across the country and even from outside India for the better understanding of concepts. Students could interact with intellectuals from far and wide.

The Department of English Journalism conducted online classes through Google Meet for the 2020-21 Academic year. All six centres - Delhi, Jammu, Amravati, Dhenkanal, Kottayam and Aizawl had combined classes in two sections. The classes were

conducted by the EJ department of Delhi centre in coordination with regional campuses under the course directorship of Dr. Surbhi Dahiya. There were 163 students overall (Delhi- 66, Jammu-11, Amravati-11, Dhenkanal-53, Kottayam-13 and Aizawl-09). The whole batch was divided between Section A (Delhi- 66, Jammu-11, Amravati-11) and Section B (Dhenkanal-53, Kottayam-13 and Aizawl-09). The classes were separately conducted as well as were often combined for special sessions. The whole batch of 163 students was divided between 18 groups based on campuses.

The EJ department was the organising team of the IIMC Virtual Orientation Programme (2020-21 batch). The department organised multiple National and International seminars, workshops and special lectures on specialised reporting for students of Delhi, Jammu, Amravati, Dhenkanal, Kottayam and Aizawl. The students of the department also created a newsletter based on this programme. Dr Surbhi Dahiya was the convenor of the programme and Dr Pramod Kumar was the co convenor of the programme.

As a part of the curriculum, all students made Lab journals throughout the year. The EJ department produced 108 Lab Journals during the reporting period. One special edition newsletter of Orientation Programme was made. A special sessionon various beats of Journalism (Health, Environment, Political, City Reporting, Crime, Historical, Defense etc) was organised by the department in which industry professionals were also invited.

Major Initiatives

International

- A Seminar on "The Entrepreneurial Women in an Uncertain World' was organised by Department

of EJ, IIMC & University of Newcastle,UK on 6th July 2021. Prof. Karen Ross and Dr. Surbhi Dahiya took this initiative together. Resource Persons included Ms.AmraiDua, Ms. Preeta Ghosal and Ms. Shabia Walia.

- The Department organized a U.S. Embassy-sponsored, one-week virtual course on "Digital Media Storytelling and Investigative Journalism" from 17- 21 May, 2021. Ms. Linda Roth, award-winning journalist and Vice President of the Wilson Center in Washington, DC, was the resource person on this occasion. Certificates of participation were also issued to the participants.

National

- A special workshop on Drone Journalism was conducted in two parts first on 21st February 2021 and the second on 18th June. The resource persons were Group Captain MJ Augustine Vinod VSM (Rtd) &Sq Leader Varsha Kukreti (Rtd).
- Following this the department conducted Mobile Journalism (MOJO) workshop in two parts, first one was held on 2nd March, 2021 and another one was conducted on 2nd July, 2021. It was conducted by Mr. Vishal Arora. Also, an interactive workshop on Comic Journalism was conducted by Mr. Sharad Sharma. It was held on 9th March, 2021.

- A Two-day long "Photographia" workshop on Photo Journalism was conducted separately for Section A and Section B of the department. It was conducted on 16th& 17thJanuary for Section A and 23rd & 24thJanuary 2021 for Section B. The resource persons were Dr.Tabeenah Anjum, Mr. Himanshu Vyas & Mr. Amit Chatterjee.
- Also, a series of workshops for two weeks were organized which covered multiple practical aspects of Graphic Designing and hands on practice of InDesign, Quark Express, Photoshop and Illustrator. It was conducted by Mr. Suresh Chaudhary from 7th June to 19th June, 2021.
- Prof. Surbhi Dahiya conducted a workshop (Coordinator and Resource Person) on "Effective Use of Social Media''for the media team and staff members of Honourable Vice President of India Shri M. Venkaiah Naidu.

PG Diploma Course in Advertising and Public Relations

The Department of Advertising and Public Relations stands out as one of the most thriving departments of IIMC. Since long the department has produced the finest professionals for the advertising and PR industry. The curriculum is designed to bring out the best in students. Each paper caters to various dimensions in the field of Advertising and Public Relations and also introducing them with latest industry requirements and changes. It is of utmost importance to the department that a gap should not exist between the skill requirements of the professional world and learning curve of the students.

The students are taught in detail about Advertising, Public Relations, Marketing, Corporate Communication, Government Communication, Digital Marketing, Consumer Behaviour, Designing, Strategic Planning, New Media Landscape, Media Planning, Production, Creativity and Research.

Course structure balances best of classroom teaching and industry exposure which remains the hallmark of the course. Students are continuously

motivated to take up activities which enhance their practical skills and knowledge.

The PG diploma course in Advertising and Public Relations had 72 students enrolled in the year 2020-2021. The students underwent rigorous teaching, training and hands-on skill development exercises in ten papers that comprise the syllabus of the course. The best faculty from the industry was drawn upon to augment teaching, along with the in-house faculty.

The entire session of 2020-2021 was online and taking cognizance of the challenges and opportunities associated with the online learning, new ways were devised to engage students productively and thus making sure their learning process is not affected.

Achievements

Keeping in view the recommendation of National Education Policy to involve students in constructive public engagement students of Advertising and Public Relations Department, IIMC under the guidance of the Course Director Prof. (Dr.) Anubhuti Yadav conducted Media Information Literacy Workshop across different locations in India. Students were given this assignment during their semester break in March, 2021. These workshops were conducted by the students both online and offline. The workshops were conducted in Delhi and NCR region, Kolkata, Mumbai, Bhubneshwar, Prayagraj, Haridwar, Lucknow, Mathura, Ranchi, Dhanbad, Jaipur, Jodhpur, Bhopal, Betul, Jamshedpur and Ganganagar. Simultaneously, the students also ran successful social media campaigns on Facebook and Twitter for Media Information Literacy. At the time of the pandemic when there was so much of misinformation and disinformation around COVID 19 this was ADPR department initiative to help people sail through the infodemic.

The students also brought out four digital issues of the Baton magazine and each issue has a specific theme - Living Through the Pandemic, The Metamorphosis of Advertising, Vocal for Local and The Unmasked: The Year That Wasn't. A special magazine release programme was held on 7th August, 2021 where students presented their work. The Chief Guest of the programme was Prof. Sanjay Dwivedi, DG, IIMC. It was also attended by Shri K. Satish Nambudiripad, ADG, IIMC, Prof. Govind Singh, Dean Academics, Prof. Pramod Kumar, DSW & HOD Outreach and Placement.

For the Campaign Planning Project, the students worked with the brands – Zomato, The Viral Fever (TVF), Niine, Dineout, ATK Studios, FOXY, Eduheal Foundation and The Global Mother Foundation. They presented their final work and all the creative's developed during the process to a galaxy of internal and external experts on 14th August, 2021. The students were lauded for their meticulous work and some of their creatives were selected for execution by the companies.

Government Communication Week (2020-2021)

In its bid to provide students the exposure of how Government Communication System works the department organised a Government Communication Week from 22nd February 2021 to 26th February 2021. The senior bureaucrats and Indian Information Services (IIS) officers were invited to conduct the sessions. They spoke on varied topics and aspects on the functioning of government media system and also inspired and motivated the students to join the services.

The keynote speakers were:

- Dr. Nimish Rustagi, Director, Press Information Bureau, Govt. of India.
- Mr. Rakesh Renu, Deputy Director, Publication Division, Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India.
- Ms. Veena Jain, former Director General, Doordarshan News, Govt. of India. Currently accredited journalist with Press Information Bureau, Ministry of Information and Broadcasting.
- Dr. Atul Kumar Tiwary, Additional Director General, AIR News, Govt. of India.

- Mr. Tushar Karmarkar, Regional Officer, Central Board of Film Certification Mumbai, Govt. of India.
- Mr. Sitanshu Kar, former Principal Spokesperson of the Government of India and Principal Director General of Press Information Bureau.
- Ms. Esther Kar former Director General, Press Information Bureau, Govt. of India.
- Mr. Amit Rana, Deputy Director, Bureau of Outreach & Communication, Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India.
- Mr. Rajith Chandran, currently Deputy Director IIMC Kottayam Campus. Formerly Deputy Director, SocialMedia, Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India.

Other distinguished guests who spoke during the sessions were:

- Mr. Satyaprakash, Legal Editor, The Tribune.
- Ms. Simran Kohli, Programming Head, Radio Mirchi, also having a long stint with AIR as RJ.
- Mr. Sanjay Kaw, senior multimedia news professional, The Asian Age.

Workshops organised

Several workshops were organized to enhance students' learning experiences. Some of the organized workshops in the year 2020-2021 in the department are:

1. Workshop on Visual Storytelling was conducted by distinguished photojournalist and visual story teller Ms. Tabeenah Anjum on 6th January 2021.
2. Workshop on Mobile Communication by seasoned journalist, writer, photojournalist, and videographer, Mr. Vishal Arora on 15th January 2021.
3. Workshop on Advertising by the Advertising Agency Dentsu Webchutney on 2nd June 2021. The team which interacted with the students was the core team behind the mega successful "Most Reported Trailer Campaign" for the movie Thappad. This campaign has just won Cannes Lions Silver. They presented this work as a successful case study amongst their other prominent work.
4. Workshop on "Online Presence: Essential Aspects of Building a Professional Presence on LinkedIn & e-Portfolio Websites" on 30th June 30, 2021 conducted by Dr. Anandha Karthik, Assistant Professor, KCLAS.
5. Workshop on Immersive Media on 14th July, 2021 conducted by Mr. Clyde DeSouza.

Alumni Connect

These sessions were organized to extend the knowledge of students about the higher education prospects and apprise them on how to navigate through the professional world in nascent part of their careers. All the guest speakers were alumni of the AD & PR department

- Ms. Radhika Chugh, Corporate Communication Executive, NTPC on 27th April, 2021.
- Ms. Aditi Kumari, Preparing for Lateral Entries in Masters on 28th April, 2021.
- Shubham Saurav Singh, Deputy Manager (PR), Power Finance Corporation on 5th May, 2021.
- Ms. Bhavya Gaind, Management Consulting Analyst, Accenture on 21st May, 2021.
- Students attended online Indian Communication Summit 2021 on 30th April 2021 organized by ET BrandEquity. Experts from the field of PR, Corporate Communication, Digital Marketing both from India and abroad conducted the sessions. The participation helped students to extend their learning and skills.
- There was a special session by Mr. Sahil Nayar, Senior Associate Director – HR of KPMG on 26th June 2021.

The Advertising and PR department always strives for excellence in imparting the knowledge and skills to its students. This is reflected by the fact that the students have been placed in the companies like Adfactors, NTPC, Ruderfinn DDB Mudra,

Lowe Lintas, Tata Steel, Dentsu Webchutny, Genesis, Avian, Madmen, MSL and Zee News

PG Diploma Course in Radio and TV Journalism

The PG Diploma in Radio & TV Journalism was launched in 1997 with the objective of developing competence in creative communication through the spoken word and visuals. The course has contributed significantly in meeting the manpower requirements of the electronic media industry in the country. The students are given a grounding in conceptual understanding, along with training in professional skills by senior academicians and professionals. The syllabus covers the theoretical foundations of the field as well as extensive practicals, with strong industry linkages. Senior visiting faculty from media organizations and other universities are regularly invited to fine tune the skills of students.

Objectives of the course

- To provide a wider perspective of communication and acquaint the students with the best traditions and practices of Journalism.
- To provide in-depth understanding of the concept, role and functioning of Electronic Media i.e., Radio, Television, Digital Journalism and Development Communication.
- To train the students in the art and craft of TV Journalism and equip them with skills and practices to readily take up journalistic and production jobs in TV Channels
- Provide understanding of Radio journalism, program generation and station management of FM stations.
- To provide extensive hands-on training in the latest digital audio video and multimedia technologies.

This course is presently being offered at IIMC headquarters in Delhi. Prof. (Dr.) Govind Singh is the Course Director of Radio & TV Journalism Department. In the session of 2020-2021, the total number of students enrolled was 48. They have undergone rigorous Online Classroom teaching and also virtual practical training conducted by IIMC faculty and prominent media professionals. Many online workshops on Print Production, Radio bulletins, TV production, New Media Journalism, Mobile Journalism (MOJO), Documentary Film Making and Entrepreneurial Journalism were conducted by the department for the students during the session. IIMC in collaboration with Regional English Language Office of the US Embassy, New Delhi organized a Special Journalism Training Workshop for the students of RTV. Ms. Linda Roth, Senior Journalist and presently Vice President of Woodrow Wilson Center, Pennsylvania, USA conducted the workshop from 3rd May to 7th May, 2021 through virtual mode. The students had an excellent opportunity to interact with renowned international faculty and got first hand exposure on American values of Journalism.

We invited a number of expert faculty members and senior professionals from the industry including Dr. Divya Sharma, Professor of Visual Criminology, Western Connecticut State University, USA; Prof. Subhash Dhuliya, Former VC ; Dr. Sanjay Chaturvedi; Professor and Head, Department of Community Medicine,; UCMS, New Delhi; Shri Balendu Sharma Dadhich; Director, Localisation,; Microsoft, South Asia; Ashok Kumar,; Editor, Deutsche Welle, Germany; Shams Tahir Khan, Editor, Aaj Tak; Kranti Sambhaw, Editor, Times Drive; Ashish Pande, Resident Editor, Nav Bharat Times; Naseem Naqvi, Head of News Bureau, AIR; Kalyan Ranjan, Vice President, Corporate Communication, Coca Cola India; Raj Kumar Bhardwaj, Director, EMRC, Roorkee; Manoj Joshi, Famous Sports Journalist; Jainendra Singh, Renowned Announcer, AIR; Dr. Virendra Chaudhary, Executive Producer, Times Now; Satya Prakash, Legal Editor, The Tribune; Varun Vageesh, Famous Travel Vlogger; Siddharth Tiwari, Famous Youtuber; Anil Singh, Aajtak Sports; Bal Mukund Sinha, Senior Journalist; Maha Siddiqui, Anchor, CNN-TV-18; Shivani Rawat, Sr. Journalist; Sarjana

Sharma, Sr. Journalist; Umashankar Singh, Political Editor, NDTV;Umesh Chaturvedi, Consulting Editor, AIR and many more.

The department has its own Radio and TV studio. The studios are equipped with the equipment to enable imparting practical skills to the students. The Institute also has a Community Radio Station called "Apna Radio" where the students get hands-on training in various aspects of Radio Journalism and production.

The department is producing skilled professionals for the industry every year. In spite of limitations due to COVID-19, the students got internships and placements in various reputed organizations such as Tata Consultancy Services (TCS), DD News, Aajtak, India Today Digital, Zee News, ABP News, TV-9, Career 360, Informist, Lallantop, In Shorts, Free Press Journal, Ad Factors, The Quint, etc.

PG Diploma Course in Urdu Journalism

The foundation of Urdu Journalism in the Indian Institute of Mass Communication was laid in the year 2013 with the introduction of a diploma course. After the successful experiment for several years, it was converted into a Post Graduate Diploma Course in the year 2017. Like other PG Diploma courses of IIMC, it is also a one-year course.

The prime objective of Urdu Journalism is to train the media professionals who can work as per the changing needs of the technology-driven Urdu media. The curriculum has been designed to provide a wider perspective on communication, emphasise the role of journalists in promoting involvement and participation through effective communication, familiarise and equip them with a wide range of communication skills, develop proper communication strategies in priority areas, define opportunities for journalists/communicators in view of the emerging technologies, and to give exposure to them regarding the evolving techniques of reporting/editing/production/distribution.

The present intake in the Urdu department is 17, and the course is offered at New Delhi campus only. Apart from theory classes, the students undergo rigorous practical training in reporting, news production, etc.

In the academic year 2020-21, a total of 10 students including five from general category and five from OBC were admitted in the department.

In order to generate practical understanding of the Urdu media industry, some eminent journalists working in Urdu media were invited for the lectures. They included senior editor of 'News 18' (Urdu) Shri Tehseen Munawar, editor of 'Aalami Sahara' news channel Shri Laeeq Rizvi, head of Urdu service in 'ETV Bharat' Shri Khursheed Ahmed Wani, head of 'UNI Urdu Service' Shri Faheem Ahmed, senior journalist from 'DD News'(Urdu) Dr. Md. Rahmatullah, senior journalist and consultant in All India Radio Shri Umesh Chaturvedi, senior journalist Dr. Ravindra Agrawal, Shri Ziagham Murtaza from Rajya Sabha TV, Dean, School of Mass Communication, Maulana Azad National Urdu University, Hyderabad Prof. Ehtesham Ahmed Khan, HoD, Department of Mass Communication at MANUUProf. Mohd. Fariyad, etc.

The Urdu Department organised special tours of Urdu students to the newsrooms of All India Radio, DD News and 'Alami Sahara' news channel, where they had first-hand information of the newsroom working. Apart from it they joined different workshops organized by Hindi and English Journalism.

For practical training the students produced lab journals. The first lab journal was released by DG

IIMC Prof. Sanjay Dwivedi along with the Vice Chancellor of Mahatma Gandhi Central University, Motihari, Bihar, Prof. Sanjeev Sharma. Some of the students also interviewed several eminent personalities which were shared through the IIMC social media handles. They also produced some radio bulletins. Presently, Prof. (Dr.) Kumar is the Course Director of Urdu Journalism.

Department of New Media

The Department of New Media anchors New Media paper in all the departments and conducts workshops and training programmes in Social Media Marketing, Social Media for Governance, Social Media Monitoring, Crisis Communication in Digital Age, Fact Checking and Verification and Media and Information Literacy for the students, media educators and Industry professionals. The Department of New Media provided academic inputs in the following programmes in 2021-2022:

- Fact Checking to Combat Vaccine Misinformation, Vaxcheck Town Hall series organised by Data Leads and First Draft on May 1, 2021
- Digital Workshop on Communication Strategies for the Virtual Age organized by NTPC Talcher Kaniha on March 2, 2021
- Virtual Communication workshop- Shifting Trends in the Media in the New Age organised by NTPC WRII HQ on March 30, 2021
- Career Opportunities in Digital Media organised by the Department of Media, Kalinga Institute of Industrial Technology on March 21, 2021
- Importance of social media in LIC Environment, Workshop on Understanding the Media in Low Intensity Conflict Environment organised by CRPF Academy on March 26 2021
- Awareness and Capacity Building programme for Teachers on Media Courses organised by CBSE on March 26 2021
- UNESCO Global Online Consultation on World Press Freedom Day 2021 and Global media Information Literacy Week 2021
- Emerging Trends in Media: Challenges and Career Opportunities organised by the Department of Mass Communication & New Media, Central of University of Jammu
- Use of social media as Research Tool in Geography: Shifting Paradigms and emerging issues. National Geographer's Youth Conclave organised by the Department of Geography, Shaheed Bhagat Singh College, University of Delhi on January 28, 2021
- Curricular Aspects of New Media and PR organised by Department of Visual Media and Communication, School of Arts and Sciences, Amrita Vishwa Vidyapeetham on January 21, 2021
- Digital Communication and Fact checking in a Faculty Development Programme FDP on Effective Communication in the Digital Era organised by HRDC, Punjab University on Jan 14, 2021
- National Webinar on Digital Media Censorship Vs Free Speech organised by Communication Today Journal on November 28, 2020
- Conference Resisting Disinformation using MIL for Peaceful Coexistence organised by Gandhi Smriti Darshan Smriti, UNESCO and UniTwin on October 30, 2020
- Community Radio and Media and Information

Literacy, Training Programme organized by Factshala on October 28,2020

- Journalistic Norms and Importance of Factchecking in a refresher course organised by the Parliamentary Research and Training Institute for Democracies for Loksabha TV consultants, Oct 15, 2020
- OTT platforms, CII Sothern Region Media Unconvention Summit organised by Confederation of Indian Industry (CII) Sept 25, 2020
- Educational Technology, National e- workshop "ÏCT Pedagogical Skills During COVID-19" organized by the Department of Education, AMU, Aligarh, September 22, 2020.
- National Education Policy: Pedagogical Revolution organised by Consortium for Educational Communication, UGC MHRD Sept 5, 2020
- Impact of COVID 19 on Media and Entertainment sector in India, International Conference on Post-Pandemic World Order: Navigating New Normal organised by Nepal Institute for International Cooperation and Engagement (NIICE-WPC) Aug 29, 2020
- Understanding Media, Media sensitization course organised by CRPF Academy, Gurugram for the rank of Commandants and above from various conflict areas, Aug 19, 2020
- Media literacy and Critical Thinking in Digital Age, online Refresher Course organised by the UGC-Human Resource Development Centre of Kurukshetra University, Kurukshetra in Collaboration with Institute of Mass Communication & Media Technology Aug 14,2020
- National Webinar on Media and Information Literacy and Quality Journalism: How to deal with information overload and Fake Information organised by Indira Gandhi National Centre for Arts and Association of Media Libraries and Archives (AMLA) August 6, 2020
- Digital & Media Literacy in the Disinformation Age" in a webinar series on "Digital & Media Literacy in Disinformation Age", being organized by the Department of Visual Communication at Kumaraguru College of Liberal Arts and Science (KCLAS), Coimbatore, Tamil Nadu July 28, 2020
- National Webinar organized by L J Institute of Media and Communication Ahmedabad July 6, 2020
- Panel Discussion on COVID 19 Crisis and Opportunities in Media organized by the Department of Journalism and Mass Communication, Vidya Knowledge Park College Merrut June 21, 2020
- Importance of Media and Information Literacy during COVID 19 organized by School of Journalism and Mass Communication, Auro University, Gujrat June 10, 2020
- How to navigate the COVID 19 Infodemic organized by Internews and Data leads May 22, 2020
- Impact of Media on Global Governance and Policy Decisions, 60th NDC Course, National Defense College, May 28, 2020
- Open Resources in Journalism, Department of Journalism and Mass Communication organized by IMS, Bhubaneshwar May 10, 2020
- National Webinar, Fighting Misinformation, Disinformation and Fake News, NCERT May 4,2020

Prof Anubhuti Yadav, Head Department of New Media was appointed as Jury Member for Social Media for Empowerment Award organized by Digital Empowerment Foundation, Godrej PR Moment under 3030 Awards 2021 and National ICT Award organized by the Ministry of Education, UNESCO Global Media and Information Literacy Awards 2021.

IIMC REGIONAL CAMPUSES

IIMC Dhenkanal Campus, Odisha

During the reporting period, the academic performance of the students of this Institute has been commendable.

Major activities and achievements:

- The Odia Journalism (OJ) students produced three issues of lab journals and a magazine during the period.
- They had hands-on experience in producing TV news capsules, Radio features and documentaries. They also wrote blogs and designed websites. They were also taught to use social media for news collection, collation and dissemination. The purpose of these exercises was to train the students in print, video, audio, web and social media.
- Odia Journalism student Ms. Jajnaseni Dhal received the prestigious Dr. Radhanath Rath Memorial Fellowship award and English Journalism student Ms. Khyati Sanger received the Satya Mahapatra Memorial Fellowship award.

Webinars

- Webinar on Public Relations for Public Awareness: ''Let us build a Covid-free World'' organized in association with PRSI, Odisha Chapter on 21 April 2021.
- Webinar on "Journey of an author Manoj Das" on 8 May 2021.
- Extension lecture on "India's Development Paths and Dilemmas" by Prof S N Mishra, Dean KIIT School of Management, Bhubaneswar on 7-9 June 2021.
- Webinar on "Privacy, Protection, Policy: Issues Concerning Data Protection Law"' by Prof. (Dr.) S N Mishra, Dean KIIT School of Management, Bhubaneswar on 3 July 2021.

- **Extra-curricular Activities:** Several extra-curricular activities were organized for the students. Three episodes of literary programme'*Sabdanjali*' was organized in association with District Writers' Forum, Dhenkanal and Angul.
- **Placement:** Campus placement during the 2020-21 academic session was good. Till date 50 percent of OJ students (eleven out of twenty two) got placement in different media organizations, including Inshorts, Ad-factor, Kanak News, *Dharitri*, Argous News.
- **Publications:** IIMC, Dhenkanal has produced a monograph on Peace Journalism in this academic year. It was released by Prof. (Dr.) Sanjay Dwivedi. A book on "*Mahatma Gandhi's Sambadika and Sampadak*" in Odia was released on the occasion of Indian News Paper Day on 29 January 2021.One photo book on "Cartoon at the Time of Corona" has also been produced.

IIMC Aizawl Campus, Mizoram

The Indian Institute of Mass Communication (IIMC), North-Eastern Regional (NER) Campus began functioning from the Mizoram University (MZU) Campus at Tanhril, Aizawl on the 8th of August,2011. Its opening was a big step forward for higher education in Mizoram in particular and the North East in general, and also for the growth of the illustrious IIMC brand. The Institute has been functioning from a temporary campus on the MZU premises. Mizoram University has allocated eight acres of land for a permanent campus.

The construction of the permanent campus which began in 2015 with all facilities including hostels and faculty housing is nearing completion. Works on campus beautification and landscaping

are underway and it is expected to be completed during 2022. Since its inception in 2011, the Institute is on the right track of catering to the demand for skilled manpower brought about by a huge spurt in the growth of the media, both print and television, over the last few years in Mizoram and the North East as a whole.

For the 2020-21 academic session, the NER campus was allotted nine students from various parts of the country. However, due to the unprecedented pandemic situation prevailing across the country, IIMC decided to hold and conduct the 2020-2021 session in blended online mode. Accordingly, students of NER Campus also joined the EJ online course spearheaded by IIMC Delhi with support from all five regional campuses. The students of NER Campus actively participated in all online classes, workshops and seminars organized by English Journalism Department and also the Institute. They have also performed satisfactorily in the online semester examination.

Besides the blended academic activities, NER Campus in its own capacity kept track of the allotted students and has an open communication through the creation of Whats App group where information and queries are shared. Meetings were held on weekly basis through Google meet where open discussions and interactions with the students were made possible. Students were regularly given guidance on their assignments, research projects, creation of Lab Journals and other practical exposures.

On the Placement front, students of NER Campus are establishing their own niche in reputed media organizations like the Indian Express, Doordarshan, New Indian Express, All India Radio, India today, the Republic TV, Reuters, ANI and others. It is, yet again, delightful to point out the achievements of students of 2019-20 batch as they fared well in the campus recruitment organized by IIMC and also through their own efforts. Out of the 14 students from Aizawl campus, five students were successfully placed through the placement process conducted by the placement cell of IIMC for the batch of 2019-20 and seven other students applied through the placement organised media by houses. They were fortunate to be recruited by reputed media organizations like Reuters, Roposo, Sportskeeda and others. So far, 11 students are successfully working in their own field.

Keeping the momentum in the placement process conducted by the placement cell of IIMC for the batch of 2020-2, students from English Journalism, NER Campus, Aizawl also applied for various opportunities available. Out of the nine students from Aizawl campus, two students were successfully placed. Three other students applied elsewhere through the placement organised by media houses and were fortunate to be recruited under them. Altogether, five students are successfully working in their own field.

Students recruited under IIMC Placement Cell are:

- Mr Haarivignesh and Ms. Shruti Kumari were recruited at the Adfactors PRMedia House as Trainee Account Executives.

Students working elsewhere are:

- Mr. Anmol Singla working at the 'The New Indian' as Sub-Editor.
- Mr. Kalash Khurana working at the 'Bollywood Shaadis' as Feature Writer cum Sub-Editor and
- Ms. Vipasha Sharma working at the ANI as Sub-Editor, National News.

IIMC Amravati Campus, Maharashtra

The western regional center of the Indian Institute of Mass Communication was established on August 8, 2011. Presently it is being operated from the Sant Gadge Baba Amravati University Campus. Land for constructing a permanent campus has been allotted at the Badnera (Amravati). It is envisaged that after the completion of new campus, the media education and research center equipped with world-class facilities will benefit media aspirants of the state of Maharashtra state as well as from adjacent states.

IIMC Amravati envisions the upliftment of society and playing a crucial role in the development of society through communication, media education, research, and extension and training. Amidst the pandemic situation, IIMC Amravati fully functioned online. The academic session 2020-21 began with special session by Shri Pravin Bardapukar, Ex Editor, Loksatta (Indian Express Group) in month of November 2020. Theory classes were regularly conducted along with practicals. COVID-19 interestingly shaped a pan-Maharashtra newsroom of students.

Major activities and achievements:

- Under Communication Research 11 English Journalism students and 13 Marathi Journalism students successfully completed a research project on subjects ranging from Journalism, New Media, Development Journalism, Branding, Advertising and PR under the supervision of Dr. Anil Saumitra and Mr Vinay Sonule.

- Eminent scholars, media persons academicians were invited in IIMC Amravati. One-day online symposium on 'Role of Language Journalism in Regional Development' was organized in IIMC Amravati under the chairmanship of Dr Anil Saumitra on 17 Feb. 2021. Eminent Journalist Shri Ashish Chandorkar, Digital Media Expert Shri Vishwanath Garud, Mr Anil Agrawal, Ex Gen Secretary ILNA were the panelists. Students and media persons across Maharashtra state participated in this symposium.
- Savitribai Phule Jayanti was celebrated and a special program 'SAWITRICHYA LEKI' was organized.
- Republic Day celebrations at IIMC Amravati held on 26 January 2021.
- Sawchchhata pakhwada was celebrated during January 1-15, 2021 at the IIMC Amravati premises.
- A special lecture on Women's Day and Savitribai

Phule death anniversary was orgnized for Marathi journalism students in March 2021.

- Prof (Dr) Anil Kumar Saumitra assumed the charge of IIMC Regional Campus, Amravati on February 1st, 2021.
- One-day online symposium on 'Role of Language Journalism in Regional Development' was organized by Amravati Regional Centre of IIMC on 17th February 2021.

- Amidst the challenges arising out of COVID situation IIMC Amravati kept the commitment to create outstanding budding media professionals. Lab Journals were produced completely online. The first two Lab Journals were inaugurated by Regional Director Dr Anil Saumitra, Shri Anil Jadhav and Shri Vinay Sonule.
- On 27th February, which is celebrated as 'Marathi Matrubhasha Divas', IIMC Amravati students took an initiative and organized a special program to mark this day. Dr Mona Chimote, Head of Marathi and English department, Sant Gadge Baba Amravati University spoke on the subject 'Marathi Sahityatil Stree' (Women in Marathi Literature) and eminent poet Sneha Miragne recited beautiful Marathi poems and shared her insightful views on Marathi Poetry.

- A special live lecture for IIMC Amravati Marathi journalism students was conducted by Station Coordinator, Mr Sanjay Gharde, 90.4 FM, Community Radio, Krishi Vigyan Kendra, Bandera Amravati. Motive was to introduce the students with the set-up of equipment and production process of a radio station.

- The birth anniversary of Dr Babasahab Bhimrao Ambedkar was celebrated on 14 April, 2021. IIMC Amravati was given the honor to host a special lecture under Friday Dialogue which is usually organized by the Outreach Division of IIMC Delhi. Eminent ideologue and Editor of Saaptahik Vivek-Mumbai, Shri Ramesh Patange was invited as a keynote speaker on this occasion. Prof. (Dr.) V. K. Bharti, Head, Publications and Editor, Communicator, IIMC Delhi chaired this event.
- On the occasion of Maharashtra Day on 1st May 2021, eminent editor of Maharashtra Times and former Member of Rajyasabha Dr Bharatkumar Raut were invited for a Special Lecture. Dr Sudhir Gavhane, Ex-Vice Chancellor, MGM University Aurangabad and YCMOU Nashik presided over this session. More than 250 media educators, journalists and students attended this programme through Google meet and Facebook Live.
- IIMC Amravati organized a two-day workshop on 'Cultural Reporting' in collaboration with South Central Zone Cultural Centre (SCZCC), Nagpur for students across all the campuses of IIMC. A total number of 128 students registered for the workshop and certificates were provided by the SCZCC. A quiz competition on Awareness of Indian Culture was also organised. The culture of six states – Maharashtra, Karnataka, Madhya Pradesh, Chhattisgarh and Andhra Pradesh were

presented with interesting audio visuals in the workshop.

- Field visit of IIMC Marathi journalism students was organised to Pratidin Akhbar Press, where they learnt about how a newspaper is published and its minute technical details and its importance in print media.

IIMC Jammu Campus, J&K

Extending its reach to other parts of the country, IIMC set up its new Regional Centre at Jammu during 2012-13. The Government of Jammu & Kashmir provided rent-free accommodation to IIMC for academic facilities and for the students' hostel and guest house. The permanent campus is under construction on a 15-acre land allotted to the Institute by the state government. The campus is likely to get completed within the year 2022.

Regional Director Prof Rakesh Goswami inspected construction work at the site of new campus coming up at Keran, Bantalab in Jammu.

The Indian Institute of Mass Communication, Jammu campus aims at setting set global standards for media education, research using state-of-the-art technology for building a knowledge driven information society, contributing to human development, empowerment and participatory democracy, anchored in pluralism, universal values and ethics. The objective is to create a dynamic learning and working environment which nurtures new ideas, creativity, research, scholarship and develops leaders and innovators in the domain of mass media, communication and mass communication.

Major Activities

- Republic Day was celebrated at the Jammu Campus. Academic and non-academic staff was present during the celebration.

Independence Day celebrated at IIMC Jammu campus. Regional Director Rakesh Goswami hoisted Indian flag

- Basant Panchami was celebrated at IIMC Jammu on February16, 2021 by offering prayers to Goddess Saraswati. Academic and non-academic staff offered their prayers.
- A special event was held on January 28, 2021, under the Swacchta Pakhwada at the Indian Institute of Mass Communication, Jammu. The staff members visited Balgran, a charitable home for the destitute children. Children took the oath of cleanliness in the presence of IIMC staff

and understood the importance of cleanliness and hygiene. In the end, sweets and gifts were distributed to them.

- The construction work of new campus is regularly inspected by the Regional Director which is coming up at Keran, Bantalab in Jammu. The site engineers were directed to complete the construction work in a time bound manner.
- Independence Day was celebrated at IIMC Jammu campus. Regional Director Dr. Rakesh Goswami hoisted the Indian flag and reflected upon the glorious past of the country. Faculty members Mr. Sanjit Khajuria, Mr. Anubhav Mathur and Ms. Ravia Gupta along with all the staff members of the centre were present on the occasion.
- Prof. (Dr.) Rakesh Kumar Goswami joined as Regional Director at IIMC Jammu in February 2021. A farewell ceremony for the outgoing regional director Shri Manohar Khajuria was organised in which academic staff fondly remembered his contribution to the institute.
- More than 130 new books were added to the library of IIMC Jammu in the current academic session. Some of the books were donated by the IIMC Delhi library. The books purchased included popular books published in Hindi as well. Books on varied topics were purchased for the enrichment of staff and students.

IIMC Kottayam Campus, Kerala

Indian Institute of Mass Communication's Regional Centre in South India was founded at Kottayam – the land of letters, latex and lakes- in 1995. It was established to impart quality training to working journalists, Public Relations professionals and State Information Officers. In 2012, for the first time, IIMC Kottayam opened its doors to graduate students with the introduction of Postgraduate Programme in English Journalism. Since then, IIMC Kottayam has been consistently nurturing journalism talents with commitment, quality and industry-readiness.

In the year 2017, Postgraduate Programme in Malayalam Journalism was launched in the Regional Campus with a view to set new quality standards in journalism training in the regional milieu. This is the first-ever Journalism Course in Malayalam medium, with specific focus to impart quality training in language media on a national scale. The course has earned a good reputation with its students pursuing careers in major media organizations within the country.

In 2019, the new and permanent Southern Regional Campus of IIMC was made functional in the 10-acre lush green, scenic locale at Pampady, around 12 km away from Kottayam. It is a residential campus with an Academic-cum-administrative Block, Students' Hostel, Guest Suites, Staff Quarters and other facilities.

With the new campus, IIMC Kottayam envisions to enhance its stature by initiating a bunch of new short-term courses for communication professionals from the public and private sector. In the coming years, IIMC Kottayam aspires to be the main hub of mass communication and media training in South India.

Activities/Achievements

Due to covid-19 pandemic, the new academic sessions were conducted mostly in online mode. The students were exposed to a combination of orientation lectures and expository sessions by experts on the nuances of Journalism and Mass Communication. In addition to the regular classes by the in-house faculty, many workshops and interactive sessions were arranged to provide the students a 360-degree understanding of the profession which included a:

- Three-day workshop on *Effective Communication* by Smt. Neetha Nataraj, Corporate Trainer & IELTS Examiner, for PGD in Malayalam Journalism 2020-2021 batch.
- Three-day workshop on Persuasive Radio Productions by Dr. Padmakumar, Associate Professor, Manipal University, for PGD in Malayalam Journalism 2020-2021 batch.

- All students have successfully completed the online training programme, Introduction to Digital Journalism, which was offered by Reuters.
- The Scholar-in-Campus Programme was initiated with a view to provide the students opportunities to interact and engage with persons of eminence - academicians, social workers, scientists, scholars, and experts in various disciplines.

- **Republic Day**- National flag was hoisted by the Regional Director on 26 January, 2021. The Deputy Director and other staff also participated in the event.
- **National Youth Day**- Remembered Swami Vivekananda and his inspiring messages at a function to commemorate his birth anniversary on 12th January, 2021.
- **International Yoga Day**- celebrated by the staff in their home as per Yoga Protocol on 21st June,2020.
- **Guruvandanam Programme** initiated with a view to express the students' reverence for the gurus who initiate them to a world of learning.
- **Know our Language Programme** aimed at imparting basic communication skills in Malayalam for non-Kerala students.
- As part of the **Swachh Bharat Fortnight**, the Swachhata pledge was administered by the Regional Director to the staff and faculty members. In addition, the administrative staff led by the Regional Director and Deputy Director undertook a cleaning drive in the campus in which plastic waste scattered across the campus was removed and saplings were planted in the campus. As part of the Fortnight, the Institute also organized various competitions such as Essay Writing, Poster Designing etc. for English and Malayalam Journalism students on related themes.
- National Award for outstanding contributions in Science and Technology Communication through Print Media was conferred to Dr. S Anilkumar, Regional Director & Academic Head, on 28thFebruary 2021 on National Science Day.

- Dr. S Anilkumar, Regional Director and Academic Head was conferred with the Rajendra Prabhu Appreciation Shield for his outstanding work in Science Media and Journalism by the Science and Technology Department, Government of India.
- Dr. S. Anilkumar was also conferred with Kerala State Award for the best Science Journalist, in January 2021
- Ms. Ashiqha Sultana, Academic Associate has won the Best Presenter Award at International Conference on Youth Communication Day, Indonesia, in December,2020.
- Dr. S Anilkumar, Regional Director & Academic Head, has authored and published the book, Pathra Charithrathinte 100 Varshangal (100years of Malayalam Press). He has also authored Sudharshanam, a motivational book in Malayalam language.
- Shri. A. Chandrasekhar, Asst. Professor, has authored Malayala Cinemayile Adukkala (Representation of Kitchen in Malayalam

Cinema). He has also edited and published a Monograph, Fake News and Democracy.

- Ms. Ashiqha Sultana, Academic Associate, has contributed a chapter titled, "Emerging trends in advertising and marketing: A new wave amidst Covid 19 Pandemic" in a book published by Academic Province titled, Emerging Trends in Finance, Marketing and Human Resource Management. (Feb 2021)
- Ms. Ashiqha Sultana, Academic Associate presented a research paper titled "Impact of online advertising and the use of cosmetic products: A study on the influence of online advertisements and change in the purchasing behaviour of women in Kerala" at Youth Communication Day International Conference, Indonesia (December 2020).
- Ms. Ashiqha Sultana, Academic Associate has also presented a research paper titled "Digital Communication in post pandemic times: Impact on Indian youth" at Jakarta Communication Conference, Indonesia (March 2021)
- Ms. Saranya P.S., Academic-cum-Teaching Associate, has published a paper titled, "Indian Aacharas and Scientific Reasons: Audience Analysis on the Scientific Understanding and Practicing of Indian Customs and Rituals" in International Journal of English Language, Literature and Translation Studies (IJELR)
- As part of the training to write for, edit, and design newspapers and magazines, the students of IIMC Kottayam designed and published a number of Lab Journals in English as well as Malayalam, IIMC Voice and Ezhuthola respectively.

Roadmap for Future

The Institute plans to enhance its collaborative network, thereby, creating necessary linkages with other academic institutions and universities. A bilingual research journal covering various issues, challenges, and solutions in the communication sphere is also in pipeline. The Community Radio Station needs to be established in a full-fledged manner. With the new permanent campus and the Deemed-to-be University status, IIMC Kottayam will go many steps further in fulfilling its vision towards building a knowledge-driven information society and also living up to its stature as an institute of excellence in the field of mass communication and media training.

Short-term Courses, Workshops, Seminars and Conferences Organised

With a view to contributing towards better understanding of different issues pertaining to media and mass communication in the context of India and other developing countries and in order to enhance the awareness of personnel from different fields regarding emerging trends and techniques and sharpening their skills, the Institute has been organizing a variety of short-term courses, workshops, seminars and conferences on various themes related to communication. The Institute also runs regular short-term academic programmes for personnel from different Media Units of the Ministry of Information and Broadcasting.

Development Journalism

In 1969, IIMC started a major international training programme, the Post-Graduate Diploma Course in Journalism for Developing Countries, for middle level working journalists from Afro-Asian countries, to meet the requirements of the Non-Aligned countries in the context of the imbalance and distortion in news coverage. This is one of the premier courses under the ITEC schemes of the Government of India. The Development Journalism Course is an endeavour towards promoting international cooperation and understanding, especially among countries of the developing world, through the exchange of experience, expertise and innovations in the field of harnessing communication as a tool of development. Over the years, IIMC has trained over 1,706 foreign journalists from 127 countries, ranging alphabetically from Afghanistan to Zimbabwe.

During 2020-21, the Department of Development Journalism at IIMC could not conduct any course because of different restrictions, particularly travel and visa restrictions owing to COVID-19 pandemic.

Department of Short Courses

The Indian Institute of Mass Communication has been organizing a variety of short-term courses on various themes related to communication and media. These specialized short-term courses, ranging from one-week to four weeks duration are designed to meet the professional training needs of officers of armed forces, police personnel of various states and those working in various media and publicity organizations of Central and State Governments, as well as Public Sector Enterprises. Every year around eight to ten such courses are conducted by the Institution to fulfill the training needs of different organizations related to media.

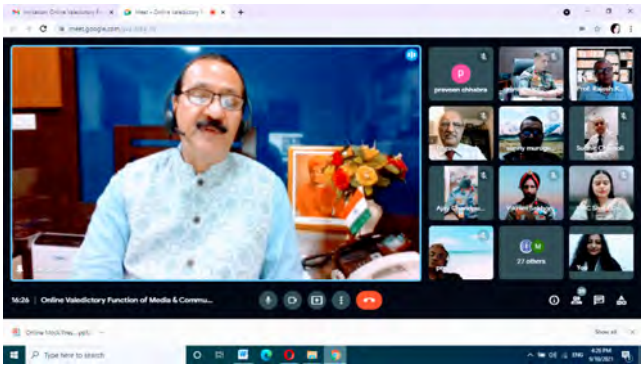

These short-term courses incorporate various sessions of the eminent speakers from the academia and media industry to provide hands on experience to the participants according to their requirements. Since its inception, the Institute has organized more than 700 such courses, and has trained around 15,000 persons from India and abroad.

Despite the pandemic in the last academic year, the Indian Institute of Mass Communication has organized six Media and Communication Courses under supervision of the Course Director Prof. (Dr.) Rajesh Kumar. The courses were designed, coordinated and conducted by the course coordinator Dr. Vishnupriya Pandey with the team of the Department of Short Courses. In the current academic year eight such courses have been planned.

Starting from overall media landscape, participants of these Media & Communication Courses attend sessions on Media Management and Ownership Pattern, Social Media Ecosystem, New Trends in Media World, Handling Media in the Digital Age, Fact Checking, Understanding tools of effective Public Relations, Elements of Press Release, Online Mock Press Conference, New Trends in Media World, Digital Media & Emerging Technologies & Indian Perspective of Communication & Content Creation for Media. The following courses conducted during the reporting period:

- A three-week programme on Media & Communication for Officers on Media & Staff Appts/PRO/Instructor was organized from 23 November - 11 December 2020 in which 12 participants attended.
- A two-week programme on Media & Communication Course for Senior Officers (Brig/Col/Equiv) was organized from 11-22 January 2021in which 18 participants attended.
- A three-week programme on Media & Communication for Officers on Media & Staff Appts/PRO/Instructor was organized from 1-19 February 2021in which 17 participants attended.
- One-week programme on Media & Communication Course for Trainee Officers of Indian Economic Service, Group A, Batch 2019 was organized from 1-5 March 2021 in which

30 participants attended.

- Half day programme on Police Media Interface Module for Deputy SSP of Punjab Police Academy was organized on 18 February 2021in which 26 participants attended.
- A two-week programme on Media & Communication Course for Middle Level Officers (Maj/Lt. Col/Equiv) was organized from 8-19 March 2021in which 18 participants attended.

DEPARTMENT OF COMMUNICATION RESEARCH

The Department of Communication Research focuses on the systematic study of communication and media as an integral part of the Institute's research agenda. The Department's efforts are directed towards analysing mass media policies, and communication programmes of the Government to assess their impact on salient development issues. The Department has established a benchmark for research in communication in the last 54 years with more than 200 research studies on different topics. The study and evaluation of media campaigns of the media units of the Ministry of I&B and other ministries is a consistent feature of Department's research programme.

The Department works though a system of collaboration with professional communicators, academicians and researchers who collaborate on research initiatives and training workshops under the Department's leadership.

Following are the major research activities undertaken by the Department during the reporting period:

NATIONAL RESEARCH PROJECTS

1) **Effectiveness of TV Health Programmes on Health Literacy: An Impact Evaluation of Lok Sabha TV's Healthy India Programme**, *Commissioned by the Ministry of Health & Family Welfare, Government of India*

This study explored the effectiveness of the *Healthy India* Programme on television in an environment infused with a variety of media platforms offering a plethora of health-related information. The study is important in terms of evaluating whether health programmes broadcast on television have any effect on health literacy among viewers. The study will thus help to understand whether knowledge levels about ways of identifying health conditions, using the knowledge gathered for prevention, protection and improving health conditions is higher among viewers versus non-viewers. The findings of this study aim at suggesting any changes required to programming content and/or format of the *Healthy India* show for greater consumption and effectiveness.

Objectives of the Study

1. To assess the preference for TV-based programmes such as *Healthy India* as a source of information about health conditions.
2. To assess the effectiveness of communication about health conditions on *Healthy India* show among viewers based on:
   - Recall and comprehension of health information among viewers about health conditions discussed during the episodes
   - Attention, yielding, attitude change (and behaviour) [(Mcguire, 1968, The Yale Approach to Persuasion)] of viewers after watching the episodes of *Healthy India*
   - Feedback on the usefulness of content in the programme
   - Perceived effectiveness of format of presentation and delivery of information
3. To explore any effectiveness of communication about health conditions on *Healthy India* show based on open-ended questions on viewer comments and suggestions for improvement of content and presentation style.
4. To identify the prevalence of message framing of health effects in positive words or negative words.

5. To assess attribute framing by identifying positive versus negative description of a specific state of a disease.
6. To assess goal framing by identifying the occurrence of gain or loss (benefits and costs) as the consequence of performing or not performing an act or advice.
7. To assess message framing by the prevalence of advice, in promoting preventive health behaviour.

Outcome of the Study

1. Research has shown that active communication channels such as interpersonal communication, newspapers, and the internet service as primary sources of health information for individuals with strong health beliefs and active health information seekers. In contrast, passive consumption channels such as television and radio serve as primary sources of health information for individuals who are generally not health-oriented.
2. Findings from the survey of 297 individuals across age groups, gender, education levels and employment status find concurrence with previous research with a clear majority of the respondents across all nine states stating that they rely on conversations with their families and friends for health information, closely followed by newspapers, and television.
3. Findings from this study, that aimed at measuring respondents' knowledge about specific health conditions before and after viewing the television programme *Healthy India*, found that overall and in general, awareness or knowledge levels of the respondents were indeed enhanced post exposure to the programme.

2) Evaluation and Impact Assessment of Mass Media Campaign on Safe and Legal Migration, *Commissioned by the Ministry of External Affairs, Government. of India*

This study aims to evaluate and analyse the reach and effectiveness of the safe and legal migration campaign launched by the MEA in 2009. States with high rates of ECR category migrants in each region have been selected and primary research has been conducted for this purpose. To understand appropriateness of the campaign, media plan analysis has been done based on ECR data from MEA website and other sources such as Indian Readership Survey (IRS), Audit Bureau of Circulation (ABC) and Census 2011.

Objective of the Study

The broad objective of this research was to assess the reach of the media campaign by estimating media selection and exposure among the target population in different regions of the country as well as campaign's effectiveness by measuring recall and retention of the campaign messages among target audience. Following were the two primary objectives of this research:

1. **To assess the effectiveness of the campaign advertisements in eight Indian/regional languages.** With this objective, the study analyses the following factors :a) Media habits and media preferences of the target audience in view of the MEA media plan, b) Changes in the media engaged for campaign, advertisement content, campaign message and its delivery as recommended by the target audience

2. To assess the reach of the campaign in terms of

- ✓ Exposure of the campaign.
- ✓ Recall and retention of the campaign, advertisements, and messages by the target audience.
- ✓ Comprehension of the messages of the advertisements and its usefulness among the target audience.
- ✓ Self-perceived intended behavioural change by the target audience

Outcome of the Study

1. The study finds that almost all of them (98.1%) access internet from their mobile phones for various purposes. This increased *usage of social*

networks is due to the popularisation of *mobile* technologies is revealed from the field study; 70.2% respondents use social media platforms such as Facebook and WhatsApp on their mobile. TV is the third most popular medium with 72.9% viewers; a significant number of TV viewers are found in each state. Analysis of newspaper reading habits of respondents finds that overall, 41.4% read newspapers. Based on these findings on media consumption habits of people, it is suggested that popular media platforms like WhatsApp and Facebook should be employed in a more robust way, and synchronously with the legacy media campaign. In this regard, state-specific strategies need to be planned to reach the target audience in each state.

2. It has emerged from the field that level of exposure in each state is unique due to several factors. Regional diversity, socio-cultural, economic, education, gender, age, religion, demographic, and other differences has influenced exposure of these states. Apart from socio-economic and demographic factors, personal choice, lack of reading habits of newspaper and watching television, lack of parity between choice of timing in watching TV and time chosen for running the advertisement are some of the important factors that can be associated with to respondents' exposure/non exposure to the campaign. The study finds that overall, the percentage of respondents in the unexposed category is high in all the states as compared to the exposed category.

3. Given the scenario of large-scale migration from these states, the study tried to find out various push and pull factors behind migration. In this regard, diverse responses across states have been received from respondents. However, primary factor for overseas migration is found to be the economic condition. Low levels of education, difficult living condition, big family size are some of important factors given by them for seeking employment abroad. Respondents also cited reasons such as lack of employment, potentiality of higher standard of living as the impetus to find job outside the country. All these factors are directly or indirectly related to the economic dimension. In the exposed group, low level of education and difficult living conditions are the reasons cited by many. In the unexposed group, family encouragement, big family size and potentiality of a higher standard of living are major reasons given by respondents as reasons for seeking work abroad.

4. Analysis of MEA presence on social media and its engagement on migration issue through popular platforms like Twitter, Facebook, Instagram, and YouTube shows that MEA has experienced growth on YouTube and other selected social media platforms in terms of posts and followers. However, the engagement of these platforms with safe legal migration is not very satisfactory. Of all these, Twitter is relatively better in terms of posting on safe and legal migration.

ADMISSION TO POST-GRADUATE DIPLOMA/ DIPLOMA COURSES

The process of admission to the following Post-graduate Diploma Courses for the Academic Year 2020-21 commenced with the publication of advertisement for the same in online portal, social media etc. in the month of August 2020, the last date prescribed for the receipt of application forms being 23rd September 2020. The PG Diploma Courses are:

1. Post-graduate Diploma Course in Journalism (Hindi) at Delhi.
2. Post-graduate Diploma Course in Journalism (English) at Delhi, Dhenkanal, Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam
3. Post-graduate Diploma Course in Advertising and Public Relations at Delhi
4. Post-graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism at Delhi
5. Post-graduate Diploma Course in Journalism (Odia) at Dhenkanal
6. Post-graduate Diploma Course in Urdu Journalism at Delhi
7. Post-graduate Diploma Course in Marathi

Journalism at Amravati

8. Post-graduate Diploma Course in Malayalam Journalism at Kottayam

A total 4621 candidates applied for the Entrance Examinations for different courses.

The All-India Entrance Examinations for the above courses were conducted on 18th October 2020 by Remote Proctored Online Based Test through the NTA. The final result of all PG Diploma Courses was declared on 29th October 2020.

The orientation sessions for the new batch of students continued from 23rd November to 26th November 2020. Eminent persons from the field of mass communication addressed the Orientation Sessions.

53rd Annual Convocation

The 53rdConvocation of IIMC for the academic year 2019-20 was not held due to Covid-19 situation Diploma certificates and various medals and awards were sent to all the students of PG Diploma Courses on 15th July 2021 by post.

The details of the Awards won by the students of different courses are given at **Appendix "A"**.

IIMC Placement Cell

The Indian Institute of Mass Communication (IIMC) facilitates and helps its students in getting placement and internships. A Placement Cell has been created in IIMC to ensure a transparent mechanism for facilitating placement and internships for the students. The Cell endeavours to ensure campus placement to maximum students, including the students studying in different regional campuses of IIMC.

The following steps were taken to ensure the implementation of the spirit with which the Placement Cell was formulated:

- A Consultative Meet was held with Course Directors to plan for placements and internships for the academic year 2020-21.
- Laid groundwork for formulating the placement and internship guidelines.
- Held meetings with class representatives (CRs) of all courses to involve students' participation in the placement process and learn about the expectations and challenges faced by the students in placement.
- Built a databank of around 100 companies from media, advertising, public relations, research, and PSUs.
- Started placement process for the 2020-21 Batch with first round of hiring of students by TCS and Adfactors PR.
- Coordinated for new placement requests for the 2019-20 Batch including DD News, Amar Ujala Digital, Multiple Sclerosis Society of India (MSSI), In Shorts ('Odia content specialists'), Metro Rail News (Symbroj Media Publication), and ETV Bharat.

Key Highlights from 2020-21 Placement Season

A total of 350 students from all Regional Centres along with New Delhi participated in the campus recruitment. A total of 187 job offers were made to IIMC students during the placement season. Highest CTC stood at Rs 8.5 lakhs per annum and average stood at 4.5 lakhs per annum.

Major Organisations/Companies which joined the placement drive:

Ministry of Housing and Urban Affairs	Inshorts
Ministry of Ayush	Congencis
Ministry of Information and Broadcasting	MSL (Publicis Group)
National Thermal Power Corporation (NTPC)	Edelman
National Mineral Development Corporation (NMDC)	Accenture
Prasar Bharti	First Global

Zee Media	Reading Right
HT Digital	Sewa Bharat

55th ANNUAL DAY CELEBRATIONS

The Institute celebrated its 55th Annual Day on August 17, 2020, which was also the 56th Foundation Day of IIMC with celebrations being held at the New Delhi and all Regional Campuses of the Institute. The Foundation Day Lecture was delivered by Shri Amit Khare, Secretary, Department of Higher Education, Ministry of Education and Ministry of Information and Broadcasting, Government of India and Chairman, IIMC. Shri Khare spoke on 'National Education Policy (NEP) – Philosophy and Guiding Principles', and what is augers for communication education in the country.

INDEPENDENCE DAY CELEBRATIONS

The 74th Independence Day was celebrated with great zeal and enthusiasm at IIMC's headquarters and other Five Regional Campuses on 15th August 2020. DG, Prof. Sanjay Dwivedi hoisted the tricolor and exhorted the students to inculcate a sense of ownership with regard to the society and the nation, as a whole.

IMPLEMENTATION OF OFFICIAL LANGUAGE HINDI

In accordance with the Government policy, all efforts aimed at progressively increasing the use of Hindi in official work were made during the year. The employees of the Institute were encouraged for greater use of Hindi in their day-to-day functioning. Hindi workshops were arranged for the officers/ employees in order to remove hesitation to work in Hindi.

Hindi workshops organised

- Hindi Workshop was organized in the Institute for the trainee officers of Indian Information Service on 22nd September 2020 .Shri Kewal Krishna was invited as the guest speaker.
- Shri Kumar Pal Sharma, Deputy Director, Implementation, Department of Official Language, Northern Regional Implementation Office was invited as a guest speaker in the Hindi workshop held on 18th December, 2020. It was attended by eight participants.
- On March 8, 2021, on the occasion of International Women's Day, Hindi workshop was organized for the women employees of the Institute. In this workshop, Dr. Rekha Sethi, Associate Professor, Department of Hindi, Indraprastha College for Women, Delhi University was invited as a guest speaker. It was attended by 32 participants.

Hindi Pakhwara

Hindi Pakhwara (Hindi Fortnight) was observed at the Institute from 14th to 28th September 2020. During the Hindi Pakhwara various activities and competitions like Niband Pratiyogita, Hindi Tippan Evam Praroop Lekhan Pratiyogita, Hindi Kavya Path Pratiyogita, Hindi Tankan Pratiyogita, etc were organized.Faculty members and staff actively participated in these activities and competitions. Exhibition Of Hindi books, magazines and journals was organized in the Libraray. The Dhenkanal Regional Campus celebrated Hindi Saptah (Hindi Week) from 14-18 September, 2020. "Hindi Divas" was celebrated on 14th September, 2020 in other Regional Campuses of the Institute i.e. Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam.

Activities related to Town Official Language Implementation Committee (TOLIC)

The Indian Institute of Mass Communication is the Head of the Town Official Language Implementation Committee South Delhi-3. Half yearly meeting of TOLIC was organized on 26th November, 2020. Heads and representatives of 57 member-offices participated in this meeting.

Inspection by the Alekh Evam Sakshy Upsamiti of the Parliamentary Committee on Official Language

On 18.11.2020, a meeting was held by the Alekh Evam Sakshy Upsamiti of the Parliamentary Committee on Official Language held with the Head of Town Official Language Implementation

Committee (TOLIC) South Delhi-3 and its nine member-offices to review the progress made in the use of official language Hindi. The Indian Institute of Mass Communication, being the Head of TOLIC South Delhi-3, played an important role in organizing this meeting.

Rajbhasha Sammelan

The Rajbhasha Sammelan was organized on 16th March 2021 under the aegis of TOLIC, South Delhi-3 by Indian Institute of Mass Communication. This conference was presided by the Director General of the Institute and the President of TOLIC, South Delhi-3, Prof. Sanjay Dwivedi. Two sessions were organized during this Sammelan. In the inaugural session, Secretary in the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Dr. Sumeet Jairath, was the chief guest. Dr. Prem Janmejay, editor of 'Vyangye Yatra', also addressed this session as a keynote speaker. The chief guest of the technical and concluding session was the eminent story writer and novelist, Dr. Alpana Mishra of Delhi University. Shri Kumar Pal Sharma, Deputy Director, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs and Shri Raghuveer Sharma, Assistant Director, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs also addressed this session as special guests. The Sammelan was attended by 44 delegates from total 32 member offices of TOLIC South Delhi-3. The Sammelan was widely covered in the media.

Meetings Of the Official Language Implementation Committee

The meetings of the Official Language Implementation Committee of the Institute are organized once in every quarter. These meetings are held under the chairmanship of the Director General of the Institute. From April 2020 to March 2021, four meetings of the Official Language Implementation Committee were held in the Institute. Due to the nationwide lockdown imposed because of Covid-19 pandemic, the meetings of 11th August, 2020 and 5th October, 2020 were conducted through online mode. Whereas the meeting on 21st December, 2020 and 23rd March, 2021 were conducted through offline mode. Fruitful discussions were held in these meetings on promoting the progressive use of Hindi.

STRENGTHENING OF INFRASTRUCTURE

The Institute strives continuously for the creation of adequate and suitable infrastructure support for enabling its students to face the emerging challenges in the field with confidence. Owing to the rapid changes taking place in view of the IT revolution, there is a constant need to upgrade and strengthen the infrastructure created for the purpose. The use of these different contemporary tools and facilities imparts greater effectiveness to teaching.

Construction of Regional Campuses:

While IIMC is running from its own campuses in New Delhi Kottayam in kerala and Dhenkanal in Odisha, the regional campuses in Jammu (J&K), Aizawl (Mizoram) and Amravati (Maharashtra) are running from temporary premises provided by the respective state governments/Universities. Thus, with an endevour to strengthen its infrastructure and create permanent campuses for all the regions, the Institute is building its own campuses in all these three places.

The construction work at the Northern Regional Campus in Jammu is almost complete. It is expected that the civil work would be completed by the end of March 2022 and thereafter the work of furnishing the Campus and creating the desired infrastructure for classrooms, computer laboratories, library and other areas shall begin. The 2022-23 session which begins in July/August 2022 shall be started from the new Campus.

The primary construction of the main building at the North Eastern Regional Campus at Aizawl, Mizoram is also almost complete. Some additional work is in progress which shall be completed by August 2022. However, we intend to move into the Campus as soon as basic furnishing work of the main building is complete.

At Amravati, Maharashtra, the state government has provided six hectares of land for construction of

a permanent Western Regional Campus. The lease of the land is under renewal. The construction of the building shall begin soon after the lease of the land is renewed.

TEACHING AIDS/FACILITIES

In consonance with its reputation of being one of the premier national-level institutes for imparting quality education and undertaking research in the field of media, mass communication and journalism, the Institute has well-defined and adequate facilities which encompass an entire spectrum of infrastructure needed for classrooms and practical orientation in communication education. Constant up-gradation of these facilities is undertaken.

Global networks are converging towards a single integrated platform for voice, video and data. To keep pace with the developments in the fast-changing technology in the field of Information and Communication and its application in different areas of education and research, the Institute has acquired the latest computers with internet facility, which facilitates round-the-year connectivity for its students and faculty. This equipment and connectivity is the backbone of the educational tools and teaching aids for training students in electronic news editing, web journalism, multimedia, designing, publishing and graphics. A combination of state-of-the-art desktop machines facilitates the training of students in the areas of multimedia, computer graphics, desktop publishing, etc.

IT TOOLS

During 2011-12, IIMC joined the National Knowledge Network (NKN), a state-of-the-art, multi-gigabit, pan-India broadband network for providing a unified high speed network backbone for all knowledge-related institutions in the country. Being part of the National Knowledge Network, IIMC receives broadband internet seamlessly at speeds of 1Gbps or higher. The purpose of such a knowledge network goes to the very core of the country's quest for building quality institutions with requisite research facilities and creating a pool of highly-trained professionals. The high speed NKN enables scientists, researchers, communicators and students from different backgrounds and diverse geographies to work closely for advancing human development in critical and emerging areas for generation and dissemination of knowledge in various fields.

The Institute also has a back-up 2Mbps broadband internet connection through the NIC, state-of-the-art computers with the latest configurations and software for imparting instruction to its students and trainees.

These facilities provide learning opportunities for the students of the Institute and *inter-alia* include three Workplaces – several Computer Labs, Multimedia and DTPs available to different groups at a time. The Website of the Institute, providing useful information about its programmes and other activities, can be accessed at *www.iimc.gov.in*.

TV AND VIDEO PRODUCTION

With a view to developing a high impact and good knowledge base amongst its students and trainees in the field of electronic journalism, the Institute has a modern production studio, equipped with digital cameras with synch and special effects generators. The editing consoles comprise iMac, FCP Mac-Pro digital video editing systems and on-line digital video editing.

The Institute has partially upgraded its analogue tape-based equipment to modern digital technology. This provides students with hands-on experience on digital cameras and non-linear editing that are universally employed in T.V. channels today.

For strengthening the infrastructure available with the Institute, it has acquired high-end FCP Mac Pro video edit machines for a network-based digital non-linear video editing system at New Delhi, with stand-alone, non-linear edit systems and a high-end digital graphic support system for T.V. and print media. Digital still cameras, along with accessories, were also acquired for sufficiently strengthening the training in audio-visual and print

areas. Digital video and still cameras, teleprompter machines and iMacs for non-linear editing have also been procured for Regional Campuses at Aizawl, Amravati, Jammu and Kottayam.

RADIO

For radio transmission, the Institute has separate sound recording, FM and voice-over studios, which are used for imparting training in Radio and TV technology. The Institute is equipped with the requisite facilities for radio news-gathering: professional tape and digital recorders, microphones and other accessories. The sound studio has reasonably comprehensive facilities:

- YAMAHA 03D full track console recorder.
- Sony 8 channel Audio Mixer MXP-290 for standby recording.
- A six channel On-Air console with specialization facilities.
- Portable Sony IC recorders that record directly into MP3 and WAV Sound formats.
- Shure Microphones SM 58.
- Adobe Audition Software units with Editing and Recording facilities for programme production.
- Multitrack TASCAM containing a mini disc player, CD player, cassette player for transmission.
- Specialised broadcast equipment.

COMMUNITY RADIO STATION (APNA RADIO 96.9 FM)

IIMC has been running its own Community Radio since 2015. It is called 'Apna Radio 96.9'. The first wave of Covid 19 pandemic and the subsequent lockdown was a period when Apna Radio 96.9 FM lived up to its role and interacted with the community during the difficult times. Apna Radio 96.9 FM consistently produced programmes that helped instil faith, hope and confidence in the community by taking up issues that were of paramount importance to the people. The programmes were focused on providing correct information about treatment, physical and mental health, nutrition, post-Covid care, Yoga, immunity and vaccination, local news and information. The needs of the community were the focus of programming and the community interacted in form of responses and seeking specialized programmes through Social Media handles of Apna Radio 96.9 FM where the programmes got good amplification.

Apna Radio 96.9 FM also produced programmes based on discussion with experts and interaction with community. They addressed moral, social and ethical issues faced by the community and listeners were encouraged to participate in such discussion-based programming. Music used was predominantly of the Folk genre.

Programming consisted of interviews, audience interaction, topical features, public service announcements, news, weather, health, education, environment, civic amenities, road safety, biodiversity, water conservation, law, child welfare and consumer issues.

Association with NGOs AND RWAs

Apna Radio is closely associated with some NGOs of the area like Chetna, Society for the Promotion of Youth and Masses (SPYM), Can Support, Senior Citizens Welfare Association, (SCWA), Force, Centre for Science and Environment (CSE), Haq, and Muskaan.

Student Participation in Programming

An initiative to encourage students' participation in programme contribution was encouraged by Apna Radio 96.9 FM even when classes were being conducted in the online mode.

Students of different departments created good quality programmes that were well received by the listeners too.

Special Days Commemorated through Special Programmes

Several special programmes were created for commemorative days even during the situation of pandemic and lockdown. Some of them are:

- Swachchta Pakhwada
- Independence Day
- Republic Day
- World Women's Day
- Doctors' Day
- Yoga Day

IT Department, IIMC

- Various online events under the prestigious 'Friday Dialogue' Programme were organised in IIMC New Delhi through Google meet which were broadcasted live on Facebook and YouTube.
- Conducted online orientation programme, Virtual Conference on 'NEP & its Implementation in Media Education' in IIMC on March 22, 2021.
- Special Events/Lectures were also organised virtually on various occasions like 'Basant Parv' on February 16, 2021, '175 years of Journalism in Assam' onMarch 15, 2021 and several others.
- Facilitated successfully conducting of online classes during Covid-19 pandemic for the current academic session.
- WIFI modems have been replaced / installed in Officers' Hostel and Staff Quarters on the IIMC New Delhi, campus.
- Resolved various network issues in IIMC including network renovation for IIMC library, Board room and new switches were installed in the server room and at the Reception for improving connectivity.
- Improved network connectivity in Boys' Hostel and Girls' Hostel at the IIMC, New Delhi campus.
- Coordinating with NKN Team and NIC officials on regular basis regarding strengthening of the digital infrastructure of IIMC.

INFORMATION RESOURCE CENTRE

Pt. Yugal Kishore Shukla Library and Knowledge Resource Centre

The Institute has the largest specialized library in mass communication in the country. It has collected about 36,377 volumes of books and bound journals on different aspects of mass communication and allied subjects such as print media, broadcasting, advertising, communication, communication research, public relations, radio and television, film, information technology and traditional media

in Hindi and English language.

Major activities during the period

- The library subscribes to over 92 Journals/ magazines and 32 leading newspapers. It has also been providing a newspaper-clipping service to its users, including complete record of news items and leading articles on mass communication published in various leading professional journals and periodicals.
- The library is fully computerized and has automated its housekeeping and service operations through the latest version of Library software LIBSYS 10, Online Public Access Catalogue (OPAC) and Online Journals are available for students and faculty members.
- Library has also developed a state-of-the-art multimedia, reference and research section for students, faculty and research scholars.

- Procured around 1000 new books in Hindi on

media, communication and literature this year.

- **Centralized Library Committee:** Library Advisory Committee for review, recommendation and approval of annual subscription of journals /newspapers/magazines and purchase of books and infrastructure development for libraries at IIMC Delhi and Regional Campuses has been constituted.
- This year the library celebrated Basant Panchami Mahotsav by organizing an online special lecture on the topic "पठनीयता की संस्कृति" by famous writer and storyteller Dr. Alpana Mishra, for the students of IIMC (2020-21) batch across the centers.

DEPARTMENT OF PUBLICATIONS

The Department of Publications at the Indian Institute of Mass Communication strives to add to the communications discourse and contribute to the current media debates in India and South Asia. The department attempts to promote the discipline of Mass Communication and Journalism by disseminating information and creating awareness about the various media-related issues, innovations and ideas. The department publishes and sells journals, magazines and books at affordable prices to various subscribers, scholars and media institutions in India and abroad. The department has been publishing various books related to mass communication and journalism in English and Hindi.

The prime objectives of the Department of Publications are:

- Encouraging dialogue between academicians, media practitioners and policymakers.
- Providing rich and authentic resources for academic and industrial use.
- Encouraging Indian scholarship for the betterment of contemporary media research in the nation.
- Providing outreach to wider audiences to propagate the importance of media as a discipline.

Research Journals

Communicator

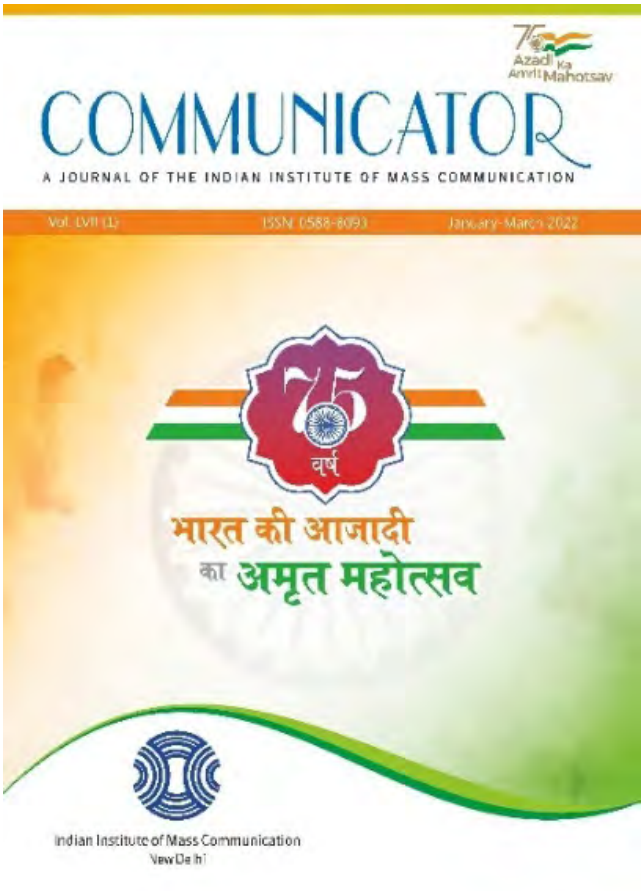

Launched in 1965, Communicator is a peer-reviewed journal of the Indian Institute of Mass Communication (IIMC) that publishes original research on mass communication. It is published by the Department of Publications, IIMC. The flagship journal of IIMC endeavours to publish the best literature available in the field of communications and its related branches for the greater benefit of scholars, practitioners and policymakers. It is the oldest communications journal published in India. In order to maintain its high standard of scholarship, Communicator follows a rigorous procedure of blind peer review. Communicator is a UGC-CARE listed journal that publishes authentic and standard research studies.

Two issues *Volume LV Issue 3 & 4 July-December 2020 and Volume LVI Issue 1 January-March2021of Communicator* were published during 2020-21. A total of 29 research articles have been published in both the issues.

Sanchar Madhyam

Sanchar Madhyam is a leading peer-reviewed research journal published in Hindi on the media and related issues. It is a major platform for the expression and publication of various types of views, comments and research papers on topics related to communication, media and journalism. Sanchar Madhyam is a UGC-CARE listed journal that publishes authentic and standard research studies in the Hindi language.

Two issues *Volume 32 Issue 1January-June2020 and Volume 32 Issue 2 July-December 2020 of Sanchar Madhyam* were published during 2020-21. A total of 24 research articles were published in both the issues.

NEW INITIATIVES

1 Visible changes in the IIMC research journals: Major Improvements

Many aesthetical changes have been implemented in the look and design of journals including the format, the masthead, quality etc. Enhanced visibility of the journal in terms of visually appealing design with standardized components has saved the print space and provided a far-reaching opportunity to accommodate various quality papers in the volume. To retrieve the best benefits out of these improvements made in the journal, it is encouraged to publish more practice-based articles, state-of-the-art content and critical review articles including commentaries. The prime objective of these changes is to score high in performance measures and moving up in journal ranking lists.

2 Development of Terms of Reference for Text Book Programme

There has always been a demand for quality textbooks in the field of journalism and mass communication, but a huge gap has been observed in the demand and supply of standard textbooks. Presently, there are many textbooks on journalism and mass communication published by Indian publishers but there is a lack of quality textbooks in Hindi and other Indian languages written by subject matter experts, professionals and academicians. Keeping this in view, in order to provide quality standard text-books in various Indian languages including Hindi to various stakeholders, Department of Publications of Indian Institute of Mass Communication has developed a 'Text Book Publishing Program' to publish quality text books on Journalism and Mass Communication in Hindi, Marathi, Malayalam, Oriya and Urdu languages. The program is being started with Hindi books, followed by writing of books in other Indian languages. The purpose of writing these text books is to be in accordance with the curriculum of all the students of mass communication. Thus, the books published by the Indian Institute of Mass Communication

will be helpful in increasing the knowledge of mass communication and media students and other media personnel. The textbook programme has been started by inviting Books Proposals in Hindi language on the various subjects of media studies.

This is an exhaustive report prepared on the basis of detailed study of leading Government of India publishing houses viz; Publication Division, National Book Trust and ICAR (DKMA). This report comprises of 110 pages.

3 **Development of Authors' Guidelines for Communicator and Sanchar Madhyam**

A detailed Authors' Guidelines for Communicator and Sanchar Madhyam have been published. The objective of the authors' guidelines is to strengthen the visibility of the journals globally as well as to provide clear directions to the prospective authors. Changing technologies have given rise to many more platforms, hence it is necessary to have the well-structured guidelines for authors. These guidelines have been prepared after taking inputs from concerned professionals.

4 **Development of Terms and Reference for the empanelment of Editors, Proof-readers, Translators and Offset Printers**

The Department of Publications at IIMC is presently publishing two research journals *Communicator and Sanchar Madhyam* which are peer-reviewed and UGC-CARE listed Journals being published on quarterly and bi-annual basis respectively. Apart from these journals, textbooks are also being published in English language. Under the publication programme, some new publications are also to be brought out like the IIMC Newsletter, Sanchar Srijan and *Rajbhasha Vimarsh*. The IIMC has launched a textbook publishing programme in Hindi and other Indian languages. As envisaged, the textbooks will be designed according to the approved contents in order to achieve high degree of quality and maintain standard of books. All the related activities connected with the publishing are to be accomplished in a time frame manner maintaining high degree of quality. In order to expedite the work of wide range of publications (Textbooks, Popular books, Technical Bulletins, Reports, Periodicals and Monographs, etc.), detailed Terms of Reference has been prepared to empanel the Editors, Proof-readers, Translators and Offset Printers.

5. **Indexing of Communicator Journal in Indian Citation Index**

The Communicator is now listed in the Indian Citation Index. Indian Citation Index (ICI) is a homegrown abstract and citation database, with multidisciplinary objective information/ knowledge contents from about 1000 top Indian scholarly journals. It provides a powerful search engine basically to perform search and evaluation for researchers, policymakers, decision-makers etc. It is a major achievement for the Communicator as it will increase its reach, impact factor and popularity among the top communication journals across the nation. Indexing of our flagship journal in ICI is a step forward in bringing and enhancing the impact factor of our journal.

6. **Constitution of the New Editorial Board**

The new editorial board was constituted for the both the research journals Communicator and Sanchar Madhyam. Senior academicians and scholars have been included in the Editorial Board to provide support, guidance and feedback.

Printing Press

An automated printing press and graphics wing at the Institute provides facilities for graphic design, offset and silk-screen printing, besides imparting training in printing techniques and desktop printing to the students of the Institute.

The printing press is also equipped with processing and binding facilities. All question papers for the All-India Entrance Examination, all the End-Semester Examination question papers

and most publications of IIMC are printed at the in-house printing press.

National Media Faculty Development Centre

In consonance with IIMC's vision to set global standards for media education, research, extension and training, the National Media Faculty Development Centre has been set up in IIMC. The Centre offers refresher courses to mass communication teachers of various institutions.

Plan Scheme of IIMC

The Plan Scheme 'Up-gradation of IIMC to International Standard' was included in the 11th Five Year Plan and approval was accorded for a total amount of Rs.62.00 crores, out of which the Government grant support is pledged at Rs. 51.50 crores.

The proposals of the scheme include up-gradation of IIMC Campus at New Delhi, i.e. construction of an additional floor on the existing main buildings, construction of lecture block and construction of new buildings in the vacant land. The scheme also includes construction of new buildings at Eastern Regional Campus of IIMC at Dhenkanal, Odisha, as well as starting of four new regional campuses of IIMC such as construction of Northern Regional Campus at Jammu, construction of Southern Regional Campus at Kerala, construction of North East Regional Campus at Mizoram and construction of Western Regional Campus at Maharashtra.

- Construction of additional floors and the lecture block of IIMC Head quarter at New Delhi was completed in the year of 2011. Construction of new buildings in the vacant land at New Delhi Campus is still pending. Construction of new building at Dhenkanal was completed in the year of 2014.
- Two new regional campuses i.e. Amravati in Maharashtra and Aizawl in Mizoram became operational from August 2011, while other two regional campuses, one in Jammu and other in Kerala became operational from August 2012.
- Except Southern Regional Campus at Kerala, all the other three regional campuses are located in temporary premises provided by the respective state governments / local Universities.
- Permanent Campus at Kerala has been completed and classes for the session of 2019-2020 were conducted from the newly constructed campus.
- The permanent campus of Aizawl is almost complete and is likely to be handed over within few months.
- The construction of the new building at Jammu will be completed in the year 2022.
- The constructional of work and other activities are yet to be begin in Southern Regional Campus at Amravati Maharashtra.

SWACHH BHARAT MISSION

IIMC won the First prize on Swachhta Pakhwada 2020 from the Ministry of Information and Broadcasting in August 2020. As a part of Swachh Bharat Mission and as per instructions issued by the Government on India, Swachata Hi Sewa Programme and Swachhta Pankhwada were observed from 16th to 31stJanuary, 2021. During the Swachhta Pakhwada, obsolete items like furniture, electrical fittings, old files which were no longer required were stock-piled for their disposal, tree plantation was done, and a live programme on Swachhta was aired by Apna Radio to create public awareness. Swachhta Inspection was carried out by DG, IIMC and other Members of the Committee constituted to monitor Swachhta related activities. The winning Departments also got mementos for contribution on the Swachhta in their Departments. Swachhta Photo Exhibition was organised as a part of Swachhta Pakhwada where photos related to activities performed were exhibited.

INTERNATIONAL YOGA DAY

The Additional Director General, IIMC Shri Satish K Nambudiripad was present at the International Yoga Day event organized in IIMC on 21st June, 2020. A Yoga Session was organized on the day and IIMC staff and officer trainees of

the IIS joined enthusiastically.

WELLNESS CENTRE

Wellness Centre is functional at Delhi Campus where allopathic, ayurvedic and homeopathic doctors visit from Monday to Friday Similar facility is available at the Dhenkanal Campus. Emergency medical facilities are made available at all campuses.

CITIZENS' CHARTER & GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

The New Citizens' Charter has been prepared as per the new guidelines and placed on the IIMC website. As per this Citizens' Charter, any citizen can address and seek redressal of his/her grievance pertaining to the Institute. An officer from the Institute has been nominated as Public Grievance Officer. Grievances received are examined by the Institute and redressed with the approval of the Competent Authority. The address of the Grievance Officer of the IIMC is:

Additional Director General
Indian Institute of Mass Communication
Aruna Asaf Ali Marg,New Delhi – 110 067

Any person not satisfied with any service of IIMC, or aggrieved by any action of the Institute, may seek redressal of his/her grievances by addressing the Grievance Officer. Every such person shall be entitled to be informed about the action taken on his/her grievance within a period of 30 days from the date on which the complaint is received.

If any member of the public/Institute desires to meet the Grievance Officer in connection with his/her grievance, he/she can do so without any prior appointment on all working days in the office.

INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE

A six-member Internal Complaints Committee has been set up in IIMC with one non-official member, as part of the Grievances Redressal Mechanism in terms of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013.

Steps followed to spread awareness

- A Seminar on sexual harassment in the workplace was organized.
- A poster making competition on the issue was organized.
- Posters on 'Zero Tolerance' have been displayed at all important areas in the campus and at all campuses of IIMC.

GRIEVANCE REDRESSAL CELL

There is a Grievance Redressal Cell in IIMC to address the grievances of all the staff and faculty of IIMC.

RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005

As far as implementation of the Right to Information Act 2005 is concerned, Prof. (Dr.) Virender Kumar Bharti has been nominated as CPIO; Additional Director General as the Appellate Authority and Director General as the Transparency Officer under the RTI Act.

As per DoPT order dated No.1/34/2013-IR Third Party Transparency Audit of Suo Moto disclosure (mandated by the Act and that all institutions have to follow by uploading the information in their website) is to be undertaken by all Training Institutes under the Ministry/Department/ Public Authority and across the States and Union territories. In view of the above, this year IIMC was tasked to do a Transparency Audit for the 23 Public Authorities under the Ministry of Information and Broadcasting. Apart from this, IIMC has done the Third-Party Transparency Audit of ten Public Authorities and generated about Rs. 4.25 lakh of income.

The task of Transparency Audit is a time-bound, crucial and voluminous task and the whole task was completed by an exclusive cell constituted especially for this task.

CODE OF CONDUCT

IIMC is an institute of excellence in the

field of professional media training and as such is required to ensure the highest standards of discipline and conduct to allow time bound and rigorous administration of professional courses in the field of media. Therefore, the Code of Conduct and disciplinary policies for the students of Indian Institute of Mass Communication have been formulated to provide a clear and transparent statement of the Institute's expectations from students in respect of academic matters and individual behaviour. The Code of Conduct applies to all students of IIMC, New Delhi and its Regional Campuses, in respect of all actions and activities relating to or impacting on the Institute or its students and employees. It is available on IIMC website.

DISCIPLINARY COMMITTEE

A disciplinary committee has been constituted at the Institute do deal with the matters pertaining to disciplinary cases involving students of IIMC.

SC/ST CELL

To safeguard the interests of the SC/ST category students and to deal with their complaints/ grievances at the Delhi Campus and at the Regional Campuses, a separate SC/ST Cell has been created.

Appendix "A"

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठयक्रम 2019-20 की पुरस्कार सूची

Award list of PG Diploma Courses 2019-20

हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठयक्रम

क्रम संख्या	पुरस्कार का नाम	छात्र/छात्रा का नाम
1	आईआईएमसी पुरस्कार	श्री तेज बहादुर सिंह
2	पंडित बनारसीदास चतुर्वेदी पुरस्कार	सुश्री करिश्मा सिंह
3	श्री अशोक जी पुरस्कार	सुश्री आँचल गुप्ता

Post-graduate Diploma Course in Urdu Journalism, New Delhi

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Mr.Mohd Zeyauddin B

Post-graduate Diploma Course in Advertising and Public Relations

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1	Shri Achin Ganguly Memorial Award	Ms. Srishti Singh
2	IIMC Award	Mr. Mayank Shukla
3	Shri Anil Basu Memorial Award	Ms. Ruchika Sen
4	PRSI Award	Ms. Malikka Narang
5	PSPRF Award	Mr. Vibhor Sharma
6.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Ms. Rukmani Mahendra

Post-graduate Diploma Course in Radio & TV Journalism

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Ms. Richa Nigam
2	ZEE TV Award	Ms. Akanksha Mishra
3	TV Today Award	Ms. Jessica Goel

4	CNN Award	Ms. Somya Jaiswal
5	ZEE TV Award	Mr. Ardhendu Sekhar Mahaptra
6	Prasar Bharati Award	Ms. Simran Singh

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, New Delhi

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Mr. Kumar Gandharv
2.	The Hindu Award	Ms. Rinki Gupta
3.	Deccan Herald Award	Ms. Tanya Goel

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Dhenkanal campus (Odisha)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Priyanka Yadav
2.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Mr Souptik Biswas
3.	NALCO Award	Ms Grishma Satpathy

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Aizawl campus (Mizoram)

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms. Mitisha Sharma

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Amravati campus (Maharashtra)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms. Gauri Chandra

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Jammu campus (J&K)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms. Rashi Sharma

Post-graduate Diploma Course in English Journalism, Kottayam campus (Kerala)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Mr. Abhinav Sharma

Post-graduate Diploma Course in Odia Journalism, Dhenkanal campus (Odisha)

Sl. No.	Name of Award	Name of Student
1.	IIMC Award	Ms Arati Behera
2.	Baba Saheb Dr B R Ambedkar Award	Mr Bikash Ranjan Dalai
3.	Dr Harekrushna Mahtab Memorial Award	Ms Sonali Ojha

Post-graduate Diploma Course in Marathi Journalism, Amravati campus (Maharashtra)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Ms. Chaitali Mahore

Post-graduate Diploma Course in Malayalam Journalism, Kottayam campus (Kerala)

Sl.No.	Name of Award	Name of Student
1	IIMC Award	Ms Aswathy Balachandran

APPENDIX 'B'

THE FACULTY

New Delhi

Director General

Prof. Sanjay Dwivedi

Additional Director General

Shri K Satish Nambudiripad

Professors

1.	Prof. (Dr.) Mrinal Chatterjee	Regional Director, Dhenkanal Campus
2.	Prof. (Dr) Govind Singh	Dean Academics and Course Director, RTV
3.	Prof. (Dr.) Anand Pradhan	Course Director, Hindi Journalism
4.	Ms. Shashwati Goswami	HOD, Communication Research & Outreach ActivitiesW
5.	Prof. (Dr.) Sunetra Sen Narayanan	Professor
6.	Prof. (Dr.) Anubhuti Yadav	Course Director, ADPR
7.	Prof. (Dr.) Surbhi Dahiya	Course Director, English Journalism
8	Prof. (Dr.) Virendra Kumar Bharati	HOD Publications
9	Prof. (Dr.) Pramod Kumar	Course Director, Urdu Journalism HoD Outreach Activities Department HoD Placements Cell
10	Prof. (Dr.) Rajesh Kumar	Course Director, Development Journalism Director, Admissions & Examinations
11	Prof. (Dr.) Sangeeta Pranvendra	HOD Apna Radio
12	Prof. (Dr.) Anil Saumitra	Regional Director, Amravati Campus
13	Prof. (Dr.) Rakesh Goswami	Regional Director, Jammu Campus
14	Dr. Rinku Pegu	IIS Deptt.

वार्षिक लेखा 2020-21

Annual Accounts 2020-21

आरएडीएएम एंड एसोसिएट
सनदी लेखाकार

स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्यगण,

भारतीय जन संचार संस्थान
जेएनयू, अरूणा आसिफ अली मार्ग
नई दिल्ली – 110067

अभिमत

हमने **भारतीय जन संचार संस्थान** (इसके पश्चात ''**आईआईएमसी**'' के रूप में लिया जाए) के सहवित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा की है, जिनमें, 31 मार्च, 2021 तक का तुलन-पत्र और सम्पन्न वर्ष के आय और व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां तथा लेखा टिप्पणियां शामिल हैं।

हमारे मत में और हमारी जानकारी में और हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त उल्लिखित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2021 को संस्था के मामलों की स्थिति और उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष को उसके अधिशेष अथवा घाटे के साथ आयकर अधिनियम, 1961 (''अधिनियम'') द्वारा आवश्यक सूचना को यथाअपेक्षित रीति में और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों और भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य अन्य लेखांकन सिद्धांतों की अनुरूपता में सही और उचित हैं।

परिमित अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा निर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों (एसए) के अनुरूप वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारे उत्तरदायित्व हमारी रिपोर्ट के खण्ड वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए *लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व* में वर्णित हैं। हम इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी नीति सहिंता के अनुसार स्वतंत्र आवश्यकताओं, जो कि अधिनियम और उसके तहत निर्मित नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के अनुरूप हैं, संस्था की ओर से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की नीति संहिता के अनुरुप अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमें जो लेखा परीक्षा तथ्य प्राप्त हुए हैं वे वित्तीय विवरणों के संबंध में हमारे लेखापरीक्षा अभिमत को आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखा परीक्षा के दौरान हमारी टिप्पणियां

1. हमने वेंडर्स से सावधि जमा और बैंक प्रतिभूतियों के रूप में जमा की गई बयाना राशि (ईएमडी) का वास्तविक सत्यापन किया है, जिनके संदर्भ में निम्नलिखित टिप्पणियां की गई हैं :

   i) सभी सावधि जमा (एफडी) जिनकी अवधि पहले ही पूर्ण हो चुकी थीं, उनका बैंक से नवीनीकरण नहीं किया गया।

   ii) उपलब्ध एफडी और बीजी के संबंध में कोई अलग रजिस्टर नहीं बनाया गया।

   iii) लेखा बहियों के अनुसार एकत्रित ईएमडी का कुल मूल्य 16, 75,988.00 रुपये और वास्तविक सत्यापन के अनुसार 13,11,262.00 रुपये था। शेष ईएमडी का पता लगाने और रिकॉर्ड को अद्यतन रखने की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है।

   iv) वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 1,71,68,373/- रुपये के निविदा मूल्य की एवज में वेंडर- "मैसर्स डायमंड सिक्योरिटी पर्सनेल" से एकत्र की गई 6,16,603.00 रुपये की ईएमडी वित्त वर्ष 2021-22 में एमएसएमई पंजीकृत वेंडर के आधार पर वेंडर को लौटा दी गई। हमारा सुझाव है कि जहां निविदा का मूल्य बहुत अधिक हो, वहां कुछ प्रतिभूति जमा रोका जाना चाहिए। ताकि उस निविदा के कारण आईआईएमसी को भविष्य में होने वाले नुकसान की भरपाई की जा सके।

2. वर्ष के दौरान हाउसकीपिंग मानव शक्ति सेवाओं, स्नातक डाटा एंट्री ऑपरेटर और सुरक्षा सेवाओं की आपूर्ति के लिए मैसर्स डायमंड सिक्योरिटी पर्सनेल को प्रदान की गई 1,17,68,373/- रुपये मूल्य की तीन निविदाएं की लेखा परीक्षा के अधीन हैं। हमने निविदा आवंटन की प्रक्रिया की जांच की और हमारी टिप्पणियां निम्नलिखित हैं:

   (i) समिति के 4 सदस्यों में से दो सदस्य अवकाश पर थे और फाइल पर कार्रवाई की गई।

   (ii) फाइल में यह उल्लेख किया गया है कि निविदा खोलने वाली समिति ने सभी चयनित बोलीकर्ताओं के प्रदर्शन की जांच की और उनकी प्रतिक्रिया के बारे में ग्राहकों के साथ टेलीफोन पर हुई उनकी बातचीत के आधार पर यह मैसर्स डायमंड सिक्योरिटी पर्सनेल" को प्रदान किया गया। लेकिन हमें इस तरह के विवरण नहीं मिलेंगे।

   (iii) दस्तावेज अधूरे थे, टेलीफोन पर हुई बातचीत के आधार पर उन्हें यह निविदा प्रदान की गई।

3. हमने खर्चों की पुष्टि और सत्यापन किया है, उसी के संबंध में टिप्पणियां निम्नलिखित हैं:

   (i) वर्ष के दौरान किया गया विज्ञापन खर्च 55,136/- रुपये है, जिसके लिए कोई चालान नहीं मिला। वेंडर्स को भुगतान उनकी चेकलिस्ट शीट के आधार पर ही किया गया था। उसको संबंधित व्यक्ति द्वारा सत्यापित भी किया गया लेकिन चालान के लिए कोई आपत्ति नहीं की गई। (VNo.- 330, 361, 996, दिनांक-11.08.20, 26.08.20, 10.03.21)।

   (ii) ईंधन पर व्यय की लागत के संबंध में, वर्ष के दौरान वाहन संख्या- 1595, 1767, 3022, 4922 के संबंध में उपभोग किया गया कुल ईंधन 9,228 लीटर था। लेकिन वित्त मंत्रालय- व्यय विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार संख्या एफ .3(3)-ईआई(ए)90, कारों में ईंधन की खपत केवल 600 लीटर प्रति तिमाही तक ही सीमित होगी। हमने दिशा निर्देश के अनुसार गणना की और पाया गया कि 6,628 लीटर अधिक खपत हुई थी। इस पर लगभग 5,12,297/- रुपये की लागत आएगी। (अनुलग्नक-1संलग्न)

   इसके अलावा, ईंधन पर व्यय की राशि। 1,03,204/- रुपये V.No. 258, दिनांक-20.07.2020 को ईंधन मद की लागत के बजाय सेवा मरम्मत एवं रखरखाव (वाहन) मद के तहत गलत तरीके से प्रकट किया गया।

(iii) वर्ष के दौरान बिजली पर 78,07,464/- रुपये व्यय हुआ- जिसमें स्टाफ क्वार्टर, वार्डन के आवास का परिसर, कैंटीन (प्रशासन, आईआईएस, छात्रावास), इंदु टॉवर, सेंट्रल बैंक, शेष आईआईएमसी परिसर में खपत की गई यूनिट्स शामिल हैं, हमने प्रश्न उठाए हैं लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया है, ये इस प्रकार हैं:

क) स्टाफ क्वार्टरों (संख्या 10) के संबंध में, संस्थान ने उपभोग की गई यूनिट की वाणिज्यिक दर पर भुगतान किया और आवासीय / रियायती दर पर उसकी प्रतिपूर्ति की। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी का कोई आदेश/परिपत्र नहीं मिला।

ख) वार्डन से दिनांक 01.08.2018 से उपभोग की गई विद्युत यूनिट की कोई वसूली नहीं की गई। सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बिना ही केवल वार्डन द्वारा उनके दिए गए आवेदन के आधार पर ऐसी छूट का दावा किया गया।

ग) कैंटीन (गणेश ठाकुर) - प्रशासन, आईआईएस छात्रावास, लड़कों और लड़कियों के छात्रावास द्वारा उपभोग की जाने वाली विद्युत यूनिट का फरवरी, 2019 से भुगतान नहीं किया गया है जो 2,81,325.4/- रुपये है –इसके लिए अंतिम रिमाइंडर 27.08.2021 को जारी किया गया था।

घ) संस्थान ने इंडस टावर की ओर से बिजली की खपत का खर्च वहन किया और तदनुसार वसूल किया। लेकिन इंडस टावर द्वारा की गई इस प्रतिपूर्ति को उनके टीडीएस रिटर्न में आईआईएमसी की किराये की आय के रूप में प्रकट किया गया था और तदनुसार टीडीएस काटा गया था और इसे आयकर पोर्टल में किराये की आय के रूप में प्रकट किया गया था।

iv) **मनोरंजन व्यय में,** मेसर्स मसाला बाइट को दोपहर के भोजन के लिए 46,250/- रुपये (V.No. 352, dt- 21.08.20 के माध्यम से) का भुगतान किया गया था। जिस पर भुगतान करते समय कोई टीडीएस नहीं काटा गया था।

v) **सेवा, मरम्मत और रखरखाव (भवन) लेज़र** में, आंतरिक और बाह्य पौधों की आपूर्ति के लिए मेसर्स ए एस एंटरप्राइजेज को V No.424, दिनांक-24.09.2020 के माध्यम से 45,300/- रुपये का भुगतान किया गया था, लेकिन विवरण के संबंध में वाउचर अधूरा था। पौधों के विवरण के अनुलग्नक को संलग्न किए बिना अधूरा चालान संलग्न किया गया।

vi) **चिकित्सा व्यय** के संबंध में :

क) लेखा बहियों के अनुसार कुल चिकित्सा व्यय : 58,04,334.00

उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार व्यय :	(51,29,974.00)
मेडिकल ओपीडी – नियमित कर्मचारी	19, 00,387.00
मेडिकल ओपीडी – सेवानिवृत्त कर्मचारी	17,36,942.00
मेडिकल दीर्घकालिक	3,84,040.00
अस्पताल में भर्ती होने संबंधी व्यय	11,08,605.00

व्यय की राशि जिसके लिए कोई विवरण उपलब्ध नहीं है 6,74,360.00/- रुपये है। उनके रिकॉर्ड को अद्यतन करने और तदनुसार लेखा बहियों के साथ उनका मिलान करने की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है।

ख) हमने पाया कि चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति सीजीएचएस नियमों के अनुसार नहीं की गई जैसे :

- उपचार के लिए सीजीएचएस नियम पुस्तिका में निर्दिष्ट दर के अभाव में- बिना किसी परिपत्र या आदेश का हवाला दिए 100% प्रतिपूर्ति की अनुमति दी गई।
- वाउचर इस तरह से बनाया गया था कि उपचार के लिए की गई सभी विजिट्स को एक साथ जोड़कर इसे प्रथम दृष्टया अस्पताल में भर्ती माना गया। इलाज की पहली और आखिरी तारीख को अस्पताल में भर्ती और छुट्टी की तारीख के रूप में लिया गया।

हमने अस्पताल में भर्ती संबंधी प्रतिपूर्ति की पुष्टि की है वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 दोनों में केवल श्री राम चंदर के मामले में विसंगति पाई गई है।
VNo. , दिनांक-02.08.2021, राशि 20,917/- (वित्त वर्ष 2021-22)
VNo. 989, 226, दिनांक- 09.03.21, 09.02.21 राशि- 32, 675/-, 64,503/- (वित्त वर्ष 20-21)

4. प्रकटीकरण में सुधार:

i) "पुस्तकालय पुस्तक (एचओ)" V. No. 0301, दिनांक- 08/09/2021, राशि- रु. 1,07,860/-
ii) पीजे-2 और 3 के संबंध में परिवहन भत्ते में दिव्यांग भत्ता हस्तान्तरित।
iii) पीजे-12 के संबंध में परिवहन भत्ते में दिव्यांग भत्ता हस्तान्तरित।

5. सेवानिवृत्ति पर आनुतोषिक(ग्रेच्युटी) और छुट्टी नकदीकरण की जांच की प्रक्रिया में, हमने पाया कि श्री जय राज (अनुभाग अधिकारी), श्रीमती केसर निम्बा (एएलआईओ), श्री किशन लाल (पूर्व एसपीए), श्री ईश्वर कुमार (एलआईए), श्री विष्णु कुमार (एमटीएस) के मामले में अनुशासनात्मक/सतर्कता अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ था। यह सुझाव दिया जाता है कि सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान के लिए संस्थान द्वारा अनुपालन या प्रक्रिया के मानक सेट का अनुसरण किया जाना चाहिए।

6. ओवर टाइम भत्तों के संबंध में हमारी टिप्पणियां निम्नलिखित हैं:

i) जितने दिनों के ओटीए का दावा किया गया, संबंधित व्यक्ति उस समय परिसर में मौजूद था या नहीं हम इसे क्रॉस चेक करने में असमर्थ हैं, क्योंकि संबंधित अधिकारी की प्रतिक्रिया के अनुसार कोविड के कारण नियमित कर्मचारियों के उपस्थिति रजिस्टर का रखरखाव नहीं किया गया था।
ii) संसद द्वारा पारित ओएसएच संहिता का संदर्भ- "किसी भी कामगार को दिन में 8 घंटे से अधिक काम करने की आवश्यकता या अनुमति नहीं है"। लेखा परीक्षा के दौरान हमने पाया कि श्री भगवानदीन और श्री नानक चंदर (पंप ऑपरेटर) ने अपनी नियमित कार्यालय ड्यूटी के साथ-साथ छुट्टियों में 8 घंटे और कभी-कभी 16 घंटे भी संस्थान के लिए काम करते हैं, जिसमें उन्हें ओवर टाइम भत्ता मिलेगा। परामर्श है कि संस्थान को मामले पर गौर करना चाहिए, क्योंकि दिन में 16 घंटे की सेवा श्रम कानून या किसी अन्य अधिनियम के तहत कानूनन बाध्यकारी नहीं है, जो भविष्य में मुआवजे का कारण बन सकती है।

iii) हमने श्री हुकुम सिंह (चालक) के मामले में भी यही पाया। चूंकि उन्होंने अपनी नियमित ड्यूटी के साथ-साथ साप्ताहिक अवकाश पर भी 17 घंटे काम किया।

iv) चालक रविवार को काम करते हैं जिसके लिए उन्हें ओवरटाइम भत्ता प्रदान किया गया। लेकिन वित्त मंत्रालय - व्यय विभाग संख्या F.3(3)-E.II(A)90, "सरकारी वाहन, आपातकालीन और अन्य अपरिहार्य कार्यों के लिए तैनात किए गए हों, को छोड़कर रविवार को स्टाफ कारों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

v) ओवरटाइम दावे के लिए प्रदान किए गए उपस्थिति के रिकॉर्ड के अनुसार हमने लॉग बुक की तुलना में इन-आउट समय में विसंगति पाई।

vi) ओवरटाइम की आवश्यकता है या नहीं, यह सुनिश्चित करने के लिए ओवरटाइम का कारण रिकॉर्ड बुक में भरने की सलाह दी जाती है।

vii) ढेंकनाल भवन के लिए सीसीडब्ल्यू को 6,41,000/- रुपये की अग्रिम राशि कार्य पूर्ण होने के बाद भी लेखा बहियों में लंबे समय से प्रदर्शित की जा रही है। पिछले लेखा परीक्षकों द्वारा भी यही आपत्ति उठायी गई थी।

viii) यह सुझाव दिया जाता है कि किराये की आय और बिजली के बिल की प्रतिपूर्ति के लिए इंडस टॉवर और सीबीआई बैंक के खातों का मिलान किया जाना चाहिए।

ix) मुख्यालय में सभी वाहनों के संबंध में लॉग बुक का रखरखाव ठीक से नहीं किया गया, शाखा की आंतरिक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में हमने ऐसा ही पाया है। इसका रखरखाव ठीक से किया जाना चाहिए और प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए इसे प्रभारी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए।

x) भण्डार की लेखापरीक्षा की कार्रवाई रिपोर्ट लेखापरीक्षा के दौरान उपलब्ध नहीं करायी गई।

xi) वित्त वर्ष 2018-19 से कैंटीन विक्रेता (गणेश ठाकुर) से किराया और बिजली के संबंध में बकाया राशि की अब तक वसूली नहीं हुई है। अंतिम स्मरण पत्र 27.08.2021 को दिया गया था:

विवरण	अवधि	राशि (रु.)
किराया	अप्रैल, 2018 से फरवरी, 2022	**2,35,000.00**
बिजली का बिल	फरवरी, 2019 से जनवरी, 2022	**2,81,325.00**
(64401+24171+160379 +31683+691)		
कुल देय राशि		**5,16,325.00**
वसूल किया गया किराया		**-65000.00**
कुल बकाया		**4,51,325.00**

वर्ष 2016 से अनुबंध की तिथि से ही जल शुल्क वसूल नहीं किया गया, क्योंकि अनुबंध के अनुसार यह किराए से अलग है। अनुबंध (दिनांक 30.11.2016) के अनुसार, कैंटीन वेंडर को 5000/-रुपये के मासिक किराये पर जो परिसर दिया गया, उसमें प्रशासन कैंटीन, आईआईएस अधिकारी छात्रावास कैंटीन, लड़कों और लड़कियों के छात्रावास की कैंटीन शामिल हैं। इसे सालाना बढ़ाने की सलाह दी जाती है।

12. हम शिक्षा शुल्क पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं क्योंकि:

(i) लेखा विभाग शिक्षा शुल्क की प्राप्तियों को संबंधित पाठ्यक्रम और उससे संबंधित विद्यार्थियों के साथ मिलान करने के बाद शुल्क दर्ज करता है। लेकिन हमें कुछ अज्ञात (अन्ट्रेस्ड) शिक्षा शुल्क भी मिला है क्योंकि इसे लेखा बहियों में दर्ज नहीं किया गया था, इसलिए इसे सत्यापित नहीं किया गया।

(ii) शुल्क जमा करने का कोई मानक नियम नहीं है। शुल्क किसी भी शाखा से किसी भी माध्यम अर्थात यूपीआई, पेटीएम, नेटबैंकिंग, खाते में जमा आदि से एकत्र किया जा रहा है और एक शिक्षा शुल्क का लेन-देन या ट्रांजेक्शन विविध माध्यमों से किया जा रहा है।

(iii) हमने पाया कि लेखा और अकादमिक विभाग के बीच संवाद की काफी कमी है। जिसके कारण कोई मामले लंबित या अनसुलझे हैं।

(iv) प्राप्त हुए शिक्षा शुल्क की गणना की विधि लेखा और अकादमिक विभाग में भिन्न-भिन्नश है। अकादमिक विभाग में, यदि विद्यार्थी अपने लेन-देन या ट्रांजेक्शधन का विवरण साझा करते हैं, तो उन्हें मैन्युअल रूप से मान लिया जाता है कि उनका भुगतान हो गया, जबकि लेखा विभाग बैंक में शुल्क हस्तांतरण के बाद यह सत्यापित करना आवश्यक है कि शिक्षा शुल्क किससे संबद्ध है।

(v) भ्रांति या अज्ञात मदों की स्थिति स्पाष्ट करने के लिए कुछ स्वचालन विधि लाने की सिफारिश की जाती है।

(vi) प्राप्त होने वाले लंबित शुल्क का मूल्य तथा शुल्क प्राप्त हुआ, लेकिन रसीद जारी नहीं की गई :

विवरण	**दूसरे सेमेस्टर का शुल्क + विलंब शुल्क प्रभार**	**शुल्क प्राप्त हुआ, लेकिन रसीद जारी नहीं की गई**
आरटीवी	448,000.00	444,000.00
एडीपीआर	31,750.00	
एचजे	607,250.00	267,000.00
ईजे	269,000.00	152,250.00
ईजे – ढेंकनाल	67,250.00	104,000.00
ईजे –कोट्टयम	22,750.00	
मलयालम पत्रकारिता	11,750.00	
उर्दू पत्रकारिता	110,750.00	37,250.00
उड़िया पत्रकारिता	38,250.00	11,750.00
कुल	**1,606,750.00**	**1,016,250.00**

किसी भी तरह के अंतर की पहचान के लिए शिक्षा शुल्क का नियमित मिलान आवश्यक है ताकि राजस्व हानि का समय पर पता लगाकर सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके।

13. **पंचायती राज परियोजना (241,283/-रुपये) और वाटसन परियोजना (8,34,688/-) रुपये) के संबंध में**

यह राशि पिछले कई वर्षों से अप्राप्य है, क्योंकि व्यय आवंटित निधि की तुलना में अधिक हुआ। प्रबंधन को सक्षम प्राधिकारी से वसूली के लिए उचित कदम उठाना चाहिए या राशि को व्यय के रूप में बट्टे खाते में डालना चाहिए।

14. **बामर लॉरी को दी गई अग्रिम राशि 31.03.2021 तक 12,98,092.00 रुपये है।**

यह अग्रिम राशि आईआईएस अधिकारियों की यात्रा के लिए टिकटों की बुकिंग करने के लिए दी गई थी, टिकटे बुक करने पर खर्च की गई राशि की प्रतिपूर्ति बाद में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से की गई। हमने पाया कि राशि प्राप्त हो गई थी, लेकिन इस शीर्ष का निपटान करने के लिए सूचना के अभाव के कारण लेखा उसका समायोजन करने में असमर्थ रहा।

15. लेखापरीक्षा के दौरान हमने इन क्षेत्रों में आंतरिक नियंत्रण को कमजोर पाया :

(i) संस्थान मेसर्स एमटीएस पेस्ट कंट्रोल से पेस्ट कंट्रोल सेवाएं ले रहा है, उसकी मासिक सेवा पर्चियों में हमने पाया कि सेवा अनुबंध (अगस्त, 20 से जुलाई, 21) के कार्यकाल के दौरान प्राप्त सेवा की पुष्टि के रूप में सभी सेवा पर्चियों पर संबंधित विभाग के कर्मियों के कुछ हस्ताक्षरों को छोड़कर केवल दो व्यक्तियों श्री राजवीर और श्री अभिषेक द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं।

संस्थान द्वारा किए गए व्यय के प्रभावी उपयोग के लिए प्राप्त सेवा की पुष्टि करने के लिए प्रत्येक विभाग के संबंधित व्यक्ति द्वारा इस पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए थे।

(ii) स्थायी कर्मचारियों के संबंध में उपस्थिति रजिस्टर:

क) निम्नलिखित नामित अधिकृत व्यक्ति अर्थात सहायक संपादक, सहायक कुलसचिव, एलआईओ, एसोसिएट प्रोफेसरों और प्रोफेसरों को उनकी उपस्थिति को चिह्नित करने के लिए छूट दी गई थी। इस संबंध में न तो कोई संतोषजनक जवाब दिया गया और न ही परिपत्र/आदेश उपलब्ध कराया गया।

ख) ठीक से रखरखाव नहीं किया गया। न तो इन-आउट समय का ठीक से उल्लेख किया गया और न ही उचित प्रकार से हस्ताक्षर किए गए।

ग) वेतन की गणना करते समय, रिक्त अहस्ताक्षरित कॉलम को उपस्थित मान लिया गया और पूरे दिन का वेतन प्रदान किया गया।

(iii) वेतन कटौती घोषणा रजिस्टर:

- ठीक से रखरखाव नहीं किया गया और सभी संबंधित दस्तावेज़ संलग्न नहीं थे।
- इस पर अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा पूरी तरह हस्ताक्षर (आद्याक्षर नहीं) किए जाने चाहिए और डेटा की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए पेंसिल के उपयोग से बचना चाहिए।

16. भंडार की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संदर्भ में, 31.03.2020 को वहां 17,79,39,208/- रुपये की कुल परिसंपत्तियों का 20.19% (3,59,29,082/- सीसीडब्ल्यू से संबंधित परिसंपत्तियों को छोड़कर) भाग था। जिसका स्टॉक रजिस्टर में कोई अद्यतन रिकॉर्ड नहीं है। साथ ही अधिकांश मदों पर कोई पहचान संख्या भी नहीं दी गई है।

यह सलाह दी जाती है कि संस्थान को प्रबंधकीय नियंत्रण में सुधार लाने और पिछले कई वर्षों से लंबित सभी रिकॉर्ड्स को अद्यतन करने के लिए इस संबंध में कुछ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि कुल परिसंपत्तियों का यह 20.19% हिस्सा उनके मूल्य के संबंध में सामग्री के रूप में है।

17. सभी तिमाहियों के संबंध में टीडीएस अनुपालन समय पर दर्ज नहीं किया गया और तदनुसार 69,690.00 रुपये विलंब शुल्क का भुगतान किया गया, जिसमें से 45000.00 रुपये को चूककर्ता के खिलाफ समायोजित किया गया।

18. वर्ष 2016-17 से 2019-20 तक आयकर का निर्धारण लंबित था, जिसके कारण 45,07,220.00 रुपये का टीडीएस रिफंड लंबित रहा। लंबित आयकर निर्धारण और रिफंड के दावे को जल्द निपटाने के लिए संस्थान को उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

वित्तीय विवरणों और उनसे संबंधित लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अतिरिक्त जानकारी

अन्य जानकारी तैयार कराने की जिम्मेदारी निदेशक मंडल की है। अन्य जानकारी में प्रबंधन विमर्श और विश्लेषण, बोर्ड की रिपोर्ट के संलग्नकों सहित बोर्ड की रिपोर्ट शामिल हैं लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उसके संबंध में हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों से संबंधित हमारे अभिमत में अन्य जानकारियों को कवर नहीं किया जाता और हम उस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन और निष्कर्ष प्रकट नहीं करते।

वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारा दायित्व अन्य जानकारी का अध्ययन करना है, और ऐसा करते हुए, इस बात पर विचार करना है कि क्या यह जानकारी वित्तीय विवरणों अथवा हमारी लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी से काफी भिन्न है अथवा गलत बयानी की गई प्रतीत होती है।

यदि हमारे किए गए कार्य के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते कि इस अन्य जानकारी को देते हुए ठोस गलत बयानी की गई है, तो हमें इस तथ्य को रिपोर्ट करना होगा। हमें इस संबंध में कुछ रिपोर्ट नहीं करना है।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधकीय दायित्व

आईआईएमसी का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखाकंन मानकों और अन्य लेखांकन मतों के अनुरूप आईआईएमसी की वित्तीय स्थिति और वित्तीय प्रदर्शन की सही और स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरण तैयार करने और उनकी प्रस्तुति के लिए उपुयक्त आंतरिक नियंत्रणों की रूपरेखा कार्यान्वयन और अनुरक्षण शामिल है जो सही और निष्पक्ष परिदृश्य प्रदान करता है और ठोस गलत बयानी से मुक्त होता है, चाहे वह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि की वजह से हो।

प्रबंधन मंडल वित्तीय विवरणों को तैयार करने, एक सुनाम प्रतिष्ठान बने रहने में संगठन की क्षमता का आकलन करने, सुनाम प्रतिष्ठान से सम्बंधित मामलों के प्रकटीकरण और लेखांकन के सुनाम प्रतिष्ठान आधार का उपयोग करने के लिए तब तक ज़िम्मेदार है जब तक कि प्रबंधन या तो इकाई को समाप्त करने अथवा संचालन बंद करने का इरादा न रखता हो अथवा ऐसा करने के अतिरिक्त कोई ठोस विकल्प नहीं हो।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि वित्तीय विवरण समग्र रूप से ठोस गलत बयानी, चाहे यह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, से मुक्त हैं और हमारे अभिमत सहित लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करना है। यथोचित आश्वासन एक उच्च स्तरीय आश्वासन होने के बावजूद यह गारंटी नहीं देता कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की गयी लेखा परीक्षा भी हमेशा ठोस गलत बयानी होने पर, उसका पता लगा लेगी। गलतबयानी धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती हैं और उन्हें ठोस तभी माना जाता है जब इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णय, अलग से अथवा समग्र रूप से इनसे प्रभावित होने की सम्भावना हो।

लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार, लेखा परीक्षा के भाग के रूप में हम अपना पेशेवर निर्णय व्यक्त करते हैं और पूरी लेखा परीक्षा में व्यवसायिक संदेह बरकरार रखते हैं। हम यह भी करते हैं :

- वित्तीय विवरणों की ठोस गलत बयानी के जोखिम की पहचान और उसका मूल्यांकन करना, चाहे वह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि की वजह से हो, इन जोखिमों के संबंध में प्रतिक्रियाशील लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करना और उनका निष्पादन करना तथा ऐसे लेखा परीक्षा प्रमाण प्राप्त करना जो हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप की गई ठोस गलत बयानी का पता ना लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाली गलत बयानी से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन की गई चूक, गलत तरीके से प्रस्तुत करना अथवा आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन करना शामिल हो सकता है।
- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्यों के आधार पर सुनाम प्रतिष्ठान के प्रबंधन द्वारा उपयोग की गई उपयुक्तता के बारे में निष्कर्ष निकालना, चाहे घटनाओं और परिस्थितियों से संबंध में ऐसी ठोस अनिश्चितता मौजूद हो, जो सुनाम प्रतिष्ठान के रूप में कार्य करते रहने की संस्थान की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न कर सकती हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि ठोस अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें वित्तीय विवरण में संबंधित प्रकटीकरण के बारे में हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करना होगा अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण पर्याप्त नहीं है, तो हमारे मत को परिवर्तित करना अपेक्षित है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षा की तिथि तक प्राप्त हुए लेखा परीक्षा साक्ष्यों पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य की घटनाएं और परिस्थितियां संस्थान को सुनाम प्रतिष्ठान के रूप में जारी रखने से रोक सकती हैं।
- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्याकंन करना तथा क्या वित्तीय विवरण आधारभूत लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त करते हों।

वित्तीय विवरणों में गलत बयानी की मात्रा महत्व रखती है, जो पृथक अथवा समग्र रूप से इस बात को संभव बनाती है कि वित्तीय विवरणों के यथोचित जानकार प्रयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित किया जा सकता है। हम परिमाणात्मक महत्व और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं :

(i) अपनी लेखा परीक्षा के कार्य क्षेत्र के नियोजन और हमारे कार्य के परिणामों के मूल्यांकन में और (ii) वित्तीय विवरणों में चिन्हित की गई गलत बयानी के प्रभाव का मूल्यांकन करने में।

हम अन्य मामलों के साथ-साथ अपनी लेखा परीक्षा के दौरान चिन्हित की गई आंतरिक नियंत्रण की महत्वपूर्ण खामियों सहित, योजनाबद्ध कार्यक्षेत्र और लेखा परीक्षा के समय एवं महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों के संबंध में प्रशासन के प्रभारी लोगों के साथ बातचीत करते हैं।

हम प्रशासन के प्रभारियों को वह विवरण भी उपलब्ध कराते हैं, जिसका संकलन हमने स्वतंत्रता से संबंधित उपयुक्त नैतिक आवश्यकताओं के साथ किया है तथा उन्हें उन सभी संबंधों और अन्य मामलों की जानकारी देते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता को यथोचित रूप से प्रभावित करने वाला समझा गया हो और जहां लागू हो, सुरक्षा से संबंधित हो।

शासन के प्रभारियों के साथ साझा किए गए मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो चालू अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे और इसी वजह से वे लेखा परीक्षा के महत्वपूर्ण मामले हैं। हम अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं यदि विधि और विनियम इस मामले को सार्वजनिक किए जाने को प्रतिबंधित न करते हो अथवा तब, जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में हम निर्णय करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल प्रभाव इसे सूचित करने से होने वाले जनहित से अधिक हो सकते हैं।

अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

क) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे;

ख) हमारे अभिमत में, आईआईएमसी द्वारा विधि द्वारा यथाअपेक्षित लेखा बहियों को भली प्रकार से रखा गया है, जहां तक हमें उन लेखाओं की जांच के माध्यम से ज्ञात हुआ है;

ग) इस रिपोर्ट में दिए गए 31 मार्च, 2021 तक के तुलन पत्र और आय और व्यय खाते, लेखा बहियों के अनुरूप है;

घ) हमारे मत में, अनुसार 31 मार्च, 2021 तक तुलन पत्र और आय और व्यय खाते इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन मानकों, जहां तक वे लागू होते हों, के अनुरूप हैं।

कृते
आरएडीएएम एंड एसोसिएट
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 008280सी

सनदी लेखाकार रवि कांत गुप्ता
साझेदार
सदस्यता संख्या 077206

स्थान : गाजियाबाद
दिनांक : 28/02/2022
यूडीआईएन :

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

TO
THE MEMBERS
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION
JNU, ARUNA ASAF ALI MARG
NEW DELHI-110067

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of **INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION** (hereinafter referred as 'IIMC') which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2021 and the Income and Expenditure Account for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and notes to accounts.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Income Tax Act, 1961 ("the Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Accounting Standards issued by Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), and other accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Entity as at March 31,2021, and its deficiency /Surplus for the year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

We conducted our audit of financial statements in accordance with the Standards on Auditing (SAs) specified by ICAI. Our responsibilities under those Standards are further described in the *Auditor's Responsibilities* for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the Entity in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) together with the Independence requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Act and the Rules made there under, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the 'ICAl's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Our observation during course of audit:

1. We have physically verified the EMD collected from vendors in the form of fixed deposits and Bank Guarantee, in respect of which the our observations are:

i. The FDs which were already matured were not renewed from the bank.

ii. No separate register was maintained in respect of available FDs and BG.

iii. Total value of EMD collected as per books of account is Rs. 16,75,988.00, whereas we physically verified EMD of Rs. 13,11,262.00. It is immensely recommended to trace the balance EMD and keep records updated.

iv. EMD of Rs. 6,16,603.00 which was collected from vendor "M/S Diamond Security Personnel" during the FY 2020-21 against the tender value of Rs. 1,71,68,373.00 is returned to vendor on the ground of MSME registered vendor in FY 2021-22. We would like to suggest, to hold some security deposit where tender has enormous value. So that future loss if any incurred to IIMC against that tender will be set off.

2. Three tenders value of Rs. 1,17,68,373/- is awarded to M/s Diamond Security Personnel during the year under audit for supply of Housekeeping Manpower services, Graduate Data entry Operator and Security Services. We examined the process of tender allotment and observed the followings:

(i) Out of 4 committee members, two members were on leave and the file was processed.

(ii) It is mentioned in the file that tender opening committee enquired the performance of all the short listed bidders and on the basis of telephonic communication with their clients about their feedback it is awarded to M/s Diamond Security Personnel. But we will not found as such details.

(iii) The documents were incomplete, on the basis of telephonic communication it was awarded to him.

3. We have vouched and verified the expenses, following are the observation on the same:

(i) Advertisement expenses incurred during the year Rs. 55,136/- for which no invoices were found. Payment to vendors were made on the basis of their checklist sheet only. The same also verified by concern person but not raise any objection for invoice. (VNo.- 330, 361, 996, Dt- 11.08.20, 26.08.20, 10.03.21).

(ii) In respect of Cost of fuel expense, Total fuels consumed during the year were 9,228 liters in respect of Vehicle number- 1595, 1767, 3022, 4922. But as per guidelines issued by Ministry of Finance- Department of expenditure No. F.3(3)-E.II(A)90, the consumption of fuel in cars shall be restrict to 600 liters per quarter only. We have computed as per the guideline and it was found 6,628 liters were excess consumed. It will be cost Rs. 5,12,297/- approx. (Annexure-1 Attached)

Also, an Expense of Fuel amounting to Rs. 1,03,204/- via V.No. 258, dt-20.07.2020 wrongly disclosed under Service Repair &Maint. (Vehicle) head instead of Cost of Fuel head.

(iii) During the year the Electricity expense incurred amounting to Rs. 78,07,464/ - which include units consumed in

Staff Quarters, Warden Stay premises, Canteen (Admin, IIS, Hostel), Indus Tower, Central Bank, remaining IIMC premises, we have raised queries but no response was provide these are as follows:

a) In respect of staff quarters (10 Nos.), Institute paid Electricity expenses at commercial rate of unit consumed and recovered the same at residential/ discounted rate. No order/ circular of competent authority was found for the same.

(b) No recovery of electricity units consumed shall be made from the warden since 01.08.2018. Only on the basis of application made by warden to competent authority without their approval such exemption was claimed.

(c) Units consumed by Canteen (Ganesh Thakur) - Admin, IIS hostel, Boys & Girls Hostel were not paid since February,2019 which is amounting to Rs. 2,81,325.4/- the last reminder was issued on 27.08.2021

(d) Institute bears the electricity consumption expense on behalf of Indus Tower and recovered accordingly. But such reimbursement made by indu tower were disclosed as IIMC rental income in their TDS returns and deduct TDS accordingly and it was disclosed in Income Tax Portal as Rental Income.

(iv) In **Entertainment expense,** a payment was made to M/S Masala Bite on account of lunch for Rs. 46,250/- (via V.No. 352, dt- 21.08.20) on which TDS was not deducted while making payment.

(v) In **Service, Repair & Maintenance (Building)** ledger, a payment was made for supply of indoor & outdoor plants to M/S AS Enterprises amounting to Rs. 45,300/- via V. No.424, dated-24.09.2020, such payment was made but voucher was incomplete in respect of details. Incomplete invoice was attached without annexure of plants details.

(vi) In respect of **Medical Expenditure:**

a)

Total Medical Expenditure as per books of accounts		58,04,334.00
Expenditure as per provided detail:		(51,29,974.00)
Medical OPD- Regular staff	19, 00,387.00	
Medical OPD- Retired staff	17,36,942.00	
Medical Prolonged	3,84,040.00	
Hospitalization Expense	11,08,605.00	

Amount of expense for which no details available is Rs. 6,74,360.00/- It is highly recommend to update their records and then accordingly reconcile the same with books of accounts.

b) We have observed that reimbursement of medical expenses were not made as per CGHS rules as:

In the absence of specified rate in CGHS rule book for treatment-100% reimbursement allowed without referring

any circular or order.

Voucher was made in such a way it was considered as hospitalization on prima-facie by clubbing all the treatment visits together. First & last date of treatment is taken as date of admission and date of discharge.

We have vouched all the hospitalization reimbursement in detail and discrepancy we have found in case of Mr. Ram Chander only in both the FY 2020-21 & 2021-22. Date- 02.08.2021, Amount 20,917/- (FY 2021-22)
VNo. 989, 226, Dated- 09.03.21, 09.02.21 Amount- 32, 675/-, 64,503/-(FY20-21)

4. Correction in Disclosure:

   (i) Expenses of Newspapers & Periodic were recorded under "Library book (HO)" V. No. 0301, Dated-08/09/2021, Amount- Rs. 1,07,860/-

   (ii) Handicap Allowance transferred in Transport allowance in respect of PJ-2 & 3.

   (iii) Transport Allowances transferred in Handicap Allowance in respect of PJ-12.

5. In the process of checking Gratuity & Leave Encashment on retirement, we observed that Disciplinary /Vigilance Clearance Certificate was not received in case of Mr. Jai Raj (Section Officer), Smt. Kesar Nimba (ALIO), Mr. Kishan Lal (EX SPA), Mr. Ishwar Kumar (LIA), Mr. Vishnu Kumar (MTS). It is suggested that a standard set of compliances or process should be followed by the Institute for payment of retirement benefits.

6. In respect of Over Time Allowances, we have following observations:

   i. We are unable to cross check for the number of days for which OTA was claimed to ensure that the concern person was present in premises or not, as attendance register of regular staff was not maintained due to covid as per the response of concern officer.

   ii. Reference to OSH Code passed by parliament- "No worker shall be required or allowed to work for more than 8 hours a day". During the course of audit we have observed Mr. Bhagwandin and Mr. Nanak Chander (Pump operators) along with their regular office duty also serve for the institute additionally 8 hours in holidays and sometimes 16 hours in a holiday of which they will get Over time allowances. It is to advise institute should look into the matter, as serving 16 hours a day may not bound for any legal obligation under labour law or any other act which may cause compensation in future.

   iii. We have observed the same in case of Mr. Hukum Singh (Driver). As he worked for 17 hours additionally on week offs along with their regular duty.

   iv. Drivers work on Sundays for which Overtime allowances were provided to them. But as per guidelines issued by Ministry of Finance- Department of expenditure No. F.3(3) E.II(A)90, " Government vehicles, except when on deployed for emergency

and other unavoidable duties and staff cars shall not be used on Sundays.

v. We have found the discrepancy in In-Out time as per their provided record of attendance for overtime claim in comparison of log book.

vi. It is recommend that reason for the overtime should be filled in record book to ensure whether there will be need of Over time or not.

vii. Advance to CCW amounting to Rs. 6,41,000/- for Dhankanal Building appearing since long in books even after the work is completed. The same issue also raised by previous auditors.

viii. It is suggested that accounts of Indu Tower and Canara bank need to be reconciled in respect of rental Income and for reimbursement of Electricity bill.

ix. Log books in respect of all the vehicles were not properly maintained in HO, the same observation we have found in branch internal auditor's report. It should be properly maintained and should be duly signed by the in-charge to ensure its authenticity.

x. Action taken report of Store Audit was not provided during course of audit.

xi. Amount due from Canteen Vendor (Ganesh Thakur) since FY 2018-19 in respect of rent and electricity till date unrecovered. Last reminder was given on 27.08.2021:

Particulars	Period	Amount (Rs.)
Rent	April, 2018 to Feb., 2022	2,35,000.00
Electricity bill (64401+24171+ 160379+31683+691)	Feb., 2019 to Jan., 2022	2,81,325.00
Total Amount Due		5,16,325.00
Rent recovered		-65000.00
Total Outstanding		4,51,325.00

Water charges not collected from the date of agreement since 2016, as it was separate from the rent as per the agreement.

As per the agreement (dated-30.11.2016), the premises which was given to canteen vendor include Admin Canteen, IIS officer hostel canteen, Boys and Girls Hostel canteen at a monthly rental of Rs. 5000/-. It is suggested to increase annually.

12. We are unable to comment on tuition fee as:

i. Accounts department records the fee after matching the receipts of tuitions fee with respective course and student who belong it. But we have also found untraced tuition fees it was not recorded in books of accounts as not been verified.

ii. There is no standard rule to collect fee. Fee will be collected from any branch in any mode, i.e. UPI, PAYTM, Net banking, Account deposit etc and single tuition will be received in multiple transactions etc.

iii. We have observed as big communication gap between accounts and academics. Due to which thing pending or unsettled.

iv. Method for computation of tuition fee received is different in accounts and in academics. In academics, if student share their transaction details they will marked manually as cleared where as in accounts after fee transfer to bank it is necessary to verify the tuition fee belong too.

v. It is recommended to bring some automation method to clear the items kept in suspense or unidentified.

vi. Total value of fee pending to be receive and fees received but receipts not issued:

Particulars	2nd Semester fee + Late fee Charges	Fees collected but Receipt not issued
RTV	448,000.00	444,000.00
AD&PR	31,750.00	
HJ	607,250.00	267,000.00
EJ	269,000.00	152,250.00
EJ- DHNK	67,250.00	104,000.00
EJ- Kott.	22,750.00	
Malayalam Journal-ism	11,750.00	
Urdu Journalism	110,750.00	37,250.00
Odia Journalism	38,250.00	11,750.00
Total	1,606,750.00	1,016,250.00

Regular reconciliation of tuition fee is essential to identify the difference if any so that venue leakage will be tracked timely to take corrective action.

13. **In respect of Panchayatee Raj Project (Rs. 241,283/-) and Watson Project (Rs. 8,34,688/)**

Since amount is lying unrecoverable from last many years as the expenditure incurred excess in comparison to allotted fund. Management should take appropriate step to recover from the competent authority or written off the amount as expenditure.

14. **Advance to Balmer Lawrie as on 31.03.2021 is amounting to Rs. 12,98,092.00**

Advance was given for booking of travel tickets of IIS officers, later the booked amount was reimbursed with the Ministry of I&B. We have observed that amount was received but accounts was unable to adjust the same due to lack of information to settle the respective head.

15. During the course of audit we have observed the week internal controls in these areas:

i. The institute is availing pest control services from M/S MTS Pest Control, in his monthly service slips we have observed the entire service slips were signed by two person Mr. Rajveer & Mr. Abhishek only, as confirming for the service availed during the tenure of service agreement (Aug., 20 to July,21) except few signatures were from concern deparhnent personnel.

It should be signed by all the concern person of each department to confirm as service availed by their concern department for effective utilization of expense made by institute.

ii. Attendance register in respect of permanent staff:

a. Following designated authorized persons viz. Asst. Editor, Asst. Registrar, LIO, Assoc. Professors and Professors were exempted to mark their attendance. Neither any satisfactory response nor circular/ order was provided in such respect.

b. Not maintained properly: Neither IN-OUT time properly mentioned nor signatures were properly available on the register.

c. While computing salary, the blank unsigned columns will be assumed as present and full day salary was provided

iii. Salary Deduction declaration register:

a. Not properly maintained and all the supporting were not attached.

b. It should be completely signed (not initial) by authorized signatory and avoid usage of pencil to maintain authenticity of data.

16. With reference to store audit report. There were 20.19% (Rs. 3,59,29,082/- excluding Assets Belong to CCW) portion of total assets as on 31.03.2020 of Rs. 17,79,39,208/- of which no record is updated in stock register. Also, no identification number was given on most of the items.

    It is advise that institute should take some strict action against this concern to improve the managerial controls and update all the records pending from last many years, as this 20.19% portion of total assets was material in nature in respect to their value.

17. TDS compliances were not timely filed in respect of all the quarters and accordingly late fee paid amounting to Rs.69,690.00 paid by the Institute, out of which 45000.00 recovered from the defaulter.

18. Income tax assessments were pending from last 2016-17 to 2019-20, due to which Income Tax refund amounting to Rs. 45,07,220.00 remain pending. Proper action should be taken by the Institute for early closure of pending Income tax assessment and claim of refund.

Information other than the Financial Statements and Auditors' Report thereon

The Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other information comprises the information included in the Management discussion and analysis, Board's Report including Annexure to Board's Report, but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.

Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the financial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statements or our knowledge obtained during the course of our audit or otherwise appears to be materially misstated.

If based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information; we are required to report the fact. We have nothing to report in this regard.

Responsibilities of Management for the Financial Statements

Management of IIMC is responsible for the preparations of these financial statements that give a fair view of the financial position and financial performance of IIMC in accordance with Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Institute's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Entity or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibility for the Audit of Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional scepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Entity's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are

requi1ed lo draw attention in om: auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Entity to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of a reasonably knowledgeable user of the financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in

(i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluatethe effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

a. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

b. In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the IIMC so far as it appears from our examination of those books.

c. The Balance Sheet as at 31st March, 2021 and the Income and Expenditure Account dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

d. In our opinion, The Balance Sheet as at 31st March, 2021 and the Income and Expenditure Account comply with the Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered accountants of India from time to time.

For and on behalf of
R A D A M & Associates
Chartered Accountants FRN: 008280C

CA Ravi Kant Gupta

Partner
Membership number: 077206
Place: Ghaziabad
Date: 28/02/2022
UDIN:

3(ii)

Annexure-1: Cost of Fuel

Vehicle No	Particulars	February	March	April	Total May	June	July	Total August	September	October	Total	November	December	January	February	Total
	Bill amt	32286	11503	2784	25653	18417	32686	19727	6566	0		0	0	0	0	
1595	LT consumed	440	160	40	360	240	400	240	80	0		0	0	0	0	
	Bill amt	22339	32812	21717	27318.7	31237	12485	0	4053	0		3891	13146	12748	13388	
1767	LT consumed	250	450	300	370	400	150	0	50	0		48	150	150	150	
	Bill amt	11553	8577	30620	31220.8	3069	3217	6829	10195	12970		10012	17008	7137	21483	
3022	LT consumed	160	80	440	440	40	40	80	120	160		120	200	80	240	
	Bill amt	14482	14315	17022	17035.6	12455	12869	13297	13410	16919		19812	13703	17285	18009	
4922	LT consumed	200	240	240	240	160	160	160	160	200		240	200	200	200	
	Total Consumption	1050	930	1020	3000	1410	840	750	3000	480	410	360	1250	408	550	430	1388	590	590
	Ceiling of 600lts per Qtr				600				600				600				600		200
	Excess consumption				2400				2400				650				788		390

Total Consumption	9228
As per Ceiling of 600lts per Qtr	2400
Excess consumed.	6828

Cost @75.03 approx per liter-	
Excess Utilized	512,297.01

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 का तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
समग्र/पूंजीगत निधि			
CORPUS/CAPITAL FUND	1	1,107,952,684.00	1,026,443,541.00
आरक्षित एवं अधिशेष			
RESERVE AND SURPLUS	2	-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधि			
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	3	100,252,475.00	118,398,305.00
सुरक्षित कर्ज एवं उधार			
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-
असुरक्षित कर्ज एवं उधार			
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-
आस्थगित जमा देयताएँ			
DEFFERED CREDIT LIABILITIES	6	-	-
चालू देयताएँ एवं प्रावधान			
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	41,267,818.00	34,543,170.00
कुल **TOTAL**		**1,249,472,977.00**	**1,179,385,016.00**
परिसम्पत्तियाँ **ASSETS**			
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
FIXED ASSETS	8	1,107,004,362.00	1,025,495,219.00
निवेश-उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश			
INVESTMENT-FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	15,62,713.00	15,62,713.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 का तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियाँ ASSETS		तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश-अन्य INVESTMENT-OTHERS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	10	-	-
चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज, अग्रिम इत्यादि CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC		11	140,905,902.00	152,327,084.00
विविध खर्च MISCELLANEOUS EXPENDITURE *(बट्टे खाते में न डाली गई या समायोजित)* *(To the extent not written off or adjusted)*			-	-
कुल **TOTAL**			**1,249,472,977.00**	**1,179,385,016.00**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES		25	-	-
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS		26		

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 तक आय और व्यय लेखा (अन्य केन्द्रीय व्यय)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2021
(Other Central Expenditure)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
आय			
INCOME			
विक्रय एवं सेवाओं से आय INCOME FROM SALES/SERVICES	12	2,517,477.00	17,376,004.00
अनुदान/आर्थिक सहायता GRANTS/SUBSIDIES	13	253,250,000.00	243,285,800.00
शुल्क/अभिदान COURSE FEES/SUBSCRIPTION	14	29,070,359.00	22,423,095.00
निवेशों से आय (उद्दिष्ट अ.भ.नि. को छोड़कर अक्षय निधि से निवेश पर आय) INCOME FROM INVESTMENTS (from earmarked/endowment funds)	15	-	-
रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय INCOME FROM SALE OF APPLICATION FORM & PUBLICATION ETC.	16	4,356,990.00	7,951,212.00
प्राप्त ब्याज INTEREST EARNED	17	397,216.00	1,518,612.00
अन्य आय (शुद्ध अं.भ.नि. आय) OTHER INCOME	18	-	-
तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/(कमी) INCREASE/(DECREASE) IN FINISHED GOODS AND WIP	19	-	-
कुल (क) **TOTAL (A)**		**289,592,042.00**	**292,554,723.00**
व्यय			
EXPENDITURE			
स्थापना खर्च ESTABLISHMENT EXPENSES	20	107,959,670.00	107,486,835.00
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21	105,217,621.00	81,268,907.00
अनुदान, आर्थिक सहायता इत्यादि पर खर्च EXPENDITURE ON GRANTS, SUBIDIES ETC	22	-	-
ब्याज INTEREST	23	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को आय और व्यय लेखा (अन्य केन्द्रीय व्यय)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2021 (Other Central Expenditure)

(राशि रुपये) / (Amount-Rs.)

		तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	गत वर्ष Previous Year
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में शुद्ध जोड़- तालिका 8 के अनुसार) DEPRECIATION (Net total at the year end-corresponding to schedule 8)	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		-	-
कुल (ख) **TOTAL (B)**			**213,177,291.00**	**188,755,742.00**
शेष व्यय से आय की अधिकता होने पर (ग) **EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE (C)**			**76,414,751.00**	**103,798,981.00**
पूर्व अवधि वस्तु PRIOR PERIOD ITEMS		24	-	-
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक स्पष्ट करें) TRANSFER TO SPECIAL RESERVE (specify each)			-	-
सामान्य रिजर्व से/को स्थानांतरण TRANSFER TO/FROM GENERAL RESERVE			-	-
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया पूंजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND			81,984,037.00	6,808,094.00
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (अन्य केंद्रीय व्यय) UNSPENT BALANCE OF GRANT-IN-AID (Other Central Expenditure)			(5,569,286.00)	(96,990,887.00)
सम्रग/पूंजीगत निधि में डाली गई अ.भ.नि के तौर पर शेष BALANCE BEING CPF INCOME CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND				
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES		25		
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा टिप्पणियाँ CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS		26		

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager (DDO)**
M. NO - 077206			

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को समाप्त अवधि का आय और व्यय लेखा (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2021
(Central Sector Scheme)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
आय/INCOME			
अनुदान/आर्थिक सहायता GRANTS/SUBSIDIES	13	-	137,531,837.00
निविदाओं की बिक्री से आय INCOME FROM SALE OF TENDERS		-	-
अन्य कोई आय ANY OTHER INCOME	13	-	5,362,059.00
कुल (क) \TOTAL (A)		**-**	**142,892,896.00**
व्यय/EXPENDITURE			
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	21 A	-	18,496,837.00
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया पूंजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND	21 A	-	105,895,791.00
कुल (ख)/TOTAL (B)		**-**	**124,392,628.00**
अनुदान सहायता (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) का अप्रयुक्त शेष (क-ख) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Central Sector Expenditure) (A-B)		**-**	**18,501,268.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को समाप्त अवधि का आय और व्यय लेखा (एनसीओई)

Indian Institute of Mass Communication

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021 (NCOE)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	तालिका Schedule	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
आय/INCOME			
अनुदान/आर्थिक सहायता GRANTS/SUBSIDIES		23,372,706.00	17,372,706.00
निविदाओं की बिक्री से आय INCOME FROM SALE OF TENDERS		-	-
अन्य कोई आय ANY OTHER INCOME			-
कुल (क) \TOTAL (A)		**23,372,706.00**	**17,372,706.00**
व्यय/EXPENDITURE			
अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC			-
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया पूंजीगत खर्च CAPITAL EXPENDITURE CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND			-
कुल (ख)/TOTAL (B)			**-**
अप्रयुक्त शेष (क-ख) Unspent Balance (A-B)		**23,372,706.00**	**17,372,706.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2021

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष			**1. अन्य केंद्रीय व्यय के तहत खर्चे**		
I. OPENING BALANCES			**I. EXPENSES UNDER OTHER CENTRAL EXPENDITURE**		
क) नकद			क) स्थापना खर्च		
a) Cash in Hand	23,048.00	23,076.00	a) Establishment Expenses	107,959,670.00	107,486,835.00
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक खर्च		
b) Bank Balances	-	-	b) Administrative Expenses	105,217,621.00	81,268,907.00
1) चालू खाते में			ग) वेतन के आलावा स्त्रोत पर आयकर		
I) In Current Accounts	-	-	c) TDS other than salary	-	-
2) सावधि जमा खाते में			घ) विविध व्यय		
II) In Deposits Accounts	-	-	d) Sundry Payable		-
3) बचत खाते में			ड.) अन्य खर्चे		
III) Saving Accounts	142,099,477.00	60,369,337.00	e) Other Expense	-	-
ग) डाक टिकट			**2. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत व्यय**		
c) Postage Stamps	-	-	**II. EXPENDITURE UNDER CENTRAL SECTOR SCHEME**		
2. प्राप्त अनुदान			क) केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम		
II. GRANTS RECEIVED			a) Central Sector Scheme GIA General	-	18,496,837.00
क) भारत सरकार से (अन्य केंद्रीय व्यय)			ख) केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम द्वारा संपत्ति की निर्माण		
a) From GOI (Other Central Expenditure)	253,250,000.00	243,285,800.00	b) Central Sector Scheme Creation of Assets	-	105,895,791.00
सरकार से (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम)			ग) एनसीओई		
From GOI (Central Sector Scheme)	-	137,531,837.00	c) NCOE	-	-
ख) राज्य सरकारों से			**3. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के लिए निधियों से किया गया खर्च**		
b) From State Government	-	-	**III. PAYMENTS MADE UNDER PROJECTS & SHORT COURSES**		
ग) अन्य स्रोतों से			क) परियोजना		
c) From other Sources	-	-	a) Projects	922,957.00	781,544.00
3. निवेश से आय			ख) लघु पाठयक्रम		
III. INCOME ON INVESTMENTS FROM			b) Short Courses	2,552,814.00	6,439,689.00
क) समग्र/पूंजीगत निधियों से					
a) Earmarked/Endow Funds	196,771.00	124,278.00			
ख) निजी निधियों से					
b) Own Funds	-	-			

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2021

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
4. प्राप्त ब्याज		*(अग्रानीत)*	**4. निवेश और जमा**		
IV. INTEREST RECEIVED		*(Brought forward)*	**IV. INVESTMENTS AND DEPOSITS MADE**		
क) बैंक जमा पर			क) उद्दिष्ट एवं अक्षय निधि से		
a) On Bank Deposits	4,348,019.00	1,518,612.00	a) Out of Earmarked/Endowment Funds	-	-
ख) कर्ज, अग्रिम पर			ख) निजी निधियों से (निवेश-अन्य)		
b) Loans, Advances	-	-	b) Out of Own Funds (INVESTMENTS-OTHERS)		
5. अन्य आय			**5. स्थायी परिसम्पत्तियां पर व्यय**		
V. OTHER INCOME			**V. EXPENDITURE ON ASSETS**		
क) शिक्षा शुल्क			क) गैर-योजना के तहत अचल सम्पत्तियाँ		
a) Tution Fee	28,994,359.00	22,422,115.00	a) Fixed Assets Under Other Central Expenditure	81,984,037.00	42,266,127.00
ख) प्रकाशनों/आवेदन पत्रों की बिक्री			ख) अग्रिम, ऋण और जमा		
b) Sale of Application Form/Publications	4,356,990.00	7,951,212.00	b) Advance, Loan & Deposits	2,158,418.00	5,695,525.00
ग) छात्रावास/सभागार शुल्क			**6. अधिशेष राशि/कर्ज की वापसी**		
c) Hostel/Auditorium Fee	688,713.00	5,541,609.00	**VI. REFUND OF SURPLUS MONEY/LOANS**		
घ) विविध प्राप्तियों			क) भारत सरकार को		
d) Misc. Office Receipt	1,828,765.00	11,762,174.00	a) To the GOI	18,542,193.00	-
6. निधि और देनदारियों के तहत प्राप्तियां			ख) राज्य सरकार को		
VI. RECEIPTS UNDER FUNDS & LIABILITIES			b) To the State Government	-	-
योजना के तहत विविध प्राप्तियां			ग) अन्य निधि दाताओं को		
Miscelleneous Receipts under plan	-	-	C) To Other Providers of Funds	-	-
प्रतिभूतियों, जमा और अन्य वर्तमान देनदारियों की प्राप्ति			**7. निवेश में वृद्धि**		
Receipts of Securities, Deposits and			**VII. INCREASE IN INVESTMENT**		
Other Current Liabilities	2,086,000.00	3,255,440.00	जमा में गलत डाले गए निवेश		
पुरस्कार एवं छात्रवृति के अंतर्गत प्राप्तियां			INVESTMENT WRONGLY ACCOUNTED		
Receipts Under Awards & Scholorship	126,000.00	226,000.00	IN DEPOSITS	-	-
छात्र कल्याण निधि/पूर्व छात्र निधि के अंतर्गत प्राप्तियां			**8. निधियों और देनदारियों के तहत भुगतान**		
Receipts Under Students Welfare Fund/			**VIII. PAYMENTS UNDER LIABILITIES & FUNDS**		
Alumini Funds	1,393,000.00	1,599,850.00	जमा सहित मौजूदा देनदारियां		
7. परियोजनाओं और लघु पाठ्यक्रम के तहत प्राप्तियां			Current Liabilities including Deposits	2,183,219.00	1,818,626.00
VII. RECEIPTS UNDER PROJECTS & SHORT COURSES			पुरस्कार और छात्रवृत्ति		
			(अग्रेनीत)		
			(Carried over)		

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2021

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS (अग्रानीत) (Brought forward)	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
-योजनाओं के तहत प्राप्ति			Awards & Scholarship	250,000.00	226,000.00
-Receipt under Projects	1,283,741.00	191,700.00	छात्र कल्याण निधि		
-लघु पाठ्यक्रमों के तहत प्राप्ति			Students Welfare Fund	163,300.00	531,837.00
-Receipt under Short-Courses	8,667,478.00	15,952,398.00	**9. अंत शेष**		
8. संपत्ति की प्राप्ति			**IX. CLOSING BALANCES**		
VIII. RECEIPTS OF ASSETS			क) नकद		
ऋण, अग्रिम एवं जमा की प्राप्तियां			a) CASH IN HAND	34,661.00	23,048.00
-Receipts of Loan, Advances & Deposits	4,554,568.00	1,202,584.00	ख) फ्रेंकिग मशीन के टिकट		
-परिपक्व निवेश			b) STAMP IN FRANKING MACHINE	-	-
-Investment Matured	-	-	ग) बैंक जमा		
9. अन्य प्राप्तियां			c) BANK BALANCES		
IX. OTHER RECEIPTS	-	72,221.00	1) चालू खाते में I) IN CURRENT ACCOUNTS	-	-
			2) सावधि जमा खाते में II) IN DEPOSITS ACCOUNTS	-	-
			3) बचत खाते में III) SAVINGS ACCOUNTS	131,928,038.00	142,099,477.00
कुल TOTAL	**453,896,928.00**	**513,030,243.00**	कुल TOTAL	**453,896,928.00**	**513,030,243.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष **Current Year**	पिछले वर्ष **Previous Year**
तालिका 1-समग्र/पूंजीगत निधि :		
SCHEDULE 1-CORPUS/CAPITAL FUND:		
वर्ष के आरम्भ में शेष		
Balance at the beginning of the year	1,026,443,541.00	878,645,996.00
जोड़ें : समग्र/पूंजीगत निधि में योगदान		
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	81,509,143.00	147,797,545.00
जोड़ें/(घटायें) : आय और व्यय लेखे से अंतरित शुद्ध आय/(व्यय) शेष Add/(Deduct): Balance of net CPF income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	-	-
वर्ष की समाप्ति पर शेष **BALANCE AS AT THE YEAR END**	**1,107,952,684.00**	**1,026,443,541.00**
तालिका 2 आरक्षित एवं अधिशेषः		
SCHEDULE 2-RESERVES AND SURPLUS:		
1. पूंजीगत रिजर्वः		
1. Capital Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती		
Less: Deduction during the year	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्वः		
2. Revaluation Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती Less: Deduction during the year	*(अग्रेनीत)* *(Carried over)*	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
3. विशेष रिजर्व:	*(अग्रानीत)*	
3. Special Reserve:	*(Brought forward)*	
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती Less: Deduction during the year	-	-
4. सामान्य रिजर्व:		
4. General Reserve:		
पिछले लेखे के अनुसार		
As per last Account	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त		
Addition: during the year	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान कटौती Less: Deduction during the year	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	अनुदान Grants		आवर्ती निधि Revolving Fund		पुरस्कार निधि Award Fund	
	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) निधियों की रोकड़ जमा (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) a) Opening balance of the funds (Central Sector Scheme)	18,542,193.00	40,925.00	-	-	-	-
अन्य केंद्रीय व्यय (Other Central Expenditure)	75,146,681.00	13,613,827.00	5,254,813.00	5,232,725.00	2,081,912.00	2,023,846.00
1) दान/अनुदान प्राप्ति (अन्य केंद्रीय व्यय) i. Donations/Grants Received (Other Central Expenditure)	253,250,000.00	243,285,800.00	-	-	-	-
2) दान/अनुदान (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) ii. Donations/Grants (Central Sector Scheme)	-	137,531,837.00	-	-	-	-
3) निधि लेखे के निवेश से प्राप्त आय iii. Income from investments made on account of funds	-	-	7,600.00	22,088.00	189,171.00	102,190.00
4) अन्य परिवर्धन (स्पष्ट करें) iv. Other Additions (Specify)						
केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम स्कीम के तहत आय Receipt under Central Sector Scheme	-	5,362,059.00				
कमी और अतिरेक Short & excess	-	-				
अं.भ.निधि की आय से अतिरिक्त अन्य आय (अन्य केंद्रीय व्यय) Other Income (Other Central Expenditure)	36,342,042.00	49,268,923.00	-			
5) अं.भ.निधि की आय में जमा v) Addition to CPF income	-	-	-		-	-
कुल TOTAL	**383,280,916.00**	**449,103,371.00**	**5,262,413.00**	**5,254,813.00**	**2,271,083.00**	**2,126,036.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
ख) निधियों के उद्देश्य हेतु उपयोग/व्यय **b) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds**		*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*				
1) पूंजीगत व्यय i. Capital Expenditure						
-अग्रिम सहित अचल संपत्ति (अन्य केंद्रीय व्यय) -Fixed Assets including advances (Other Central Expenditure)	81,984,037.00	42,266,127.00	-	-	-	-
-अग्रिम सहित अचल संपत्ति (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) -Fixed Assets including advances (Central Sector Scheme)	-	105,895,791.00				
2) राजस्व खर्च (अन्य केंद्रीय व्यय) ii. Revenue Expenditure (Other Central Expenditure)			-	-	-	-
-वेतन, मजदूरी तथा भत्ते इत्यादि -Salaries, Wages and Allowances etc.	107,959,670.00	107,486,835.00	-	-	-	-
-किराया/पूर्व अवधि वस्तु -Rent/Prior Period item	-	-	-	-	-	-
-अन्य प्रशासनिक खर्च -Other Administrative Expenses	105,217,621.00	81,268,907.00	-	-	231,122.00	44,124.00
3. राजस्व खर्च (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) iii. Revenue Expenditure (Central Sector Scheme)	-	18,496,837.00				
4. अनुदान वापसी (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) iv. Grant refunded (Central Sector Scheme)	18,542,193.00	-				
(अन्य केंद्रीय व्यय) (Other Central Expenditure)	-	-				
कुल (ख) Total (b)	**313,703,521.00**	**355,414,497.00**				
वर्ष की समाप्ति पर शेष (क-ख) **NET BALANCE AS AT THE YEAR END (a-b)**	**69,577,395.00**	**93,688,874.00**	**5,262,413.00**	**5,254,813.00**	**2,039,961.00**	**2,081,912.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	अनुदान Grants		परिक्रमी निधि Revolving Fund		भविष्य निधि CPF	
तालिका 3-उद्दिष्ट/अक्षय निधियाँ SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
		(अग्रानीत) *(Brought forward)*				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Central Sector Scheme)	-	18,542,193.00				
अनुदान सहायता का अप्रयुक्त शेष (अन्य केंद्रीय व्यय) Unspent Balance of Grant-in-Aid (Other Central Expenditure)	69,577,395.00	75,146,681.00				
उद्दिष्ट निधियाँ का समूहीकरण - तालिका 3 **GROUPING FOR EARMARKED FUNDS...SCHEDULE 3**						
उद्दिष्ट/अक्षय निधियां **Earmarked/Endowment Funds**						
1. आवर्ती निधि का अंत शेष 1. Closing Balance of Revolving Fund	5,262,413.00					
2. अनुदान का शुद्ध अप्रयुक्त शेष 2. Net Unspent Balance of Grants						
आईआईएमसी IIMC	69,577,395.00					
एनसीओई NCOE	23,372,706.00					
3. पुरस्कार निधि की जमा शेष 3. Closing Balance of Award Funds	2,039,961.00					
कुल/Total	**100,252,475.00**					

टिप्पणियां/Notes

1) प्रकटन अनुदान से जुड़ी शर्तों पर आधारित संगत शीर्षों के अंतर्गत किये जाएँ ।
1) Disclosure shall be made under relevant heads based on conditions attaching to the grants.

2) केन्द्र/राज्य सरकारों से प्राप्त केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम निधियों को पृथक निधियों के रूप में दर्शाया जाए तथा किसी अन्य निधि के साथ न मिलाया जाए ।
2) Central Sector Scheme Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.

3) वर्ष 2020-21 के दौरान केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम और अन्य केंद्रीय व्यय के अनप्रयुक्त शेष की आंरभिक राशि वापस कर दी गई है।
3) Opening Balance of Unspent Balances of Other Central Expenditure and Central Sector Scheme adjusted during the financial year 2020-21.

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 4-सुरक्षित कर्ज एवं उधारः **SCHEDULE 4-SECURED LOANS AND BORROWINGS:**		
1. केन्द्र सरकार 1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) 2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं 3. Financial Institutions		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
ख) प्रोद्भूत एवं देय ब्याज b) Interest Accrued and Due	-	-
4. बैंक : 4. Banks:		
क) आवधिक कर्ज a) Term Loans		
-प्रोद्भूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें) b) Other Loans (specify)		
-प्रोद्भूत एवं देय ब्याज -Interest Accrued and Due	-	-
5. डिबेंचर एवं बांड 5. Debentures and Bonds	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें) 6. Others (Specify)	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 5- असुरक्षित कर्ज एवं उधार: **SCHEDULE 5-UNSECURED LOANS AND BORROWINGS:**		
1. केन्द्र सरकार 1. Central Government	-	-
2. राज्य सरकार (स्पष्ट करें) 2. State Government (Specify)	-	-
3. वित्तीय संस्थाएं 3. Financial Institutions	-	-
4. बैंक : 4. Banks:		
क) सावधिक कर्ज a) Term Loans	-	-
ख) अन्य कर्ज (स्पष्ट करें) b) Other Loans (specify)	-	-
5. अन्य संगठन एवं एजेंसियाँ 5. Other Institutions and Agencies	-	-
6. अन्य (स्पष्ट करें) 6. Others (Specify)	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 6-अस्थगित ऋण देयताएँ: **SCHEDULE 6-DEFFERED CREDIT LIABILITIES:**		
क) पूंजीगत उपकरणों तथा अन्य परिसम्पत्तियों के मालबंधन द्वारा प्राप्त स्वीकृतियाँ a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-
ख) अन्य b) Others	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 7-चालू देयताएँ एवं प्रावधानः SCHEDULE 7-CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:		
क. चालू देयताएँ A. CURRENT LIABILITIES		
1. स्वीकृतियाँ 1. Acceptances	-	-
2. विविध लेनदार 2. Sundry Creditors		
क) वस्तुओं के लिए a) For Goods	-	
ख) अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के अप्रयुक्त शेष) b) Others (Unspent balance of project/courses)	21,024,571.00	17,245,136.00
3. प्राप्त अग्रिम 3. Advances Received	-	-
4. प्रोद्भूत ब्याज पर देय नहीं 4. Interest accrued but not due on:		
क) सुरक्षित कर्ज/उधार a) Secured Loans/Borrowings	-	-
5. ढेंकनाल विप्रेषण खाता 5. Dhenkanal Remittance A/c	-	-
6. कानूनी देयताएँ: 6. Statutory Liabilities:		
क) अतिशेष (अं.भ.नि शेष) a) Overdue (CPF Balance)	-	-
ख) अन्य b) Others	-	-
7. अन्य चालू देयताएँ 7. Other Current Liabilities	20,243,247.00	17,298,034.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**41,267,818.00**	**34,543,170.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रावधान **PROVISIONS**	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
1. कराधान हेतु 1. For Taxation		-	-
2. उपदान 2. Gratuity		-	-
3. अधिवर्षिता/नकद पाना 3. Superannuation/Encashment		-	-
4. संचयी छुट्टी नकदीकरण 4. Accmulated Leave Encashment		-	-
5. व्यापार आश्वस्ति/दावे 5. Trade Warranties/Claims		-	-
6. अन्य 6. Others		-	-
कुल (ख) **TOTAL (B)**		-	-
कुल (क+ख) **TOTAL (A+B)**		**41,267,818.00**	**34,543,170.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
क) जमानती राशियों से प्राप्ति	
A) SECURITY DEPOSITS RECEIVED	
1. पुस्कालय जमानती राशि (मुख्यालय)	
1. LIBRARY SECURITY (HEAD OFFICE)	5,780,200.00
2. पुस्कालय जमानती राशि (ढेंकानाल)	
2. LIBRARY SECURITY (DHENKANAL)	84,300.00
3 छात्रावास जमानती राशि (आइजोल)	
3. LIBRARY SECURITY (AIZAWL)	5,000.00
4 छात्रावास जमानती राशि (अमरावती)	
4. LIBRARY SECURITY (AMRAVATI)	-
5 छात्रावास जमानती राशि (कोट्टायम)	
5. LIBRARY SECURITY (KOTTAYAM)	-
6. छात्रावास जमानती राशि (मुख्यालय)	
6. HOSTEL SECURITY (HEAD OFFICE)	540,000.00
7. छात्रावास जमानती राशि (ढेंकानाल) मुख्यालय में	
7. HOSTEL SECURITY (DHENKANAL) AT H.O	152,000.00
8. छात्रावास जमानती राशि ढेंकानाल में	
8. HOSTEL SECURITY AT DHENKANAL	-
9. छात्रावास जमानती राशि जम्मू में	
9. HOSTEL SECURITY AT JAMMU	94,000.00
10. छात्रावास जमानती राशि अमरावती में	
10. HOSTEL SECURITY AT AMRAVATI	60,000.00
11. छात्रावास जमानती राशि कोट्टायम में	
11. HOSTEL SECURITY AT KOTTAYAM	54,500.00
12. जमानती राशि (ढेंकानाल)	
12. SECURITY DEPOSIT (DHENKANAL)	131,686.00
13. प्रतिधारण राशि जमा	
13. RETENTION MONEY DEPOSIT	816,575.00
14. पेरागी/बयान (मुख्यालय)	
14. EARNEST MONEY DEPOSIT (HEAD OFFICE)	1,675,988.00
15. पुरस्कार (प्रायोजित)	
15. AWARD (SPONSORED)	5,000.00
16. छात्र कल्याण निधि	
16. STUDENT WELFARE FUND	3,436,486.00
ख) अन्य देयताएँ	
B. OTHER LIBILITIES	
छात्रवृत्ति	
SCHOLARSHIP	384,550.00
अनुदान पर अर्जित ब्याज वापिस होगा	
INTEREST EARNED ON GRANT TO BE REFUNDED	2,752,355.00
वॉक्स पॉप 2014	
VOX POP 2014	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIABILITIES (SCHE-7)		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
रोक लगाई रकम WITHHELD AMOUNT OF EMPLOYEES	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	142,179.00
देय टीडीएस TDS PAYABLE		1,180,296.00
एचआर इंजीनियर HR ENGINEER		1,850.00
अनुदान पर अर्जित ब्याज जो लौटाया जाना है (एनसीओई.) INTEREST EARNED ON GRANT TO BE REFUNDED (NCOE)		1,235,136.00
आईआईएमसी संघ देय खाता IIMC ASSOCIATION PAYABLE ACCOUNT		(900.00)
केपीए लीगल सर्विसेज KPA LEGAL SERVICES		200.00
श्री राधाकृष्ण एसोसिएट्स देय SHRI RADHAKRISHNA ASS PAYABLE		128,935.00
सीजीईजीआईएस (आईआईएस परिषीक्षार्थी) CGEGIS (IIS PROB)		26,400.00
सीजीएचएस (आईआईएस परिषीक्षार्थी) CGHS (IIS PROB)		149,500.00
एनपीएस NPS		251,066.00
एसआरएस का देय खाता SRS PAYBLE ACCOUNT		162,657.00
सीपीएफ को देय PAYABLE TO CPF		993,288.00
कुल TOTAL		**20,243,247.00**

परियोजनाओं एवं अल्पावधि पाठ्यक्रमों का अनप्रयुक्त शेष
UNSPENT BALANCE OF PROJECTS & SHORT COURSES:

परियोजनाएँ (मुख्यालय) **PROJECTS (H.O)**	
एनसीओई NCOE	-
पेयजल और स्वच्छता DRINKING WATER AND SANITATION	137,557.00
बांग्लादेश प्रो कोर्स खाता BANGLADESH PRO COURSE ACCOUNT	23,994.00
स्त्री का आधारभूत अध्ययन BASELINE STUDY OF WOMEN	559,250.00
कोविड-19 के प्रभाव का आंकलन IMPACT ASSE STUDY OF COVID 19	942,550.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7) GROUPING OF OTHER CURRENT LIBILITIES (SCHE-7)	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
स्वास्थय और परिवार कल्याण मंत्रालय MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE	75,713.00
सड़क सुरक्षा अभियान ROAD SAFETY CAMPAIGN	-
डीपीडी के जर्नल के सर्वेक्षण एवं मार्किट मूल्यांकन SURVEY & MKT ASS OF DPD JOURNALS	161,862.00
यूनेस्को स्वान UNESCO SWAN	98,782.00
टीवी स्वास्थ्य कार्यक्रम का ईएफएफ EFF OF TV HEALTH PROGMM	220,224.00
म्यामांर में मीडिया विकास कार्यशाला MEDIA DEVLP IN MYANMAR WORKSHOP	255,517.00
जलपूर्ति और स्वच्छता WATER SUPPLY & SANITATION	131,408.00
अल्पावधि पाठ्यक्रम **SHORT COURSES**	
राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया कार्यशाला NATIONAL LEVEL MEDIA WORKSHOP	410,919.00
राष्ट्रीय मीडिया संकाय विकास केंद्र NATIONAL MEDIA FACULTY DEV CENTRE	45,947.00
भारतीय भाषा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी NATIONAL SEMINAR ON INDIAN LANGUAGE	(300,513)
अपना रेडियो APNA RADIO	56,900.00
आंकड़ों के विश्लेषण पर कार्यशाला WORKSHOP ON DATA ANALYSIS	20,810.00
भारतीय सूचना सेवा पाठ्यक्रम IIS OFFICERS COURSES	1,963,618.00
आइटेक ITEC	9,088,530.00
सेना के लिए मीडिया कम्यूनिकेशन कोर्स MEDIA COMM COURSE FOR ARMY	3,646,831.00
एनएडीपी के लिए मीडिया संचार पाठ्यक्रम MEDIA COMM COURSE FOR NADP	296,907.00
स्कैप SCAAP	-
एसएसबी कोर्स SSB COURSE	301,883.00
एफटीआईआई FTII	858,247.00

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

अन्य चालू देयताओं का समुह (तालिका-7)
GROUPING OF OTHER CURRENT LIBILITIES (SCHE-7)

	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.) (चालू वर्ष) Current Year
लघु पाठ्यक्रम (ढेंकनाल) SHORT COURSES (DHENKANNAL)	178,181.00
मीडिया महाकुंभ मेला MEDIA MAHAKUMBH FEST	426,982.00
एफटीआईआई पुणे सम्बद्धता FTII PUNE ATTACHMENT	257,772.00
मिज़ोरम पीआरओ पाठ्यक्रम MIZORUM PRO COURSE	287,000.00
राजभाषा समिति RAJ BHASHA SAMITI	435,150.00
मीडिया संचार एवं एमजीएमटी पाठ्यक्रम पीआरओ एमओडी और डीआरडीओ MEDIA COMM & MGMT COURSE PRO MOD & DRDO	442,610.00
कुल TOTAL	**21,024,571.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK				मूल्य ह्रास DEPRECIATION				शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यांकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	लागत/मूल्यांकन वर्ष के अंत में Cost/valuation at the year end	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के दौरान घटाव On ded during the year	वर्ष के दौरान योग Total up to the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end
क. स्थायी परिसम्पत्तियाँ:										
A. FIXED ASSETS:										
1. भूमि:										
1. Land:										
क) पूर्ण स्वामित्व										
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर										
b) Leasehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन										
2. Building				-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर										
a) On Freehold Land	110,371,659.00	552,000.00	-	110,923,659.00	-	-	-	-	110,923,659.00	110,371,659.00
ख) पट्टे वाली भूमि पर										
b) On Leasehold Land	205,753,122.00	88,500.00	-	205,841,622.00	-	-	-	-	205,841,622.00	205,753,122.00
ग) फ्लैट/परिसरों का स्वामित्व										
c) Ownership Flats/Premises	-			-	-	-	-	-	-	-
घ) गैरमालिकाना भूमि पर अधिरचना										
d) Superstructures on land not belonging to the entity	-			-	-	-	-	-	-	-
3. प्लांट, मशीने एवं उपकरण										
3. Plant, Machinery & Equipment	99,757,772.00	3,523,264.00	-	103,281,036.00	-	-	-	-	103,281,036.00	99,757,772.00
4. वाहन										
4. Vehicles	4,357,806.00	-	474,894.00	3,882,912.00	-	-	-	-	3,882,912.00	4,357,806.00
5. फर्नीचर और फिक्सचर										
5. Furniture & Fixtures	25,076,212.00	3,067,998.00	-	28,144,210.00		-	-	-	28,144,210.00	25,076,212.00
6. कम्प्यूटर संबंधी										
6. Computer Peripherals	53,105,224.00	4,398,528.00	-	57,503,752.00	-	-	-	-	57,503,752.00	53,105,224.00
7. पुस्तकालय की पुस्तकें										
7. Library Books	14,918,696.00	455,747.00	-	15,374,443.00	-	-	-	-	15,374,443.00	14,918,696.00
8. ट्यूबवेल एवं जल वितरण										
8. Tubewells & W. Supply	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

तालिका 8-स्थायी परिसम्पत्तियाँ
SCHEDULE 8-FIXED ASSETS

(अग्रानीत)
(Brought forward)

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण Description	कुल खंड GROSS BLOCK				मूल्य ह्रास DEPRECIATION				शुद्ध खंड NET BLOCK	
	लागत/मूल्यांकन वर्ष के प्रारम्भ में Cost/Valuation As at beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ Additions during the year	वर्ष के दौरान घटाव Deduction during the year	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन Cost/valuation at the year end	वर्ष के प्रारम्भ में As at the beginning of the year	वर्ष के दौरान वृद्धियाँ On add during the year	वर्ष के दौरान घटाव On ded during the year	वर्ष के दौरान कुल योग Total up to the year	चालू वर्ष के अंत में As at the current year end	पिछले वर्ष के अंत में As at the previous year end
9. अन्य स्थिर परिसम्पत्तियाँ 9. Other Fixed Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू वर्ष का कुल योग (क) TOTAL OF CURRENT YEAR(A)	**513,340,491.00**	**12,086,037.00**	**474,894.00**	**524,951,634.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**524,951,634.00**	**513,340,491.00**
ख. पूंजीगत कार्य में प्रगति B. CAPITAL WORK IN PROGRESS										
1. सी.सी.डबल्यु. (आकाशवाणी) एवं अन्य को भवन परियोजना हेतु अग्रिम 1. Advance to CCW(AIR) & others for Building Project	510,699,885.00	70,450,000.00	552,000.00	580,597,885.00	-	-	-	-	580,597,885.00	510,699,885.00
2. अपना रेडियो के उन्नयन के लिए बेसिल को अग्रिम 2. Advance to BECIL for Apna Radio upgradation	1,454,843.00	-	-	1,454,843.00	-	-	-	-	1,454,843.00	1,454,843.00
चालू वर्ष का कुल योग (ख) TOTAL OF CURRENT YEAR(B)	**512,154,728.00**	**70,450,000.00**	**552,000.00**	**582,052,728.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**582,052,728.00**	**512,154,728.00**
कुल (क+ख)TOTAL (A+B)	**1,025,495,219.00**	**82,536,037.00**	**1,026,894.00**	**1,107,004,362.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,107,004,362.00**	**1,025,495,219.00**

टिप्पणियां/Notes :

1. प्लांट एवं मशीनों में प्रिंटिंग प्रेस उपकरण, दृश्य-श्रव्य उपकरण एवं ऑफिस उपकरण शामिल हैं ।
1. Plant & Machinery includes printing press equipments, audio visual equipments, office equipments.
2. "परिसम्पतियों को केंद्रीय क्षेत्र की योजना में डालना" का विभाजन भवन, कम्प्यूटर्स एवं सहायक उपकरण, फर्नीचर एवं फिक्चर, प्लांट, मशीनों एवं उपकरण में किया गया है।
2. "CENTRAL SECTOR SCHEME CREATION OF CAPITAL ASSETS" has been bifurcated into building, computers & perpherals, furniture & fixtures, plant, machinery & equipment.

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

स्थायी परिसम्पत्तियाँ/अग्रिम
FIXED ASSETS/ADVANCES (ADDITIONS DURING THE YEAR)

(राशि-रुपये)
Amount-Rs.

विवरण **Description**	केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम (क) Central Sector Scheme (A)	अन्य केंद्रीय व्यय Other Central Expenditure		कुल Total	कुल Total		
	चालू वर्ष Current Year	ढेंकानाल Dhenkanal	मुख्यालय At H.O.	अन्य केंद्रीय व्यय Other Central Expenditure (B)	(क+ख) (A+B)	लोप Deletions	शुद्ध राशि Net Amount
1. भवन 1. Building	-	-	88,500.00	88,500.00	88,500.00	-	88,500.00
2. फर्नीचर एवं फिक्सचर 2. Furniture & Fixtures	-	-	3,067,998.00	3,067,998.00	3,067,998.00	-	3,067,998.00
3. पुस्तकें 3. Books	-	12,324.00	443,423.00	455,747.00	455,747.00	-	455,747.00
4. कम्प्यूटर 4. Computers	-	-	4,398,528.00	4,398,528.00	4,398,528.00	-	4,398,528.00
5. वाहन 5. Vehicles	-	-	-	-	-	474,894.00	(474,894.00)
6. प्लांट,मशीनरी एवं उपकरण 6. Plant, Machinary & Equipment	-	59,014.00	3,464,250.00	3,523,264.00	3,523,264.00	-	3,523,264.00
7. भवन निर्माण हेतु सीपीडब्ल्यू डी को अग्रिम 7. Advance to CPWD for building Project	-	70,450,000.00	-	70,450,000.00	70,450,000.00	-	70,450,000.00
कुल **TOTAL**	**-**	**70,521,338.00**	**11,462,699.00**	**81,984,037.00**	**81,984,037.00**	**474,894.00**	**81,509,143.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 9-उद्दिष्ट/अक्षय निधियों से निवेश **SCHEDULE 9- INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS**		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
1. In Government Securities	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		
2. Other Approved Securities (fixed deposit of awards fund in scheduled banks)	1,562,713.00	1,562,713.00
3. शेयर		
3. Shares	-	-
4. डिबेंचर एवं बांड		
4. Debenturs and Bonds	-	-
5. गौण एवं संयुक्त उद्यम		
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-
6. अन्य		
6. Others	-	-
कुल **TOTAL**	**1,562,713.00**	**1,562,713.00**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 10-निवेश-अन्य **SCHEDULE 10- INVESTMENT-OTHERS**	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
1. In Government Securities	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में (अनुसूचित बैंको में सावधि जमा)		
2. Other Approved Securities (Fixed Deposit at Scheduled Banks)		-
3. शेयर		
3. Shares	-	-
4. डिबेंचर एवं बांड		
4. Debenturs and Bonds	-	-
5. गौण एवं संयुक्त उद्यम		
5. Subsidiaries and Joint Ventures	-	-
6. अन्य		
6. Others	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
उद्दिष्ट निधियों से तालिका-9 समूहों में निवेश **GROUPING OF SCH-9 INVESTMENT FROM EARMARKED FUNDS**		
1. बैंको मे सावधिक जमा (पुरस्कार राशि)		
1. Fixed Deposit with Bank (Award Fund)	-	-
क) मुख्यालय		
A) Head Office	1,212,713.00	1,212,713.00
ख) ढेंकनाल		
B) Dhenkanal	3,50,000.00	3,50,000.00
कुल **TOTAL**	**1,562,713 .00**	**1,562,713 .00**
तालिका 10 समुहों में निवेश एंव अन्य **GROUPING OF SCH-10 INVESTMENT OTHERS**		
1. पी.डब्ल्यू.डी मे सावधिक जमा		
1. Fixed Deposit at PWD	-	-
2. अल्पावधि सावधिक जमा		
2. Short Term Fixed Deposits	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 11 चालू परिसम्पत्तियाँ, कर्ज और अग्रिम इत्यादि SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क. चालू परिसम्पत्तियाँ		
A. CURRENT ASSETS:		
1. वस्तु सूची		
1. Inventories		
क. भंडार एवं अतिरिक्त		
a) Stores and Spares	-	-
ख. माल व्यापार में		
b) Stock-in-Trade	-	-
- तैयार माल		
- Finished Goods		
-कार्य में प्रगति		
-Work-in-Progress		
- कच्चा माल		
- Raw Materials		
2. विविध देनदार		
2. Sundry Debtors:		
क. छः महीने से अधिक अवधि का बकाया कर्ज		
a) Debts outstanding for a period exceeding six months	-	-
ख. अन्य (परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों की वसूलने योग्य अनुदान/निधियाँ)		
b) Others (Grants/Funds for project/courses recoverable)	1,268,355.00	1,175,678.00
ग. नकद शेष (चेक/ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
3. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)	26,342.00	14,729.00
4. बैंक शेष:		
4. Bank Balances:		
क. अनुसूचित बैंकों में:		
a) With Scheduled Banks:		
- चालू खाते में		
- On Current Accounts	-	-
- सावधि खाते में (मार्जिन राशि सहित)		
- On Deposit Accounts (includes margin money)	-	-
- बचत खाते में		
- On Saving Accounts		
- प्रधान कार्यालय (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया)		
- Head Office (CBI)	129,296,180.00	138,947,393.00
- सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया - पुरस्कार निधि		
- Central Bank of India-Award Fund	-	-
- ढेंकनाल बैंक		
- Dhenkenal Bank	1,040,173.00	1,313,946.00
- सीपीएफ बैंक शेष		
- CPF Bank Balance	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year		पिछले वर्ष Previous Year	
5. आईसीएसएसआर फेलोशिप पुरस्कार खाता (रिंकू पेगु) 5. ICSSR Felloship Award A/c (Rinku Pegu)	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	26,948.00		26,948.00	
6. अवकाश यात्रा भत्ता अग्रिम 6. LTC Advance		-		181,800.00	
7. सोत्र पर कर कटौती वापसी 7. TDS Refund		4,510,080.00		3,944,482.00	
8. अनुदान प्राप्त करने योग्य 8. Grant Receivable		-		-	
कुल (क) **TOTAL (A)**		**136,168,078.00**		**145,604,976.00**	
ख. कर्ज, अग्रिम और अन्य परिसम्पत्तियाँ **B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS** 1. कर्ज : 1. Loans:					
क) कर्मचारी (आवर्ती निधि) a) Staff (Revolving Fund)		-		-	
ख) गतिविधियों/उद्देश्यों में लगे हुए अन्य तत्त्व जो उन तत्त्वों के समान हों b) Other entities engaged in activities/objectives similar to that of the entity		-		-	
ग) अन्य c) Others		-		-	
2. नकद या माल के रूप में या प्राप्त मूल्य हेतु वसूलने योग्य अग्रिम या अन्य राशियाँ 2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received					
क) पूंजीगत लेखे रूप में a) On Capital Account		-		-	
ख) पूर्व भुगतान b) Prepayments	262,442.00		142,442.00		
ग) अन्य c) Others	2,875,378.00	3,137,820.00	4,580,754.00	4,723,196.00	
3. प्रोद्भूत आय 3. Income Accrued:					
क) उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर (अं.भ.नि. के प्रोद्भूत ब्याज) a) On Investment from Earmarked/Endowment Funds (Accrued interest of award fund)	-	-	152,455.00	-	
ख) निवेश/अन्य (संस्थान की पुरस्कार निधि एवं खजाना पर प्रोदभूत ब्याज) b) On Investments-Others	-	-	-	152,455.00	
	(अग्रेनीत) *(Carried over)*				

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	(अग्रानीत) (Brought forward)	चालू वर्ष Current Year		पिछले वर्ष Previous Year
ग) अन्य (अप्राप्य देय राशि शामिल हैं रु.)				
c) Others (includes income due unrealised-Rs.)		-		-
ADVANCE TO BRANCHES				
4. कोट्टयम विप्रेषण खाता				
4. Kottayam Remittance A/c Advance to Branches	-	-	-	-
Cash	1,058.00	-	3,588.00	-
Bank	498,943.00	-	496,413.00	-
5. अमरावती विप्रेषण खाता				
5. Amravati Remittance A/c	-	-	-	-
Cash	2,719.00	-	451.00	-
Bank	297,282.00	-	299,550.00	-
6. जम्मू विप्रेषण खाता				
6. Jammu Remittance A/c	-		-	
Cash	8,358.00	-	-	-
Bank	491,643.00	-	746,454.00	-
7. आइजोल विप्रेषण खाता				
7. Aizwal Remittance A/c	-	-	-	-
Cash	4,615.00		4,280.00	
Bank	295,386.00	1,600,004.00	295,721.00	1,846,457.00
8. विद्यार्थी कल्याण कोष खाता				
8. Student Welfare Fund A/c		-		-
9. अंतरराष्ट्रीय मीडिया विश्वविद्यालय				
9. International Media University		-		-
कुल (ख) TOTAL (B)		**4,737,823.00**		**6,722,108.00**
कुल (क+ख) TOTAL (A+B)		**140,905,902.00**		**152,327,084.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

		(राशि-रुपये)/ (Amount-Rs.) चालू वर्ष/Current Year
वर्तमान परिसम्पत्तियों का समूह (तालिका 11) **GROUPLING OF CURRENT ASSETS (SCHEDULE 11)**		
परियोजनाओं/अल्पकालिक पाठ्यक्रमों पर अधिखर्च शेष **OVERSPENT BALANCE OF PROJECTS/ SHORT COURSES**		
बीपीआरडी कार्यशाला खाता BPRD Workshop A/c		73,155.00
वॉटसन परियोजना Watson Project		834,688.00
राजभाषा सम्मेलन RAJ BHASHA SAMEELAN		63,487.00
आईजीएनएफए, देहरादून IGNFA, DHERADUN		29,190.00
पंचायती राज सशक्तीकरण Empowering Panchayati Raj		267,835.00
कुल **TOTAL**		**1,268,355.00**
नकद शेष **CASH BALANCES**		
मुख्यालय Head Office		3,961.00
ढेंकनाल Dhenkanal		22,381.00
फ्रेंकिग मशीन में टिकट Stamps in Franking Machine		-
कुल **TOTAL**		**26,342.00**
बैंक शेष **BANK BALANCES**		
1.मुख्यालय **1.Head Office** सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India		104,688,338.00
2.एनसीओई **2. NCOE**		24,607,842.00
3.ढेंकनाल **3.DHENKANAL**		1,040,173.00
कुल **TOTAL**	*(अग्रेनीत)* *(Carried over)*	**130,336,353.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष **Current Year**
क) आवर्ती निधि		
A) REVOLVING FUND	*(अग्रानीत)*	
आवर्ती निधि से अग्रिम का इतिशेष	*(Brought forward)*	
Closing Balance of Revolving fund Advances		-
ख) नकद या वस्तुओं के रूप में (अन्य) अग्रीमों की वसूली		
B) ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR KIND (Others)		
मुख्यालय		
HEAD OFFICE		
भारत दर्शन अध्ययन दौरा		
Bharat Darshan Study Tour		-
खाते से अग्रिम (खरीद)		
On A/c Advance (Purchase)		539,960.00
खाते से अग्रिम (अन्य केंद्रीय व्यय)		
On A/c Advance (Other Central Expenditure)		-
खाते से अग्रिम (टीपी एमडीआई गुड़गांव)		
On A/c Advance (To MDI Gurgaon)		1,277,940.00
खाते से अग्रिम (आईआईएस)		
On A/c Advance (IIS)		(306,270.00)
पर्व अग्रिम		
Festival Advance		-
बामर लॉरी को अग्रिम		
Advance to Balmer Lowrie		1,298,092.00
अल आर साईलो प्राप्य खाता		
L R Sailo Receivable Account		-
एनसीओई प्राप्य खाता		
NCOE Receivable Account		-
एलटीसी अग्रिम		
LTC Advance		-
चिकित्सा व्यय के लिए अग्रिम		
Advance for Medical Expenses		57,700.00
आईआईएस चुनाव सम्बद्धता		
IIS Election Attachment		-
कुल (क)		
TOTAL (A)		**2,867,422.00**
ढेंकनाल		
DHENKANAL		
ओ वाई टी जमा		
OYT Deposit		-
	(अग्रेनीत)	
	(Carried over)	

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

		चालू वर्ष Current Year
कर्मचारियों को अग्रिम Advances to employees	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	7,956.00
कुल (ख) **TOTAL (B)**		**7,956.00**
कुल (क+ख) **TOTAL (A+B)**		**2,875,378.00**
नकदी या वस्तु के रूप में प्राप्य अग्रिम **ADVANCES RECOVERABLE IN CASH OR IN KIND**		
1.पूर्व भुगतान, प्रतिभूतियों का भुगतान **1.Prepayments, Security Deposits Paid**		
मुख्यालय Head Office		179,630.00
ढेंकनाल Dhenkanal		82,812.00
कुल **TOTAL**		**262,442.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष **Current Year**	पिछले वर्ष **Previous Year**
तालिका 12- बिक्री/सेवाओं से आय **SCHEDULE 12-INCOME FROM SALES/SERVICES**		
1. बिक्री से आय		
1. Income from Sales		
क) तैयार माल की बिक्री से		
a) Sale of Finished Goods	-	-
ख) कच्चे माल की बिक्री से		
b) Sale of Raw Material	-	-
ग) कबाड़ की बिक्री से		
c) Sale of Scraps	-	72,221.00
2. सेवाओं से आय		
2. Income from Services		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
a) Labour and Processing Charges	-	-
ख) व्यावसायिक/परामर्श सेवाएँ		
b) Professional/Consultancy Services		-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
c) Agency Commission and Brokerage	-	-
घ) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)		
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-
ड.) अन्य (स्पष्ट करें)		
e) Others (Specify)		
-छात्रावास किराया		
-Hostel Rent	875,313.00	5,040,009.00
-लघु पाठ्यक्रमों एवं परियोजनाओं-सहित		
-Misc Receipt including Short Courses & Projects	1,828,765.00	11,762,174.00
-सभागार का किराया		
-Rent of Auditorium	(186,600.00)	501,600.00
ढ) आईआईएमसी पुरस्कार पर प्राप्त ब्याज		
f) Interest received on award IIMC	-	-
कुल **TOTAL**	**2,517,477.00**	**17,376,004.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को तुलनपत्र की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

	चालू वर्ष Current Year (राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
तालिका 12 के समूह **GROUPING OF SCHEDULE 12**	
छात्रावास का किराया **HOSTEL RENT**	
अधिकारीयों के अतिथि गृह का किराया Officers Guest House Rent	59,993.00
छात्र छात्रावास किराया Student Hostel Rent	406,254.00
मकान किराया योगदान House Rent Contribution	119,610.00
छात्रावास सीट का किराया (ढेंकनाल) Hostel Seat Rent (Dhen.)	-
छात्रावास सीट का किराया (अमरावती) Hostel Seat Rent (Amravati)	81,903.00
छात्रावास सीट का किराया (जम्मू) Hostel Seat Rent (Jammu)	93,803.00
छात्रावास सीट का किराया (कोट्टयम) Hostel Seat Rent (Kottayam)	113,750.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**875,313.00**
सभागार/सम्मेलन कक्ष/लाउंज का किराया **RENT OF AUDITORIUM/CONFERENCE ROOM/LOUNGE**	
सभागार की बुकिंग Booking of Auditorium	(186,600.00)
लाउंज की बुकिंग Booking of Lounge	-
मिनी सभागार की बुकिंग Booking of Mini Auditorium	-
कुल (क) **TOTAL (A)**	**(186,600.00)**
विविध प्राप्ति **MISC. RECEIPT**	
विविध कार्यालय प्राप्ति Misc. Office Receipt	1,371,698.00
वेतन के विरूद्ध प्राप्ति Receipt against Salary	-
विविध कार्यालय रसीद (शाखा) Misc. Office receipt (Branches)	91,177.00

	चालू वर्ष (राशि-रुपये) Current Year (Amount-Rs.)
ओआईएस अधिकारी का प्रशिक्षण (ढेंकनाल) Training of OIS Officer (Dhenkenal)	-
आरटीआई प्रकोष्ठ RTI Cell	365,890.00
कुल (क) **TOTAL (A)**	**1,828,765.00**

तालिका 13-अनुदान/आर्थिक सहायता **SCHEDULE 13- GRANTS/SUBSIDIES**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
(प्राप्त अटल अनुदान एवं आर्थिक सहायता) (Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1. केन्द्र सरकार (अन्य केंद्रीय व्यय) 1. Central Government (Other Central Expenditure)	125,650,000.00	193,478,100.00
2. केन्द्र सरकार (पूंजीगत परिसंपत्तियों के लिए अन्य केंद्रीय व्यय) 2. Central Government (Other Central Expenditure for capital assets)	127,600,000.00	49,807,700.00
कुल (1+2) **TOTAL (1+2)**	**253,250,000.00**	**243,285,800.00**
3. केन्द्र सरकार (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम) 3. Central Government (Central Sector Scheme)	-	137,531,837.00
4. राज्य सरकार 4. State Governments	-	-
5. सरकारी एजेंसियाँ 5. Government Agencies	-	-
6. संस्थाएं/कल्याण निकाय 6. Institutions/Welfare Bodies	-	-
7. अंतरराष्ट्रीय संगठन 7. International Organisations	-	-
8. अन्य (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत विविध प्राप्ति) 8. Others (Misc. receipt under Central Sector Scheme)	-	5,362,059.00
कुल **TOTAL**	**253,250,000.00**	**386,179,696.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये) (Amount-Rs

तालिका 14- शुल्क/चंदा SCHEDULE 14-FEE/SUBSCRIPTION	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. प्रवेश शुल्क 1. Entrance Fee	-	-
2. वार्षिक शुल्क/चंदे 2. Annual Fees/Subscriptions	29,070,359.00	22,423,095.00
3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क 3. Seminar/Program fees	-	-
4. परामर्श शुल्क 4. Consultancy Fees	-	-
5. अन्य (स्पष्ट करें) 5. Others (specify)	-	-
कुल TOTAL	**29,070,359.00**	**22,423,095.00**

तालिका 14 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 14	(राशि-रुपये)(Amount-Rs.) चालू वर्ष Current Year
वार्षिक शुल्क/चंदा ANNUAL FEES/SUBSCRIPTIONS	
शिक्षा शुल्क (मुख्यालय) TUTION FEES (HEAD OFFICE)	28,994,359.00
शिक्षा शुल्क (ढेंकनाल) मुख्यालय में TUTION FEES (DHEN) AT HEAD OFFICE	-
शिक्षा शुल्क (ढेंकनाल) TUTION FEE (DHENKANAL)	-
प्रकाशन शुल्क PUBLICATION FEES	-
विलंब शुल्क LATE FEES	76,000.00
कुल **Total**	**29,070,359.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 15-निवेशों से आय **SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS**	उद्दिष्ट निधि से निवेश **Investment from Earmarked Fund**		अन्य निवेश **Investment-Others**	
(उद्दिष्ट/अक्षय से स्थानांतरित निधि से निवेश पर आय) (Income on Invest. from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	चालू वर्ष **Current Year**	पिछले वर्ष **Previous Year**	चालू वर्ष **Current Year**	पिछले वर्ष **Previous Year**
1. ब्याज 1. Interest				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर a) On Govt. Securities	-	-	-	-
ख) अन्य बांड एवं डिबेंचर b) Other Bonds/Debentures	-	-	-	-
2. लाभांश 2. Dividends:				
क) शेयरों पर a) On Shares	-	-	-	-
ख) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर b) On Mutual Fund Securities	-	-	-	-
3. किराया 3. Rents				
4. सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में निवेश पर ब्याज 4. Interest on Investment with CBI	-	-	-	-
5. अन्य (अल्पावधि जमा ब्याज) (मुख्यालय) 5. Others (Interest on Short Term Deposit) (Head Office)	-	-	-	-
6. अल्पावधि जमा ब्याज (ढेंकानाल) 6. Interest on Short Term Deposit (Dhenkanal)	-	-	-	-
कुल **TOTAL**	-	-	-	-
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों में स्थानांतरित Transferred to Earmarked/Endowment Funds	-	-	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय SCHEDULE 16- INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. रॉयल्टी से आय 1. Income from Royalty	-	-
2. आवेदन एवं प्रकाशन से आय 2. Income from sale of application & publication	4,356,990.00	7,951,212.00
3. अन्य (स्पष्ट करें) 3. Others (Specify)	-	-
कुल TOTAL	**4,356,990.00**	**7,951,212.00**
तालिका 16 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 16		
प्रकाशनों से हुई आय INCOME FROM PUBLICATION		
आवेदन पत्रों की बिक्री SALE OF APPLICATION FORM		4,297,970.00
प्रकाशनों की बिक्री SALE OF PUBLICATION		59,020.00
कुल **TOTAL**		**4,356,990.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका 17-अर्जित ब्याज SCHEDULE 17- INTEREST EARNED	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1. सावधि जमाः		
1. On Term Deposits:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
a) With Scheduled Banks		
मुख्यालय		
Head Office	330,837.00	1,441,864.00
ढ़ेकनाल		
Dhenkenal	-	-
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
ग) संस्थाओं में		
c) With Institutions	-	-
घ) अन्य		
d) Others	-	-
2. बचत खातों मेंः		
2. On Saving Accounts:		
क) अनुसूचित बैंकों में		
a) With Scheduled Banks		
मुख्यालय		
Head Office	29,691.00	76,748.00
ढ़ेकानाल		
Dhenkenal	36,688.00	-
ख) गैर अनुसूचित बैंकों में		
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
ग) डाकखाने में बचत खाते		
c) Post Office Savings Accounts	-	-
घ) अन्य		
d) Others	-	-
3. कर्ज परः		
3. On Loans:		
क) कर्मचारी/स्टाफ		
a) Employees/Staff	-	-
ख) अन्य		
b) Others	-	-
4. पुरस्कार खाते पर ब्याज		
4. Interest on Award A/c	-	-
कुल **Total**	**397,216.00**	**1,518,612.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 18-अन्य आय **SCHEDULE 18-OTHER INCOME**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
1. बिक्री पर लाभ/परिसम्पत्तियों का निपटान: 1. Profit on Sale/Disposal of Assets:		
क) निजी परिसम्पत्तियाँ a) Owned Assets	-	-
ख) निधियों से अर्जित या मुफ्त प्राप्त परिसम्पत्तियाँ b) Assets acquired out of grants or received free of cost	-	-
2. निर्यात प्रोत्साहन वसूली 2. Export Incentives Realized	-	-
3. विविध सेवाओं के लिए शुल्क 3. Fees for Miscellaneous Services	-	-
4. विविध आय (अं.भ. निधि से आय) 4. Miscellanous Income	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

	चालू वर्ष **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
तालिका 19-स्टॉक तैयार माल एवं डबल्यु आई पी में वृद्धि/कमी **SCHEDULE 19-INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WIP**		
क) अन्तिम स्टॉक a) Closing Stock		
-तैयार माल -Finished Goods	-	-
-चल रहे कार्य -Work-in-Progress	-	-
ख) घटाए : प्रारंभिक स्टॉक b) Less: Opening Stock		
-तैयार माल -Finished Goods	-	-
-कार्य में प्रगति -Work-in-Progress	-	-
शुद्ध वृद्धि/(कमी) (क-ख) **NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 20-स्थापना खर्चे **SCHEDULE 20-ESTABLISHMENT EXPENSES**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
क) वेतन एवं मजदूरी a) Salaries and Wages	55,608,566.00	51,430,472.00
ख) भत्ते एवं बोनस b) Allowances and Bonus	24,994,379.00	23,306,727.00
ग) भविष्य निधि/एनपीएस में अंशदान c) Contribution to Provident Fund/NPS	5,052,722.00	6,705,965.00
घ) अन्य निधियों में अंशदान d) Contribution to Other Fund	-	-
ड.) कर्मचारी कल्याण खर्चे e) Staff Welfare Expenses	-	-
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभों पर खर्च f) Expenses on Employees' Retirement and Terminal Benefits	14,136,961.00	19,655,266.00
छ) अन्य g) Others	8,167,042.00	6,388,405.00
कुल **TOTAL**	**107,959,670.00**	**107,486,835.00**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 20 के समूह **GROUPING OF SCHEDULE 20**	**चालू वर्ष** **Current Year**
तनख्वाह एवं मजदूरी **SALARIES & WAGES**	
मुख्यालय एवं ढेंकनाल के खाते **BOOKS OF HEAD OFFICE & DHENKANAL**	
अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन Pay to Officers/Staff	33,943,075.00
संकाय का वेतन Pay to Faculty	21,420,876.00
आईआईएस को भुगतान Pay to IIS	1,865.00
कर्मचारियों को मानदेय Hon. to Staff	242,750.00
कुल **Total**	**55,608,566.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

	(अग्रानीत) *(Brought forward)*	(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
तालिका 20 के समूह GROUPING OF SCHEDULE 20		चालू वर्ष Current Year
भत्ते एवं बोनस **ALLOWANCE & BONUS**		
मंहगाई भत्ता DA		9,527,468.00
मकान किराया भत्ता HRA		10,823,434.00
समयोपरि भत्ते Overtime Allowances		44,839.00
परिवहन भत्ते Transport Allowances		4,071,790.00
धुलाई भत्ते Washing Allowances		100,000.00
दिव्यांग भत्ते Handicap Allowances		46,332.00
बोनस Bonus		380,516.00
कुल **Total**		**24,994,379.00**
भविष्य निधि और नई पेंशन योजना के लिए अंशदान **CONTRIBUTION TO PROVIDENT FUND AND NEW PENSION SCHEME**		
मुख्यालय Head Office		2,259,172.00
ढेंकनाल Dhenkanal		-
नई पेंशन योजना New Pension Scheme		2,793,550.00
कुल **Total**		**5,052,722.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year
कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवा समाप्ति लाभ *(अग्रानीत)* **EXPENSES ON EMPLOYEES RETIREMENT & TERMINAL BENEFITS** *(Brought forward)*	
आनुतोषिक Gratuity	8,895,575.00
अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान Leave Salary & Pension Contribution	-
छुट्टी भुनाना Leave Encashment	5,241,386.00
जमा से संबद्ध बीमा योजना Deposit Linked Insurance Scheme	-
कुल **Total**	**14,136,961.00**
अन्य **OTHERS**	
चिकित्सा खर्च Medical Expenses	6,169,680.00
यात्रा खर्च (एलटीसी) Travelling Expenses (LTC)	763,656.00
शिक्षा शुल्क वापिसी Tution Fee Reimbursement	994,500.00
छुट्टी भुनाना Leave Encashment	239,206.00
कुल **Total**	**8,167,042.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021**

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि **SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.**	**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
क) खरीद (फोटोग्राफी सामग्री) a) Purchases (Photographic material)	-	-
ख) श्रम एवं प्रोसेसिंग खर्चे b) Labour and Processing Expenses	-	-
ग) ढुलाई एवं आवक गाड़ी c) Cartage and Carriage Inwards	-	-
घ) पावर एवं बिजली एवं पानी के खर्चे d) Electricity and Power & Water charges	7,807,464.00	11,555,261.00
ड.) जल प्रभार e) Water Charges	-	-
च) बीमा f) Insurance	-	-
छ) मरम्मत एवं रखरखाव g) Repair and Maintenance	14,604,319.00	10,601,297.00
ज) उत्पाद शुल्क h) Excise Duty	-	-
झ) किराया, दरें एवं कर I) Rent, Rates and Taxes	36,030.00	36,153.00
ञ) वाहन संचालन एवं रखरखाव j) Vehicles Running and Maintenance	924,136.00	1,175,601.00
ट) डाक टिकटें, टेलीफोन एवं संचार प्रभार k) Postage,Telephone and Communication Charges	608,772.00	823,268.00
ठ) छपाई और लेखन सामग्री l) Printing and Stationery	2,014,649.00	1,400,863.00
ड) यात्रा और वाहन पर खर्च m) Travelling and Conveyance Expenses	1,244,295.00	1,353,646.00
ण) अध्ययन दौरे और यात्राओं पर खर्च n) Expenses on Study Tour & Travels	-	135,986.00
त) समाचार पत्र और पत्रिकाओं पर अभिदान खर्च o) Subscription Expenses of News Papers & Perodical	2,266,409.00	1,040,779.00
थ) लेखा परीक्षक के पारिश्रमिक सहित कानूनी और पेशेवर शुल्क पर व्यय p) Expenses on Legal and Professional Fee including auditor remuneration	793,200.00	1,486,770.00
ध) आतिथ्य सत्कार खर्च q) Hospitality Expenses	412,538.00	573,950.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये)
(Amount-Rs.)

तालिका 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि **SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.**		**चालू वर्ष** **Current Year**	**पिछले वर्ष** **Previous Year**
न) व्यावसायिक (विजिटिंग फैकल्टी) शुल्क r) Professional (Visiting Faculty) Fee	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	2,650,707.00	3,348,420.00
प) अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान s) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances		-	-
फ) अवसूलीय शेष बट्टे खाते में डाला गया t) Irrecoverable Balances Written off		-	-
ब) पैकिंग खर्च u) Packing Expenses		-	-
भ) वितरण खर्चे v) Distribution Expenses		-	-
म) विज्ञापन एवं प्रचार w) Advertisement and Publicity		55,136.00	23,025.00
य) विविध x) Miscellaneous		3,131,719.00	3,966,336.00
र) कैजुयल कर्मचारियों की मजदूरी y) Wages to Casual Staff		45,647,912.00	39,465,424.00
ल) संपत्तिकर z) Property Tax		3,425,233.00	3,385,405.00
व) कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर इत्यादि पर खर्च za) Expenses on computer software, etc.		687,109.00	648,384.00
श) एसएपी zb) SAP		100,000.00	248,339.00
ष) शाखा व्यय zc) Branch Expenses		16,449,987.00	-
ह) प्रवेश परीक्षा पर व्यय zd) Expenditure on entrance exam		2,358,006.00	-
कुल **TOTAL**		**105,217,621.00**	**81,268,907.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका-21 के समूह GROUPING OF SCH-21	चालू वर्ष Current Year
बिजली और पानी **ELECTRICITY & WATER**	
मुख्यालय Headoffice	7,286,871.00
ढेंकनाल Dhenkanal	520,593.00
कुल **TOTAL**	**7,807,464.00**
मरम्मत और रखरखाव **REPAIR AND MAINTENANCE**	
क. अन्य केंद्रीय व्यय **A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE**	
भवन BUILDING	
मुख्यालय HO	12,249,226.00
ढेंकनाल Dhenkenal	557,396.00
	(A) 12,806,622.00
उपकरण EQUIPMENT	
मुख्यालय HO	1,601,860.00
ढेंकनाल Dhenkenal	195,837.00
	(B) 1,797,697.00
फर्नीचर मुख्यालय FURNITURE H.O	-
कुल **TOTAL**	**14,604,319.00**
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय **B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE**	
उपकरणों की मरम्मत और पट्टा लाइनों का किराया Service Repair of Equipment and Lease Line Rent	-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केंद्रीय व्यय) **TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)**	**14,604,319.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

Indian Institute of Mass Communication

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका-21 के समूह GROUPING OF SCH-21			चालू वर्ष Current Year
वाहन परिचालन एवं रखरखाव VEHICLE RUNNING & MAINTENANCE	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
ईंधन की लागत Cost of fuel			651,344.00
मरम्मत एवं रखरखाव Repair and Maintenance			
मुख्यालय HO		219,928.00	
ढेंकनाल Dhenkenal		52,864.00	272,792
कुल TOTAL			**924,136.00**
डाक टिकट, टेलीफोन और टेलीप्रिंटर के खर्चे POSTAGE, TELEPHONE AND TELEPRINTER CHGS			
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE			
डाक टिकट एवं तार खर्चे POSTAGE & TELEGRAPHIC CHARGES			
मुख्यालय HO			61,285.00
ढेंकनाल Dhenkenal			4,868.00
			(A) 66,153.00
दूरभाष खर्च TELEPHONE EXPS			
मुख्यालय HO			394,926.00
ढेंकनाल Dhenkenal			147,693.00
			(B) 542,619.00
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम B. CENTRAL SECTOR SCHEME			-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)			**608,772.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

तालिका-21 के समूह GROUPING OF SCH-21		चालू वर्ष Current Year
मुद्रण एवं लेखन सामग्री PRINTING & STATIONERY	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE		
मुख्यालय Head Office		1,913,790.00
ढेंकनाल Dhenkenal		100,859.00
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE		-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE + OTHER CENTRAL EXPENDITURE)		**2,014,649.00**
यात्रा एवं परिवहन TRAVELLING & CONVEYANCE		
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE		
मुख्यालय HEAD OFFICE		
स्थानीय यात्रा Local Travel		746,105.00
बाहरी यात्राएँ Outstation Travels		352,328.00
विदेश यात्राएँ Foreign Travel		-
ढेंकनाल DHENKENAL		-
स्थानीय यात्रा Local Travel		-
बाहरी यात्राएँ Outstation Travels		145,862.00
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम पर व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE		-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)		**1,244,295.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21		चालू वर्ष Current Year
अध्ययन दौरा एवं यात्राएँ STUDY TOUR & TRAVELS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
मुख्यालय Head Office		-
ढेंकनाल Dhenkenal		-
ढेंकनाल में सेमिनार का खर्च Seminar Expense at Dhenkenal		-
कुल TOTAL		-
सदस्यता व्यय SUBSCRIPTION EXPENSES		
अखबार एवं पत्रिकाएं NEWSPAPER & PERIODICALS		
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE		
मुख्यालय Head Office		2,230,724.00
यू.एन.आई टेलिप्रिंटर का किराया Rent of Uni Teleprinter		-
ढेंकनाल Dhenkanal		35,685.00
	Total	**2,266,409.00**
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE		-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+ OTHER CENTRAL EXPENDITURE)		**2,266,409.00**
मनोरंजन/ आतिथ्य ENTERTAINMENT/HOSPITALITY		
मुख्यालय Head Office		344,967.00
ढेंकनाल Dhenkenal		67,571.00
कुल TOTAL		**412,538.00**
	(अग्रेनीत) *(Carried over)*	

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)

समूहों मे तालिका-21 GROUPING OF SCH-21			चालू वर्ष Current Year
पेशेवर शुल्क PROFESSIONAL FEE	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
क. अन्य केंद्रीय व्यय A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE			
बाहरी/अतिथि वक्ताओं (मुख्यालय) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (H.O)			770,607.00
बाहरी/अतिथि वक्ताओं (ढेंकानाल) का मानदेय/शुल्क Hon/Fee to Guest Speakers/Outside (Dhenkenal)			-
		Total	**770,607.00**
मुख्यालय H.O			
विज्ञापन जन संपर्क ADPR			384,000.00
विकास पत्रकारिता DJ			-
हिंदी पत्रकारिता HJ			388,000.00
रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता RTV			226,500.00
अंग्रेजी पत्रकारिता EJ			688,100.00
उर्दू URDU			193,500.00
प्रकाशन PUBLICATION			-
		Total	**1,880,100.00**
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE			-
अतिथि संकाय को मानदेय (ढेंकनाल) Fee to Guest Faculty			-
मानदेय/मज़दूरी Hon/Wages			-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम व्यय+अन्य केंद्रीय व्यय) TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE + OTHER CENTRAL EXPENDITURE			**2,650,707.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

GROUPING OF SCH-21/तालिका-21 के समूह		Current Year/चालू वर्ष
विविध खर्चे **MISCELLENAEOUS EXPENSES**	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	
क. अन्य केंद्रीय व्यय **A. OTHER CENTRAL EXPENDITURE**		
बैंक प्रभार Bank Charges		
मुख्यालय HO		9,565.00
ढेंकनाल Dhenkenal		490.00
	Total	**10,055.00**
विविध खर्चे Misc Exps		
मुख्यालय HO		2,992,704.00
ढेंकनाल Dhenkenal		88,960.00
	Total	**3,081,664.00**
वर्दी Liveries		40,000.00
पुरस्कार खर्च Award Expense		-
सदस्यों और सदस्यता खर्चे Members & Subs. Expenses		-
छात्र कल्याण खर्च (ढेंकनाल) Student Welfare Expense (Dhenkenal)		-
फोटोग्राफी सामग्री Photography Material		-
कम और अतिरिक्त Short & Excess		-
	Total	**3,131,719.00**
ख. केन्द्रीय क्षेत्रक **स्कीम व्यय** **B. CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE**		-
कुल (केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम+अन्य केंद्रीय व्यय) **TOTAL (CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE+OTHER CENTRAL EXPENDITURE)**		**3,131,719.00**
आकस्मिक कर्मचारियों की मजदूरी **WAGES TO CASUAL STAFF**		
मुख्यालय HO		41,037,980.00
ढेंकनाल Dhenkenal		4,489,845.00
आकस्मिक कर्मचारियों के लिए बोनस Bonus to Casual Staff		120,087.00
कुल **TOTAL**		**45,647,912.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021**

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

तालिका 21 क केंद्रीय क्षेत्र योजना खर्च SCHEDULE 21 A-CENTRAL SECTOR SCHEME EXPENDITURE	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
1 संपत्ति का निर्माण केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम 1 Central Sector Scheme Creation of Assets	-	105,895,791.00
2 सामान्य केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम 2 Central Sector Scheme General	-	18,496,837.00
कुल **TOTAL**	-	**124,392,628.00**

नोट : वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान केंद्रीय क्षेत्र की योजना का अन्य केंद्रीय व्यय में विलय

Note : Central Sector Scheme merged with other Central Expenditure during the financial year 2020-21.

तालिका 22-अनुदान एवं आर्थिक सहायता इत्यादि पर खर्च SCHEDULE 22- EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
क) संस्थाओं/संगठनों को दिया गया अनुदान a) Grants given to Institutions/Organisations	-	-
ख) संस्थाओं/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता b) Subsidies given to Institutions/Organisations	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

टिप्पणी: संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियाँ तथा अनुदान/आर्थिक सहायता की राशि बताई जाएँ
Note: Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/Subsidies are to be disclosed

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 23-ब्याज **SCHEDULE 23- INTEREST**		
क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर a) On Fixed Assets	-	-
ख) अन्य कर्जों पर (बैंक प्रभार सहित) b) On Other Loans (Including Bank Charges)	-	-
ग) अन्य c) Others	-	-
कुल **TOTAL**	-	-

(राशि-रुपये)(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
तालिका 24- पूर्व अवधि वस्तुओं का विवरण **SCHEDULE 24- DETAILS OF PRIOR PERIOD ITEMS**		
क) अंशदायी भविष्य निधि का ब्याज अंतर a) Interest Differnce of CP Fund	-	
ख) स्वस्थ भारत परियोजना खाता एवं भारत निर्माण का त्वरित आंकलन b) Swasth Bharat Project Account & Rapid Ass. of Bharat Nirman	-	-
ग) ढेंकनाल विप्रेषण c) Dhenkanal Remittance	-	
कुल **TOTAL**	-	-

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021**

तालिका-25

SCHEDULE-25

क. 31.3.2021 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

A: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES (Y.E. 31.3.2021):

1. लेखे मंत्रालय के दिनांक 31.8.2005 के पत्र सं. 10(1) मिसलेनियस/2005 (टीए/606) द्वारा प्रेषित नए प्रारूप के अनुसार तैयार किये गए हैं ।

1. Accounts has been provided as per new format provided by Ministry vide letter Dated 10(1) MISC/2005 (TA/606) dated 31.08.2005.

2. आंकड़ों को, आवश्यकतानुसार पुनःसमूहबद्ध/पुनःव्यवस्थित किया गया है ।

2. Figures have been regrouped/rearranged wherever considered necessary.

3. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान, तुलनपत्र में एकीकृत आँकड़ो मे दर्शाए गए हैं हालांकि उनके पृथक विवरण मदों में विस्तार से दिए गए हैं।

3. Grants-in-Aid from the Ministry of I & B as shown at one consolidated figure in the balance sheet though separate details are given in detailed accounts under various heads.

4. सभी अंशदायी भविष्य निधि लेखे सोसाईटी की लेखा बही से अलग कर दिये गए हैं।

4. Contributory Provident Fund account has been separated from books of account of society.

5. कर्मचारियों को दिया जाने वाला उपदान और छुट्टी के बदले नकद भुगतान नकद आधार पर दर्ज किया गया है ।

5. Gratuity and Leave encashment is booked on cash basis.

6. केवल पुरस्कार निधि एवं खजाना जमा पर प्राप्त ब्याज को छोड़कर, जिन्हें प्रोद्भूत आधार पर दर्शाया गया है। आय और व्यय लेखे की सभी मदें नकद आधार पर हैं ।

6. All item of income and expenditure are accounted for on cash basis except the interest on Fixed Deposits of Award fund and Khajana deposit which is accounted for on accrual basis.

7. स्थायी परिसम्पत्तियाँ लागत मूल्य पर हैं और उनमें नकद आधार पर मूल्य ह्रास प्रभार नहीं लगाया गया है ।

7. Fixed Assets are stated at cost and no depreciation is accounted for on cash basis.

8. खर्च को अन्य केंद्रीय व्यय, केन्द्रीय क्षेत्रक स्कीम या अन्य प्रोजेक्टों में डालना गतिविधियों की प्रकृति/अनुदान की शर्तों के आधार पर है ।

8. The charging of expenses to Other Central Expenditure, Central Sector Scheme and other projects are on the basis of nature of activities/terms of grant.

9. वर्ष के दौरान व्यय और पूंजीगत खर्च के मुकाबले आय की अधिकता को भारत सरकार से प्राप्त अनुदान राशि से पूरा किया गया । उसे न तो आय और व्यय लेखे में ले जाया गया है तथा न ही मंत्रालय के प्रारूप के अनुसार आरक्षित लेखे में अंतरित किया गया है ।

9. Excess of Income over expenditure and capital expenditure during the year is met out of the Grant-in-Aid received from the Government of India. The same is not routed through Income and Expenditure account and not been transferred to Reserves account as per format provided by ministry.

10. अनुदान के अप्रयुक्त शेषों को या तो सरकार को वापस कर दिया गया या सरकार द्वारा आने वाले वर्ष की अंतिम किश्त से घटा दिए।

10. Any Unutilised balances of Grants are either refunded to the government or deducted by the government from the last installment during the subsequent year.

11. परियोजनाओं/पाठ्यक्रमों के लिए अनुदान का अधिक प्रयुक्त/अप्रयुक्त शेष अंतिम समायोजन के आधार पर होगा ।

11. The Overspent/Unspent balance of Grants received for projects/Courses are subject to final settlement.

भारतीय जन संचार संस्थान

Indian Institute of Mass Communication

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय की तालिकाएँ **SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE FOR THE PERIOD ENDED 31.03.2021**

तालिका 26-आकस्मिक देयताएँ तथा लेखों पर टिप्पणियाँ

SCHEDULE-26-CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. आकस्मिक देयताएँ

1. CONTINGENT LIABILITIES

1.1 संस्था के दावे जिन्हें ऋण के रूप में अस्वीकृत किया गया रु. शून्य

1.1 Claims against the Entity not acknowledged as debts-Rs. .....NIL….

वर्ष के दौरान क्योंकि सभी बकाया मामले संस्थान के पक्ष में रहे थे, अतः उक्त राशि शून्य रु. दर्शाई गई है।

During the year as all pending cases have been in favour of the Institute, hence the said amount is shown as Rs. NIL

1.2 **निम्नलिखित के संबंध में विवादित माँग**

1.2 Disputed demand in respect of:

आय कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

बिक्री कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

नगरपालिका कर शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

Income tax Rs NIL Previous year Rs NIL

Sales tax Rs NIL Previous year Rs NIL

Municipal Taxes……NIL……Previous year Rs……NIL….

1.3 विभिन्न पक्षों द्वारा निष्पादित न किए गए दावों को संस्थान ने खारिज किया

शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

13 In respect of claims from parties for non-execution of orders, but contested by the entity

Rs NIL Previous year Rs. NIL

2. पूंजीगत वचनबद्धता

2. CAPITAL COMMITMENTS

पूंजीगत लेखे में निष्पादन हेतु अवशिष्ट ठेकों का अनुमानित मूल्य जिन्हें अग्रिमों की श्रेणी में नही रखा गया

शून्य रुपये पिछले वर्ष शून्य रुपये

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for net of advances

Rs NIL Previous year Rs. NIL

3. पट्टेदारी की बाध्यता

3. LEASE OBLIGATIONS

प्लांट और मशीनरी हेतु वित्त लीज व्यवस्था के तहत भविष्य में किराये की बाध्यता शून्य रु. पिछले वर्ष शून्य रु.

Future obligations for rentals under finance lease arrangements for plant and machinery amount to Rs.NIL Previous year Rs.NIL

4. चालू परिसम्पत्तियां, कर्जे एवं अग्रिम

4. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

प्रबंधन के मत में चालू परिसम्पत्तियां, कर्जे, अग्रिमों का मूल्य सामान्यतः वसूला जाएगा जो कम से कम तुलनपत्र में दिखायी गई कुल राशि के बराबर होगा ।

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realisation in the ordinary course of business, equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

5. कराधान

5. TAXATION

आयकर अधिनियम 1961, के अनुसार कर योग्य कोई आय न होने पर आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं होगा
In view of there being no taxable income under Income tax Act 1961, No provision for income tax has been considered necessary.

6. विदेशी मुद्रा में लेन देन

6. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

6.1	**आयात का परिकलित मूल्य सी. आई. एफ. आधार पर**	
6.1	**Value of Imports calculated on C.I.F basis:**	
	तैयार माल की खरीद Purchase of Finished Goods	शून्य NIL
	पारगमन सहित कच्चा माल एवं उपकरण Raw Material & Components including in transit	शून्य NIL
	पूंजीगत माल Capital Goods	शून्य NIL
	भंडार, अतिरिक्त एवं उपभोज्य वस्तु Stores, Spares and Consumbles	शून्य NIL
6.2	**विदेशी मुद्रा में खर्च**	
6.2	**Expenditure in Foreign Currency**	
	यात्रा Travel	शून्य NIL
	वित्तीय संस्थाओं/बैंकों को विदेशी मुद्रा में प्रेषण एवं ब्याज भुगतान Remittances and interest payment to Financial Institutions/Banks in Foreign currency	
	अन्य खर्चे Other expenditure:	
	बिक्री पर कमीशन Commission on Sales	शून्य NIL
	कानूनी एवं व्यावसयिक खर्चे Legal and Professional Expenses	शून्य NIL
	विविध खर्चे Miscellaneous Expenses	शून्य NIL
6.3	**आयः**	
6.3	**Earnings:**	
	एफ ओ बी आधार पर निर्यात का मूल्य Value of Exports on FOB basis	शून्य NIL

फार्म से संलग्न 1 से 26 तक की संलग्न तालिकाएं 31.03.2021 के तुलनपत्र के तथा आय और व्यय लेखे के अभिन्न अंग है ।
Schedules 1 to 26 are annexed to and form an integral part of the Balance sheet as at 31.03.2021 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

आर ए डी ए एम एंड एसोसिएट
सनदी लेखाकार

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,
सदस्य
भारतीय जन संचार संस्थान सोसाईटी
जेएनयू, अरूणा आसफ अली मार्ग
नई दिल्ली - 110067

अभिमत

हमने भारतीय जन संचार संस्थान (इसके पश्चात ''संस्थान'' के रूप में लिया जाए) के सहवित्तीय विवरणों जिनमें, 31 मार्च, 2021 तक का तुलन-पत्र (बैलेंस शीट), उस दौरान समाप्त हुई अवधि के आय और व्यय खाते का विवरण और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों तथा अन्य विवरणात्मक जानकारी शामिल हैं, की लेखा-परीक्षा की है।

हमारे मत में और हमारी जानकारी में और हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त उल्लिखित वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2021 को संस्था के मामलों की स्थिति और उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष को उसके अधिशेष अथवा घाटे के साथ आयकर अधिनियम, 1961 (अधिनियम) द्वारा आवश्यक सूचना को यथाअपेक्षित रीति में और भारतीय चार्टड अकाउंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों और भारत में सामान्य रूप से स्वींकार्य अन्य लेखांकन सिद्धांतों की अनुरूपता में सही और उचित हैं।

परिमित अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई (एसए) द्वारा निर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के अंतर्गत हमारे दायित्वों हमारी रिपोर्ट के भाग वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा हेतु लेखा परीक्षक के दायित्व में वर्णित किया गया है। हम इंस्टीट्युट ऑफ चार्टड अकाउंट ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी नीति सहिंता के अनुसार स्वतंत्र आवश्यकताओं, जो कि अधिनियम और उसके तहत निर्मित नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के अनुरूप हैं, संस्था की ओर से स्वतंत्र हैं और हम इन आवश्यकताओं और आईसीएआई की नीति संहिता के अनुरुप अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमें जो लेखा परीक्षा तथ्य प्राप्त हुए हैं वे वित्तीय विवरणों के संबंध में हमारे लेखापरीक्षा अभिमत को आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों और उनसे संबंधित लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अतिरिक्त जानकारी

अन्य जानकारी तैयार कराने की जिम्मेदारी निदेशक मंडल की है। अन्य जानकारी में प्रबंधन विमर्श और विश्लेषण, बोर्ड की रिपोर्ट के संलग्नकों सहित बोर्ड की रिपोर्ट शामिल हैं लेकिन इसमें वित्तीय विवरण और उसके संबंध में हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

वित्तीय विवरणों से संबंधित हमारे अभिमत में अन्य जानकारियों को कवर नहीं किया जाता और हम उस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन और निष्कर्ष प्रकट नहीं करते। वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारा दायित्व अन्य जानकारी का अध्ययन करना है, और ऐसा करते हुए, इस बात पर विचार करना है कि क्या यह जानकारी वित्तीय विवरणों अथवा हमारी लेखा परीक्षा की अवधि के दौरान प्राप्त हमारी जानकारी से काफी भिन्न है अथवा गलत बयानी की गई प्रतीत होती है।

यदि हमारे किए गए कार्य के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचते कि इस अन्य जानकारी को देते हुए ठोस गलत बयानी की गई है, तो हमें इस तथ्य को रिपोर्ट करना होगा। हमें इस संबंध में कुछ रिपोर्ट नहीं करना है।

वित्तीय विवरणों हेतु प्रबंधकीय दायित्व

आईआईएमसी का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखाकंन मानकों और अन्य लेखांकन मतों के अनुरूप आईआईएमसी की वित्तीय स्थिति और वित्तीय प्रदर्शन की सही और स्पष्ट जानकारी प्रदान करता है। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरण तैयार करने और उनकी प्रस्तुति के लिए उपुयक्त आंतरिक नियंत्रणों की रूपरेखा कार्यान्वयन और अनुरक्षण शामिल है जो सही और निष्पक्ष परिदृश्य प्रदान करता है और ठोस गलत बयानी से मुक्त होता है, चाहे वह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि की वजह से हो।

प्रबंधन मंडल वित्तीय विवरणों को तैयार करने, एक सुनाम प्रतिष्ठान बने रहने में संगठन की क्षमता का आकलन करने, सुनाम प्रतिष्ठान से सम्बंधित मामलों के प्रकटीकरण और लेखांकन के सुनाम प्रतिष्ठान आधार का उपयोग करने के लिए तब तक ज़िम्मेदार है जब तक कि प्रबंधन या तो इकाई को समाप्त करने अथवा संचालन बंद करने का इरादा न रखता हो अथवा ऐसा करने के अतिरिक्त कोई ठोस विकल्प नहीं हो।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि वित्तीय विवरण समग्र रूप से ठोस गलत बयानी, चाहे यह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, से मुक्त हैं और हमारे अभिमत सहित लेखा परीक्षा रिपोर्ट जारी करना है। यथोचित आश्वासन एक उच्च स्तरीय आश्वासन होने के बावजूद यह गारंटी नहीं देता कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की गयी लेखा परीक्षा भी हमेशा ठोस गलत बयानी होने पर, उसका पता लगा लेगी। गलतबयानी धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकती हैं और उन्हें ठोस तभी माना जाता है जब इन वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णय, अलग से अथवा समग्र रूप से इनसे प्रभावित होने की सम्भावना हो।

लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार, लेखा परीक्षा के भाग के रूप में हम अपना पेशेवर निर्णय व्यक्त करते हैं और पूरी लेखा परीक्षा में व्यवसायिक संदेह बरकरार रखते हैं। हम यह भी करते हैं :

- वित्तीय विवरणों की ठोस गलत बयानी के जोखिम की पहचान और उसका मूल्यांकन करना, चाहे वह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि की वजह से हो, इन जोखिमों के संबंध में प्रतिक्रियाशील लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा तैयार करना और उनका निष्पादन करना तथा ऐसे लेखा परीक्षा प्रमाण प्राप्त करना जो हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप की गई ठोस गलत बयानी का पता ना लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाली गलत बयानी से अधिक होता है क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, इरादतन की गई चूक, गलत तरीके से प्रस्तुत करना अथवा आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन करना शामिल हो सकता है।
- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की उपयुक्तता का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्यों के आधार पर सुनाम प्रतिष्ठान के प्रबंधन द्वारा उपयोग की गई उपयुक्तता के बारे में निष्कर्ष निकालना, चाहे घटनाओं और परिस्थितियों से संबंध में ऐसी ठोस अनिश्चितता मौजूद हो, जो सुनाम प्रतिष्ठान के रूप में कार्य करते रहने की संस्थान की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न कर सकती हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि ठोस अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें वित्तीय विवरण में संबंधित प्रकटीकरण के बारे में हमारी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में ध्यान आकर्षित करना होगा अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण पर्याप्त नहीं है, तो हमारे मत को परिवर्तित करना अपेक्षित है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखा परीक्षा की तिथि तक प्राप्त हुए लेखा परीक्षा साक्ष्यों पर आधारित हैं। तथापि, भविष्य की घटनाएं और परिस्थितियां संस्थान को सुनाम प्रतिष्ठान के रूप में जारी रखने से रोक सकती हैं।
- प्रकटीकरण सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्याकंन करना तथा क्या वित्तीय विवरण आधारभूत लेनदेन और घटनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त करते हों।

वित्तीय विवरणों में गलत बयानी की मात्रा महत्व रखती है, जो पृथक अथवा समग्र रूप से इस बात को संभव बनाती है कि वित्तीय विवरणों के यथोचित जानकार प्रयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित किया जा सकता है। हम परिमाणात्मक महत्व और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं :

(i) अपनी लेखा परीक्षा के कार्य क्षेत्र के नियोजन और हमारे कार्य के परिणामों के मूल्यांकन में और (ii) वित्तीय विवरणों में चिन्हित की गई गलत बयानी के प्रभाव का मूल्यांकन करने में।

हम अन्य मामलों के साथ-साथ अपनी लेखा परीक्षा के दौरान चिन्हित की गई आंतरिक नियंत्रण की महत्वपूर्ण खामियों सहित, योजनाबद्ध कार्यक्षेत्र और लेखा परीक्षा के समय एवं महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों के संबंध में प्रशासन के प्रभारी लोगों के साथ बातचीत करते हैं।

हम प्रशासन के प्रभारियों को वह विवरण भी उपलब्ध कराते हैं, जिसका संकलन हमने स्वतंत्रता से संबंधित उपयुक्त नैतिक आवश्यकताओं के साथ किया है तथा उन्हें उन सभी संबंधों और अन्य मामलों की जानकारी देते हैं, जिन्हें हमारी स्वतंत्रता को यथोचित रूप से प्रभावित करने वाला समझा गया हो और जहां लागू हो, सुरक्षा से संबंधित हो।

शासन के प्रभारियों के साथ साझा किए गए मामलों से, हम उन मामलों का निर्धारण करते हैं जो चालू अवधि के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण

थे और इसी वजह से वे लेखा परीक्षा के महत्वपूर्ण मामले हैं। हम अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं यदि विधि और विनियम इस मामले को सार्वजनिक किए जाने को प्रतिबंधित न करते हो अथवा तब, जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में हम निर्णय करते हैं कि किसी मामले को हमारी रिपोर्ट में शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल प्रभाव इसे सूचित करने से होने वाले जनहित से अधिक हो सकते हैं।

अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

क) हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे;

ख) हमारे अभिमत में, आईआईएमसी द्वारा विधि द्वारा यथाअपेक्षित लेखा बहियों को भली प्रकार से रखा गया है, जहां तक हमें उन लेखाओं की जांच के माध्यम से ज्ञात हुआ है;

ग) इस रिपोर्ट में दिए गए 31 मार्च, 2021 तक के तुलन पत्र और आय और व्यय खाते, लेखा बहियों के अनुरूप है;

घ) हमारे मत में, अनुसार 31 मार्च, 2021 तक तुलन पत्र और आय और व्यय खाते इंस्टीट्यूट ऑफ चाटर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा समय-समय पर जारी लेखांकन मानकों और अन्य लेखांकन मानकों, जहां तक वे लागू होते हों, के अनुरूप हैं।

कृते
आरएडीएएम एंड एसोसिएट
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 008280सी

स्थान : गाजियाबाद
दिनांक : 28/02/2022
यूडीआईएन :

सनदी लेखाकार रवि कांत गुप्ता
साझेदार
सदस्यता संख्या 077206

INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT

TO
THE MEMBERS
INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION SOCIETY
JNU, ARUNA ASAF ALI MARG
NEW DELHI-110067

Opinion

We have audited the accompanying Financial Statements of INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION (hereinafter referred as 'IIMC') which comprise the Balance Sheet as at March 31, 2021 and the Income and Expenditure Account for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and notes to accounts.

In our opinion and to the best of our information and according to the xplanations given to us, the aforesaid financial statements give the information required by the Income Tax Act, 1961 ("The Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Accounting Standards issued by Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), and other accounting principles generally accepted in India, of the State of Affairs of the Entity as at March 31, 2021 and its deficiency or surplus for the year ended on that date.

Basis for Opinion

We conducted our audit of the financial statements in accordance with the Standards on Auditing specified by ICAI (SAs). Our responsibilities under those Standards are further described in the *Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements* section of our report. We are independent from the Entity in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) together with the independence requirements that are relevant to our audit of the financial statements under th rovisions of the Act and the Rules made thereunder, and we have fulfilled our other ethical responsibilites in accordance with these requirements and the ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the financial statements.

Information Other than the Financial Statements and Auditor's Report Thereon

The Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other infomration comprises the information included in the Manangement Discussion and Analysis, Board's Report including Annexures to Board's Report, but does not include the financial statements and our auditor's report thereon.
Our opinion on the financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the fianancial statements, our responsibility is to read the other information and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the financial statemetns or our knowledge obtained during the course of our audit or otherwise appears to be materially misstated.

If based on the work we have performed, we conclude that there is a material misstatement of this other information, we are required to report that fact. We have nothing to report in this regard.

Responsibility of Management's for the Financial Statements

Management of IIMC is responsible for the preparation of these financial statements that give a fair view of the financial position and financial performance of IIMC in accordance with Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time. This responsibility includes the design implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation and presentations of the financial statements that gives a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In prepapring the financial statements, management is responsible for assessing the institute's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and usign the going concern basisi of accounting unless management either intends to liquidate the Entity or to cease operations, or thas no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Fianancial Statements

Our objectives are to obtain resonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assuarance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstaement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could

reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statemetns, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher thatn for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Entity's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, wer are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conslusions are absed on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Entity to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial staements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of the reasonably knowledgeable user of the financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in (i) planning the scope of our audit work and in evaluating the resuts of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our

independence, and where applicable, related safguards. From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the financial statements of the current period and are therfore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

We report that:

(a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

(b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the IIMC so far as it appears from our examination of those books

(c) The Balance Sheet as at March 31, 2021 and the Income and Expenditure account a dealt with by this report are in agreement with the books of account;

(d) In our opinion, the Balance Sheet as at March 31, 2021 and the Income and Expenditure account comply with the Accounting Standards and other accounting pronouncements, to the extent applicable, issued by the Institute of Chartered Accountants of India from time to time.

For **R A D A M & ASSOCIATES**
Chartered Accountants
FRN:008280C

Place: New Delhi
Date : 28-02-2022
UDIN:

CA Ravi Kant Gupta
(Partner)
M. No.: 077206

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2021 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

देयताएँ / LIABILITIES		चालू वर्ष / Current Year	पिछले वर्ष / Previous Year
कर्मचारी अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार) EMPLOYEES SUBSCRIPTION BALANCE (as Per Schedule "B")		3,45,97,733.00	3,77,31,635.00
नियोक्ता अभिदान शेष (तालिका 'ख' के अनुसार) EMPLOYERS CONTRIBUTION BALANCE (as Per Schedule "A")		2,63,55,715.00	3,16,57,855.00
भुगतान योग्य सी.पी.एफ. CPF PAYABLE		-	-
अदावी सी.पी.एफ. UNCLAIMDED CPF		-	-
वर्तमान देनदारियां CURRENT LIABILITIES		-	-
1.4.2020 को लाभ/हानि PROFIT/LOSS AS ON 1.4.2020	**(12,73,229.00)**	-	-
जोडें : आय की अपेक्षा खर्चे की अधिकता ADD: EXCESS OF EXPENDITURE OVER INCOME	**(5,32,213.00)**	(7,41,016.00)	(12,73,229)
कुल TOTAL		**6,02,12,432.00**	**6,81,16,261.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2021 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि रुपये) (Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियां ASSETS	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेश (लागत पर)		
INVESTMENTS (AT COST)		
प्रथम श्रेणी		
FIRST CATEGORY		
6.05% सरकारी 12.06.2019		
6.05% GOI 12.06.2019	-	-
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कॉरपोरेशन		
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP	15,00,000.00	15,00,000.00
7.5% केटीडीएफसी त्रैमासिक ब्याज 14.02.20 पूर्ण 14.02.23		
7.5% KTDFC QTRLY INTT. 14/02/20 MATURE-14/02/23	80,00,000.00	80,00,000.00
7.25% एलआईसी हाउसिंग 19.02.20 गैर संचयी पूर्ण 19.02.2021		
7.25% LIC HOUSING 19.02.20, NON-CUM, MATURE-19.02.21	-	80,00,000.00
8.25% केटीडीएफसी (24एम) 12.07.2020 तिमाही ब्याज		
8.25% KTDFC (24M) EXPIRES ON 12.07.2020 QTRLY INTT.	-	8,00,000.00
7.5% हुडको 13.04.2019 संचयी		
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	-	-
द्वितीय श्रेणी		
SECOND CATEGORY		
9.35% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019		
9.35% FD CBI 28.03.2019	-	-
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA	1,88,55,970.00	1,88,55,970.00
7.8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 13.02.2020 पूर्ण 13.02.23		
7.8% PNB HOUSING FINANCE LTD 13-02-2020, MATURE-13.02.23	72,00,000.00	72,00,000.00
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019		
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28-06-2019	-	72,00,000.00
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020		
7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11-07-2020	-	-
7.40% एलआईसी एचएफएल गैर संचयी 12.07.2020		
7.40% LIC HFL 12-07-2020 NON-CUMULATIVE	-	8,00,000.00

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2021 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियां ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	चालू वर्ष Current Year	पछले वर्ष Previous Year
9.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 14.03.2016			
9.25% LIC HOUSING FINANCE 14-03-2016		-	-
कुल (क)/TOTAL (A)		**3,55,55,970.00**	**5,23,55,970.00**
प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं			
INTEREST ACCRUED BUT NOT DUE			
6.05% सरकारी 12.06.2019			
6.05% GOI 12-06-2019		-	-
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास कारपोरेशन			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP		-	-
7.5% हुडको 13.04.2019			
7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE		-	-
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018 को संचयी			
8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE		-	-
9.65% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019			
9.65% FD CBI 28.03.2019		-	-
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		-	-
8.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 29.06.2017 संचयी			
8.25% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 29-06-2017 CUMULATIVE		-	-
कुल (क)/TOTAL (A)		**3,55,55,970.00**	**5,23,55,970.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2021 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

परिसम्पत्तियाँ ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं			
INTEREST DUE BUT NOT RECEIVED			
7.8% पंजाब राज्य विकास कार्पोरेशन 2016			
7.8% PUNJAB STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP 2016		3,79,849.00	3,79,849.00
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा			
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA		27,09,033.00	13,19,918.00
8.25% केटीडीएफसी (24एम) 12.07.2020 को समाप्त तिमाही ब्याज			
8.25% KTDFC (24M) EXPIRES ON 12.07.2020 QTRLY INTT.		-	1,66,137.00
7.5% केटीडीएफसी 14.02.2023 को समाप्त तिमाही ब्याज			
7.5% KTDFC EXPIRES ON 14.02.2023 QTRLY INTT.		50,000.00	50,000.00
7.2% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 24.01.2018			
7.2% PNB HOUSING FINANCE LTD 24-01-2018		-	-
9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017			
9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017		-	9,065.00
7.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 19.02.2021, 19.02.2021 को समाप्त गैर संचयी			
7.25% LIC HOUSING FINANCE 19.02.20 MATURE ON 19-02-2021 NON CUMULATIVE		-	11,282.00
कुल(ख)/TOTAL (B)		**31,38,882.00**	**19,36,251.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2021 को तुलनपत्र

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
BALANCE SHEET AS AT 31.03.2021

परिसम्पत्तियाँ ASSETS		चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
चालू संपत्तियाँ CURRENT ASSETS	*(अग्रानीत)* *(Brought forward)*		
स्रोत पर कर कटौती की वापसी TDS REFUND		11,74,816.00	10,70,476.00
भारतीय जन संचार संस्थान से देय DUES FROM IIMC		9,90,132.00	9,90,012.00
कुल TOTAL		**21,64,948.00**	**20,60,488.00**
बैंक शेष **BANK BALANCES**			
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया STATE BANK OF INDIA		1,73,342.00	1,68,707.00
सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया CENTRAL BANK OF INDIA		1,68,43,767.00	93,12,500.00
एचडीएफसी बैंक HDFC BANK		23,35,522.00	22,82,344.00
कुल (घ)/TOTAL (D)		**1,93,52,632.00**	**1,17,63,551.00**
कुल (क+ख+ग+घ)/TOTAL (A+B+C+D)		**6,02,12,432.00**	**6,81,16,261.00**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**
तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2021 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2021

विवरण PARTICULARS		(राशि रुपये) (Amount-Rs.)
आय INCOME	चालू वर्ष Current Year	पिछले वर्ष Previous Year
निवेशों पर ब्याज INTEREST ON INVESTMENTS		
प्रथम श्रेणी FIRST CATEGORY		
6.05% सरकारी 2019 बांड		
6.05% GOI 2019 BOND	-	1,80,871.00
8.9% हडको 26.04.2017		
8.9%HUDCO 26.04.2017	-	-
10.5% केटीडीएफसी बांड 23.04.2017		
10.5% KTDFC BOND 23/04/2017	-	-
7.5% हडको 13.04.2019 संचयी		
7.5% HUDCO13.04.2019 CUMULATIVE	-	25,442.00
8.5% केटीडीएफसी (24 एम) 28.06.2018 को पूर्ण तिमाही ब्याज (171207)		
8.5% KTDFC(24M) EXPIRES ON 28.06.18 QTRLY INTT (171207)	-	-
8.5% केटीडीएफसी (24 एम) 24.01.2019 को समाप्त तिमाही ब्याज (171207)		
8.5% KTDFC(24M) EXPIRES ON 24.01.19 QTRLY INTT (171207)	1,86,027.00	8,30,685.00
7.5% केटीडीएफसी 14.02.2023 को पूर्ण तिमाही ब्याज (171207)		
7.5% KTDFC EXPIRES ON 14.02.23 QTRLY INTT (171207)	6,00,000.00	76,301.00
द्वितीय श्रेणी SECOND CATEGORY		
8.8% स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विशेष जमा		
8.8% SPECIAL DEPOSIT WITH STATE BANK OF INDIA	13,80,050.00	13,19,918.00
9.65% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28-03-2019		
9.65% CBI TERM DEPOSIT 28-03-2019	-	2,431.00
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018 संचयी		
8.35% LIC HOUSING FINANCE 05-04-2018 CUMULATIVE	-	-
8% आईसीआईसीआई असुरक्षित बांड 24.02.2018		
8% ICICI UNSECURED BONDS 24.02.2018	-	-

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान
कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि
31.03.2021 को आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication
EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2021

(अग्रानीत)
(Brought forward)

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 28.06.2019 तिमाही ब्याज		
8% PNB HOUSING FINANCE LTD 28.06.2019 QTERLY INTT.	-	1,38,871.00
7.8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 13.02.2020 तिमाही ब्याज		
7.8% PNB HOUSING 13.02.2020 QTERLY INTT.	5,61,600.00	73,855.00
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020 तिमाही ब्याज		
7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11.07.2020 QTERLY INTT.	1,50,425.00	5,45,090.00
7.40% एलआईसी एचएफएज गैर संचयी ब्याज 12.07.2020		
7.40% LIC HFL 12-07-2020 NON-CUMULATIVE INTEREST	16,544.00	59,200.00
7.25% एलआईसी हाउसिंग 19.02.2020 गैर संचयी		
7.25% LIC HOUSING 19-02-2020 NONCUMULATIVE	6,461.00	11,282.00
7.85% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 24.01.2018 गैर संचयी		
7.85% LIC HOUSING FINANCE 24-01-2018 NON-CUMULATIVE	-	-
बचत खातें और अन्य		
SAVING BANK & OTHERS		
बचत बैंक खातों दर पर प्राप्त ब्याज (एसबीआई)		
INTEREST RECEIVED ON SAVING BANK (SBI)	4,635.00	5,420.00
बचत बैंक खातों पर प्राप्त ब्याज (सीबीआई)		
INTEREST RECEIVED ON SAVING BANK ACCOUNTS (CBI)	19,581.00	55,020.00
स्वीप एफडी पर ब्याज (सीबीआई)		
INTEREST ON SWEEP FD (CBI)	20,29,463.00	8,04,115.00
एचडीएफसी बैंक खातों पर प्राप्त ब्याज		
INTEREST RECEIVED ON HDFC BANK ACCOUNTS	53,178.00	63,504.00
विविध प्राप्तियाँ/कम और अतिरिक्त		
MISCELLANEOUS RECEIPTS/SHORT & EXCESS	-	-
TOTAL (A)	**50,07,964.00**	**41,92,006.00**

(अग्रेनीत)
(Carried over)

भारतीय जन संचार संस्थान

कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि

31.03.2021 को समाप्त अवधि के समय आय और व्यय लेखा

Indian Institute of Mass Communication

EMPLOYEES CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31.03.2021

(राशि रुपये)
(Amount-Rs.)

	चालू वर्ष/Current Year	पिछले वर्ष/Previous Year
व्यय/ EXPENDITURE		
बैंक प्रभार BANK CHARGES	-	118.00
सदस्यों को ब्याज INTEREST CREDITED TO MEMBERS	44,75,751.00	51,71,906.00
कुल (ख) TOTAL (B)	**44,75,751.00**	**51,72,024.00**
व्यय (ख) से आय की अधिकता EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE(A-B)	**5,32,213.00**	**(9,80,018.00)**

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**

तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2021

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR
1. प्रारम्भिक शेष			I. कर्मचारी अंशदान निधि के भुगतान		
I. OPENING BALANCE :			I. Payment made from Employees subscription Fund	1,14,39,728.00	1,52,01,660.00
क) नकद			II) नियोक्ता अंशदान निधि से भुगतान		
a) Cash in Hand	-	-	II) Payment made from Employer Contribution Fund	92,94,926.00	94,53,515.00
ख) बैंक शेष			III) किया गया निवेश		
b) Bank Balances			III) Investment made	-	1,60,00,000.00
1) सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया			IV) सी.पी.एफ. अग्रिम/निकासी		
i) Central Bank of India	93,12,500.00	1,44,59,082.00	IV) CPF Advance/part Withdraw	30,11,000.00	25,25,000.00
2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया			V) आईआईएमसी को देय		
ii) State Bank of India	1,68,707.00	1,63,287.00	V) Payale to IIMC	-	-
3) एचडीएफसी बैंक			VI) बैंक प्रभार		
iii) HDFC Bank	22,82,344.00	4,67,415.00	VI) Bank Charges	-	118.00
II) कर्मचारियों सीपीएफ अंशदान			VII) टीडीएस वापसी		
II) Subscription of CPF by employees	87,58,800.00	97,44,920.00	VII) TDS REFUND	-	1,57,176.00
III) नियोक्ता द्वारा सीपीएफ अंशदान			**1. जमा शेष**		
III) Contribution in CPF by employer	20,74,941.00	22,59,677.00	**I. CLOSING BALANCE :**		
IV) निवेशों से आय			क) नकद		
IV) Income from investment	16,43,914.00	73,14,692.00	a) Cash In Hand		
V) ब्याज प्राप्त हुआ					
V) Interest received					
(क) बैंक जमा पर	77,394.00	1,23,944.00	ख) बैंक शेष		
A) On Bank Deposits	19,79,685.00	8,04,115.00	b) Bank Balance		
(ख) कर्ज एवं अग्रिम पर			i) सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया		
B) On Loan & Advances			i) Central Bank of India	1,68,43,767.00	93,12,500.00
VI) निवेश पूर्ण			ii) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया		
VI) Investment Matured	1,68,00,000.00	1,97,48,412.000	ii) State Bank of India	1,73,342.00	1,68,707.00
VII) कर्मचारियों द्वारा सीपीएफ अग्रिम भुगतान की अदायगी			iii) एचडीएफसी बैंक		
VII) Repayment of CPF Adv. by employees	-	-	iii) HDFC Bank	23,35,522.00	22,82,344.00
VIII) विविध प्राप्तियों					
VIII) Miscellaneous Receipts	-	-			
IX) आईआईएमसी से प्राप्य					
IX) Receivable from IIMC	-	15,476.00			
कुल/Total	**4,30,98,286.00**	**5,51,01,020.00**	**कुल/Total**	**4,30,98,286.00**	**5,51,01,020.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 तक प्राप्ति और भुगतान का लेखा

Indian Institute of Mass Communication

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT AS ON 31.03.2021

प्राप्तियाँ RECEIPTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR	भुगतान PAYMENTS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	पिछले वर्ष PREVIOUS YEAR

कृते आर ए डी ए एम एण्ड एसोसिएट
For R A D A M & Associates
सनदी लेखाकार
Chartered Accountants
FRN-008280C

हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-	हस्ताक्षर/-
(रविकांत गुप्ता)	संजय द्विवेदी	आशिष गोयल	सुशोभन मंडल
Sd/-	**Sd/-**	**Sd/-**	**Sd/-**
(Ravi Kant Gupta)	**Sanjay Dwivedi**	**Ashish Goyal**	**Susobhan Mondal**
भागीदार	महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	सह प्रबंधक
Partner	**Director General**	**Addl. Director General**	**Assistant Manager**
M. NO - 077206			**(DDO)**

स्थान : नई दिल्ली/**Place : New Delhi**

तारीख : 28-02-2022/**Date : 28.02.2022**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication

POSITION OF CPF INVESTMENTS FOR THE YEAR ENDED 31.03.2021

निवेश का नाम NAME OF INVESTMENT	राशि (रू) AMOUNT (RS)
श्रेणी-I **CATEGORY-I**	
6.05% सरकारी बांड 12.06.2019 6.05% GOI BONDS 12-06-2019	-
7.8% पंजाब राज्य औद्योगिक विकास निगम 7.8% PUNJAB STATE IND DEVELOPMENT CORP	15,00,000.00
7.5% हुडको 13.04.2019 संचयी 7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE	-
7.5% केटीडीएफसी (24एम) 14.02.2023 को समाप्त तिमाही ब्याज 7.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 14-02-2023, QTRLY INTT.	80,00,000.00
कुल **TOTAL**	**95,00,000.00**
श्रेणी-II **CATEGORY-II**	
9.35% सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019 9.35% CBI TERM DEPOSITS 28-03-2019	-
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मे विशेष जमा SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	1,88,55,970.00
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020 तिमाही ब्याज 7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11-07-2020 QTRLY INTT.	-
7.8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 13.02.2020 तिमाही ब्याज 7.8% PNB HOUSING FINANCE LTD 13-02-2020 QTRLY INTT.	72,00,000.00
7.40% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 12.07.2020 गैर संचयी ब्याज 7.40% LIC HOUSING FINANCE ON 12-07-2020 NON-CUMULATIVE INTEREST	-
कुल **TOTAL**	**2,60,55,970.00**
कुल योग **GRAND TOTAL**	**3,55,55,970.00**

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश

Indian Institute of Mass Communication
INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2021

प्रतिभूति का नाम NAME OF SECURITY	निवेश राशि Amount Invest	लंबित लेकिन प्राप्त नही हुई Due But Not Recd. B/f	प्रोद्भूत ब्याज अग्रेनीत शेष Accrued Intt. B/f	बकाया बयाज Int. due	कुल ब्याज Total Int	टीडीएस TDS	18-19 में बकाया और प्राप्ति Due & recd. in 18-19	बकाया लेकिन प्राप्त नहीं Due but Not Recd.	प्रोद्भूत ब्याज अग्रेनीत Accrued Int. C/f
श्रेणी-I CATEGORY-I									
6.05% सरकारी बांड 12.06.2019 6.05% GOI BONDS 12-06-2019									
7.8% पीएसआईडीसी 2014, 2015-2016 7.8% PSIDC 2014, 2015-2016	15,00,000	3,79,849			3,79,849			3,79,849	
7.5% हुडको 13.04.2019 संचयी 7.5% HUDCO 13.04.2019 CUMULATIVE									
7.5% केटीडीएफसी (24एम) 14.02.2023 को समाप्त तिमाही ब्याज 7.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 14-02-2023, QTRLY INTT.	80,00,000	50,000		6,00,000	6,50,000		6,00,000	50,000	
8.5% केटीडीएफसी (24एम) 24.01.2019 को समाप्त तिमाही ब्याज 8.5% KTDFC (24M) EXPIRES ON 24-01-2019, QTRLY INTT.									
8.25% केटीडीएफसी (24एम) 12.07.2020 को समाप्त तिमाही ब्याज 8.25% KTDFC (24M) EXPIRES ON 12-07-2020, QTRLY INTT.	80,00,000	1,66,137		1,86,027	3,52,164		3,52,164		
श्रेणी-II CATEGORY-II									
9.65% सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सावधि जमा 28.03.2019 9.65% CBI TERM DEPOSITS 28-03-2019									
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया मे विशेष जमा SPECIAL DEPOSIT WITH SBI	1,88,55,970	13,28,983		13,80,050	27,09,033			27,09,033	

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को अंशदायी भविष्य निधि निवेश पर ब्याज का विवरण

Indian Institute of Mass Communication

INTEREST ON C.P. FUND INVESTMENT STATEMENT AS ON 31.03.2021

9.4% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 15.03.2017-22 लाख 9.4% PNB HOUSING FINANCE LTD 15-03-2017-22 LACS									
8.35% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 05.04.2018 को पूर्ण संचयी 8.35% LIC HOUSING FINANCE MATURE ON 05-04-2018 CUMULATIVE									
7.25% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 19.02.2020 गैर संचयी 7.25% LIC HOUSING FINANCE 19-02-2020 NON CUMULATIVE	8,00,000	11,282		6,461	17,743		17,743		
7.8% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 13.02.2020 तिमाही ब्याज 7.8% PNB HOUSING FINANCE LTD 13-02-2020 QTRLY INTT.	72,00,000			5,61,600	5,61,600	43,276	5,18,324		
7.55% पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लि० 11.07.2020 तिमाही ब्याज 7.55% PNB HOUSING FINANCE LTD 11-07-2020 QTRLY INTT.	72,00,000			1,50,425	1,50,425	11,286	1,39,139		
7.40% एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस 12.07.2020 गैर संचयी 7.40% LIC HOUSING FINANCE 12-07-2020 NON CUMULATIVE	8,00,000			16,544	16,544		16,544		
कुल Total	**5,23,55,970**	**19,36,251**		**29,01,107**	**48,37,358**	**54,562**	**16,43,914**	**31,38,882**	

भारतीय जन संचार संस्थान
31.03.2021 को अंशदायी भविष्य निधि

Indian Institute of Mass Communication
CPF FUND AS AT 31.03.2021

	(अग्रानीत) (Brought forward)		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
क कर्मचारियों का योगदान			
A. EMPLOYERS CONTRIBUTION			
1.4.2020 को प्रारंभिक शेष			
Opening Balance as on 1.4.2020		3,16,57,855.00	
जोड़ें : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान Add: 1. Contribution For the Year		20,74,941.00	
2. आईआईएमसी से प्राप्ति 2. Receivable from IIMC		-	
2. ब्याज 2. Interest		19,17,845.00	
कुल Total		**3,56,50,641.00**	
रकम की निकासी Amount Withdrawn	92,94,926.00		
		92,94,926.00	
कुल Total			**2,63,55,715.00**
ख कर्मचारियों का अभिदान			
B. EMPLOYEES SUBSCRIPTION			
1.4.2020 को प्रारंभिक शेष			
Opening Balance as on 1.4.2020		3,77,31,63500	
जोड़ें : 1. वर्ष के दौरान प्राप्त अभिदान Add: 1. Subcription Received during the year	87,58,800.00		
2. अग्रिम की वापसी 2. Refund of Advance	-		
3. ब्याज 3. Interest	25,68,228.00	1,13,27,028.00	
कुल Total			**4,90,58,663.00**

भारतीय जन संचार संस्थान

31.03.2021 को अंशदायी भविष्य निधि

Indian Institute of Mass Communication

CPF FUND AS AT 31.03.2021

	(अग्रानीत) (Brought forward)		(राशि-रुपये) (Amount-Rs.)
घटाएं : **Less :**			
1. सी.पी.एफ. अग्रिम/व्यवस्थापन (आंशिक/अंतिम) 1. CPF Advance/ Settlement (Part/Final)	1,44,60,930.00		
2. नई पेंशन योजना को स्थानांतरित राशि 2. Amount transfer to new pension scheme	-		
		1,44,60,930.00	
कुल (ख) **TOTAL (B)**			**3,45,97,733.00**
कुल सी.पी.एफ. शेष (क+ख) **TOTAL CPF Balance (A+B)**			**6,09,53,448.00**

IIMC Centres

New Delhi

Aizawl

Dhenkanal

Kottayam

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication
Aruna Asaf Ali Marg, JNU New Campus, New Delhi - 110067
Tel.: 26742920, E.mail: iimc1965@gmail.com, Website: www.iimc.gov.in

INDIAN INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION

India's #1 Media Institute

Post Graduate Diploma in:

- Journalism in English • Journalism in Hindi • Journalism in Radio and TV
- Advertising and Public Relations • Journalism in Odia
- Journalism in Malayalam • Journalism in Urdu • Journalism in Marathi

Latest and well-equipped facilities:

- Sound & TV studio and AV setup
- Production with Digital Electronic News Gathering Cameras
- Multi-Camera Studio setup • Editing Console
- Digital Sound Recording • Non-linear video editing
- DSLR Cameras • 4K Video Cameras • Computer lab
- Multimedia System • Apna Radio 96.9 FM
- Voice Recorder, Electronic Editing, Graphic, Layout & Designing
- Smart AC Classrooms equipped with Projector & Digital Boards

Nurturing students through

- Robust and practical methods of learning
- Up skilling the knowledge with latest technology and software
- Specialized beat reporting sessions
- Special lectures and interaction with industry experts

Indian Institute of Mass Communication
(Autonomous Institute under Ministry of Information and Broadcasting, Government of India)

Aruna Asaf Ali Marg, JNU New Campus, New Delhi-110067
Ph.: 011-26742920/296 | *Website:* www.iimc.gov.in
E-mail: iimc1965@gmail.com